महानगर नई दिल्ली रविवार 7 जुलाई, 2019, रु. 5.00 (12+4 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

जनसत्ता

jansatta.com | epaper.jansatta.com | facebook.com/jansatta | twitter.com/jansatta

दिल्ली को जल्द मिलेगी गरमी से राहत

आज हल्की बारिश, कल से शुरू हो सकती है झमाझम

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 6 जुलाई।

मौसम विभाग ने बताया है कि मानसून अपनी रफ्तार से आगे बढ़ रहा है और सोमवार से राजधानी सहित पश्चिमोत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में ठीक-ठाक बारिश देखने को मिलेगी। भारतीय मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि अगले 72 घंटों में मानसून दिल्ली सहित हरियाणा, पंजाब और राजस्थान के अन्य इलाकों में भी पहुंच जाएगा।

राजधानी में शनिवार सुबह बादल छाए रहे और दिन में कुछ इलाकों में छिटपुट बारिश हुई है। राजधानी के पालम वेधशाला में सुबह तीन मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई और अधिकतम तापमान 39 डिग्री व न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेलिसयस दर्ज किया गया। जबकि सफदरजंग वेधशाला में 25 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। यहां न्यूनतम तापमान 26.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस मौसम के औसत न्यूनतम तापमान से एक डिग्री सेल्सियस कम है। मौसम विज्ञान विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि शहर के विभिन्न हिस्सों में पिछले 24 घंटों में सुबह साढ़े आठ बजे तक 25 मिमी बारिश हुई। उन्होंने कहा कि शनिवार को दिन में आसमान में बादल छाए रहे और हल्की बारिश हुई है। अधिकतम तापमान करीब 37 डिग्री सेल्सियस बाकी पेज 8 पर

दिल्ली सहित आसपास के राज्यों में रविवार से हल्की बारिश और सोमवार को ठीक-ठाक बारिश होगी। इसके बाद तेज बारिश हो सकती है।

हमारे इरादों पर शक करने वाले पेशेवर निराशावादी : मोदी

5 हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य हासिल करेंगे

जनसत्ता संवाददाता/भाषा
वाराणसी, 6 जुलाई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगले पांच साल के भीतर पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था हासिल करने के केंद्र के लक्ष्य की आलोचना करने वालों को शनिवार को 'पेशेवर निराशावादी' करार दिया और कहा कि 'नया भारत' आगे बढ़ने की दहलीज पर है। वे शनिवार को पार्टी विचारक श्यामाप्रसाद मुखर्जी की 118वीं जयंती के अवसर पर भाजपा के सदस्यता अभियान की शुरुआत करने के बाद अपने लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में एक सभा को संबोधित कर रहे थे।

मोदी ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि राष्ट्र के रूप में, हमारे सामूहिक प्रयासों के साथ, अगले पांच वर्षों में हम निश्चित तौर पर पांच हजार बाकी पेज 8 पर

विकास के लिए जरूरी है कर बढ़ाना : सीतारमण

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 6 जुलाई।

वित्त मंत्री सीतारमण ने सोने पर सीमा शुल्क बढ़ाने, अमीरों पर कर अधिभार बढ़ाने और पेट्रोल, डीजल पर शुल्क बढ़ाने की घोषणाओं का बचाव किया है। उन्होंने शनिवार को कहा कि देश के बाकी पेज 8 पर

वाराणसी में शनिवार को दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा के अनावरण के बाद प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ व भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष जेपी नड्डा।

कर्नाटक : खतरे में जद (सेकु)-कांग्रेस की गठबंधन सरकार

तेरह विधायकों ने विस अध्यक्ष को सौंपे इस्तीफे

बंगलुरु, 6 जुलाई (भाषा)।

कर्नाटक में सत्तारूढ़ जद (सेकु)-कांग्रेस गठबंधन के 13 विधायकों द्वारा विधानसभा अध्यक्ष को अपना इस्तीफा सौंपने से राज्य में मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी के नेतृत्व वाली 13 महीने पुरानी सरकार खतरे में पड़ गई है। यदि इन विधायकों का इस्तीफा स्वीकार कर लिया जाता है तो सत्तारूढ़ गठबंधन 224 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत खो देगा क्योंकि गठबंधन के विधायकों की संख्या घट कर 104 हो जाएगी। वहीं, भाजपा के 105 विधायक हैं।

कांग्रेस और जद (सेकु) के 13 विधायकों के अपना इस्तीफा सौंपने के लिए विधानसभा अध्यक्ष के कार्यालय पहुंचने और बाद में राजभवन में राज्यपाल वजुभाई वाला से मुलाकात करने के बाद गठबंधन सरकार की स्थिरता का संकट गहरा गया है। दरअसल, हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में राज्य में भाजपा के शानदार प्रदर्शन के बाद से गठबंधन सरकार पर संकट के बादल मंडरा रहे थे।

राज्यपाल से मिलने के बाद जद (एस) विधायक एएच विश्वनाथ ने कहा कि आनंद सिंह सहित कांग्रेस और जद (सेकु) के 14 विधायकों ने अपना इस्तीफा (विधानसभा से) स्पीकर को सौंपा है। हम इस विषय को राज्यपाल के संज्ञान में भी लाए हैं। कांग्रेस के विधायक सिंह ने इस हफ्ते की शुरूआत में स्पीकर को अपना इस्तीफा सौंपा था। विश्वनाथ ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी बाकी पेज 8 पर

बंगलुरु में शनिवार को विधानसभा अध्यक्ष के कार्यालय में इस्तीफे सौंपने पहुंचे जद (सेकु) और कांग्रेस के विधायक।

संविधान का चीरहरण कर रही भाजपा : कांग्रेस

नई दिल्ली, 6 जुलाई (भाषा)।

कर्नाटक में कई विधायकों के इस्तीफे के कारण कांग्रेस-जद (सेकु) सरकार पर मंडराए संकट के बीच कांग्रेस ने शनिवार को बाकी पेज 8 पर

13 में से 10 असंतुष्ट विधायक मुंबई रवाना

बंगलुरु, 6 जुलाई (भाषा)।

कर्नाटक में एक बार फिर 'रिजॉर्ट राजनीति' लौट आई है और इस्तीफा देने वाले 13 में से 10 विधायक शनिवार को मुंबई के लिए रवाना हो गए। इन विधायकों के करीबी सूत्रों ने बताया कि जनप्रतिनिधियों के मुंबई स्थित एक होटल बाकी पेज 8 पर

श्रीलंका से मैच के दौरान 'भारत विरोधी नारों' के बैनर के साथ

स्टेडियम के ऊपर से गुजरे विमान

शनिवार को इंग्लैंड के हेडिंग्ले मैदान में हो रहे मैच के दौरान भारत विरोधी बैनर लगाए उड़ता विमान।

लीड्स, 6 जुलाई (भाषा)।

आइसीसी विश्व कप के दौरान राजनीति से प्रेरित एक और घटनाक्रम के तहत भारत और श्रीलंका के बीच खेले गये लीग मैच के दौरान हेडिंग्ले मैदान के ऊपर से भारत विरोधी बैनरों के साथ विमान गुजरे। मैच शुरू होने के थोड़ी देर बाद ही मैदान के ऊपर से एक विमान गुजरा जिसके साथ बैनर पर 'कश्मीर के लिए न्याय' लिखा हुआ था। इसके आधे घंटे बाद स्टेडियम के ऊपर से एक और विमान गुजरा जिसके बैनर पर लिखा था, 'भारत नरसंहार रोको, कश्मीर को आजाद करो'। भारत की पारी के दौरान तीसरा विमान गुजरा जिसके बैनर पर लिखा था, 'पीट पीट कर मारना खत्म करने में मदद करो।' दस दिनों के अंदर इस तरह की यह दूसरी घटना है। इससे पहले अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच खेले गए मैच के दौरान बलूचिस्तान के समर्थन वाले बैनर लहराते हुए विमान मैदान के ऊपर से उड़े थे। यह विमान ब्रेडफोर्ड हवाई अड्डे पर उतरा था। मैच के दौरान दोनों देशों के प्रशंसक स्टेडियम के अंदर आपस में बाकी पेज 8 पर

जनसत्ता रविवारी
7 जुलाई, 2019
अबोध से अनाचार
तमाम कड़े कानूनों और दंडात्मक प्रावधानों के बावजूद मासूम बच्चियों से बलात्कार जैसी घटनाएं कम नहीं हो रहीं। इसके विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण कर रही हैं क्षमा शर्मा।
•कविता/ कैलाश मनहर •कहानी/ भगवान अटलानी • भाषा प्रसंग/ महेंद्र राजा जैन •शख्सियत/ बिधान चंद्र राय •दाना-पानी/ मानस मनोहर •सेहत/ रविवारी डेस्क
जब बदरा बरसे रिमझिम रिमझिम • पूनम मिश्रा
•कविता/ शादाब आलम
•कहानी/ राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव

एक विश्व कप में पांच शतक लगाकर रोहित ने बनाया रेकार्ड

लीड्स, 6 जुलाई (भाषा)।

भारत के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा शनिवार को एक ही विश्व कप में पांच शतक जमाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए जिन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 103 रन बनाकर उनके पूर्व कप्तान कुमार संगकारा का रेकार्ड तोड़ा। उधर भारत ने विश्व कप के आखिरी ग्रुप मैच में श्रीलंका को सात विकेट से हराया बाकी पेज 8 पर

103 रन बनाए रोहित शर्मा ने 94 गेंद में

टोल कर्मचारियों से मारपीट, सांसद सहित दो पर मामला

आगरा, 6 जुलाई (जनसत्ता/एजंसी)।

आगरा में इनर रिंग रोड टोल प्लाजा पर टोल कर्मियों से मारपीट करने और गोली चलाने के मामले में सांसद डॉ. राम शंकर कठेरिया और एक अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बबलू कुमार का कहना है कि रहनकलां में टोल प्लाजा पर हुए मामले में तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

आगरा में इनर रिंग रोड पर रहनकलां टोल पर इटावा के सांसद के सुरक्षाकर्मियों और टोल टैक्स कर्मियों के बीच हुए झगड़े का वीडियो वायरल हो गया। इटावा सफारी पार्क में शनिवार को पौधारोपण करने आए सांसद राम शंकर कठेरिया ने कहा कि उनके सुरक्षा कर्मियों की कोई गलती नहीं है।

पुलिस ने बताया कि आगरा के खंदारी परिसर में रह रहे इटावा के सांसद और अनुसूचित जाति बाकी पेज 8 पर

सांसद कठेरिया के सुरक्षाकर्मियों ने हाथापाई की

गोलियां भी चलाईं

झगड़े का वीडियो वायरल

शुल्क बढ़ने से पेट्रोल 2.45 व डीजल 2.36 रुपए महंगा

नई दिल्ली, 6 जुलाई (भाषा)।

बजट में पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क और उपकर बढ़ाए जाने के बाद शनिवार को पेट्रोल के दाम 2.40 और डीजल के दाम 2.36 रुपए प्रति लीटर बढ़ गए।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को लोकसभा में 2019-20 का बजट पेश करते हुए अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में गिरावट के रुख को देखते हुए घरेलू स्तर पर दोनों ईंधनों पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क और सड़क व अवसंरचना उपकर में एक-एक रुपए की वृद्धि कर दी। इससे दोनों ईंधनों के दाम प्रति लीटर बाकी पेज 8 पर

जनसत्ता बारादरी
भारतीय मौसम विज्ञान के महानिदेशक डॉक्टर केजे रमेश का कहना है कि मौसम के पूर्वानुमान में संस्थान का बेहतर प्रदर्शन है और वह पर्याप्त बजट तथा ढांचागत सुविधाओं के साथ आगे बढ़ रहा है। कम बारिश की आशंका पर उन्होंने कहा कि बारिश में कमी नहीं हुई है, उसके बरसने का अंदाज बदला है। उनसे विस्तृत बातचीत पढ़ें
पेज 7 पर

दरअसल

यूनेस्को की विश्व धरोहर कमेटी ने किया एलान | विरासत | अमदाबाद के बाद जयपुर देश का दूसरा शहर

गुलाबी नगरी विश्व धरोहर सूची में शामिल

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 6 जुलाई।

वास्तुकला की शानदार विरासत और जीवंत संस्कृति के लिए मशहूर प्राचीन शहर जयपुर ने शनिवार को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल सूची में जगह बना ली है। यूनेस्को ने शनिवार दोपहर ट्वीट किया, 'भारत के राजस्थान में जयपुर शहर को यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल के तौर पर चिन्हित किया गया।' बाकू (अजरबैजान) में 30 जून से 10 जुलाई तक यूनेस्को की विश्व धरोहर कमेटी (डब्ल्यूएचसी) के 43 वें सत्र के बाद इसकी घोषणा की गई। इस बैठक में विश्व विरासत सूची में जयपुर शहर का नाम शामिल करने का फैसला किया गया। अमदाबाद के बाद इस तरह की पहचान पाने के साथ जयपुर देश का दूसरा शहर बन गया है ।

गुलाबी नगरी कहे जाने वाला जयपुर शहर अपनी जीवंत संस्कृति, इतिहास और स्थापत्य कला के लिए दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित करता रहा है। यहां के आमेर महल, जंतर मंतर, सिटी पैलेस, हवा महल मशहूर इमारतें हैं।

राजस्थान में 37 विश्व धरोहर स्थल हैं। इनमें चित्तौड़गढ़, कुंभलगढ़, जैसलमेर, रणथंभोर व गागरोन के किले शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जयपुर को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल के तौर पर चिन्हित किए जाने पर खुशी जताई है। उन्होंने ट्वीट किया, 'जयपुर संस्कृति और शौर्य के साथ जुड़ा शहर बाकी पेज 8 पर

"जयपुर संस्कृति और शौर्य के साथ जुड़ा शहर है। मनोहर और ऊर्जावान, जयपुर का आतिथ्य दुनिया भर के लोगों को आकर्षित करता है। खुशी है कि यूनेस्को ने इस शहर को विश्व धरोहर स्थल के तौर पर चिह्नित किया है। – नरेंद्र मोदी"

37 विश्व धरोहर स्थल हैं राजस्थान में

30 जून से 10 जुलाई तक चले सत्र में इसकी घोषणा हुई

जयपुर अपनी जीवंत संस्कृति, इतिहास और स्थापत्य कला के लिए पर्यटकों को आकर्षित करता रहा है।

जनसत्ता क्लासीफाइड

व्यक्तिगत

It is for general information that I, Raj Kumar Malhotra S/o Sh.Mala Ram R/o-5/70, Subhash-Nagar,New Delhi-110027. inform that name of mine has been wrongly-written as Raj Kumar in Yes Bank,Naraina, New Delhi.The actual name of mine is Raj Kumar Malhotra which may be amended accordingly. 0040502219-3

I,Vipin Anand S/o Bahadar Chand Anand R/o SU-29 Second Floor, Pitampura, Delhi, have changed my name to Vipan Anand permanently. 0040502163-3

I,Vijay Kumar Gupta S/o Late Sita Ram Gupta R/o-H.No-C-34, East Krishna Nagar,Delhi-51, have changed my name to Vijay Gupta. 0040502158-1

I, Sanjay Gupta R/o B-107, Icon Apartment GH-04, Sector Chi-03, Greater Noida U.P., have changed my daughter name from Nyasa Gupta to Nidhisha Gupta for all future purposes. 0040502216-1

I,Riya Rajput W/o Sh.Jarnail Singh R/o-H.No.7/146, 3rd-floor, DDA-Flats, New Delhi-110062,have left Om-Vati my name before marriage which is in my school-certificate and put the name Riya Rajput for all future purposes. 0040502219-4

I,Nitin Goel S/o.Naresh Kumar Goel R/o-1876,2nd Floor, Multani Mohalla, Rani Bagh,Delhi, have changed my Name to Nitin Tayal. 0040502158-2

I, Vipin Sahal S/o Chuhar Singh R/o-H.N..215 Sec-16A Faridabad.have change my name Vipin kumar to Vipin Sahal for all purpose. 0040502219-8

I, Vineet Ahuja Son of Praksh Chandra Ahuja, aged about 47 years residing at D-5/10, 2nd Floor, Exclusive Floors, DLF Phase 5, Gurgaon, Haryana, have changed my name and shall hereafter be known as Vineet Kumar. 0040502119-1

I, Vijender Kumar S/O Pitam Singh R/O-C-50, 2nd-Floor, Maharana Pratap Enclave, Pitampura, Delhi-110034. Have Changed My Name To Vijender Dogra. 0040502219-1

I, Upender Kumar Mishra R/o-F-62 (First-Floor) Humayupur Safdarjung-Enclave, Delhi-110029. Have Changed My Son's Name From Maanit Mishra To Adyot Mishra. 0040502229-5

I, Upasana Verma W/o Ankur Verma R/o H.No.69, Mukesh Colony, Ballabgarh-Faridabad have changed my name to Upasna Verma after marriage. 0040502219-10

I, Thomas Walter Allwyn S/o Varghese Thomas Allwyn R/o-L1/49A DDA-Flats, Alaknanda Delhi-110019. Have Changed My Name To Walter Allwyn Thengil. 0040502229-4

I, Sunita W/O, Gopal Krishan Chawla R/o Qu 107-A, Pitampura Delhi, have changed my name to Sunita Rani Chawla for all purposes. 0040502232-1

I, Sumita Huria W/o Pramod Kumar R/o-C-282 Prashant Vihar Delhi-110085. changed my name to Sumita for all purposes. 0040502235-2

I, Srishiti Gupta R/o A2/101 Janakpuri New Delhi 110058 have changed my name to Srishti Gupta. 0070663803-1

I, Sindhuja Bakshi @ Ritika Sharma D/o Sh.Roshan Kumar W/o Sh.Neeraj Sharma R/o 66, Sharda Apartment, 3,West Enclave, Pitampura, Delhi-110034, have changed my name to Ritika Sharma for all purposes. 0040502160-4

I Puja Gupta R/o A2/101 Janakpuri New Delhi 11058 have changed my child's name from Adya Gupta to Aadya Gupta. 0070663805-1

I, Seema W/O Vijender Dogra R/O-C-50, 2nd-floor, Maharana Pratap Enclave, Pitampura, Delhi-110034. Have Changed My Name To Seema Dogra. 0040502219-2

I, Satish Kumar, S/o Late.Ramkishan R/o-Qtr.No.23C, Panchwati DAD-Colony, Near-Palam-Railway Crossing-Delhi Cantt-110010, have change my minor Son's Name from Sahil to Sahil Ahlawat for all future purposes. 0040502219-6

I, Sarvjeet Yadav S/o Late Indrajeet Yadav Service No.-139652364Y R/o 592C/256, Moharibagh, Kharika, Telibagh Lko. In my father's service records my name is wrongly entered Sarvjeet Kumar Yadav. According to my High school and Aadhar card is known as Sarvjeet Yadav. 0060067884-2

I Arvinder Pal Singh S/o Jasbir Singh, R/o B-1/194 Janak puri, ND-110058 changed my minor son name Anshpreet Singh to Anshpreet Singh Narula 0040502195-2

I Arvinder Pal Singh S/o Jasbir Singh, R/o B-1/194 Janak puri, ND-110058 changed my minor daughter name Ashneet Kaur to Ashneet Kaur Narula 0040502195-1

व्यक्तिगत

I, Sapna D/O Shri Satnarayan R/O A-1/204, Sector-6, Rohini Delhi-110085, have changed my name to Sapna Aggarwal. 0040502216-2

I, Santosh Kumar s/o Vikram r/o TA-14, Prem Nagar Road, Baljeet Nagar, Delhi-110008, inform that Vikram and Vikram Ram are names of my father. 0040502159-1

I, Rohni Gupta @ Rohini Gupta D/o Sh.Vipan Kumar W/o Sh.Mohit Gupta R/o H.No.16-A, Old Market, Timar Pur, Delhi-110054, have changed my name to Rohini Gupta for all purposes. 0040502160-6

I, Ram Singh S/o Sh. Alatoon Singh R/o H.No.1653, Maruti Kunj Bhondsi, Gurgaon-122102, (Haryana), inform that Ram Singh and Ram Singh Poswal are same person and I shall be known as Ram Singh Poswal for all future Purposes. 0040502185-1

I, Rajesh Kashi S/o Hari Kishan Kasi R/o H-17 Plot-211, UGF, Near Geeta Ratan Public School, Sector-7, Rohini Delhi, have changed my name to Rajesh Kasi permanently. 0040502163-1

I, RAHUL, s/o Sushil Kumar Mishra, r/o 168, Brihamnagar, Atarra Banda, Uttar Pradesh-210201, aged 33 years, have changed my name to RAHUL MISHRA. 0040502089-4

I, Pramod Kumar Huria S/o Anshi Ram R/o-C-282 Prashant Vihar Delhi-110085 changed my name to Pramod Kumar for all purposes. 0040502235-3

I, Naman Jethani S/o Late Sh.Ramesh Chand Jethani R/o B-9/9, Mianwali Nagar, Paschim Vihar, New Delhi-110087, have changed my name to Naman Sharma for all purposes. 0040502160-1

I, Meenu @ Meenu Arora D/o Sh.Ved Prakash R/o WZ-99, Om Vihar Phase-1, Uttam Nagar, New Delhi-110059, have changed my name to Sanjana Arora for all purposes. 0040502160-5

I, Manju D/o Ram Kishan W/o Late Sonu Arora R/o-E-1/56A Budh Vihar Phase-1 Delhi-110086.have changed my name to Sapna Arora. 0040502229-6

I, Kavya D/o Sh.Sanjjay Kumar R/o 748, Chirag Delhi, New Delhi-110017, have changed my name to Kavya Shandilya for all purposes. 0040502160-3

I, Kanika Huria D/o Pramod Kumar R/o-C-282 Prashant Vihar Delhi-110085 changed my name to Kanika for all purposes. 0040502235-1

I, Kamal S/O Surjeet Singh residing at 134, Near nav Bharat sr sec school Hisar, have changed my name to Kamal Soni. 0070663794-1

I, Jitender Singh Yadav s/o Sahib Singh r/o O/10, Gurudwara Road, Hari Vihar, Kakrola, Dwarka-110078, have changed my name to Jitender Singh. 0040502259-1

I, Jasnoor Chhabra D/o Paramjeet Singh Chhabra R/o:-122/28, Sarojini Nagar, Kabadi-Market, Kanpur-208012. Have Changed My Name to Jasnoor Kaur Chhabra. 0040502219-5

I, Jeetender Singh S/O, Laxman Singh R/o H.N.100, Main Market, Mohammd pur, Bhognipur-209312 Kanpur Dehat have changed my name to Jitendra Singh Yadav for all purposes. 0040502089-6

I, Janmejay Srivastava, s/o Shatrunjay Srivastava, R/o D-1/261, Rashmi Khand, LDA Colony, Lucknow- 226012 have changed name of my son Kartikeya, aged 16 years to Kartikeya Srivastav. 0040502089-2

I, Harikishan Kashi S/o Ram Kishan R/o H-17 Plot-211, UGF, Near Geeta Ratan Public School, Sector-7, Rohini Delhi, have changed my name to Hari Kishan Kasi permanently. 0040502163-2

I, Deepanshi D/O, Krishan Kumar Behal R/o House No-1420, Sector-5, Vasundhra, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201012, have changed my name to Deepanshi Behal for all purposes. 0040502228-1

I, Chetan Arora S/o Sh.Surender Radhay R/o 47/4, First Floor, East Patel Nagar, New Delhi, Central Delhi, Delhi-110008, have changed my name to Chetan Radhay for all purposes. 0040502160-2

I, Bhakti Saphal Manakapure D/o Saphal Anant Manaka pure R/o C2A/220, Pocket -16, Janakpuri, New Delhi-58, state that both names Bhakti Saphal Manakapure and Bhakti Manakapure are of one and same person and I will be known as Bhakti Saphal Manakapure for all purposes. 0040502056-2

I Farha Naz alias Farha Naz Shaikh D/o Ashraf Ali and W/o Mohd Adil Shaikh R/o Flat No-242, Kaveri Block, Sector-D, Pocket-6, Vasant Kunj, Delhi-110070, have finally changed my name to Farha Naz Shaikh for all purposes. 0070663800-1

I Dikchha D/O Raj Kumar Goyal R/O-Be-153 Gali No-5 Hari Nagar New Delhi-110064 Have Changed My Name To Diksha Goyal. 0040502229-2

I Deepika W/o Deepak Vijhani R/o D-5/5, Model Town-3, Delhi-9 have changed my name to Deepika Vijhani. 0040502219-9

सूचनार्थ मैंने अपनी पुत्री राशी त्रिपाठी का नाम बदलकर अब प्रनवी त्रिपाठी रख दिया है उसे अब इसी नाम से जाना –पहचाना जाएगा। अजय शंकर त्रिपाठी 3/626 विकास नगर लखनऊ।

सूचनार्थ मैंने अपनी पुत्री आशी त्रिपाठी का नाम परिवर्तित कर अब शरन्या त्रिपाठी रख दिया है उसे अब इसी नाम से जाना पहचाना जाएगा। अजय शंकर त्रिपाठी 3/626 विकास नगर लखनऊ।

I, Arpit Bharat Bhushan Bansal S/O Bharat Bhushan Sevaram Bansal R/O-3087 Sec-49 Sanik Col-Faridabad Have Change Name To Arpit Bansal. 0040502219-7

I, Ankur S/o Ved Parkash Verma R/o H.No. 69, Mukesh Colony, Ballabgarh Faridabad have changed my name to Ankur Verma. 0040502229-1

I, Akanksha Garg, R/o B-901, Bestech Grand Spa, Sector-81, Gurgaon, Haryana - 122004, have changed my name to Akankasha Garg. 0070663788-1

I, Aditya S/O, Naresh Kundu R/o F-376, S.G.M. Nagar, N.I.T. Faridabad, Haryana-121001, have changed my name to Aditya Kundu for all purposes. 0040502208-1

I Raj Kumar S/O Krishan R/O-Be-153 Gali No-5 Hari Nagar New Delhi-110064 Have Changed My Name To Raj Kumar Goyal. 0040502229-3

I Poonam Rani W/o Jai Bhagwan, R/o 705, R-Block, JwalaPuri, Sunder Vihar ND-87 have changed my name to Poonam 0040502195-3

I Mohd Adil alias Mohd Adil Shaikh S/o Mohd Sadiq R/o Flat No-242, Kaveri Block, Sector-D, Pocket-6, Vasant Kunj, Delhi-110070, have finally changed my name to Mohd Adil Shaikh for all purposes. 0070663806-1

I Manju Bala alias Manju Bala Sabharwal alias Sweety D/o Jai Dev and W/o Sanjay Sabharwal R/o House No.-43/1, Block-A, Pocket-3, Rohini Sector-7, Delhi-110085, have finally changed my name to Manju Bala Sabharwal for all purposes 0070663799-1

I Mahender Batra S/o Hukam Chand Batra R/o T-841, Faiz Road, Karol Bagh, Delhi-110005, have changed my name to Mahinder Batra 0070663796-1

खोया+पाया

I, TUSHAR S/o Ved prakash R/o-C-235 B-block Pritampura, New Delhi. have lost my original certificate class-10th year-2017 Rollno-8189993 C.B.S.E. Delhi. 0040502229-10

Lost My Original Pistol Licence No.98/DM/DODA,REGISTRY NO.RE873452224IN lost in Badarpur Post Office Delhi, if Found Contact: Vir Singh Sandhu s/o Gurbakhash Singh, address: Village & P/O Shankar Pura, P/S & Tehsil Batala Distt. Gurdaspur Punjab-143505. 0040502258-1

I, MAMPY MONDAL D/o Sujan Mondal R/o-Rz-260/20 Tughlakabad, New Delhi-110019. Have Lost my original certificate class-10th year-2012 Rollno-8819226 C.B.S.E. Delhi. 0040502235-4

I, Hari Niwas S/o Ram Pal Verma, have lost Original Sale Deed on 25/06/2019 of my property C-10/186, First Floor, Yamuna Vihar, Delhi-110053 in the name of Smt. Munesh Kumari, Regd. on dated 15/03/2007 by SR IV Office. Finder may contact above address, Tel: 9868439968 0040502165-1

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की मेरे मुवक्किल श्री सौमेंद्र नाथ राय पिता श्री हीरेन्द्र नाथ राय के द्वारा सम्पति खरीदा जा रहा है जिसका विवरण इस प्रकार है प्लाट न.1453–ह ब्लॉक दूसरा तला चितरंजन पार्क नई दिल्ली–110019, अवस्थित है। यह सम्पति अनिल बेदी और शालिनी बेदी के द्वारा बेचा जा रहा है इसमें किसी को इस सम्पति पर किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 10 कार्य दिवस के अन्दर निम्ण पते पर सूचित या संपर्क करें।

Upender Sah Advocate
Off. : 315, IIIrd Floor, Pooja Complex
Main Vikas Marg, Shakarpur, Delhi-92

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की मेरे मुवक्किल अजय कुमार सुपुत्र श्री सरजू प्रसाद निवासी A-25C, चन्दन विहार, निलौठी Extn. नांगलोई, दिल्ली-41 ने अपनी पुत्री शीतल उर्फ अन्नु को अपनी समस्त चल अचल सम्पति से बेदखल कर दिया है व अपने सारे सम्बन्ध विछेद कर लिए है। उसका किसी से किसी भी प्रकार का कोई लेना या देना है या भविष्य में होगा तो मेरे मुवक्किल व उनका परिवार उसके लिए जिम्मेदार नहीं होगा।

Mohinder Dhawan (Advocate)
D-643/97(R) Tis Hazari Courts, D-54

PUBLIC NOTICE

To be known to all that my clients, Deepak Takkar and Amit Takkar are the owners of Plot No. Z-31, Okhla Industrial Area, Phase-II, New Delhi. Original Form-D in respect of the above said property have been lost. An NCR/FIR to this affect has been lodged vide LR No: 1223312/2019 dated 05/07/2019.
If any person including banks, financial institutions or any other person, relative, organization, company firm or government authority has any right, title, claim or interest whatsoever into or upon above referred plot is hereby make the same known in writing, with documentary evidence to the undersign within 15 days. In the event of no response to this notice, the purpose of this notice shall be completed.

Mansoor Ansari (Advocate)
B-43A, Kalkaji, New Delhi-19
Mob. 9711177423

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल श्री रामचन्द्र पुत्र श्री बालू राम पता– सी–440, गोकलपुरी दिल्ली ने अपने पुत्र राकेश और उसकी पत्नी संजना, पुत्र शंकर उसकी पत्नी सुमन, एवं पुत्र मोनू व उसकी पत्नी कोमल के दुर्व्यवहारों के कारण उन्हें अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल करके उन सभी से अपने सभी पारिवारिक सामाजिक संबंध विच्छेद कर लिए हैं। भविष्य में वह अपने सभी क्रियाकलाप के स्वयं उत्तरदायी होंगे। हस्ता./–

अब्दुल रहमान नासिर
एडवोकेट
चै.नं. पी–34, पोस्ट आफिस रोड,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली–54

सूचना पत्र

मेरे मुवक्किलगणों संजीव राणा एवं उसकी पत्नी श्रीमती मधु राणा निवासीः म.नं. 406, गली नं. 17, विकास नगर, नियर एन.एफ.एल. टाउनशिप, पानीपत, हरियाणा–132103 में अपने अनंत राणा पुत्र व नेहा पुत्रवधू को अपनी सभी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर सम्बन्ध विच्छेद कर लिए हैं। और उसके किसी भी लेन–देन कृत्य के लिये मेरा मोवक्किल जिम्मेदार नहीं होंगे।

हस्ता./–
अधिवक्ता
गुलशन गर्ग
Ch No. F-326, 3rd floor Lawyer's Chamber, F-Block, KKD Courts, Delhi-110032, Mobile No. 9873798366

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Banke Bihari Shukla S/o Sh. Kalap Narayan Shukla R/o D-17-A, Hastsal Vihar, D.K. Mohan Garden, Uttam Nagar, West Delhi, Dwarka, Delhi-110059 do hereby declare that name of mine and my wife has been wrongly written as Rakesh Shukla and Gudia in the school record of my minor daughter Arpita Shukla aged about 15 years. The actual name of mine and my wife is Banke Bihari Shukla and Guria Shukla, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

Be it known to public at large that my client **Smt. Munni Devi w/o Late Shri Hira Lal** R/o T-2561, Gali No. 21, Near Kunwar Singh Chowk Durga Mohalla, Baljeet Nagar, Patel Nagar. New Delhi -110008 has severed all her relations with her two sons **Shri Suresh Kumar R/o S-651, Mangol Puri, Delhi- 110083 and Shri Shyam Mohan R/o T-2561, Gali No, 21, Durga Mohalla, Baljeet Nagar, New Delhi -110008** and disowned/debarred both of them forthwith from her all moveable and immovable properties. Whosoever deals with them may do so at then own risk and consequences and my client shall not be responsible in any manner whatsoever.

Sd/-
RAJINDER PAL SINGH (ADVOCATE)
D-7/119, G.F, Sector-6,
Rohini, Delhi:-85

PUBLIC NOTICE

"Be it known to all that my client Smt. Dhanna Devi W/o Late Sh. Ram Bahadur R/o DDA LIG Flat No. 205, 1st floor, Block-8, Pocket-E1, Sector-11, Rohini, Delhi-110085 has severed all his relations from his son namely Sh. Puran Bahadur S/o Sh. Ram Bahadur, daughter-in-law Smt. Gauri W/o Sh. Puran Bahadur and Grand Daughters Ms. Shardha and Ms. Soumya D/o Sh. Puran Bahadur presently all residing at R/o DDA LIG Flat No. 205, 1st floor, Block-8, Pocket-E1, Sector-11, Rohini, Delhi-110085 and also disowned all of them from all movable and immovable properties of my client. Any person dealing with the aforesaid persons shall be doing so at his/her own risks and costs."

Sd/-
RAJNI YADAV (Advocate)
Ch. No. 299-B, Western Wing,
Tis Hazari Courts, Delhi-54

PUBLIC NOTICE

Public at large is hereby informed by way of this notice that my client Sh. Vijay Kumar Bansal, S/o Sh. Gyan Chand Bansal, R/o 17/35, Shakti Nagar, Delhi- 110007, has severed all his social relationship with his wife namely Smt. Shakuntla Bansal, and his sons namely 1) Nikhil Bansal, his wife namely Megha Bansal; 2) Akhil Bansal, his wife namely Priyanka Bansal; and 3) Sumit Bansal, his wife namely Ridhi Bansal; all R/o 17/35, Shakti Nagar, Delhi-110007 and disowned them from his movable and immovable property due to their hostile attitude towards my client. My client has severed all his relations with them, therefore, my client shall not be responsible for any of their acts done in past, present or future.

RAVIN RAO (Advocate)
Ch. No. 538, W. Wing, Tis Hazari Courts, Delhi-54

Public Notice

The General Public is informed that my client SMT. SAVITRI DEVI W/O SH/ PREM CHAND GUPTA R/O R-199, VANI VIHAR, UTTAM NAGAR NEW DELHI, has severed all her relations with her son UDIT GUPTA, Daughter-in-law SMT. DEEPIKA GUPTA and another son SH. MANISH GUPTA, due to their bad behaviors. My client has disowned and debarred all of them from all her movable and immovable properties. In future anybody dealing with debarred persons shall do so at his/her own risk and responsibilities and my client will not be responsible from any act done by the debarred persons.

Praveen Rastogi(Advocate)
RZ-97, KHUSHI RAM PARK

PUBLIC NOTICE

Our client Ram Dayal, and Smt Bhagwan Devi, Both R/O H. No. I-22/1802, Sangam Vihar, New Delhi, has severed all their relations and disowned/ Debarred their son Akash Kumar, from all their moveable, immoveable properties, our client's shall not be responsible for his acts and conducts in future.

Sd/-
KULDEEP KUMAR (Advocate)
Ch. No. 872 Saket Courts
New Delhi

PUBLIC NOTICE

My clients, Mr. Sita Ram S/o Late Mr. Gangoli Ram & Smt. Mahadevi W/o Mr. Sitaram both R/o H.No. 01, 2nd Floor, Block-J-3, Sangam Vihar, New Delhi-110062, have disowned & debarred their Daughter Ms. Nishi Kumari, Son Mr. Vijay Kumar & his wife Mrs. Sapna Kumari (i.e. their Daughter-in-Law) from all their moveable & immovable properties & have severed all relation from them due to their hostile & cruel behavior & they are out of their control. My client will not be responsible for their any good or bad acts and conduct.

Gaurav Garg (Advocate)
Off.: H.No. FCA-10, Gali No.2, B-Block, Adarsh Nagar, Malerna Raod, Ballabgarh, Faridabad, Haryana-121004

PUBLIC NOTICE

Public at large is informed that my clients, Darshan Singh S/o Late Bhagat Singh and his wife Chanchal Kaur both R/o H-No-263-B, Gali No.19-A, Block-K Sangam Vihar, New Delhi-110080 have disowned their sons- 1) Pradeep Singh and his wife Mrs Hardeep Kaur 2) Ranjit Singh and his wife Mrs. Sukhvinder Kaur and their daughter 3) Mrs. Sukhvinder Kaur W/O Sh. Jit Singh from their all moveable and immoveable properties as they are disobedient and disrespectful towards my clients and have also severed all their relations with these persons. Henceforth my clients would not be liable for the acts and deeds of the above named persons.

Prem Lal (Advocate)
Ch. No. 137, Saket Court, Delhi-17

"IMPORTANT"

Whilst care is taken prior to acceptance of advertising copy, it is not possible to verify its contents. The Indian Express (P) Limited cannot be held responsible for such contents, nor for any loss or damage incurred as a result of transactions with companies, associations or individuals advertising in its newspapers or Publications. We therefore recommend that readers make necessary inquiries before sending any monies or entering into any agreements with advertisers or otherwise acting on an advertisement in any manner whatsoever.

अमदाबाद में जहरीली शराब से हुई मौतों के मामले में छह दोषियों को सजा

अमदाबाद, 6 जुलाई (भाषा)।

यहां एक सत्र अदालत ने 2009 में अमदाबाद में जहरीली शराब के सेवन से हुई मौतों के मामले में छह दोषियों को 6 महीने से लेकर 10 साल तक की सजा सुनाई है। घटना में सौ से अधिक लोगों की मौत हुई थी।

अतिरिक्त सत्र न्यायधीश डीपी महिदा ने मुख्य आरोपियों जयेश ठक्कर और विनोद डागरी को 10–10 साल कैद की सजा सुनाई और 50–50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया। घनश्याम उर्फ बेहरा को सात साल जेल की सजा सुनाई गई। चौथे दोषी को दो साल जबकि दो अन्य आरोपियों को छह–छह महीने कैद की सजा सुनाई। अमदाबाद में पांच से सात जुलाई 2009 के बीच जहरीली शराब पीने से 148 लोगों की मौत हो गई थी। यह गुजरात में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों का सबसे भयावह मामला था। राज्य में शराब पर पाबंदी है। कुल 39 आरोपियों में से दो आरोपी फरार हैं।

नीरव मोदी व सहयोगियों को 7,200 करोड़ ब्याज सहित चुकाने का निर्देश

पुणे, 6 जुलाई (भाषा)।

ऋण वसूली न्यायाधिकरण ने भगोड़ा हीरा कारोबारी नीरव मोदी और उसके सहयोगियों को पंजाब नेशनल बैंक को 7,200 करोड़ रुपए का ब्याज सहित भुगतान करने का शनिवार को निर्देश दिया। मोदी इस समय लंदन की जेल में हैं। वह भारत में पंजाब नेशनल बैंक के साथ करीब 13,000 करोड़ रुपए की ऋण धोखाधड़ी मामले में वांछित हैं।

ऋण वसूली न्यायाधिकरण का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे मुंबई के पीठासीन अधिकारी दीपक ठक्कर ने इस मामले में पंजाब नेशनल बैंक के पक्ष में दो आदेश पारित किए। न्यायाधिकरण ने अपने आदेश में कहा कि बचाव पक्ष और उसके सहयोगियों को आदेश दिया जाता है कि वह प्रतिवादी (पंजाब नेशनल बैंक) को संयुक्त तौर पर या कुल मिलाकर 14.30 फीसद वार्षिक दर से ब्याज के साथ भुगतान करे। ब्याज की गणना 30 जून, 2018 से की जानी है। एक अन्य आदेश में पीठासीन अधिकारी ने मोदी और अन्य को 27 जुलाई, 2018 के बाद से 16.20 फीसद वार्षिक ब्याज के साथ भुगतान का निर्देश दिया।

न्यायाधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि न्यायाधिकरण के साथ वसूली अधिकारी अब आगे की कार्रवाई करेंगे। मोदी को लंदन में 19 मार्च को स्कॉटलैंड यार्ड ने गिरफ्तार किया था। वह वहां भारत को प्रत्यर्पित किए जाने के मामले का सामना कर रहे हैं।

भूषण पावर पर 3800 करोड़ के बैंक कर्ज में धोखाधड़ी का आरोप

नई दिल्ली, 6 जुलाई (भाषा)।

सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने शनिवार को कहा कि उसने भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड (बीपीएसएल) की 3,800 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का पता लगाया है। बैंक ने इस बारे में रिजर्व बैंक को रिपोर्ट भेजी है। पीएनबी ने कहा कि भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड ने बैंक कर्ज में धोखाधड़ी की और बैंकों के समूह से कोष जुटाने को लेकर अपने बही–खातों में गड़बड़ की।

पंजाब नेशनल बैंक ने रिजर्व बैंक को दी सूचना

बैंक ने शेयर बाजारों को दी सूचना में कहा कि फोरेंसिक ऑडिट जांच और स्वतः संज्ञान लेकर कंपनी तथा उसके निदेशकों के खिलाफ सीबीआइ की प्राथमिकी के आधार पर बैंक ने रिजर्व बैंक को 3,805.15 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की रिपोर्ट दी है।

सुरक्षा के बीच अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का जत्था रवाना

जम्मू, 6 जुलाई (भाषा)।

अमरनाथ यात्रा के लिए 5,124 श्रद्धालुओं का एक और जत्था शनिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच भगवती नगर आधार शिविर से रवाना हुआ।

अधिकारियों ने बताया कि 864 महिलाओं, 187 साधुओं और 19 बच्चों वाला यह जत्था 226 वाहनों पर रवाना हुआ। ये अनंतनाग जिले के पहलगाम और गांदेरबल जिले के बालटाल शिविर पहुंचेंगे, जहां से वे आगे की यात्रा के लिए निकलेंगे। इसमें से 3,130 श्रद्धालु पारंपरिक पहलगाम मार्ग से और 1,994 श्रद्धालु बालटाल मार्ग से आगे की यात्रा करेंगे।

PUBLIC NOTICE

Know all men by this notice that my clients (1) Mohd. Salauddin son of Mod. Naseer; and (2) Mrs. Bahisa Khatoon wife of Mohd. Salauddin, both r/o House No. F-5/0, Khasra No. 84-85, Gali No. 6, G-5 Block, 5- Pusta, Sonia Vihar, Delhi- 110094, with their free will and accord, have disowned their son Mohammad Irfan (aged 21 years) son of Mohd. Salauddin, with immediate effect. Mohd. Irfan henceforth will have no connection with my clients, their properties, moveable and immovable. Further my clients will not be responsible for their son's dealings, liabilities and actions with third party and or his wife, as the above house property belongs to my clients only.

Sd/-
Arvind Dhingra (Advocate)
29 (South) Riviera Apartments, Mall Road, Delhi- 110054. (Mobile 9810308483)

PUBLIC NOTICE

My clients Rukhsana W/o K. Wahid & K. Wahid S/o A. Wahid both R/o 341, Sector-14B, Dwarka, New Delhi have disowned & debarred their son Shahrukh Khan & his wife Nida from all their moveable & immovable properties due to their mis-behavior towards my clients. Anybody dealing with them, shall do so at their own risk & costs. My clients have no responsibility with them in any manners.

Adv. Vinod K. Sharma
221, SR-II, DC, Janakpuri

PUBLIC NOTICE

My Client Ramesh Chand Sharma has disowned and disinherited his son namely Shiv Sharma S/o Ramesh Chand Sahrma and his wife namely Smt. Indra Sharma D/o Mahesh Sahrma W/o Shiva Sharma from all his moveable and immoveable properties and have also Directed them not to enter his house bearing No. 487, Janta Flats GTB Enclave Near Nand Nagri Dilshad Garden Delhi-93. If they try to illegally trespass the above property necessary police action as per law shall be taken against them.

M.N. Khan Advocate
Ch. No.618, Western Wing,
Tis Hazari Court, Delhi-110054

युवा ही हो अगला अध्यक्ष : अमरिंदर

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 6 जुलाई।

राहुल गांधी के इस्तीफे के औपचारिक एलान के बाद से नए कांग्रेस अध्यक्ष के लिए कई वरिष्ठ नेताओं के नामों को लेकर चल रही अटकलों के बीच पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने किसी युवा नेता को पार्टी की कमान सौंपने की पैरवी की है। सिंह ने शनिवार को ट्वीट कर कहा कि राहुल गांधी के इस्तीफे के दुर्भाग्यपूर्ण निर्णय के बाद पार्टी को इस समय एक युवा नेता की ही जरूरत है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्लूसी) से मेरा आग्रह है कि किसी ऐसे युवा नेता को ही पार्टी अध्यक्ष की कमान सौंपने के बारे में सोचे, जो अपनी देशव्यापी पहचान और जमीन से जुड़ाव के जरिए लोगों को उत्साहित कर सके। सिंह ने किसी युवा नेता को कांग्रेस अध्यक्ष बनाने की मांग उस वक्त उठाई है जब पार्टी के अगले प्रमुख के लिए कई वरिष्ठ नेताओं के नामों को लेकर अटकलें चल रही हैं। इनमें मल्लिकार्जुन खरगे, सुशील कुमार शिंदे, मोतीलाल वोरा और अशोक गहलोत के नाम प्रमुख हैं।

गांधी के इस्तीफे की घोषणा के बाद से ही ज्यादातर वरिष्ठ नेता नए अध्यक्ष को लेकर सार्वजनिक तौर पर कोई टिप्पणी करने से बच रहे हैं। अमरिंदर सिंह पार्टी के पहले ऐसे वरिष्ठ नेता हैं जिन्होंने कांग्रेस के अगले अध्यक्ष को लेकर अपनी राय खुलकर जाहिर की है। लोकसभा चुनाव के बाद से अपने इस्तीफे को लेकर एक महीने से बनी असमंजस की स्थिति पर पूर्णविराम लगाते हुए गांधी ने गत बुधवार को त्यागपत्र की औपचारिक घोषणा कर कहा था कि पार्टी के 'भविष्य के विकास' के लिए उन्होंने यह कदम उठाया है।

मानहानि मामले में राहुल को मिली जमानत

पटना, 6 जुलाई (भाषा)।

भाजपा नेता और बिहार के उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी की ओर से दायर मानहानि के मामले में शनिवार को एक अदालत में पेशी के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी को जमानत मिल गई। कुछ दिन पहले मुंबई की एक अदालत ने कहा था कि आरएसएस के खिलाफ आरोप के लिए कांग्रेस नेता पर मुकदमा चलेगा।

राहुल ने आरोप लगाया कि भाजपा–आरएसएस के खिलाफ आवाज उठाने के कारण उन्हें निशाना बनाया गया और लेकिन वह अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। कांग्रेस नेता ने सांसदों और विधायकों के मुकदमे के लिए बनी विशेष अदालत के न्यायाधीश अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कुमार गुंजन के सामने आत्मसमर्पण किया, जिसके बाद उन्हें जमानत दे दी गई। सुशील मोदी के अधिवक्ता शंभू प्रसाद ने कहा कि अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए आठ अगस्त की तारीख निर्धारित की है। प्रसाद ने बताया, 'हमने उनकी जमानत का विरोध नहीं किया।

अधिकारी पर हमले के आरोप में राकांपा विधायक पर मामला दर्ज

औरंगाबाद, 6 जुलाई (भाषा)।

महाराष्ट्र के परभनी जिले के जितूर से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विधायक विजय भाम्बले पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि नगर निकाय के एक अधिकारी द्वारा हमला करने और गाली–गलौज की शिकायत करने के बाद उन पर मामला दर्ज किया गया है।

अधिकारी के मुताबिक जिंतूर नगरपालिका के आयकर विभाग के कर्मचारी डी वी तालेकर ने दावा किया है कि भाम्बले ने एक स्थानीय स्कूल के पानी और संपत्ति से जुड़े मामले पर बात करने के लिए शुक्रवार को उन्हें घर पर बुलाया।

अधिकारी ने बताया, 'तालेकर ने कहा कि विधायक स्कूल के पानी और संपत्ति कर को माफ करने के लिए उन पर दबाव बना रहे थे और फिर उनसे गाली–गलौज और मारपीट की। तालेकर द्वारा शिकायत देने के बाद हमने विधायक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।'

करगिल की 20वीं वर्षगांठ पर जीत के दृश्यों को फिर से प्रदर्शित करेंगे भारतीय सैनिक

गर्खों (जम्मू–कश्मीर), 6 जुलाई (भाषा)।

भारतीय सैनिक करगिल से पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़ कर वहां विजयी पताका फहराने की 20वीं वर्षगांठ पर 'ऑपरेशन विजय' के जीत के दृश्यों को 26 जुलाई को फिर से प्रदर्शित करेंगे। बटालिक सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास रहने वाले लोगों ने कहा कि वे उस क्षण को फिर से जीना चाहते हैं, जब सैनिकों ने भीषण युद्ध के बाद तिरंगा फहराया था। बटालिक सेक्टर में ही कुछ बाशिंदों ने पाकिस्तानी सैनिकों को घुसपैठ करते मई 1999 में सबसे पहले देखा था।

ऑपरेशन विजय की 20वीं वर्षगांठ 'रिमेंबर, रिज्वाइस एंड रिन्यू' की थीम के साथ मनाई जाएगी। तीन बटालियनों के सैनिक उन पर्वत चोटियों पर जाएंगे, जहां उनकी टुकड़ियों ने घुसपैठियों को खदेड़ने के लिए कठिन परिस्थितियों में जंग लड़ी थी। सेना के एक अधिकारी ने शनिवार को कहा कि हम अपने शहीद नायकों के बलिदान को याद करेंगे। हम करगिल में हमारी जीत का जश्न मनाएंगे और हम तिरंगे के सम्मान की रक्षा करने के अपने संकल्प को दोहराएंगे। उन्होंने कहा कि 2 राजपूताना राइफल्स के सैनिक तोतोलिंग शिखर पर जाएंगे, 13 जम्मू–कश्मीर राइफल्स के जव

मौसम

तापमान **नई दिल्ली**

अधिकतम–39.0 डि.से. सूर्योदय– 5:30

न्यूनतम– 26.8 डि.से. सूर्यास्त– 19:23

बलात्कार पीड़ित बच्ची को मदद

दिल्ली सरकार देगी 10 लाख रुपए

बच्ची और परिजनों से मिलने अस्पताल पहुंचे मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 6 जुलाई।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को सफदरजंग अस्पताल में जाकर बलात्कार पीड़ित बच्ची व उसके परिवार से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार इस परिवार को 10 लाख रुपए की आर्थिक मदद देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली की बिगड़ती कानून व्यवस्था के मामले में वे जल्द ही पुलिस आयुक्त से भी मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि पीड़ित बहुत छोटी बच्ची है। उसका उपचार कर रहे डॉक्टर ने बताया कि जब इस लड़की को अस्पताल में लाया गया था, उसकी हालत खराब थी। लेकिन अब उसकी स्थिति में सुधार है। मुख्यमंत्री ने बच्ची के पिता को हर सहयोग का आश्वासन दिया है। आर्थिक मदद के अतिरिक्त बच्ची के लिए वकील भी दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बार–बार इस तरह की वारदात सामने आ रही है। दिल्ली को सुरक्षित बनाने के लिए दिल्ली सरकार, केंद्र के साथ मिलकर हर मदद करने के लिए तैयार है। पीड़ित परिवार से मुलाकात के लिए उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी पहुंचे थे। द्वारका में हुई इस घटना में अब तक पुलिस ने 24 साल के एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया है। इस अपराधी को पकड़ने के लिए पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद ली है। बताया जा रहा है कि पकड़ा गया युवक बेरोजगार है और इसी इलाके में रहता है। इस पीड़ित परिवार से शुक्रवार को दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाती मालीवाल ने भी मुलाकात की थी और इस घटना पर चिंता जाहिर की थी।

जामिया की कुलपति प्रधानमंत्री से मिलीं

नई दिल्ली। जामिया मिल्लिया इस्लामिया की कुलपति प्रो नजमा अख्तर ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। विश्वविद्यालय की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक प्रधानमंत्री ने जामिया में जल्द ही मेडिकल कॉलेज बनाने का भरोसा दिया है। प्रो अख्तर ने प्रधानमंत्री को जामिया की अकादमिक और अनुसंधान गतिविधियों के बारे में बताया। (जसं)

'आप' ने 14 जिलों में की जिलाध्यक्षों की तैनाती

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 6 जुलाई।

लोकसभा चुनाव परिणाम के आम आदमी पार्टी ने अपने संगठन में बदलाव का फैसला लिया है। पार्टी ने दिल्ली के सभी 14 जिलों के लिए अध्यक्षों की तैनाती की घोषणा की है। पार्टी के प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कहा कि अब संगठन फरवरी 2020 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटेगा। इस मुहिम के जरिए अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ा जाएगा।

आम आदमी पार्टी ने सभी जिलों में अध्यक्षों की तैनाती की है। ये अध्यक्ष ही पार्टी को मजबूत बनाने के लिए काम करेंगे। पार्टी के मुताबिक, करावल नगर में दीपांशु श्रीवास्तव, बाबरपुर में शहनवाज सिद्दीकी, बादली से राज शौकीन, रोहिणी से धर्मेंद्र कुमार, पटपड़गंज मुनीष कोशिश, शाहदरा अजय जैन, करोल बाग ओपी भारद्वाज, नई दिल्ली रमेश जहानकर, महरौली नरेश त्यागी, संगम विहार धर्मराज भाटी, तिलक नगर रन सिंह राणा, नजफगढ़ सुरेंद्र लाकड़ा, आदर्श नगर संजय गर्ग ओर चांदनी चौक में जाकिर खान को जिला अध्यक्ष बनाया गया है। पार्टी संयोजक ने कहा कि पार्टी ने बीते चुनाव में अपनी ऐतिहासिक जीत दर्ज कराई थी और 70 में से 67 सीट जीती थी। अब पांच साल के बाद एक बार फिर ऐसी ही रणनीति के साथ पार्टी चुनावी मैदान में जाएगी। उन्होंने बताया कि इस बार पार्टी ने कई नए चेहरों को मौका दिया है। इससे पार्टी को नए सुझाव मिलेंगे और इसका लाभ मिलेगा। आम आदमी पार्टी दिल्ली सरकार के कामकाज के आधार पर जनता के बीच वोट मांगेगी। ज्ञात हो कि हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में भी पार्टी ने दिल्ली की सातों सीट पर अपने प्रत्याशी उतारे थे।

भाजपा ने जनता दरबार लगाकर सुनी शिकायतें

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 6 जुलाई।

जनता दरबार में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि दिल्ली सरकार ने यहां के लोगों की शिकायतें बढ़ा दी हैं। अगर नाकामपंथी सरकार ने दिल्लीवालों का दर्द समझा होता तो जनता दरबार में इतनी शिकायतें नहीं आती। मनोज तिवारी ने शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र में जनता दरबार लगाया और लोगों से उनकी शिकायतें सुनी। उन्होंने जनता को आश्वासन दिया है कि जनता के लटके मामलों का निपटारा किया जाएगा। मनोज तिवारी ने कहा कि आने वाले दिनों में 'आप' सरकार के कुशासन से दिल्ली को मुक्त करना है। बुनियादी सुविधाओं का अधिकार दिल्लीवालों को दिलवाना है। उन्होंने कहा आज जो भी समस्याएं हमें मिली है। उनका जमीनी स्तर पर समाधान किया जाएगा। भाजपा इस तरह के आयोजन से आने वाले दिनों में दिल्ली भर में जनता की समस्याएं सुनेगी और उनके निदान के लिए काम करेगी। उन्होंने बताया कि गरीब परिवारों को पर्याप्त शिक्षा नहीं मिल पा रही है और लोगों को भीषण पानी के संकट से भी जूझना पड़ रहा है। लोगों को आयुष्मान भारत का लाभ भी नहीं मिला है।

राहुल के खिलाफ बयान पर स्वामी को घेरेंगे कांग्रेसी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 6 जुलाई।

प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष राजेश लिलौठिया ने कहा कि भाजपा नेता सुब्रहमण्यम स्वामी के कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के लिए आधारहीन आरोप एवं अभद्र भाषा का प्रयोग करने के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ता सुब्रहमण्यम स्वामी निवास पर प्रदर्शन करेंगे। राजेश लिलौठिया ने बताया आक्रोषित कांग्रेस कार्यकर्ता 7 जुलाई को तीन बजे, खान मार्केट के नजदीक एकत्रित होकर भाजपा नेता के पंडारा रोड़ स्थित निवास की ओर मार्च करेंगे और सुब्रहमण्मय स्वामी से कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के खिलाफ अभ्रद टिप्पणी करने पर उनसे माफी मांगने की मांग करेंगे।

कार्यालय रजिस्ट्रार
ऋण वसूली अधिकरण–III, दिल्ली
4था तल, जीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली–110001

ई–नीलामी बिक्री सूचना

डब्ल्यूपी(सी)940/2017, एस.सी. दिनांक : 17.5.2019

नं.01/2018–डीआरटी–III, दिल्ली **बिक्रम चटर्जी बनाम भारत गणराज्य**

"आदेश"

बिक्रम चटर्जी बनाम भारत गणराज्य के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश दिनांक 12.09.2018 और अनुवर्ती आदेशों तथा माननीय पीठासीन अधिकारी, डीआरटी–III के आदेश के अनुसार, नीचे वर्णित सम्पत्ति ई–नीलामी बिक्री के माध्यम से बेची जाएगी। नीलामी बिक्री वेबसाइट http://www.bankeauctions.com के माध्यम से "ऑनलाइन ई–नीलामी" द्वारा की जाएगी।
नीलामी की तिथि एवं समय : 11.7.2019 को अप. 3.00 बजे से अप. 4.00 बजे के बीच (यदि जरूरी हुआ तो बोली बंद होने के अंतिम 5 मिनट में बोली के स्वतः विस्तार के साथ)।

क्र.सं.	सम्पत्ति का विवरण	आरक्षित मूल्य/ईएमडी/बोली बढ़ोत्तरी राशि
9.	वृन्दावन, पार्ट–II, खाली फ्रीहोल्ड कृषि भूमि, भूमि माप 29870 वर्ग मी., खसरा नं. 486, खाता नं. 465 में जो मौजा चौमुहाँ, एनएच–2 पर आम्रपाली होटल के पीछे तथा श्री बालाजी आश्रम तथा नगला चौमुहाँ के सामने, तहसील छाता, जिला मथुरा, उ.प्र. में अवस्थित है।	रु. 5.46 करोड़ ईएमडी 55 लाख बोली बृद्धि राशि रु. 10 लाख

टिप्पणीः सम्पत्तियों से संबंधित अन्य बकाये के लिये इच्छुक बोलीदाता को सलाह दी जाती है कि उसे संबंधित स्थानीय प्राधिकरणों से सुनिश्चित करें।

नियम व शर्तें :

1. नीलामी/बोली वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन इलेक्ट्रॉनिक प्रक्रिया द्वारा की जाएगी।
2. इच्छुक बोलीदाताओं को भागीदारी के लिए समय रहते सेवा प्रदाता के पास स्वयं को पंजीकरण कराना होगा और ई–नीलामी में भाग लेने के लिए यूजर आईडी एवं पासवर्ड प्राप्त करना होगा। इसे केवल निर्धारित प्रक्रिया में अपेक्षित धरोहर राशि जमा करने के बाद ही प्राप्त किया जा सकेगा।
3. ईएमडी राशि या तो "रजिस्ट्रार, डीआरटी–III, दिल्ली के पक्ष में देय डिमांड ड्राफ्ट/पे आर्डर के माध्यम से या आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से सीधे चालू खाता सं. 3707551262, आईएफएससी कोड नं. सीबीआईएन0280316, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, संसद मार्ग शाखा दिल्ली में जमा करनी होगी। कथित डिमांड ड्राफ्ट/पे आर्डर या एनईएफटी/आरटीजीएस के माध्यम से ईएमडी भुगतान का मूल प्रमाण के साथ पहचान पत्र (मतदाता पहचान पत्र/ड्राइविंग लाइसेंस/पासपोर्ट), जिसमें कि भविष्य के प्रयोजन हेतु पत्राचार पता हो की स्व–सत्यापित प्रति एवं पैन कार्ड की स्व–सत्यापित प्रति और यदि कम्पनी के मामले में कम्पनी के बोर्ड सदस्यों द्वारा पारित प्रस्ताव की प्रति एवं कम्पनी के प्रतिनिधित्व/अटॉर्नी की पुष्टि करता कोई अन्य दस्तावेज रजिस्ट्रार, डीआरटी–III, दिल्ली के कार्यालय में 9.7.2019 को अप. 4.00 बजे तक अवश्य पहुंच जाना चाहिए। व्यक्तिगत के मामले में, यदि स्वयं की ओर से या अपने प्रधान की ओर से बोली के लिए शामिल होने के मामले में घोषणापत्र जमा करना होगा। बाद के मामले में बोलीदाता अपना प्राधिकार पत्र जमा करना होगा और ऐसा नहीं करने पर उसकी बोली को निरस्त कर दिया जाएगा। उसके बाद ईएमडी या ईएमडी जमा करने का प्रमाण प्राप्त होने पर ई–नीलामी में भागीदारी के लिए विचार नहीं किया जाएगा।
4. ईएमडी या एनईएफटी/आरटीजीएस के माध्यम से ईएमडी भुगतान करने के प्रमाण के साथ प्रेषक के अन्य विवरण अर्थात! पता, ई–मेल पता एवं मोबाइल नं. आदि भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर "एससी नं. 1/2018–डीआरटी–III" वर्णित करें।
5. भावी बोलीदाता मैसर्स सी–1 इंडिया प्रा.लि., उद्योग विहार, फेज 2, बिल्डिंग नं. 301, गुड़गाँव, हरियाणा (भारत), टेली.: +91 7291981124/25/26, सम्पर्क व्यक्ति श्री विनोद चौहान, मोबाईल नं. 9813887931, ईमेलः support@bankeauctions.com, वेबसाईटः https://www.bankeauctions.com पर हमारे सेवा प्रदाता से ऑन लाइन प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। अधिक विवरणों के लिये सम्पर्क करें: श्री एस.के. सलूजा, रजिस्टार प्रभारी, डीआरटी–III टेलीफोन नं. 011–23748467/69 (सभी कार्य दिवस को 3 बजे अप. से 4 बजे अप. के बीच।)
6. भावी बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि अपनी बोलियां जमा करने से पहले वेबसाइट http://bankeauctions.com तथा बिक्री के विस्तृत नियम व शर्तों आदि को भली–भांति पढ़ लें।
7. सम्पत्ति आरक्षित मूल्य से कम पर नहीं बेची जाएगी। सभी सम्पत्तियों के लिए बोली लगाने वाले बोलीदाताओं को प्राथमिकता दी जाएगी।
8. बोलीदाता तालिका के कॉलम–3 अर्थात् प्रत्येक सम्पत्ति के संबंध में दर्शाया गया आरक्षित मल्य एवं ईएमडी के बाद में वर्णित अनुसार राशि के गुणांक में अपने प्रस्ताव बढ़ा सकते हैं ।
9. सम्पत्ति को "जैसा है जहां है" एवं "जो है जैसा है" आधार पर बेचा जाएगा।
10. सफल बोलीदाता को बोली समाप्त होने के अगले बैंक कार्य दिवस को अप. 3.00 बजे तक उपरोक्त पैरा 3 मे वर्णित विवरण के अनुसार कथित खाते में ईएमडी के समायोजन के पश्चात लगाई गई बोली की 25 प्रतिशत राशि जमा करनी होगी । यदि अगले कार्यदिवस को अवकाश या रविवार होता है तो उसके बाद अगले कार्यदिवस में भुगतान करना होगा।
11. उच्चतम बोली लगाने वाले बोलीदाता को सम्पत्ति की बिक्री की शेष 75 प्रतिशत राशि बिक्री की तिथि से 15वें दिन को या उससे पूर्व, ऐसे तिथि को छोड़कर, या यदि 15वें दिन रविवार या अन्य अवकाश पड़ता है तो इसके बाद आने वाले पहले बैंक कार्य दिवस में निर्धारित प्रक्रिया में जमा करना होगा। उपरोक्त के अलावा, खरीददार को रजिस्ट्रार, डीआरटी–III, दिल्ली के पक्ष में देय डीडी के रूप में रु. 1000/– तक 2% की दर से और रु. 1000/– से अधिक राशि पर 1% की दर से पाउंडेज शुल्क उपरोक्त पैरा–3 में वर्णित खाते में जमा करना होगा।
12. यदि निर्धारित अवधि के भीतर भुगतान में चूक होती है तो जमा की गई राशि, बिक्री के व्यय, जैसा अधोहस्ताक्षरी उचित समझे को सरकारी खाते में जब्त कर दिया जाएगा और चूककर्ता खरीददार जमा की गई राषि या सम्पत्ति या इसके किसी भी भाग पर कोई भी दावा नहीं कर पायेगा। नई बिक्री की उदघोषणा जारी करने सम्पत्ति की दोबारा बिक्री की जाएगी। इसके अलावा, खरीददार उसकी अंतिम बोली राशि और बाद में बेची गई बोली राशि के बीच अंतर होने पर उसकी भरपाई करने के लिए भी जिम्मेदार होगा।
13. माननीय पीठासीन अधिकारी, डीआरटी–III के पास बिना कोई कारण बताए किसी या सभी बोलियों को स्वीकार या अस्वीकार करने या ई–नीलामी को निरस्त करने या आगे बढ़ाने का अधिकार है ।
14. असफल बोलीदाताओं की ईएमडी राशि रजिस्ट्रार, डीआरटी–III के पास उचित आवेदन प्राप्त होने के बाद डीआरटी–III, दिल्ली द्वारा नीलामी के 15 दिन बाद वापिस की जाएगी।

(ए.के. पहुजा)
रजिस्ट्रार, डीआरटी–III, दिल्ली

SIGNATURE GLOBAL MAKING INDIA AFFORDABLE

शहर एवं ग्राम्य नियोजन विभाग, हरियाणा सरकार की 19.08.2013 दिनांक अधिसूचना सं. PF-27/48921 और उसमें संशोधन के अनुसार उल्लिखित नीति के नियमों और शर्तों पर विकसित किए जाने वाले प्रस्तावित अफोर्डेबल ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट (प्रोजेक्ट पूरा होने के अंतिम चरण में है) के तहत आवासीय अपार्टमेंट की बुकिंग के लिए सर्वसाधारण से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। (विवरण विभागीय वेबसाइट tcpharyana.gov.in पर उपलब्ध हैं)

प्रोजेक्ट के विवरण

1. कॉलोनाइजर/डेवलपर	सर्वप्रिय सेक्युरिटीज प्राइवेट लिमिटेड
2. प्रोजेक्ट को प्राप्त स्वीकृति	लाइसेंस नं./वर्ष – 45/2019 दिनांक : 01.03.2019, निर्माण योजना स्वीकृति तिथि : 15.05.2019. मेमो नं. ZP-1295/JD(NC)/2019/11967. हरियाणा रेरा प्रमाणित न.: GGM/343/75/2019/37
3. स्थान	सेक्टर 37D, गुरुग्राम, हरियाणा।
4. प्रोजेक्ट के क्षेत्रफल संबंधी प्रावधान	हाउसिंग स्कीम के अंतर्गत 5.4875 एकड़ में कुल 754 अपार्टमेंट में से 754 अपार्टमेंट आवेदकों के लिए उपलब्ध हैं। इनमें से पॉलिसी अनुसार 5% फ्लैट मैनेजमेंट कोटे में आरक्षित हैं और 95% अपार्टमेंट सर्वसाधारण के लिए हैं। समुदाय सुविधाएँ : 2000 वर्गफुट का एक समुदाय भवन और 2000 वर्गफुट का एक आँगनवाड़ी–सह–क्रेश।

5. अपार्टमेंट के विवरण, आवंटन दर और भुगतान के नियम

अपार्टमेंट के विवरण						
कैटेगरी (टाइप)	यूनिट की संख्या	कारपेट एरिया वर्गफुट (लगभग)	बाल्कनी एरिया वर्गफुट (लगभग)	अपार्टमेंट के एलॉटमेंट की दर (सब मिला कर)*	आवेदन के साथ बुकिंग की राशि 5%	एलॉटमेंट पर 20%
2BHK TYPE-1	120	557.586	74.713	2,267,700.32	113,385	453,540
2BHK TYPE-2	120	601.944	74.519	2,445,037.22	122,252	489,007
2BHK TYPE-3	120	571.116	68.265	2,318,597.89	115,930	463,720
2BHK TYPE-4	120	572.43	75.94	2,327,688.09	116,384	465,538
2BHK TYPE-5	59	552.258	72.937	2,245,499.57	112,275	449,100
2BHK TYPE-6	19	553.442	84.239	2,255,886.83	112,794	451,177
1BHK TYPE-7	1	498.007	63.895	2,023,976.45	101,199	404,795
1BHK TYPE-8	1	499.191	75.197	2,034,363.71	101,718	406,873
3BHK TYPE-9	2	645.291	103.119	2,631,164.14	131,558	526,233
3BHK TYPE-9 (MQ)	38	645.291	103.119	2,631,164.14	131,558	526,233
2BHK TYPE-10	2	595.066	86.22	2,423,374.67	121,169	484,675
2BHK TYPE-11	140	603.118	83.313	2,454,127.42	122,706	490,825
1BHK TYPE-12	12	475.134	96.424	1,948,746.85	97,437	389,749

ii) बाकी 75% राशि का तीन वर्षों के दौरान 6 महीने तक बराबर किस्तों में भुगतान। भुगतान की नियत तिथि से पहले कोई ब्याज नहीं लगेगा। भुगतान में किसी चूक के लिए हर्जाना ब्याज देना होगा जैसा कि हरियाणा रीयल एस्टेट नियामक प्राधिकरण, विनियम, 2017 के नियम 15 में प्रावधान है।

6. **पार्किंग** प्रत्येक अपार्टमेंट के लिए दुपहिया वाहन पार्किंग।

7. **अपार्टमेंट के बारे में सामान्य विवरण** • फ्लोरिंग : कमरों में विट्रिफाइड टाइल्स, किचन में विट्रिफाइड/सिरामिक टाइल्स, टॉयलेट में एंटी स्किड सिरामिक टाइल्स, बाल्कनी में एंटी स्किड/मैट फिनिश सिरामिक टाइल्स, • खिड़कियाँ: IS कोड के अनुसार M.S. सेक्शन/अल्युमिनियम पाउडर कोटेड/UPVC • दरवाज़ों के फ्रेम: रेड मरंडी/माइल्ड स्टील/अल्युमिनियम पाउडर कोटेड/UPVC • वॉल टाइल : 4 फुट/7 फुट की ऊँचाई तक सिरामिक टाइल्स एवं ऊपर ऑयल बाउंड डिस्टेम्पर • किचन काउंटर टॉप ग्रीन मार्बल/ग्रेनाइट • दीवार: ऑयल बांड डिसटेंपर • सेनिटरी फिटिंग: ISI मार्क CP फिटिंग्स, W.C. और वॉश बेसिन • इलेक्ट्रिक फिटिंग: ISI मार्क।

8. **आवेदन की समय सीमाएँ** i) आवेदन पत्र दिनांक 07.07.2019 से आवेदन शुल्क 1000 रुपये भुगतान कर Sarvpriya Securities Pvt. Ltd. Address : Corp. and Regd. Office: Unit No. 201B, 2nd Floor, Tower A, Signature Tower, South City-1, Gurugram, Haryana - 122001, 0124-4908200 से प्राप्त और इसी पते पर जमा कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए कॉल करें : 7053–121–121 ii) आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि : 22.07.2019. iii) वितरण और संग्रह केंद्रों की सूची www.signatureglobal.in पर उपलब्ध है। iv) आवेदन पत्र प्राप्त करने और ऑनलाइन आवेदन जमा करने की सुविधा www.signatureglobal.in पर भी उपलब्ध है।

योग्यता: 1. आवेदक पर किसी मौजूदा कानून के तहत कानूनी तौर पर बाध्यकारी करार करने पर रोक नहीं हो। 2. आवेदन कोई भी कर सकता है हालाँकि एलॉटमेंट में प्राथमिकता PMAY (पीएमएवाई) लाभार्थियों को दी जाएगी जिनमें आवेदक समेत उनकी पत्नी (या पति) या आश्रित संतान शामिल हैं जिनकी पहचान 'प्रधानमंत्री आवास योजना – सबके लिए आवास' प्रोग्राम के तहत शहरी स्थानीय निकाय विभाग, हरियाणा के तहत की गई हो। पहली प्राथमिकता कथित शहर के पहचान किए गए लाभार्थियों को दी जाएगी। इसके बाद हरियाणा राज्य के अन्य पीएमएवाई लाभार्थियों को दी जाएगी। इसके बाद बचे फ्लैट के एलॉटमेंट में ऐसे आवेदक समेत उनकी पत्नी (या पति) या आश्रित संतान को प्राथमिकता दी जाएगी जिनका हुडा की किसी कॉलोनी/सेक्टर या हरियाणा शहरी क्षेत्र या केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की किसी लाइसेंस्ड कॉलोनी में अपना फ्लैट/प्लॉट नहीं हो। 3. एक व्यक्ति एक ही आवेदन कर सकता है। इस नीति के तहत सफल कोई भी आवेदक इस नीति के तहत अन्य किसी कॉलोनी में अन्य फ्लैट के लिए आवेदन योग्य नहीं माना जाएगा। यदि कोई आवेदक एक से अधिक कॉलोनी में आवंटन के लिए सफल होता है तो पसंद का केवल एक फ्लैट चुनना होगा।

आवंटन के मानक: 1. अपार्टमेंट का आवंटन एक समिति के सामने लॉट्री से होगा। समिति में उपायुक्त या उनके प्रतिनिधि (न्यूनतम हरियाणा लोक सेवा स्तर के अधिकारी), वरिष्ठ नगर नियोजक (सर्कल कार्यालय), संबद्ध ज़िले के डीटीपी और संबद्ध कोलोनाइज़र के प्रतिनिधि होंगे। 2. लॉट्री की तिथि निर्धारित करने के बाद डेवलपर उसी समाचार पत्र में विज्ञापन देंगे जिसमें यह मूल विज्ञापन प्रकाशित होगा। विज्ञापन में आवेदकों को लॉट्री की तिथि और स्थान के विवरण दिए जाएँगे। 3. मानकों की पूरी जानकारी और आरंभिक जाँच और आवंटन के लिए निर्धारित समय सीमा के लिए आवेदक अफोर्डेबल ग्रुप हाउसिंग पॉलिसी 2013 के विवरण देखें जो 19.08.2013 दिनांकित अधिसूचना सं. PF-27/48921 और उसमें संशोधन में उपलब्ध है। (विवरण विभागीय वेबसाइट tcpharyana.gov.in पर उपलब्ध हैं)।

RERA REGISTERED

THE MILLENNIA
SECTOR 37D, GURUGRAM
HRERA REG. NO.: GGM/343/75/2019/37

HAR PARIVAR EK GHAR

PMAY 12 लाख रुपये के आवास ऋण पर PMAY (प्रधानमंत्री आवास योजना) के तहत लगभग 2.67 लाख रुपये ब्याज सबसिडी का लाभ उठाएँ**

HOME LOAN PARTNERS: HDFC REF LOANS | Indiabulls Housing | HDFC Bank | YES BANK | ART | TATA CAPITAL | Indiabulls HOME LOANS | shubham

7053-121-121

Disclaimer: Promoter urges every applicant to inspect the project site and shall not merely rely upon or to be influenced by any architectural impression, plan or sales brochure and therefore requested to make personal judgment prior to submitting an application for allotment. The images shown here are indicative of design and for illustration purposes only. Further the actual design may vary in fit and finished from the one displayed above. Project details / specifications can also be accessed at the office of Haryana Real Estate Regulatory Authority website https://haryanarera.gov.in/. Journey time shown, if any is based upon google maps which may vary as per traffic at relevant point of time.
*Rate mentioned above does not include GST and other statutory charges if applicable, T & C Apply. 1 Sq. mt = 10.7639 sq. ft.; **The subsidy differs as per the eligibility of the client's profile and the loan amount. This is the max amount of subsidy that a client can receive and the same goes with the loan amount too for availing the subsidy. Please note that the loan can be sanctioned more than 12 lacs but subsidy can be availed only till 12 lacs of loan amount

SARVPRIYA SECURITIES PVT. LTD. | CIN : U74900HR1995PTC032791 | Corp. and Regd. Office: Unit No. 201B, 2nd Floor, Tower A, Signature Tower, South City-1, Gurugram, Haryana - 122001 | www.signatureglobal.in

दिल्ली पुलिस
शांति सेवा न्याय

यह अनजान ठक–ठक

हो सकती है ख़तरे की दस्तक

किसी अजनबी के ठक–ठक करने पर कभी भी अपनी गाड़ी के शीशे नीचे न करें।
यह एक चाल हो सकती है आपका ध्यान भटका कर गाड़ी से आपका कीमती सामान चुराने की।

कुछ ऐसी ही अन्य चालें :

- आपका वॉलेट या पर्स गिरा है
- सड़क पर पैसे गिरे हैं
- टायर पंक्चर है
- डिकी खुली है
- तेल लीक हो रहा है
- भीख या मदद माँगने का बहाना करना

सुरक्षा टिप्स

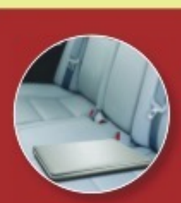

यदि पीछे की सीट पर कोई बैठा न हो तो वहाँ बैग आदि न रखें

डैशबोर्ड पर कीमती सामान न रखें

सुनिश्चित करें कि गाड़ी की खिड़कियों के सभी शीशे पूरी तरह बंद हैं

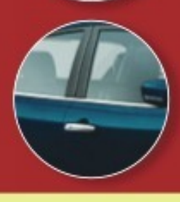

सुनिश्चित करें कि गाड़ी के सभी दरवाजे लॉक हैं

पुलिस आयुक्त, दिल्ली को ई–मेल करें:
cp.amulyapatnaik@delhipolice.gov.in

लिखें: पुलिस आयुक्त दिल्ली को पोस्ट बॉक्स नं. 171, जीपीओ, नई दिल्ली पर

तुरंत पुलिस सहायता के लिए कॉल करें – 100

पुलिस को सूचना देने के लिए कॉल करें – 1090

DP/9121/19

मौसम

तापमान	नोएडा	गाजियाबाद	गुरुग्राम	फरीदाबाद
अधिकतम	37.0 डि.से.	37.0 डि.से.	36.1 डि.से.	34.6 डि.से.
न्यूनतम	26.8 डि.से.	26.8 डि.से.	26.5 डि.से.	26.5 डि.से.

दिल्ली सरकार स्कूली कक्षाओं के सीसीटीवी कैमरे को जोड़ेगी मोबाइल से

अब बच्चों पर सीधे अभिभावक की नजर

- व्यवस्था लागू होने वाला देश का पहला स्कूल
- सरकार का दावा, इससे शिक्षा का स्तर सुधरेगा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 6 जुलाई।

अब अभिभावकों को स्कूल में चल रही बच्चे की पढ़ाई की जानकारी उनके मोबाइल पर उपलब्ध होगी। शनिवार को दिल्ली सरकार ने दक्षिणी दिल्ली के लाजपत नगर के सरकारी स्कूल से इस व्यवस्था की शुरुआत की। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस योजना को मील का पत्थर बताया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार नवंबर तक सभी स्कूलों में इस व्यवस्था को लागू करेगी। मुख्यमंत्री ने निजी स्कूलों को भी इस परियोजना के तहत लाने का वादा किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए दिल्ली सरकार पिछले 3 साल से संघर्ष कर रही थी। इस व्यवस्था का विपक्ष ने भी विरोध किया था। इस परियोजना में अड़चन लगाने के लिए अदालत तक गए थे। लेकिन दिल्ली सरकार ने इस परियोजना को लागू किया। उन्होंने कहा कि इस नई व्यवस्था से शिक्षा का स्तर सुधरेगा। इस तरह की व्यवस्था वाला यह दिल्ली सरकार का पहला स्कूल है। उन्होंने बताया कि 6 साल की बच्ची से बलात्कार हो रहा है। इससे साफ है लोगों के मन का डर खत्म हो चुका है, उन्हें लगता है कि उन्हें कुछ नहीं होगा। यदि मौके पर सीसीटीवी कैमरा होता है तो उसका डर रहता है। इसकी मदद से ऐसी घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। वहीं दूसरी तरफ इस व्यवस्था पर निगरानी बढ़ जाती है। कई बार देखने में आया था कि बच्चे स्कूल में नहीं आते थे और बाहर रहते थे। बाद में समय पूरा होने पर घर चले जाते हैं। इस व्यवस्था से बच्चों की बदमाशी भी खत्म होगी। इससे अभिभावक भी खुश है। उन्होंने कहा कि आज का माहौल खराब हो गया है और कोई भी बच्चा बाहर होता है, तो उसके अभिभावकों को डर रहता है। नई व्यवस्था से यह डर खत्म होगा और शरारती बच्चों पर लगाम लगेगी। स्कूलों में बच्चे पढ़ने के लिए आते हैं और अनुशासन सिखने के लिए आते हैं। इसमें कोई निजता खराब नहीं होगी। उन्होंने कहा कि अभी तक सीसीटीवी कैमरे लगते थे और खराब हो जाते थे। नई व्यवस्था से अभिभावक को पता चल जाएगा कि स्कूल के कैमरे खराब हैं। इससे स्कूलों पर अभिभावकों की निगरानी बढ़ेगी। उन्होंने दावा किया कि इससे बच्चों के परीक्षा परिणाम भी बेहतर होंगे। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि यह देश का पहला सरकारी स्कूल है, जहां हर कमरे में सीसीटीवी लगा है और अभिभावक इसकी फीड देख सकेंगे। एक निजी स्कूल में बच्चे की मौत हो गई थी और कहीं गड़बड़ की अंदेशा हुई थी। इसके बाद मुख्यमंत्री ने स्कूल में सीसीटीवी कैमरे लगाने के आदेश दिए थे। इसके बाद एक शिक्षक की हत्या हुई थी। यह भी क्लासरूम में हुआ था। इसके बाद अंदर व बाहर सीसीटीवी का फैसला लिया गया। पिछले चार साल में शिक्षा का माहौल बदला है।

दिल्ली सरकार की ओर से स्कूलों में सीसीटीवी कैमरे से मोबाइल पर फुटेज मिलने की व्यवस्था का आरंभ किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया मौजूद रहे।

नशे में वीडियो देखते समय हुआ था हादसा

रायसीना रोड पर युवक को टक्कर मारने का आरोपी गिरफ्तार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 6 जुलाई।

संसद मार्ग थाना इलाके में कार से टक्कर मारकर एक युवक की जान लेने के आरोप में फरार अंकित गुलाटी को शनिवार सुबह पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गुलाटी रेडियो सिटी एफएम का वरिष्ठ प्रबंधक है। पुलिस ने कार को भी जब्त कर लिया है। अंकित गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय से बीबीए करने के बाद आइआइपीएम से एमबीए पास है।

नई दिल्ली जिला पुलिस उपायुक्त मधुर वर्मा ने बताया कि 30 जून को संसद मार्ग थाना इलाके के रायसीना रोड, ली मरेडियन होटल के पास एक कार क्षतिग्रस्त हालत में मिली थी। वहां धीरज नामक युवक घायल हालत में मिला था। उसे राममनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। धीरज संसद मार्ग के पास स्थित फ्री चर्च में रहता था। इस मामले का कोई चश्मदीद नहीं था। सिर्फ घटनास्थल पर कुछ दुर्घटनाग्रस्त कार से कलपुर्जे मिले थे और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाला तो क्रेटा कार को चलाने वाले अंकित गुलाटी की पहचान हुई। गुलाटी को शनिवार सुबह गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में अंकित ने बताया कि वारदात के दिन वह अपने एक दोस्त के साथ नेहरू प्लेस के इरोज होटल गया था। वहां शराब पीने के बाद तड़के लौटते समय कनॉट प्लेस इलाके में फोन पर वीडियो देखते हुए एक्टिवा सवार को नहीं देखा और दुर्घटना हो गई।

ट्रक से हुई टक्कर, टेंपो चालक की मौत

बाहरी-उत्तरी जिले के अलीपुर इलाके में शनिवार तड़के एक टेंपों व ट्रक की आपसी भिड़ंत में टेंपों चालक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए पास के अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। मृतक की पहचान 22 साल के रोहन कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक शनिवार तड़के चार बजे सूचना मिली कि सिंधु बार्डर के पास टेंपों एक ट्रक के पीछे घुस गया है। पुलिस ने पाया कि टेंपों का आगे का हिस्सा ट्रक के पीछे बुरी तरह घुसा हुआ है। वही टेंपों के कंडक्टर सीट की तरफ एक युवक फंसा हुआ है। पुलिस ने दमकल विभाग की मदद से गैस कटर से काट कर घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया।

लकी ड्रॉ के बहाने एक हजार लोगों से ठगी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 6 जुलाई।

लकी ड्रॉ के बहाने एक हजार से ज्यादा लोगों से लाखों रुपए ठगने वाले शातिर को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान संगम विहार निवासी दीपक नेगी के रूप में हुई है। उसके पास से दो लैपटॉप, दस कंप्यूटर, चेकबुक बरामद हुए हैं। आरोपी दीपक ने देश भर के एक हजार से ज्यादा लोगों से ठगी कर पिछले एक साल में 1.5 करोड़ रुपए से ज्यादा का चूना लगाया है।

दक्षिण-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त के मुताबिक, ओडिशा की एक शिक्षिका ने मई में ई-कॉमर्स कंपनी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने कहा कि महिला को अपनी फोटो और आधार पहचान पत्र के साथ पुरस्कार मूल्य का कुछ हिस्सा जमा कराने के लिए कहा गया था। महिला ने चार बार 62,649 रुपए स्थानांतरित किए, लेकिन उसे कोई पुरस्कार नहीं मिला। फिर एक अन्य घटना में गुजरात के एक व्यक्ति से इसी तरह 5.84 लाख रुपए ठगे गए। पुलिस को जांच के दौरान बैंक स्टेटमेंट के जरिए कंपनी के बारे में जानकारी मिली और नेगी की पहचान कंपनी के मालिक के रूप में हुई। उसे सोमवार को कालकाजी से गिरफ्तार किया गया। उपायुक्त बिस्वाल ने बताया कि दीपक ने खुलासा किया कि उसने अपने साथियों परमेश्वर, मनमोहन, भरत ललवानी और अंश ललवानी के साथ मिलकर कंपनी शुरू की थी और वे लकी ड्रा प्रतियोगिताओं के बहाने लोगों से ठगी किया करते थे।

लड़की की शिकायत करना युवक को पड़ा भारी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 6 जुलाई।

निहाल विहार इलाके में एक लड़की की शिकायत करना एक युवक को भारी पड़ गया। आरोप है कि शिकायत से नाराज लड़की के पुरुष मित्र ने युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर घायल कर फरार हो गया। जानकारी के मुताबिक, घायल युवक की पहचान प्रद्युमन के रूप में हुई है। वह दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रहा है। उसका कमरुद्दीन नगर इलाके में गोदाम है। उसी इलाके में शुभम नामक युवक रहता है। कुछ दिन पहले शुभम को एक लड़की के साथ देखा था। जिसके बारे में लड़की के परिवार को मामले की जानकारी दी थी। शुक्रवार को दिन में उसे रास्ते में शुभम मिल गया। उसने उसका रास्ता रोक लिया। बहसबाजी के बीच शुभम ने उसकी छाती पर चाकू से कई वार किए।

असीम बने वक्फ बोर्ड अध्यक्ष, भाजपा ने कहा तुष्टीकरण

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 6 जुलाई।

आम आदमी पार्टी ने मटियाला से विधायक असीम अहमद खान को दिल्ली वक्फ बोर्ड का अध्यक्ष बनाया है। असीम खान दिल्ली सरकार में मंत्री रह चुके हैं और इन पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद मुख्यमंत्री ने इन्हें इस पद से हटा दिया था। करीब चार साल बाद असीम खान को आम आदमी पार्टी मुखिया ने एक अहम जिम्मेदारी सौंपी है। इस तैनाती को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने दिल्ली सरकार को घेरा। उन्होंने इसे आम आदमी पार्टी की तुष्टीकरण की नीति करार दिया है।

जानकारी के मुताबिक, जिन मामलों में असीम खान के ऊपर आरोप लगाए गए थे, उन आरोपों में कुछ भी साबित नहीं हो पाया है। इसके बाद पार्टी ने यह बड़ा फैसला किया है। मामले में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि ईमानदारी का चोला ओढ़कर दिल्ली की राजनीति करने वाले अरविंद केजरीवाल का भ्रष्टाचारी चेहरा अब सबके सामने आ गया है। उन्होंने कहा कि वे केवल तुष्टीकरण की राजनीति कर रहे हैं और राजनीति के लिए किसी के साथ भी गठजोड़ कर सकते हैं। असीम को दिया गया बोर्ड अध्यक्ष का पद भी इसी बात का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी पर सत्ता में आने के बाद से ही लगातार भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे हैं। चाहे मामला दिल्ली में निजी बिजली कंपनियों की लूट से संबंधित रहा हो या फिर स्कूलों के निर्माण में कई गुना दरों पर काम करवाना रहा हो। आम आदमी पार्टी की सरकार ने एक के बाद एक बड़ी मिसाल कायम की है। इस का जवाब भी दिल्ली की जनता ने लोकसभा चुनाव में इसे दिया है।

इंटरसेप्टर सीवर परियोजना पर दिल्ली जल बोर्ड को निर्देश

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 6 जुलाई।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) द्वारा नियुक्त यमुना निगरानी समिति ने दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) को इंटरसेप्टर सीवर परियोजना (आईएसपी) के तहत शामिल नहीं की गई अनधिकृत कॉलोनियों की सूची 15 जुलाई तक प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। समिति ने चेतावनी दी कि अगर डीजेबी ऐसा करने में विफल रहा, तो मामला एनजीटी के समक्ष उठाया जाएगा। निगरानी समिति ने कहा कि डीजेबी को यह भी बताना चाहिए कि किस कॉलोनी के गंदे पानी को किस जलमल शोधन संयंत्र (एसटीपी) में भेजा जाएगा।

आइएसपी के तहत अनधिकृत कॉलोनियों की सूची 15 जुलाई तक प्रस्तुत करने का निर्देश

डीजेबी 'इंटरसेप्टर सीवर' स्थापित करने की प्रक्रिया में है जो यमुना नदी में प्रदूषण को कम करने में मदद करेगा। अधिकारियों का कहना है कि इसका 97 फीसद काम पूरा हो चुका है। इससे पहले, अनधिकृत कॉलोनियों का गंदा पानी शहर के तीन मुख्य नालों नजफगढ़, सेप्लीमेंट्री और शहादरा के जरिए सीधे यमुना नदी में प्रवाहित होता था। आइएसपी अनधिकृत कॉलोनियों से गंदे पानी को रोककर इसे पास के एसटीपी में भेजता है जो इस पानी को साफ कर उसे मुख्य नालों में भेजता है।

पूर्वी निगम के स्कूलों में होगी डिजिटल शिक्षण पाठयक्रम से पढ़ाई

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 6 जुलाई।

पूर्वी दिल्ली नगर निगम के स्कूलों में अब बच्चे डिजिटल शिक्षण सामग्री से रोचक, मजेदार एवं संवादात्मक तरीके से पढ़ाई कर सकेंगे। विश्वस्तरीय कंपनी अर्नेस्ट एंड यंग फाउंडेशन की ओर से प्राथमिक स्तर पर पढ़ने वाले बच्चों के लिए डिजिटल पाठ्यक्रम को पेन ड्राइव के माध्यम से निगम को बिना किसी शुल्क के हस्तांतरित किया गया है।

32 जीबी की इस पेन ड्राइव में हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में रोचक रूप से ध्वनियों और दृश्यों के माध्यम से पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। पूर्वी निगम के सभागार में शनिवार को 240 पेन ड्राइव पूर्वी निगम को सौंपी गई हैं। इस मौके पर शिक्षा विभाग के निदेशक, लेफ्टिनेंट कर्नल अशोक कुमार, फाउंडेशन के कायर्कारी अधिकारी उमेश दुबे मौजूद थे। शिक्षा विभाग के निदेशक लेफ्टिनेंट कर्नल अशोक कुमार ने बताया कि डिजिटल शिक्षा के जरिए कक्षाओं का शिक्षण अधिक मजेदार होगा क्योंकि इसमें बच्चे न केवल इसे सुनेंगे बल्कि इसे स्क्रीन पर भी देखेंगे। फाउंडेशन के उमेश दुबे ने कहा कि निगम को सौंपी गई ये पेन ड्राइव वायरस रहित हैं और इसकी पांच वर्षों की वारंटी हैं।

बायोमिथिनेशन संयंत्र से 250 किलोवाट बिजली उत्पादन

द्वारका में पांच टन प्रतिदिन क्षमता के एक बायोमिथिनेशन संयंत्र की शुरुआत की गई। कचरा प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए ऐसे और संयंत्रों की जरूरत पर सांसद प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने बल दिया। दक्षिणी निगम ने चार बायोमिथिनेशन संयंत्र, चार एरोबिक ड्रम कंपोस्टर और कई दूषित जल उपचार संयंत्र लगाने का फैसला किया है, जिनमें से एक संयंत्र पंजाबी बाग में लगाया जा चुका था। यह संयंत्र एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने उड़ाया संवैधानिक संस्थाओं का मजाक : विजेंद्र

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 6 जुलाई।

शनिवार को विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राजनीतिक स्वार्थ के लिए संवैधानिक संस्थाओं का मजाक उड़ाया है। ये प्रतिक्रिया उन्होंने विशेष अदालत के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया व विधायक सोमनाथ भारती पर आरोप तय किए जाने के मामले में दी। गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री ने संवैधानिक पद पर रखते हुए संवैधानिक व्यवस्थाओं का मजाक उड़ाया है। उन्होंने निषेधाज्ञा होने के बाद भी 20 जनवरी 2014 को रेल भवन के समीप अपने साथियों के साथ प्रदर्शन किया। पुलिस ने उनके खिलाफ कई धाराओं में मामला दर्ज किया था।

आरोप तय किए जाने के मामले में उन्होंने कहा

पौधरोपण

श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव राम लाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू, भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन और सांसद मीनाक्षी लेखी ने दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय पर पौधरोपण किया।

'आचार्य ज्योतींद्र के जीवन पर शोध की जरूरत'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 6 जुलाई।

- आचार्य पंकज जन्मशती समारोह में झारखंड के संथाल परगना के स्वाधीनता सेनानी और साहित्यकार आचार्य ज्योतींद्र प्रसाद झा पंकज पर आयोजित किया गया कार्यक्रम

आचार्य पंकज जन्मशती समारोह में झारखंड के संथाल परगना के स्वाधीनता सेनानी और साहित्यकार आचार्य ज्योतींद्र प्रसाद झा पंकज के जीवन और कर्म पर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अध्यक्ष रामबहादुर राय ने गंभीर शोध की जरूरत बताई है।

इस अवसर पर 1950-60 के दशक में उनकी प्रकाशित कृतियों का डॉ गंगा प्रसाद विमल द्वारा संकलित और संपादित पुस्तक का विमोचन किया गया। समारोह में प्रथम आचार्य ज्योतींद्र प्रसाद झा पंकज स्मृति पुरस्कार कथाकार समीक्षक डॉ बिक्रम सिंह को दिया गया। रामबहादुर राय के अनुसार संथाल परगना के निवासियों की जीवटता और स्वाभिमान के वे कायल हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विमोचित पुस्तक के संपादक डॉ गंगा प्रसाद विमल ने आचार्य पंकज के साहित्य को हिंदी संसार के समक्ष प्रस्तुत करते हुए कहा कि हिंदी साहित्य के इस अद्भुत साहित्य मनीषी के कुछ प्राप्य साहित्य से उनको और उनके युग के समाज को समझने के कुछ सूत्र तो प्राप्त होते हैं। लेकिन अभी भी उनपर विस्तृत शोध की आवश्यकता है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ राजकुमार जैन ने भी पंकज के व्यक्तित्व को डॉ लोहिया की तरह का जीवट व्यक्तित्व बताया। समारोह के बाद काव्य गोष्ठी में डॉ गंगा प्रसाद विमल, डॉ सुरेश ऋतुपर्ण, डॉ ओम निश्चल, मिथिलेश श्रीवास्तव और कुमार अनुपम ने कविता पाठ किया।

हवाईअड्डे पर पांच कारतूसों के साथ पकड़ी गई महिला

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 6 जुलाई।

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर एक महिला को कथित रूप से अपने बैग में पांच कारतूस ले जाने के आरोप में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) ने पकड़ा है। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार को एअर इंडिया की उड़ान से कोलकाता जा रही तृषा मंडल के बैग से शाम 4 बजे सामान की जांच के दौरान कारतूस मिले, जिसके बाद केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ने उन्हें रोक लिया। महिला के बैग से कुल पांच कारतूस बरामद हुए। महिला के संतोषजनक जवाब न दे पाने पर इन्हें दिल्ली पुलिस को सौंप दिया गया है।

आज के कार्यक्रम

सभा संगोष्ठी / विविध

ब्लैक पर्ल आर्ट : पतलून का मंचन, एलटीजी सभागार, कॉपरनिकस मार्ग, मंडी हाउस, शाम सात बजे।

मोदी और शिंजो आबे की मुलाकात पर हुई चर्चा

भागीदारी से मजबूत होगा परिवहन, संचार और जल संचयन

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 6 जुलाई।

दिल्ली स्ट्डी ग्रुप और औद्योगिक संस्था एसोचैम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के बीच जापान में हाल ही में हुई शिखर वार्ता पर दिल्ली में विचार गोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम में भारत के उद्योगपति, बुद्धिजीवी, राजनयिक, पत्रकार व शिक्षाविद् उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली स्ट्डी ग्रुप के अध्यक्ष व पूर्व दिल्ली विधायक विजय जौली ने की।

मुख्य वक्ता जापान दूतावास के मिनिस्टर केनको सोने रहे। केनको इससे पहले टोकियो में प्रधानमंत्री कार्यालय में वित्त मामलों के निदेशक भी रह चुके हैं। जापानी राजनयिक सोने ने प्रधानमंत्री मोदी की जापान यात्रा को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि जापान-भारत भागीदारी के चलते जापान, भारत के विभिन्न क्षेत्रों विशेषकर जल संचय, शहरी परिवहन, बुनियादी ढांचे के विकास, भारत में बुलेट ट्रेन, मेट्रो रेल, चिकत्सा व स्वास्थ्य सेवाओं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक, कृषि तथा कचरा प्रबंधन क्षेत्रों में आर्थिक व तकनीकी सहयोग कर रहा है। इस अवसर पर स्ट्डी ग्रुप अध्यक्ष जौली ने बताया कि 508 किलोमीटर लंबे मुंबई-अमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में जापान के 88,000 करोड़ रुपए के सुलभ ऋण से भारत में 22,000 हजार युवाओं को नौकरियां मिलेंगी। इसके लिए जौली ने प्रधानमंत्री मोदी की सराहना की। भारत में 1997 के बाद शहरी परिवहन क्षेत्र में सबसे बड़ा बदलाव जापान के सहयोग से दिल्ली-एनसीआर मेट्रो परियोजना के शुभारंभ से हुआ। इसका लाभ भारत के अन्य राज्यों को भी मिलेगा।

दिल्ली स्ट्डी ग्रुप और औद्योगिक संस्था एसोचैम ने जापान में हुई शिखर वार्ता पर किया आयोजन

बर्खास्त आयकर आयुक्त के ठिकानों पर छापे

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 6 जुलाई।

सीबीआइ ने बर्खास्त आयकर आयुक्त एसके श्रीवास्तव के नोएडा स्थित आवास और कार्यालय पर छापेमारी की है। अधिकारियों ने सरकार को बताया कि छापेमारी शुक्रवार को शुरू हुई और यह शनिवार देर रात तक जारी रही।

अधिकारियों के मुताबिक, ठगी- धोखाधड़ी और अनुचित लाभ हासिल करने के आरोप में श्रीवास्तव के खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद छापेमारी की गई। श्रीवास्तव उन कई आयकर अधिकारियों में शामिल थे, जिन्हें हाल में सरकार ने सेवानिवृत्त कर दिया था।

सीबीआइ ने पूर्व आयकर आयुक्त के दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद स्थित ठिकानों सहित 13 स्थानों पर छापेमारी की। सीबीआइ ने इनके घर से छापेमारी में दो करोड़ 47 लाख के आभूषण, 16 लाख 44 हजार रुपए नकद, दस लाख की घड़ी तथा संपत्ति के दस्तावेज बरामद किए हैं।

- दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद में 13 जगहों पर छापेमारी
- करोड़ों के आभूषण, नकदी, बहुमूल्य वस्तुएं और संपत्तियों के दस्तावेज बरामद

अधिकारियों के मुताबिक, संजय कुमार श्रीवास्तव ने बतौर आयकर आयुक्त 104 मामले अपील में सैटल किए थे। 13 मामले उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आते थे।

इनके ऊपर आरोप है कि जब ये बतौर कमिश्नर ऑफ इनकम टैक्स (अपील 1) नोएडा में तैनात थे तो इनके पास अपील-2 का अतिरिक्त प्रभार था। इन पर आरोप है कि इन्होंने जून 2019 में अनुमोदित आयकर के 104 ऑर्डर को पिछली तारीख- दिसंबर 2018 में दिखाया था। इनमें से 13 ऑर्डर ऐसे थे जो उनके दायरे में था ही नहीं।

छत्तीसगढ़ : मुठभेड़ में चार नक्सली ढेर

रायपुर, 6 जुलाई (भाषा)।

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित धमतरी जिले में सुरक्षा बलों के साथ शनिवार सुबह मुठभेड़ में तीन महिला नक्सलियों समेत चार नक्सली मारे गए।

राज्य में नक्सल मामलों के पुलिस उपमहानिरीक्षक सुंदरराज पी ने शनिवार यहां बताया कि जिले के खल्लारी और मेचका गांव के मध्य जंगल में एसटीएफ के दल के साथ सुबह मुठभेड़ में चार नक्सली मारे गए। उन्होंने बताया कि खल्लारी क्षेत्र में एसटीएफ का दल गश्त कर रहा था। दल जब खल्लारी और मेचका गांव के मध्य जंगल में था तब नक्सलियों ने उस पर गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। कुछ देर तक दोनों ओर से गोलीबारी के बाद नक्सली वहां से फरार हो गए। बाद में जब पुलिस दल ने घटनास्थल में तलाश अभियान चलाया तो वहां से तीन महिला नक्सली समेत चार नक्सलियों के शव, सात हथियार और अन्य सामान बरामद किया गया।

दो बसों की टक्कर में 12 तीर्थयात्री घायल

श्रीनगर, 6 जुलाई (भाषा)।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में शनिवार को अमरनाथ यात्रा के आधार शिविर के रास्ते में दो बसों की टक्कर में 12 श्रद्धालु घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

वैभव ग्लोबल लिमिटेड

CIN: L36911RJ1989PLC004945; रजि. कार्या.- के-6बी, फतेह टीबा, आदर्श नगर, जयपुर-302004; फोन: 91-141-2601020; फैक्स : 91-141-2605077;
ई-मेल : investor_relations@vaibhavglobal.com; वेबसाइट : www.vaibhavglobal.com

डाक मत पत्र एवं ई-वोटिंग की सूचना

1. एतत् द्वारा सूचित किया जाता है कि कम्पनी अधिनियम, 2013 (''अधिनियम'') की धारा 110 के प्रावधानों एवं संशोधित कम्पनी (प्रबधन एवं प्रशासन) नियम, 2014 (''नियम'') के साथ पठित, के अनुसरण में कम्पनी ने दिनांक 30 मई, 2019 को डाक मतपत्र सूचना में निर्धारित विषयों पर प्रस्ताव के माध्यम से उनकी सहमति प्राप्त करने के लिये, सदस्यों को डाक मतपत्र सूचना और डाक मतपत्र फार्म इलेक्ट्रोनिक प्रेषण /भौतिक रूप से भेजने का कार्य शनिवार, 06 जुलाई, 2019 को पूर्ण कर लिया गया है। डाक मतपत्र सूचना और डाक मतपत्र फार्म कम्पनी की वेबसाईट www.vaibhavglobal.com और कार्वी की वेबसाईट https://evoting.karvy.com पर उपलब्ध है।
2. अधिनियम की धारा 108 के प्रावधानों एवं संशोधित नियमों के साथ पठित तथा सेबी द्वारा प्रस्तावित सेबी (लिस्टिंग ऑब्लीगेशन व डिस्क्लोजर रिक्वायरमेन्ट) विनियमन, 2015 के अनुसार, डाक मतपत्र सूचना में वर्णित कार्यकलाप ई-वोटिंग के माध्यम से सम्पादित किये जा सकते हैं। कम्पनी सदस्यों के लिये इलेक्ट्रोनिक माध्यम से मतदान करने का अधिकार प्रयोग करने के लिए सुविधा प्रदान कर रही है और कार्वी फिनटेक प्राईवेट लिमिटेड (''कार्वी'') द्वारा उपलब्ध ई-वोटिंग प्लेटफार्म के माध्यम से सम्पादित किये जा सकते हैं। सदस्य जो शुक्रवार, 28 जून, 2019 की कट-ऑफ तिथि पर शेयर रखते हैं वो इलेक्ट्रोनिक रूप से वोट डाल सकते हैं। इलेक्ट्रोनिक वोट देने के लिए यूजर आईडी और पासवर्ड सभी सदस्यों को भेज दिया गया है।
3. ई-वोटिंग रविवार, 7 जुलाई 2019, प्रातः 10.00 बजे आरम्भ होगी एवं वोटिंग करने की अन्तिम तिथि सोमवार, 5 अगस्त, 2019 को सांय 5.00 बजे तक रहेगी। उसके बाद ई-वोटिंग मॉड्यूल कार्वी द्वारा निष्क्रिय कर दिया जाएगा। सदस्य द्वारा एक बार वोट डालने के बाद उसे बदलने की अनुमति नही होगी। ई-वोटिंग की विस्तृत प्रक्रिया/ निर्देश डाक मतपत्र सूचना में दिये गये हैं।
4. डाक मतपत्र द्वारा वोटिंग रविवार, 7 जुलाई 2019, को प्रारम्भ होगी तथा वोट प्राप्त करने की अन्तिम तिथि सोमवार, 5 अगस्त, 2019 सांय 5.00 बजे तक है। इसके बाद प्राप्त डाक मतपत्रों को उन सदस्यों से जवाब प्राप्त नहीं हुआ माना जायेगा।
5. सदस्य, जिन्हें डाक मतपत्र प्राप्त नहीं हुऐ हैं, वे कम्पनी के पंजीकृत (रजिस्टर्ड) कार्यालय एवं evoting@karvy.com पर ई-मेल के जरिये डुप्लीकेट डाक मतपत्र के लिए आवेदन कर सकते हैं।
6. ई-वोटिंग सहित डाक मतपत्र द्वारा मतदान से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए आप https://evoting.karvy.com के Frequently Asked Question (FAQ) देख सकते हैं या ई-वोटिंग उपयोगकर्ता पुस्तिका को कार्वी की वेबसाईट से डाउनलोड कर सकते हैं। इसके अलावा कार्वी की श्रीमती सी. शोभा आनन्द, कार्वी फिनटेक प्राईवेट लिमिटेड, कार्वी सेलीनियम टॉवर बी, प्लॉट 31-32, गाचीबाउली, फाईनेनशल डिस्ट्रीक, नानकरामगुड़ा, सेरीलिंगमपल्ली, हैदराबाद-500032, तेलंगाना, भारत टेलीफोन नं.- 040-67162222, ई-मेल evoting@karvy.com पर उन्हें सम्पर्क कर सकते हैं।
7. डाक मतपत्र के परिणाम कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय में बुधवार, 7 अगस्त, 2019 को या इससे पूर्व घोषित किये जायेंगे। जो कि कम्पनी की वेबसाईट www.vaibhavglobal.com व कार्वी की वेबसाईट https://evoting.karvy.com पर उपलब्ध होने के साथ ही स्टॉक एक्सचेंजों को भी प्रेषित किया जाएगा।
8. कट-ऑफ दिनांक 28 जून, 2019 को जो व्यक्ति कम्पनी का सदस्य नहीं है वह इस सूचना को जानकारी मात्र के लिये मानें।

कृते वैभव ग्लोबल लिमिटेड
हस्ताक्षर
सुशील शर्मा (कंपनी सचिव)
FCS: 6535

स्थान : जयपुर
दिनांक : 6 जुलाई, 2019
• यह सूचना अंग्रेजी प्रारूप का रूपांतरण है।

सेना ने की घुसपैठ की कोशिश नाकाम, तीन आतंकवादी हुए ढेर

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 6 जून।

सेना ने जम्मू कश्मीर के माछिल सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर तीन आतंकवादियों को मार गिराने के साथ ही घुसपैठ की कोशिश शनिवार को नाकाम कर दी। सैन्य प्रवक्ता के मुताबिक, सैनिकों ने कुपवाड़ा जिले के माछिल सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर संदिग्ध गतिविधि देखने के बाद घुसपैठियों को ललकारा। मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गए।

इस बीच, पुलिस ने जम्मू कश्मीर के शोपियां जिले में घर से अगवा किए गए एक पुलिसकर्मी का शनिवर को शव बरामद किया। पुलिसकर्मी कुलगाम जिले में शेपोरा में सड़क किनारे मृत पाया गया। आतंकवादियों ने उसे अगवा कर लिया था। एक अधिकारी ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र मिश्रा के निजी सुरक्षा अधिकारी के तौर पर तैनात कांस्टेबल जावेद अहमद को बीती रात वेहिल में उसके घर से अज्ञात बंदूकधारी ने अगवा कर लिया था। कांस्टेबल के सिर में गोली मारी गई।

दूसरी ओर, जम्मू में पुलिस ने स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर शीतकालीन राजधानी को धमाकों से दहलाने की आतंकवादी साजिश को विफल करते हुए एक आतंकवादी को गिरफ्तार किया और उसके पास से आठ हथगोले बरामद किए। एक अधिकारी ने बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर पुलिस ने कल देर रात यहां गांधी नगर इलाके में एक बस को रोका और कश्मीर के एक युवक को गिरफ्तार किया। अधिकारी ने बताया कि आतंकवादी की पहचान दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में अवंतीपुरा निवासी अरफान वानी के रूप में हुई है। उसके पास से आठ हथगोले और 60 हजार रुपए नकद बरामद किए गए हैं।

ऋण वसूली अधिकरण, देहरादून

भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग
द्वितीय तल, पारस टॉवर, माजरा सहारनपुर रोड, देहरादून, उत्तराखंड–248171

रिकवरी अधिकारी–I, डीआरटी, देहरादून

मॉग व उपस्थिती सूचना

(ऋण वसूली व दिवालियापन अधिनियम, 1963 के अनुभाग 25 से 29 के साथ पढ़ते हुए आयकर अधिनियम, 1961 के द्वितीय अनुसूची के नियम 2 के अन्तर्गत नोटिस)

आर. सी. नं0 79/2019, टी.ए. संख्या 152/2018 डायरी नं0 482, दिनांक 25.06.2019

पंजाब नेशनल बैंक, बनाम् मैसर्स केबीजी एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड एवं अन्य
शाखा ऑफिस तिलक रोड
देहरादून, उत्तराखंड
सेवा में,

सीडी. 1: मैसर्स केबीजी एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड प्लॉट नं0 19 शिव गंगा इंडस्टीरियल एस्टेट्स, ग्राम लखेश्वरी, पो0 ऑफिस सिकंदरपुर, रूड़की, जिला हरिद्वार, उत्तराखंड.
द्वितीय पताः बी 207, एनसीआर रेजीडेंसी, सेंट ज्यूड्स के सामने, जीएमएस रोड, देहरादून, उत्तराखंड.
तृतीय पताः 1/1876, मानसरोवर पार्क, शाहदरा, दिल्ली– 110032.

सीडी. 2: रवि गोयल डायरेक्टर मैसर्स केबीजी एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड पुत्र श्री कुलभूषण गोयल, निवासी गली नं0 4, चमन विहार, निरंजनपुर, देहरादून, उत्तराखंड

सीडी. 3: रेखा गोयल डायरेक्टर मैसर्स केबीजी एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड पत्नी श्री कुलभूषण गोयल, निवासी गली नं0 4, चमन विहार, निरंजनपुर, देहरादून, उत्तराखंड

प्रमाणपत्र देनदार

यह सूचित करना है कि आप पर रू0 2,57,41,445.34/– (दो करोड़ सत्तावन लाख इकतालीस हजार चार सौ पैंतालीस एवं चौतीस पैसा मात्र) साथ में + वाद कालीन प्रभावी ब्याज, ओ.ए. की दिनांक 27.06.2016 से @10.00% प्रतिवर्ष साधारण ब्याज की दर से अन्य खर्चे रू0 2,31,000.00 बकाया है। जो कि प्रेसीडिंग ऑफिसर ऋण वसूली अधिकरण–देहरादून के द्वारा दिनांक 24.01.2019 को जारी वसूली प्रमाणपत्र के टी.ए. 152/2018 के अनुसार आप देय है।

(i) जबकि अधोहस्ताक्षरी की संतुष्टी हेतु यह दर्शाया गया है कि सामान्यतः आपको मांग सूचना जारी किया जाना संभव नहीं है, अतः सूचना इस प्रकाशन के द्वारा दी जा रही है, आपको निर्देशित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के 15 दिन के भीतर उक्त राशि की अदायगी करें, अन्यथा ऋण वसूली एवमं दिवालियापन अधिनियम, 1993 के प्रावधानों के अनुसार वसूली कार्यवाही की जाएगी।
(ii) उक्त धनराशि के अतिरिक्त आप निम्नलिखित के भुगतान के लिए भी उत्तरादायी होंगे।
क: इस प्रमाण पत्र/निष्पादन प्रक्रिया की सूचना के तुरंत बाद की अवधि हेतु देय ब्याज राशि।
ख: इस सूचना को दिए जाने और इस प्रक्रिया में होने वाली सभी लागतें, प्रभार और व्यय, जिसे देय राशि की वसूली हेतु प्रक्रिया में किया गया है।
(iii) यदि आप द्वारा उक्त राशि का भुगतान नहीं किया जाता उस स्थिति में आपको आदेश दिया जाता है कि आप अधोहस्ताक्षरी के समक्ष आगे की कार्यवाही हेतु **दिनांक 02.08.2019** को 11:00 बजे प्रातः उपस्थित हो।

25 जून, 2019 को अधिकरण की मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी।

हस्ताक्षर
(संजय कुमार शर्मा)
रिकवरी अधिकारी–I, डीआरटी, देहरादून

प्रपत्र ए
सार्वजनिक उद्घोषणा

[भारत दिवाला तथा दिवालिया मंडल (कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिए दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के विनियमन 6 के अंतर्गत]

वल्लभ स्टील वेस्ट प्राईवेट लिमिटेड के क्रेडीटरों के ध्यानार्थ

संबंधित विवरण		
1.	कॉर्पोरेट ऋणधारक का नाम	वल्लभ स्टील वेस्ट प्राईवेट लिमिटेड
2.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के निगमन की तिथि	24.03.2015
3.	वह प्राधिकरण जिसके अंतर्गत कॉर्पोरेट ऋणधारक निगमित/पंजीकृत है	कम्पनी रजिस्ट्रार, दिल्ली
4.	कॉर्पोरेट पहचान संख्या/कॉर्पोरेट ऋणधारक का लिमिटेड लाएबिलिटी पहचान संख्या	U27101DL2015PTC279443
5.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई हो) का पता	फ्लैट नं. 1309, 13वाँ तल, विक्रम टावर, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली-110008
6.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के संदर्भ में दिवाला आरंभ होने की तिथि	3.7.2019 (आईआरपी द्वारा आदेश 5.7.2019 को प्राप्त की गई)
7.	दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया के समापन की अनुमानित तिथि	30.12.2019
8.	अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल का नाम, पंजीकरण संख्या, जो अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल के रूप में कार्यरत है	नरेन्दर कुमार शर्मा IBBI/IPA-002/IP-N00125/2017-18/10294
9.	बोर्ड में यथा पंजीकृत अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल का पता एवं ईमेलः	पताः प्लॉट नं. 112ए, उद्योग विहार, फेज-V, गुड़गाँव, हरियाणा-122016 ई-मेलः nksharma.fcs@gmail.com
10.	अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल के साथ पत्राचार के लिये प्रयुक्त होने वाला पता तथा ईमेल	पताः प्लॉट नं. 112ए, उद्योग विहार, फेज-V, गुड़गाँव, हरियाणा-122016 ई-मेलः nksharma.fcs@gmail.com
11.	दावे जमा करने की अंतिम तिथि	19.07.2019
12.	क्रेडीटर का वर्ग यदि कोई हो, धारा 21 की उप धारा (6ए) के उपबंध (बी) के अंतर्गत, अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल द्वारा सुनिश्चित किया गया	वर्ग(र्गों) का नामः कोई नहीं
13.	किसी वर्ग में क्रेडीटर्स के प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिये पहचान किये गये इन्सॉल्वेन्सी प्रॉफेशनल का नाम	लागू नहीं
14.	(क) संबंधित प्रपत्र तथा (ख) प्राधिकृत प्रतिनिधियों का विवरण उपलब्ध है	वेब लिंकः http://www.ibbi.gov.in/home/downloads प्राधिकृत प्रतिनिधियों का विवरणः लागू नहीं

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण, ने 3.7.2019 को वल्लभ स्टील वेस्ट प्राईवेट लिमिटेड के संदर्भ में कॉर्पोरेट इन्सॉल्वेन्सी प्रस्ताव प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है। एतद्द्वारा वल्लभ स्टील वेस्ट प्राईवेट लिमिटेड के क्रेडीटरों को निर्देश दिया जाता है कि प्रविष्टि सं 10 में वर्णित पते पर अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल के पास 19.7.2019 को या उससे पूर्व अपने दावे का प्रमाण जमा करें।

फाइनांसियल क्रेडीटर्स केवल इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से ही अपने दावे का प्रमाण जमा कर सकते हैं। अन्य सभी क्रेडीटर्स व्यक्तिगत, डाक द्वारा अथवा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से अपने दावे का प्रमाण जमा कर सकते हैं।

प्रविष्टि सं. 12 के समक्ष सूचीबद्ध किसी वर्ग से संबंधित वित्तीय क्रेडीटर प्रपत्र सीए में वर्ग के प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिए (वर्ग निर्दिष्ट करें) प्रविष्टि सं. 13 के समक्ष सूचीबद्ध तीन इन्सॉल्वेन्सी प्रॉफेशनलों में से प्राधिकृत प्रतिनिधि की अपनी पसंद को दर्शाएं।

दावे का गलत अथवा भ्रामक प्रमाण जमा करने पर दंडित किया जा सकता है।

तिथिः 06.07.2019 नरेन्दर कुमार शर्मा
स्थानः गुरुग्राम अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल

पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक !

सांकेतिक कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति हेतु)

सिक्योरिटीजाइजेशन एवं रिक्सट्रक्शन ऑफ फाइनेंशियल असेट्स इनफोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इन्ट्रेस्ट एक्ट 2002 के अन्तर्गत तथा सिक्योरिटी इन्ट्रेस्ट (एनफोर्समेंट) नियमों 2002 के साथ पढ़ते हुए अनुच्छेद 13 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पंजाब नैशनल बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने सम्बन्धित ऋणी/ऋणियों/गारन्टरों को प्रत्येक के नाम के सामने दर्शाए गए खाते में उनके नामों के सामने दी गई तारीखों पर नोटिस की तारीख/उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर बकाया राशि अदा करने के लिए मांग नोटिस जारी किया था। ऋणी/ऋणियों/गारन्टरों द्वारा राशि अदा करने में असफल होने पर ऋणी/ऋणियों/गारन्टरों और जन सामान्य को नोटिस दिया जाता है कि प्राधिकृत अधिकारी ने प्रत्येक खाते के सामने दी गई तारीखों पर उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पढ़ते हुए उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अन्तर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे दी गयी सम्पत्ति/सम्पत्तियों का **सांकेतिक अधिग्रहण** कर लिया है। ऋणी/ऋणियों/गारन्टरों/ बंधककर्ताओं को विशेष रूप से एवं जनसामान्य को सामान्य रूप से चेतावनी दी जाती है कि वे उक्त सम्पत्ति/सम्पत्तियों के सम्बन्ध में किसी प्रकार का लेन-देन न करें। इन सम्पत्ति/सम्पत्तियों से किसी प्रकार का लेन-देन पंजाब नैशनल बैंक को देय राशि एवं उस पर अर्जित ब्याज के चार्ज के पूर्ण भुगतान के पश्चात ही किया जा सकता है।

क0 सं0	शाखा का नाम	खाते का नाम और सं0	ऋणकर्ता का नाम और पता	बंधक सम्पत्ति का विवरण	मांग नोटिस की तिथि,मांग नोटिस के अनुसार बकाया राशि	सांकेतिक कब्जे चिपकाने की तिथि	प्राधिकृत अधिकारी का नाम
1.	सैक्टर –2 शास्त्री नगर	मैसर्स आशीष कम्युनिकेशन खाता संख्याः 40090093006019 25	1– मैसर्स आशीष कम्युनिकेशन पताः 225/3, पंचशील कॉलोनी, गढ़ रोड, मेरठ 2– श्री आशीष मंगा पुत्र सुभाष मंगा (ऋणकर्ता) म. नं. सी.जी. –93 सरस्वती लोक, दिल्ली रोड मेरठ के पास। 3 श्रीमती शोभा मंगा पत्नी सुभाष मंगा (गारंटर) म. नं. सी.जी. –93, सरस्वती लोक, दिल्ली रोड मेरठ के पास।	आवासीय संपत्ति श्रीमती शोभा मंगा और आशीष मंगा के नाम पर स्थित ग्राउंड फ्लोर फ्लैट नंबर सीजी –93 प्लॉट नंबर सी–93 का भाग ब्लॉक–सी, सरस्वती लोक, फेज 2, गांव–नूर नगर मेरठ क्षेत्रफल 135.00 वर्ग मीटर। सीमायें:– पूर्वः 9.00 मी. का चौड़ा रास्ता, पश्चिमः प्लाट सी–80 से लगा हुआ, उत्तरः प्लाट सी–94 से लगा हुआ, दक्षिणः प्लाट सी–92 से लगा हुआ	18.04.2019 रु. 22,32,205.02 दिनांक 01.04.2019 से ब्याज व अन्य खर्चे	03.07.2019	गरिमा वर्मा

दिनांकः– 04.07.2019 स्थानः– मेरठ प्राधिकृत अधिकारी

इण्डियन ओवरसीज बैंक
INDIAN OVERSEAS BANK

NHPC काम्प्लैक्स, पहला एवं दूसरा तल प्रथम भवन (नियर मेन गेट) सैक्टर–33, फरीदाबाद (IOB NHPC शाखा–1501 के ऊपर, फरीदाबाद) जिला फरीदाबाद पिन कोड–121003 राज्य हरियाणा

चल/अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री सूचना
(प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली के नियम 6(2)/8(6) के परंतुक के तहत)

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 6(2)/8(6) के परंतुक के तहत चल/अचल आस्तियों की बिक्री हेतु ई–नीलामी बिक्री सूचना

एतद्द्वारा सर्व साधारण को और विशेष रूप से कर्जदार(रों) तथा गारंटर(रों) को सूचना दी जाती है कि इंडियन ओवरसीज बैंक के पास बंधक/प्रभारित निम्नवर्णित चल/अचल सम्पत्तियां, जिनका कब्जा इंडियन ओवरसीज बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्राप्त किया जा चुका है, यहां नीचे दिए विवरण के अनुसार "जैसी है जहां है", जैसी है जो है" तथा "जो भी है वहां है" आधार पर बेची जाएंगी।

क्र. सं.	शाखा का नाम और संपर्क व्यक्ति की विवरण	खाता का नाम EMD खाता संख्यां / IFSC कोड	एनपीए की तारीख	डिमांड नोटिस की तिथि और डिमांड नोटिस में दावा किया गया बकाया	सांकेतिक कब्जा की तिथि और कब्जा सूचना में दर्शाया गया बकाया राशि	बकाया राशि स्थानीय सरकार (प्रोपर्टी टैक्स, वाटर टैक्स/ज्ञात ऋणभार, यदि कोई	सम्पत्ति का वर्णन	सुरक्षित मूल्य धरोहर राशि जमा	नीलामी की तिथि एवं समय	निरीक्षण की तिथि एवं समय
1.	काबरी (3636) श्री अमित कुमार, शाखा प्रबंधक, मोबाइल नं– 7992440746 8347254683	मैसर्स एम.एच. स्टील सटरिंग की दुकान खाता संख्या – 36360113301010 आइएफसीकोड IOBA0003636	31.03.2016	03.06.2016 . रु. 16,06,908/– (प्लस बकाया ब्याज)	08.08.2016 रु. 16,06,908/– (प्लस इसके अलावा ब्याज)	ज्ञात नहीं/शुन्य	खेवट नं 826/681 मिन, खतौनी नं 1028, रेक्ट नं 29 किला नं 3/1 (5–0), खेवट नं 827/681 मिन खतौनी न 1029 रेक्ट 29 किला नं. 3/ 2 (2–19), 4/1 (2–8), स्थित है ग्राम उरगा खेरी, तहसील और जिला– पानीपत क्षेत्रफल 70 वर्ग गज प्रोपर्टी श्रीमती मुन्नी देवी पत्नी महबूब हसन के स्वामित्व में है।	रु. 12,60,000/- रु. 10,000/-	19.07.2019	17.07.2019 तक
2.	फरीदाबाद (192) श्री डी के पुरी, सह महाप्रबंधक मोबाइल नं– 9004979178, 0129–2415202	गोपाल कृष्ण कालरा, नीलम कालरा, खाता सं - 01920113301010 आईएफएससी - IOBA0000192	31.12.2017	02.01.2018 - रु. 11,81,29,903.81 प्लस अग्रसर ब्याज व शुल्क	13.03.2018 रु. 11,81,29,903.81 प्लस अग्रसर ब्याज व शुल्क	ज्ञात नहीं/शुन्य	प्रोपर्टी स्थित है सेकेंड फलोर, ई –92, मस्जिद मोठ, जीके– III, नई दिल्ली 1100048 प्रोपर्टी श्री गोपाल कृष्ण कालरा और श्रीमती नीलम कालरा के स्वामित्व में है और मूल रूप से टीपीए, 1882 की धारा 58 (एफ) के तहत न्यायसंगत बंधक के मोड द्वारा चार्ज एचएसबीसी बैंक द्वारा गृह ऋण की बकाया राशि को सुरक्षित रखने के लिए मुख्य सुरक्षा के रूप मे किया गया है। किया गया है एरिया 264 वर्ग मीटर, श्री गोपाल कृष्ण कालरा और श्रीमती नीलम कालरा के स्वामित्व वाले	रु. 4,20,88,500/- प्लस 1% TDS रु. 1,00,000/-	19.07.2019	17.07.2019 तक
3.	फरीदाबाद (192) श्री डी के पुरी, सह महाप्रबंधक मोबाइल नं– 9004979178, 0129–2415202	लक्ष्मी नारायण एण्ड सन्स, खाता सं - 01920113301010 आईएफएससी - IOBA0000192	31.03.2016	16.05.2016 - रु. 2,90,02,453/- प्लस अग्रसर ब्याज व शुल्क	15.02.2018 (मकान नं 79 का) तथा 03.08.2016 (दुकान नं 7ए का) रु. 2,90,02,453/- प्लस अग्रसर ब्याज व शुल्क	ज्ञात नहीं/शुन्य	1. मकान सं. 79, ब्राह्मण वाड़ा, मेन बाजार के पास, वार्ड नंबर 5, अग्रसेन चौक, बल्लभगढ़, फरीदाबाद पिन 121004 एरिया 117 वर्ग गज श्री सुभाष चंदे पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण के स्वामित्व में है।	रु. 61,80,000/- प्लस 1% TDS रु. 1,00,000/-	19.07.2019	17.07.2019 तक
							2. शॉप नं 7ए, मार्केट नं. 1 हनुमान मंदिर के पास, एनआईटी, फरीदाबाद 121001 एरिया 18 वर्ग गज श्री सुभाष चंद पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण के स्वामित्व में है।	रु. 77,28,000/- प्लस 1% TDS रु. 1,00,000/-	19.07.2019	17.07.2019 तक
4.	रोहतक गोहाना रोड (3293) श्री हेमन्त कुमार शाखा प्रबंधक मोबाइल नं– 9897717119	अजीत सिंह, अंजली खाता सं - 32930113301010 आईएफएससी - IOBA0003293	30.06.2017	11.07.2017- Rs. 20,84,381.80 भुगतान की तारीख तक संविदात्मक दरों और शुल्क, शुल्क आदि पर आगे ब्याज के साथ	12.10.2017 रु. 21,56,785.80 अनुबंध दरों पर अग्रसर ब्याज, तथा भुगतान की तिथि तक अन्य शुल्क इत्यादि	ज्ञात नहीं/शुन्य	श्रीमती अंजली पत्नी श्री अजीत सिंह, फलैट नं. 14ए, आर्शीवाद एनक्लेव, करतारपुरा, इंदिरा कॉलोजी रोहतक, हरियाणा–124001 एरिया 72.33 वर्ग गज 60.48 वर्ग मीटर श्रीमती अंजली पत्नी श्री अजीत सिंह के स्वामित्व में है।	रु. 15,30,000/- रु. 10,000/-	19.07.2019	17.07.2019 तक
5.	रोहतक गोहाना रोड (3293) श्री हेमन्त कुमार शाखा प्रबंधक मोबाइल नं– 9897717119	माँ भीमेश्वरी प्रिसीजन खाता सं - 32930113301010 आईएफएससी - IOBA0003293	30.06.2016	11.01.2017 - Rs. 13,29,000/- भुगतान की तारीख तक संविदात्मक दरों और शुल्क, शुल्क आदि पर आगे ब्याज के साथ	05.05.2017 रु. 13,96,000/- अनुबंध दरों पर अग्रसर ब्याज, तथा भुगतान की तिथि तक अन्य शुल्क इत्यादि	ज्ञात नहीं/शुन्य	खेवट नं. 83, खतोनी नं. 111 मीन, रेक्ट/कीला नं. 39/5/5/(1–1), वार्ड नं. 1, मौजा कोटाना, रोहतक–124001 श्री सत्यवान के स्वामित्व में है।	रु. 7,45,000/- रु. 10,000/-	19.07.2019	17.07.2019 तक
6.	रोहतक गोहाना रोड (3293) श्री हेमन्त कुमार शाखा प्रबंधक मोबाइल नं– 9897717119	राजवन्ती, मंजीत पंचल खाता सं - 32930113301010 आईएफएससी - IOBA0003293	31.03.2017	18.04.2017 - रु. 25,84,548.80 भुगतान की तारीख तक संविदात्मक दरों और शुल्क, शुल्क आदि पर आगे ब्याज के साथ	11.07.2017 - रु. 25,84,548.80 अनुबंध दरों पर अग्रसर ब्याज, तथा भुगतान की तिथि तक अन्य शुल्क इत्यादि	ज्ञात नहीं/शुन्य	श्रीमती राजवंती पत्नी श्री मंजीत पंचाल , पता प्रोपर्टी नं. 96/29, कीला नं. 177, मौजा पारा जसवीर कॉलोनी, नीयर रमन बाग मंदिर, सीला बायपास, रोहतक हरियाणा–124001, श्रीमती राजवंती पत्नी श्री मंजीत पंचाल के स्वामित्व में है।	रु. 21,89,000/- रु. 10,000/-	19.07.2019	17.07.2019 तक
7.	सोनीपत (2721) श्री एस सी झा शाखा प्रबंधक, मोबाइल नं– 9466902942	मैसर्स पीयूएनके / खाता सं - 27210113301010 आईएफएससी - IOBA0002721	30.06.2017	09.08.2017 - रु. 11,72,841.72 वसूली की तारीख तक संविदात्मक दरों और बाकी शुल्क आदि पर अधिक ब्याज के साथ	29.01.2018 - रु. 12,19,657.71 अनुबंध दरों पर अग्रसर ब्याज तथा अन्य शुल्क दिनांक 01.11. 2017 से	ज्ञात नहीं/शुन्य	1. दुकान नं. 206, क्षेत्रफल 18 वर्ग यार्ड, कवर्ड एरिया 162 वर्ग फीट ग्राउंड और ऊपरी छत के अधिकारों के बिना साथ में कॉमन सीढी पार्ट ऑफ प्रोपर्टी नं. 330 ईबीआई, रिषी नगर, सोनीपत, हरियाणा, एरिया 18 वर्ग यार्ड श्रीमती विद्या देवी पत्नी श्री लाल सिंह पनवर के स्वामित्व में है।	रु. 6,12,000/- रु. 10,000/-	19.07.2019	17.07.2019 तक
							2. दुकान नं. 208, क्षेत्रफल 16.30 वर्ग यार्ड, कवर्ड एरिया 146 वर्ग फीट ग्राउंड और ऊपरी छत के अधिकारों के बिना साथ में कॉमन सीढी पार्ट ऑफ प्रोपर्टी नं. 330 ईबीआई, रिषी नगर, सोनीपत, हरियाणा, एरिया 16.30 वर्ग यार्ड श्रीमती विद्या देवी पत्नी श्री लाल सिंह पनवर के स्वामित्व में है।	रु. 6,30,000/- र

दूसरी नज़र

■ पी चिदंबरम

क्यों नाखुश होंगे तेरह अर्थशास्त्री

पांच साल पहले तत्कालीन मुख्य आर्थिक सलाहकार डा. अरविंद सुब्रमनियन ने जब अपना पहला आर्थिक सर्वे (2014-15) पेश किया था तब उन्होंने कहा था, 'भारत एक अच्छे मुकाम पर पहुंच गया है, जो राष्ट्रों के इतिहास में दुर्लभ है, जिसमें इसे दो अंकों वाली मध्यम अवधि की विकास रणनीति में आखिरकार रखा जा सकता है।' वे मोदी सरकार में अपना निर्धारित कार्यकाल पूरा नहीं कर पाए, क्योंकि उन्होंने इस बात को स्वीकार किया था कि सरकार अपने वादे पूरे करने में नाकाम रही है। यह उनके उत्तराधिकारी डा. कृष्णामूर्ति सुब्रमनियन पर स्वीकार करने के लिए छोड़ दिया गया था कि मोदी-1 सरकार पिछले पांच साल में साढ़े सात फीसद औसत जीडीपी वृद्धि ही हासिल कर पाई।

साढ़े सात फीसद की वृद्धि दर संतोषजनक है लेकिन दो अंकों में वृद्धि का लक्ष्य कहीं से भी करीब नहीं लग रहा। इसके अलावा पिछले पांच साल में वृद्धि दर 7.4, 8.0, 8.2, 7.2 और 6.8 फीसद रही। पहले तीन साल में 7.4 से 8.2 फीसद की वृद्धि दर देख कर डा. अरविंद सुब्रमनियन खुश हुए होंगे, लेकिन मुझे संदेह है कि नवंबर 2016 में नोटबंदी के बाद हुई तबाही से परेशान हुए होंगे। तब से वृद्धि 8.2 से 7.2 और 6.8 फीसद की दर से गिरती चली गई।

मोदी-2 सरकार के सत्ता में आने तक गिरावट काफी ज्यादा हो चुकी थी। 2018-19 की तिमाहियों में वृद्धि 8.0, 7.0, 6.6 और 5.8 फीसद रही। यह इतनी खतरनाक स्थिति है कि नए मुख्य आर्थिक सलाहकार को मोदी-2 सरकार का लक्ष्य इस तरह तय करना पड़ा- 'भारत का लक्ष्य 2024-25 तक अर्थव्यवस्था को पांच खरब अमेरिकी डॉलर की बनाना है जिससे भारत दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। सरकार ने रिजर्व बैंक से मौद्रिक नीति में मुद्रास्फीति चार फीसद रखने की जो बात कही है, उसके लिए आठ फीसद की जीडीपी वृद्धि दर जरूरी है।'

यह एक उचित लक्ष्य है। हमारे सामने सवाल यह है कि आर्थिक सर्वे में निर्धारित लक्ष्य ों को निर्मला सीतारमन का पहला बजट कहां तक पूरा कर पाएगा?

हम सब लोग बिंदुवार कई मुद्दे रख सकते हैं और बजट भाषण के आधार पर खुद से पूछ सकते हैं कि कितने मामलों की वित्त मंत्री ने चर्चा की।

अक्तूबर 2018 में अंतरराष्ट्रीय ख्याति के तेरह अर्थशास्त्रियों, जो भारतीय या भारतीय मूल के हैं, ने चौदह पेपर तैयार किए थे जो 2019 में 'वॉट द इकॉनोमी नीड्स नाउ' शीर्षक से प्रकाशित हुए थे। डा. अभिजित बनर्जी और डा. रघुराम राजन ने विचारों की बड़ी बारीकी से जांच और विश्लेषण करके 'भारत के समक्ष आठ बड़ी चुनौतियां' को सूचीबद्ध किया था। इनमें हरेक का संबंध प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से अर्थव्यवस्था से है। मैंने अपनी सूची के लिए पांच विचार इसी किताब से लिए हैं-

यहां ये बिंदु दिए जा रहे हैं और यह भी कि क्यों मैं इन पर सही या गलत का निशान लगा रहा हूं-

✕ वित्तीय घाटा नियंत्रित करना : वित्तीय घाटे को काबू कर पाने के मामले में मोदी सरकार का रिकार्ड बहुत ही खराब रहा है। पहले पांच साल में यह वित्तीय घाटे को 4.5 से 3.4 फीसद तक ले आने में कामयाब रही थी। दरअसल, वित्तीय घाटा चार साल से 3.4 और 3.5 फीसद पर बना रहा और 2019-20 के बजट में इसे 3.3 फीसद तक लाने के वादे किए गए हैं। 2018-19 के आंकड़े संदेहास्पद इसलिए हैं क्योंकि राजस्व का भारी नुकसान हुआ है और बजट से इतर उधारी बढ़ी है। इसलिए 2019-20 के लिए वित्तीय घाटे का अनुमान भी संदेहास्पद है।

✕ क्षेत्रों (कृषि, बिजली, बैंकिंग) की खराब हालत : कृषि क्षेत्र के संकट से उबारने के लिए बजट भाषण में किसी कदम का जिक्र नहीं किया गया। बिजली क्षेत्र के बारे में मौजूदा योजना 'उदय' के वितरण कंपनियों के वित्तीय और परिचालन संबंधी लक्ष्यों को ही दोहरा दिया गया। इसमें 'पुराने और अक्षम पड़ चुके संयंत्रों' को हटाने की बात कही गई और 'प्राकृतिक गैस की कमी को देखते हुए गैस संयंत्र क्षमता का कम उपयोग करने' की बात कही। बैंकिंग क्षेत्र के बारे में, बजट में सरकारी बैंकों को सत्तर हजार करोड़ रुपए की पूंजी उपलब्ध कराने (जो कि पूरी तरह से नाकाफी है) का वादा किया है। इसके अलावा बैंकों को वित्तीय रूप से मजबूत गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) की संपत्तियां खरीदने के लिए एकबारगी छह महीने के लिए आंशिक तौर पर गारंटी देने का भी प्रस्ताव है (इसमें अपर्याप्त तरलता के बारे में कुछ नहीं कहा गया है)।

✕ बेहतर कारोबारी माहौल : कारोबारी माहौल को 'बेहतर' बनाने के लिए कई तरह के विचार रखे गए हैं। अगर कारोबार उसी ढर्रे पर चलते रहे और वही काम उसी तरह से करते रहे तो कारोबार को आसान करने से फायदा क्या हुआ?

विशेष आर्थिक जोन (सेज) जरूरी नहीं कि निर्यात लक्ष्य पूरे करें; श्रम कानून बदलने की जरूरत है, सिर्फ उन्हें संहिताबद्ध करने या आसान बनाने की नहीं; स्टार्ट-अप शुरू करने और उन्हें बिना लाइसेंस या अनुमति के तीन साल तक कारोबार करने देने की जरूरत है, आदि, ऐसे विचार थे जो स्वीकार किए जा सकते थे।

✕ कम बोझिल कानून : सबसे अच्छा समाधान तो व्यापक स्तर पर विकेंद्रीकरण था। इसकी शुरुआत के लिए, स्कूली शिक्षा राज्यों को सौंप दी जानी चाहिए-जैसा कि मूल संविधान में कहा गया है- और ऐसे ही अन्य विषय भी समवर्ती सूची से राज्य सूची में हस्तांतरित कर दिए जाने चाहिए। इसके ठीक उलट, स्कूली और कॉलेज शिक्षा में वित्त मंत्री केंद्र की बड़ी भूमिका को देख रही हैं! आरबीआइ, सेबी, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआइ), सीबीडीटी, सीबीआइसी आदि को नियंत्रकों में बदल दिया गया है और नियमों को ज्यादा, कम नहीं, बोझिल बना दिया गया है।

✔ ज्यादा नगदी हस्तांतरण : इस मोर्चे पर, सरकार ने डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए कदम बढ़ाए हैं और बड़ी मात्रा में नगदी निकालने को निरुत्साहित किया है। यह स्वाभाविक है कि प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के जरिए ज्यादा सहायता और नगदी लाभ दिए जा सकेंगे। हालांकि यह 'सुधार' सात साल पुराना है, इसलिए इस पर मैं सही का निशान लगाऊंगा।

अर्थव्यवस्था को वैसे ही क्रांतिकारी सुधारों की जरूरत है जैसे 1991-96 में किए गए थे। सरकार को ऐसे सुधारों के लिए जनादेश मिला है। बेवजह सरकार ने आंकड़ों पर आधारित वृद्धि वाले सुधारों का रास्ता चुना है। तेरह अर्थशास्त्री जो सभी भारतीय या भारतीय मूल के हैं, इससे निराश होंगे। ऐसे भी कई होंगे जो क्रांतिकारी सुधार की जड़ें तलाश रहे होंगे।

परिवार की जगह

ज्योति सिडाना

हाल की कुछ घटनाओं के आधार पर यह कहा जा सकता है कि परिवार एक स्वाभाविक और पवित्र इकाई के रूप में अपना महत्त्व खो रहा है। पहले परिवार में जिम्मेदारी का भाव केंद्रीय भूमिका निभाता था और अब परिवार में विचलन की संभावनाएं उत्पन्न हुई हैं। बेटा-बेटी में अंतर नहीं करने का दावा करने वाले इक्कीसवीं सदी के समाज में भी जाति, लैंगिक भेदभाव, पुत्र जन्म की उच्च महत्त्वाकांक्षा इतनी हावी है कि पूरा परिवार मौत को गले लगाने को तैयार हो जाता है। या कहें कि परिवार के अंदर महिला उत्पीड़न के पक्ष इतने हावी हो गए हैं कि पीड़ित को सामूहिक आत्महत्या ही एकमात्र हल दिखाई देता है। पिछले कुछ दिनों की खबरों के मुताबिक अपने सबसे करीबी और भरोसेमंद माने जाने वाले पुरुष संबंधी द्वारा लड़कियों या महिलाओं का बलात्कार समाज की संवेदनहीनता और रिश्तों में विश्वासघात की कहानी कहती नजर आती हैं। सवाल है कि क्या परिवार आज भी प्रासंगिक हैं? परिवार का दायित्व है सदस्यों का भरण-पोषण, समाजीकरण, शिक्षण और सुरक्षा प्रदान करना। तो आज यह किस तरह का भरण-पोषण और सुरक्षा है?

हाल ही में राजस्थान के बाड़मेर जिले के धोरीमना गांव में एक महिला ने पारिवारिक कलह से परेशान होकर अपनी तीन बेटियों के साथ टांके में कूद कर जान दे दी। दूसरी घटना में बाड़मेर के चौहटन में पुत्र न होने के कारण मां अपनी पांच बेटियों को टांके में धकेल खुद भी कूद गई। तीसरी घटना में बीकानेर की बिज्जू तहसील में पारिवारिक कलह से तंग आकर मां ने तीन बच्चों (दो लड़की और एक लड़का) सहित पानी में कूद कर जान दे दी। क्या इन घटनाओं में वृद्धि के बाद समाज में 'परिवार की समाप्ति' की घोषणा की जा सकती है?

नारीवादी डोर्थी स्मिथ का कहना है कि समाज को यह समझने या स्वीकार करने की आवश्यकता है कि महिला के पास केवल शरीर नहीं है, बल्कि वह भी ज्ञान, अर्थतंत्र, राजनीति, शक्ति संबंध, विचार आदि में प्रभावी सहभागिता करती है। जबकि पुरुष या समाज उसके शरीर को केंद्र में रख कर इन सभी प्रक्रियाओं में उसके हस्तक्षेप को दरकिनार करता है, उसे कम-दिमाग समझता है या उसकी उपेक्षा करता है। महिला कोई निष्क्रिय इकाई नहीं है, बल्कि एक सक्रिय प्राणी है। इसलिए उसे इंसान समझना, पुरुष के बराबर का दर्जा देना उपर्युक्त समस्याओं के समाधान की ओर एक कदम कहा जा सकता है।

यह एक तथ्य है कि पुरुष अपने लिए तो हर दृष्टि से खुलेपन और स्वतंत्रता का पक्षधर होता है, लेकिन महिला के खुलेपन के प्रयास या मित्रवत व्यवहार को वह बेशर्मी की संज्ञा देता है। ऐसी भेदभावमूलक मानसिकता के पीछे क्या कारण है? क्यों महिला के शिक्षित हो जाने, आत्मनिर्भर बन जाने, निर्णय प्रक्रिया में सहभागिता करने, परिवार और दफ्तर के दायित्वों को बखूबी निभाने के बाद भी इस प्रकार की मानसिकता में बदलाव नहीं आ पाया? ये कुछ ऐसे प्रश्न हैं, जिन पर चिंतन करना आवश्यक है।

महिलाओं के दमन-उत्पीड़न की घटनाओं को हम शायद हल्के में लेने लगे हैं, क्योंकि हम एक ऐसे संवेदनहीन समाज का हिस्सा बन गए हैं जहां अब कोई भी घटना हमें झकझोरती नहीं है, चाहे वह बलात्कार, तेजाबी हमला, लैंगिक हिंसा की हो या फिर रोड रेज और मॉब लिंचिंग की। दरअसल, हमने यह मान लिया है कि ये सामान्य घटनाएं हैं और यही महिलाओं की भी नियति है। क्या राज्य की इन घटनाओं के प्रति कोई जवाबदेही नहीं बनती? होना तो यह चाहिए कि राज्य इस बात को सुनिश्चित करे कि नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के मौलिक अधिकार प्रभावी ढंग से प्राप्त हों और इसके लिए बनाए गए कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन संबद्ध संस्थाओं द्वारा हो!

यह एक तथ्य है कि विभिन्न क्षेत्रों में ये सभी त्रासद घटनाएं इसलिए घट रही हैं कि जो समाज सुधार आंदोलन प्राचीन, मध्ययुगीन और आधुनिक भारत के प्रारंभिक दौर की विशेषता थे, उनकी पूर्ण रूप से उपेक्षा हुई है। उदाहरण के लिए अब न कबीर है, न मीरा, न रसखान, न रहीम। आज फिर ऐसे समाज सुधारकों की जरूरत है जो इन घटनाओं पर और ऐसी मानसिकता पर प्रहार कर सकें, जनांदोलन कर सकें। अनेक समाजवादी विचारकों ने यह टिप्पणी की थी कि पूंजीवादी विकास समाज में संवेदनहीनता को जन्म देता है और समाज के हरेक अवयव को बाजार में क्रय-विक्रय की वस्तु बना देता है। हाल की घटनाएं इस विचार का समर्थन करती प्रतीत होती हैं।

मार्गरेट आइशर ने संभवतः इसीलिए परिवार को हर समाज व्यवस्था में अर्द्ध सामंती संस्था की संज्ञा दी है। उनका तर्क है कि परिवार एक ऐसी संस्था है, जहां पति अपनी पत्नी को भोजन, आवास, वस्त्र और संरक्षण प्रदान करता है और उसके प्रत्युत्तर में पत्नी निजी सेवाएं प्रदान करती है। इसलिए पत्नी की स्थिति सेवक या दास की तरह हो जाती है। इस स्वामी-दास के या पुरुषसत्ता के प्रभुत्व को तब समाप्त किया जा सकता है, जब समाज और उससे पहले महिला खुद को इंसान का दर्जा प्रदान करे।

इसी स्थिति को सोचते हुए शायद सिमोन द बोउवा ने तर्क दिया था कि महिलाओं के लिए एक विशिष्ट धर्म की आवश्यकता है, क्योंकि जिस धर्म को पुरुष ने निर्मित किया है, उसमें पुरुष ने खुद को दमनकर्ता-शोषक की भूमिका में और महिला को दमित-शोषित समूह के रूप में स्थापित किया है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सभी धर्मों में पुरुष को ईश्वर ने स्वामित्व दिया है और उसका यह स्वामित्व समाप्त न हो जाए, इसलिए वह महिलाओं को ईश्वर का भय दिखाता है, ताकि वह विद्रोह न कर सके।

समाज

> पुरुष अपने लिए तो हर दृष्टि से खुलेपन और स्वतंत्रता का पक्षधर होता है, लेकिन महिला के खुलेपन के प्रयास या मित्रवत व्यवहार को वह बेशर्मी की संज्ञा देता है। ऐसी भेदभावमूलक मानसिकता के पीछे क्या कारण है?

वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास और प्रौद्योगिकी क्रांति के बाद भी पुरुष/ समाज लैंगिक विभाजन और पूर्वाग्रहों की जिस प्रकार की धार्मिक व्याख्या करता है और उसे वैधता देता है। इस पर बुद्धिजीवियों या समाज वैज्ञानिकों को चर्चा नहीं करनी चाहिए? क्यों संविधान में बराबरी का अधिकार देने वाला राज्य राजनीति में महिला आरक्षण बिल को पास नहीं कर पाया?

मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले में बलात्कार की पीड़ित नाबालिग बच्ची के पिता को वहां की पंचायत ने फरमान सुनाया कि बच्ची का बलात्कार करने वाला निम्न जाति का था, इसलिए बच्ची के शुद्धिकरण के लिए गांव के लोगों को मासांहरी भोज करवाना होगा। ऐसा न करने पर उनका समाज से बहिष्कार कर दिया जाएगा। कितना हास्यास्पद है कि जिस परिवार की बच्ची से बलात्कार हुआ, दंड भी उसी को? कभी जाति के नाम पर तो कभी क्षेत्र के नाम पर, कभी धर्म के नाम पर तो कभी लैंगिक भेदभाव के नाम पर प्रताड़ित तो महिला को ही होना है?

संपूर्ण देश में, विशेष रूप से हिंदी क्षेत्र में यह समाज सुधार क्यों नहीं हो पा रहा है, इस पर व्यापक विचार-विमर्श की आवश्यकता है। अगर इस तरह के पूर्वाग्रह नहीं होते या कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन हुआ होता तो बिहार में इतने मासूमों की मौत न होती! क्या समाज कभी लैंगिक पूर्वाग्रहों या भेदभाव से मुक्त हो पाएगा? अगर नहीं तो संविधान में वर्णित अनुच्छेद-15 अर्थहीन हो जाएगा, जिसमें उल्लेख है कि किसी भी नागरिक के साथ जाति, धर्म, लिंग, भाषा, क्षेत्र के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाएगा। यह लैंगिक विभाजन बाजार, समाज, राज्य, राजनीति, संस्कृति सभी जगह विद्यमान है. जब तक इसके प्रति लोगों की सोच में परिवर्तन नहीं आएगा, समतावादी समाज की स्थापना एक सपना ही रहेगा। परिवार अब भय और हिंसा का स्रोत बन गए हैं और साथ ही परिवार महिला शोषण की वैधता को स्थापित करते है। संभवतः यह भी एक कारण हो कि अब युवा विवाह, परिवार और नातेदारी जैसी संस्थाओं में विश्वास नहीं करते।

समर्थन का आधार

वक़्त की नब्ज़

■ तवलीन सिंह

राहुल गांधी के त्यागपत्र ने मुझे इतना हैरान किया पिछले हफ्ते कि मैंने उसे दोबारा पढ़ा। दोबारा पढ़ने पर हैरानी और बढ़ गई। यकीन करना मुश्किल था कि एक भारतीय राजनेता को भारत के लोकतंत्र में इतना कम विश्वास हो सकता है। वह भी ऐसे शाही परिवार का वारिस, जिसने कोई पांच दशक तक राज किया है इस देश में। यकीन करना मुश्किल है कि राहुल गांधी मानते हैं कि भारत की लोकतांत्रिक संस्थाएं इतनी कमजोर कर दी हैं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पिछले पांच वर्षों में कि उन पर संघ का अब पूरा कब्जा हो गया है। सो भविष्य में चुनाव होंगे तो सिर्फ नाम के वास्ते।

जिस पत्र को उन्होंने ट्विटर पर डाला, वह अंग्रेजी में था। उसका अनुवाद करने की कोशिश नहीं मैं करूंगी। संदेश यही था कांग्रेस अध्यक्ष का कि असली चुनाव तभी हो सकते हैं जब चुनाव आयोग, मीडिया और न्यायालय सशक्त होते हैं। इतने कि चुनावी गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने के काबिल हों। उनका मानना है कि इन संस्थाओं को संघ ने इतना कमजोर कर दिया है कि हाल में हुए आम चुनावों में इन संस्थाओं ने अपनी भूमिका ईमानदारी से नहीं निभाई थी। राहुल गांधी को विश्वास है कि कांग्रेस पार्टी किसी राजनीतिक दल के खिलाफ नहीं लड़ रही थी, भारत सरकार की पूरी शक्ति के खिलाफ लड़ रही थी। ऊपर से थीं वे इतनी कमजोर लोकतांत्रिक संस्थाएं कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों का होना असंभव हो गया था।

मीडिया में होने के नाते मैं विश्लेषण शुरू करती हूं मीडिया की भूमिका से। कई चुनाव देखे हैं मैंने, सो यकीन के साथ कह सकती हूं कि शायद ही कोई चुनाव रहा होगा, जिसको हम पत्रकारों ने इतना गलत समझा था। कुछ इसलिए कि हम हवा का रुख देख न सके, लेकिन ज्यादातर इसलिए कि मोदी को बहुत कम पत्रकार चाहते हैं। मैं उनके भक्तों में गिनी जाती हूं, लेकिन मैंने खुद उनको ढाई सौ से ज्यादा सीटें नहीं दीं। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली और मुंबई के दौरे करने के बाद। मेरे कुछ पत्रकार बंधु थे जिन्होंने एक सौ अस्सी का आंकड़ा तय कर लिया था। जो मोदी को थोड़ी उदार नजरों से देखते हैं, उन्होंने मेरी तरह ढाई सौ का आंकड़ा तय किया।

जिस शाम को नतीजे आए और मैं घर आई, एक लम्बा दिन टीवी चैनलों की चर्चा में हिस्सा लेने के बाद तभी ध्यान आया मुझे कि मैंने कोई डेढ़ सौ लोगों को इंटरव्यू किया था चुनाव अभियान शुरू होने के बाद, जिनमें से मुश्किल से बीस लोग थे, जिन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस बार मोदी को वोट नहीं देने वाले हैं। भारतीय जनता पार्टी का जिक्र तक नहीं किसी ने किया। मोदी के नाम पर वोट पड़ा, मोदी के नाम पर वोट नहीं पड़ा।

अब बात करते हैं न्यायालयों की निष्पक्षता की। यहां याद करना जरूरी है कि मोदी से हमारे न्यायाधीशों को इतना कम भय रहा है कि पिछले साल सर्वोच्च न्यायालय के जजों ने पत्रकार सम्मेलन बुला कर मोदी के खिलाफ आवाज उठाई। उनकी शिकायत थी कि मुख्य न्यायाधीश पक्षपाती दिखते हैं, पीठों के चयन में मोदी भक्ति के कारण। खुल कर शिकायत इन जजों ने तब भी नहीं की थी जब आपातकाल के समय इंदिरा गांधी ने इनको भारतवासियों के बुनियादी अधिकार निलंबित करने का आदेश दिया था। जीवन का अधिकार भी नहीं रहा था हमारे पास, पर सर्वोच्च न्यायालय के आला न्यायाधीशों ने चुपके-से प्रधानमंत्री के आदेश का पालन किया। शायद एक ही न्यायाधीश थे, जिन्होंने प्रधानमंत्री का हुक्म नहीं माना था और उनकी तरक्की रुक गई थी। रही बात चुनाव आयोग की निष्पक्षता की तो विनम्रता से अर्ज करना चाहूंगी कि मेरी राय में इस संस्था ने अपना काम पूरी ईमानदारी से किया है।

> उम्मीद करते हैं कि इस बार प्रधानमंत्री नहीं भुलाएंगे उन मासूम बच्चों को, जो मुजफ्फरपुर के उस अस्पताल में मरे हैं। इस बार परिवर्तन यह देखने को मिला कि गरीब माता-पिता भी समझ गए हैं कि उनका अधिकार है सरकार से बेहतर सेवाएं मांगना।

सच तो यह है कि मीडिया में खबरें देख कर राहुल गांधी के हौसले कुछ ज्यादा ही बुलंद हो गए थे। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस अध्यक्ष को विश्वास हो गया था कि मोदी को एक सौ अस्सी सीटों से ज्यादा नहीं मिलने वाली हैं। सो, प्रधानमंत्री बनाने में कांग्रेस अहम भूमिका निभाएगी। सच तो यह है कि राहुल गांधी और उनके सलाहकारों ने इस बात पर बिल्कुल ध्यान नहीं देने की कोशिश की कि उनका चुनाव प्रचार कितना फीका था। 'चौकीदार चोर है' बार-बार कहने से कोई चोर नहीं बन जाता है और यही नारा था राहुल गांधी के प्रचार का मुख्य मुद्दा। मोदी का मजाक भद्दे तरीके से भी उड़ाया राहुल गांधी ने, बिना यह देखे कि वे मजाक भारत के प्रधानमंत्री का उड़ा रहे थे। मुझे गांवों में कई लोग मिले, जिन्होंने कहा कि 'राहुल को बात करने की तमीज नहीं है।'

समस्या कांग्रेस की यह भी थी कि जनता के सामने उनके पास गांधी परिवार का तथाकथित करिश्मा और उनकी 'कुर्बानियों' के अलावा कुछ नहीं था। उनको शायद जानकारी नहीं थी कि देश इतना बदल गया है कि अब इन चीजों पर कोई भी वोट नहीं करता है। जो लोग कभी जाति या मजहब के नाम पर वोट डाला करते थे, वे भी बदल गए हैं अब। समझ गए हैं भारत के आम लोग कि वोट उन्हीं को देना चाहिए जो उनके जीवन को बेहतर बना सकता है।

मोदी के पहले कार्यकाल में ग्रामीण भारत में काफी परिवर्तन आया है। कच्चे घर पक्के करने के लिए सरकारी मदद मिली है। घरों में बिजली के अलावा गैस सिलेंडर पहुंच गए हैं। जहां शौचालयों का सपना भी नहीं लोग देखते थे, वहां निजी शौचालय बन गए हैं। सड़कें बनी हैं, जहां नहीं हुआ करती थीं। सो, मोदी को पांच साल और देने को लोग तैयार थे। खासकर इसलिए कि अन्य राजनीतिक दलों ने उनके सामने कोई नया सपना नहीं रखा। यह है 2019 के चुनावों का यथार्थ राहुल जी।

रंगों की राजनीति

बाख़बर

■ सुधीश पचौरी

उस रोज अपने लल्ला जी ने बल्ला घुमा कर जरा-सा 'निवदेन, आवेदन और दनादन' ही तो किया था कि जोर की डांट पड़ गई कि किसी का बेटा होने पर कोई मनमानी करे, इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उसे बर्खास्त कर देना चाहिए। लेकिन चैनलों ने यह भी न बताया कि इसके बाद लल्ला जी को 'निकाला' गया कि नहीं!

लेकिन लल्ला जी की इस बल्ला लीला का मुकाबला किया कांग्रेस के नए एमएलए की कीचड़ लीला ने। कांग्रेस के होनहार लल्ला जी ने आव देखा न ताव, कीचड़ से भरी एक बाल्टी एक इंजीनियर पर उड़ेल दी और कहा कि जो इंजीनियर काम नहीं करता उसके साथ ऐसा ही करना चाहिए। कुछ न करने के 'अपराध' में जनता एक दिन आपके साथ ऐसा ही करने लगी तो आपका क्या होगा?

ऐसी कहानियां अपने एंकरों को शिष्टाचारी बना देती हैं, जबकि ज्यों ही धर्म की खबर आती है, यही शिष्टाचारी अपनी बहसों को 'धर्मयुद्ध' में बदल देते हैं।

नए धार्मिक तनाव की पहली खबर दिल्ली के हौजकाजी मोहल्ले से आई। दो पड़ोसियों में एक ने अपना दोपहिया वाहन एक के घर के नीचे खड़ा कर दिया, जिस पर आपत्ति की गई। जब नहीं हटाया गया तो तू-तू मैं-मैं हुई। उसके बाद एक गली से पत्थरबाज निकल पड़े और गली का एक मंदिर तोड़ दिया गया। एक दल की प्रवक्ता उस नेता को बिना जांच के दोषी बताती रही जो शायद मौका-ए-वारदात पर सबसे पहले पहुंचा।

पूरे तीन दिन धार्मिक तनाव की कहानी जमी रही। हर रिपोर्टर उस गली में इस अदा से खड़ा होकर आखों देखा हाल सुनाता, मानो किसी 'वार जोन' से खबर दे रहा हो।

इन दिनों पत्ता भी खड़कता है तो बहसों में धार्मिक आयाम ले लेता है। बहसों को इतना तुरंता और सरल बना लिया गया है कि जरा-सी खबर को भी एंकर हिंदू-मुसलमान में विभाजित कर देते हैं। जितनी घृणा वास्तविक कहानी में नहीं होती, उससे अधिक बहसों से बरसने लगती है।

इस सप्ताह की ऐसी ही कुछ और खबरों को याद करें:

यों तो भारतीय क्रिकेट की टीम को नारंगी जरसी पहनाने की खबर ने ही रंग की राजनीति शुरू कर दी थी, लेकिन जब टीम हार गई तो मायावती जी ने नारंगी रंग पर चुटकी लेते हुए यह कह दिया कि नारंगी रंग की जरसी की वजह से टीम हारी; यानी जब तक नीले रंग की जरसी रही, तब तक टीम जीतती रही। और चैनलों की बहसों में यह कमेंट तुरंत रंग की राजनीति बन उठा। इसके बाद महबूबा ने भी ऐसा ही कटाक्ष कर दिया कि हार की वजह नांरगी रंग रहा।

> इन दिनों पत्ता भी खड़कता है तो बहसों में धार्मिक आयाम ले लेता है। बहसों को इतना तुरंता और सरल बना लिया गया है कि जरा-सी खबर को भी एंकर हिंदू-मुसलमान में विभाजित कर देते हैं। जितनी घृणा वास्तविक कहानी में नहीं होती, उससे अधिक बहसों से बरसने लगती है।

शाम तक नांरगी रंग चैनलों में भगवा रंग कहलाने लगा। एक चैनल की बहस में तो रंगों की राजनीति खुल कर खेली। हरे का मतलब इस्लाम और भगवा का मतलब हिंदू हो गया। धार्मिक विभाजन के 'पुण्यकर्म' कुछ पहले तक कुछ खास हिंदू और मुसलमान नेता किया करते थे, अब उसी काम को एंकर करते हैं।

एक दिन ऐसी ही एक धार्मिक खबर बनाई जायरा वसीम ने कि बॉलीवुड उसके लिए नहीं है। वह उसके और अल्लाह के बीच बाधा है। हर बहस में दो-तीन हिंदू चेहरों के बरक्स दो-तीन मुसलमान चेहरे होते। सभी को 'फ्री स्टाइल फाइट' के लिए अखाड़े में छोड़ दिया जाता।

एक कहता कि फिल्मों में काम करना इस्लाम के विरुद्ध है। वह अल्लाह के रास्ते से भटक गई थी। दूसरा कहता कि जब 'दंगल' में काम किया, तब आप कहां थे? तब विरोध क्यों नहीं किया। एक चैनल ने बताया कि एक अभिनेता ने ट्वीट कर कहा कि वे समझते हैं कि उस पर बॉलीवुड छोड़ने के लिए दबाव डाला गया है। अंग्रेजी चैनल के एक एंकर ने बहस के शुरू में साफ कर दिया कि जायरा पर इस्लामवादियों का दबाव था कि फिल्में छोड़े। यह दबाव भगवा वालों ने नहीं डाला। उसके बाद तत्त्ववादी कहने लगे कि औरतों का सिनेमा में काम करना इस्लाम के विरुद्ध है।

कल तक जो विचारक लिबरल दिखता था, वह बोला कि औरतों को जिस्म की नुमाइश नहीं करनी चाहिए। इस पर हमेशा भड़का हुआ नजर आने वाला एंकर और भी भड़क उठा और चीखने लगा, मानो जायरा के ट्वीट का चश्मदीद गवाह हो कि जायरा को जबरिया मजबूर किया गया कि वह अपने को 'अटैक' करे। धर्मतत्त्ववादियों ने उसे डरा-धमका के लिखवाया। कहां है लिबरल लॉबी? एक चैनल पर खबर रही कि जायरा की नई फिल्म आने वाली है। यह सब उसकी पब्लिसिटी के लिए है।

इस तरह पहले हाय-हाय, फिर वाह-वाह! पहले गुस्सा और धार्मिक घृणा और फिर उसके जरिए मार्केटिंग! हमारा गुस्सा और हमारी घृणा भी एक 'परफॉर्मेंस' है।

इसी श्रेणी की तीसरी खबर बनाई टीएमसी की नई सांसद नुसरत जहां ने जगन्नाथ रथयात्रा में बिंदी और सिंदूर लगा कर हिंदू विधि से नारियल फोड़ कर पूजा करके। संग में रहीं ममता दीदी। चैनल लाइन लगाने लगे: 'हार के बाद ममता दीदी की हिंदू वोटरों को रिझाने की कोशिश'! 'बीजेपी के डर से ममता हिंदुओं को लुभा रही हैं'।

बारिश में कमी नहीं, बरसने का अंदाज बदला

मौसम विभाग के महानिदेशक डॉक्टर केजे रमेश का कहना है कि मौसमी पूर्वानुमानों को जारी करने के लिए विभाग के पास मुकम्मल ढांचा और व्यवस्था है। खासकर जल-जंगल-जमीन से सीधे जुड़े जीविकोपार्जन में लगे ग्रामीण समुदाय के लिए मौसम की जानकारी देने में विभाग सफल हो रहा है। उन्होंने कहा कि देश में बारिश की दर कम नहीं हुई है हां, उसके पैटर्न में बदलाव हुआ है। उन्होंने कहा कि पहले जैसी बारिश अब ज्यादा नहीं दिखेगी, लेकिन बारिश ठीक-ठाक होगी। बातचीत कार्यक्रम का संचालन किया कार्यकारी संपादक मुकेश भारद्वाज ने।

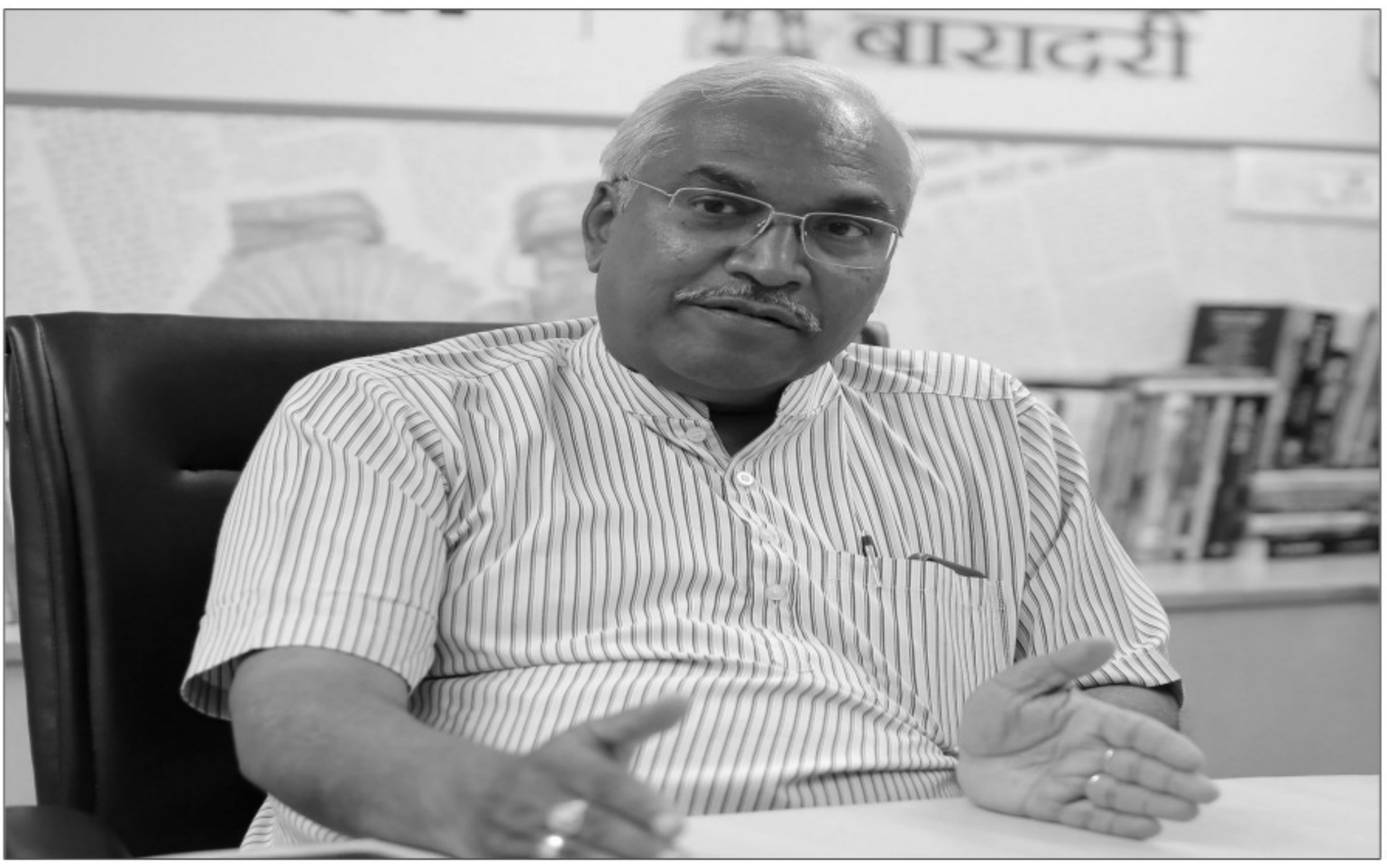

बारादरी की बैठक में केजे रमेश

सभी फोटो : आरुष चोपड़ा

मनोज मिश्र : मौसम का पूर्वानुमान अब सटीक पता चलने लगा है। अगर साल भर का पूर्वानुमान जारी हो जाए तो किसानों और अन्य मामलों में यह काफी हद तक सहायक हो सकता है। इसके लिए मौसम विभाग क्या कर रहा है।

केजे रमेश : मौसम का साल भर पहले पूर्वानुमान मुमकिन नहीं है। अगर आप 15 दिन का पूर्वानुमान चाहेंगे तो मिल जाएगा। इसके बाद या तो कुछ हद तक आकलन ऊपर रहेगा या फिर नीचे रहेगा। माहवार और मौसमवार आकलन संभव नहीं है। 15 दिन के ऊपर आकलन करना पूरी दुनिया में संभव नहीं है।

पंकज रोहिला : निजी कंपनी की ओर से जो मौसम का पूर्वानुमान आता है वह काफी उन्नत माना जाता है। क्या आपके विभाग में व्यवस्था में बदलाव की जरूरत है?

● वो हमसे बेहतर कैसे हैं? यह विज्ञान आधारित सेवा है। विज्ञान के लिए आपके पास शोध और बुनियादी ढांचा होना चाहिए। हमारे पास 6 हजार लोग काम करते हैं। दो अनुसंधान केंद्र हैं, लगभग 600 वैज्ञानिक काम करते हैं तब जाकर यह सुधार दिख रहा है। लेकिन निजी एजंसी के पास न तो वैज्ञानिक हैं और न ही कोई व्यवस्था है तो कहां से पूर्वानुमान दे रहे हैं। ये निजी कंपनियां सार्वजनिक रूप से जारी सूचनाओं को ही जारी करती हैं। हमारा सारा पूर्वानुमान उपलब्ध है, आस्ट्रेलिया का सारा डाटा उपलब्ध है। इसी सार्वजनिक डाटा को लेकर वे लोग अपने ग्राफिक और वीडियो बनाकर पेश करते हैं। वे किसी ढांचागत व्यवस्था की तरह काम नहीं करते हैं। निजी कंपनी अपने ग्राफिक प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को देती है। निजी कंपनी

कहीं भी सरकारी सेवा के आसपास नहीं है। वे लोग फरवरी में मानसून की जानकारी देते हैं और हम अप्रैल में। वे कहते हैं 'अल नीनो' आ रहा है। लेकिन आज तक 'अल नीनो' नहीं आया। तो वो कैसे सही हो गया? हम अप्रैल में क्यों दे रहे हैं क्योंकि मार्च तक की स्थिति का आकलन जरूरी है। तभी जून में सही आकलन आएगा।

अजय पांडेय : मानसून के बारे में कई बातें हम सुनते हैं। जानना चाहते हैं कि इसका समय कैसे तय होता है और उसकी देरी की वजह क्या है।

● मानसून दक्षिण क्षेत्र से ईस्ट ऑफ मेडगास्कर से हाई प्रेशर जोन बनता है। वहां से आउटफ्लो इक्वेस्टर पास करके भारत की तरफ बढ़ता है। अप्रैल के अंत में मेडगास्कर से इक्वेस्टर की तरफ बढ़ता है। इसकी एक शाखा अरब सागर की ओर केन्या की तरफ आती है और दूसरी बंगाल की खाड़ी की तरफ आती है। बंगाल की खाड़ी वाला सबसे पहले अंडमान निकोबार में मई की 17-18 तारीख को आता है। फिर श्रीलंका में आता है तब अरब सागर वाला मानसून मिलकर केरल में आता है। बंगाल की खाड़ी का मानसून अंडमान निकोबार से श्रीलंका और केरल पहुंचने तक अरब सागर का मानसून भी केरल आ जाता है। वहां हवा में नमी का ठंडापन अनुभव होगा। वहां कोई पूर्वानुमान देने की जरूरत नहीं होती है, वह अहसास ही बताता है कि मानसून आ गया है। मानसून इस बार भी 18 मई तक अंडमान तक आ गया था इसके बाद धीमा हो गया।

दीपक रस्तोगी : पानी का प्रबंधन कैसे करें कि भूजल को दुरस्त किया जा सके। क्या इस तरह की परियोजना पर आपका विभाग या मंत्रालय काम कर रहा है।

● हमारा विभाग पूर्वानुमान तक ही सीमित है। लेकिन 1901 से अभी तक का आंकड़ा हमने देशों की बारिश और तापमान के पैरामीटर पर बनाया है। इसमें .25 डिग्री मतलब 35 से 40 किलोमीटर की रेंज में गुणवत्ता की जांच की गई है। इन आंकड़ों से पानी के स्रोत पर शोध कर सकते हैं। 50 के दशक में कितनी बारिश हुई, 2010 में कितनी बारिश आई, कैसे कम हुई और बढ़ी ये सब अध्ययन करने के लिए हम डाटा पर काम कर रहे हैं। हमने केंद्रीय जल आयोग के साथ मिलकर पानी की उपलब्धता पर शोध किया है कि क्या सच में पानी कम हो गया है। हर शहर में पानी की क्या स्थिति है इस शोध से पता चलता है। हमने देखा कि देश में पानी में 8 फीसद की बढ़ोतरी हुई है। कुछ नदियों में घटा है कुछ में बढ़ा है। समग्रता में पानी की कमी नहीं है बल्कि ज्यादा है। अच्छा होगा कि लोग पानी के प्रबंधन पर ध्यान दें। यह हमारा पहला अध्ययन था जो पूरा हो गया है।

मृणाल वल्लरी : हर कोई कह रहा कि पानी बचाओ, लेकिन आम आदमी की समझ से परे है कि वह अपने स्तर पर क्या करे, उसके पास इसके लिए प्रशिक्षण और संसाधन नहीं है। गरीब तबके के लोग मौसम की मार से मर ही रहे थे अब अमीर अपनी एसयूवी में डूब कर मर रहे हैं। शहरी नियोजन की इस विफलता को कैसे देखते हैं।

● पहले शहर में तालाब और कुआं होता था जिससे बारिश का पानी वहां जाता था, लेकिन शहरों में अब सब बंद हो चुका है, यह पानी कहां जाएगा। सड़क पर ही रहेगा न। ड्रेनेज बनाए गए हैं लेकिन यह उतने कारगर नहीं हैं। खुले क्षेत्रों में पार्क में पहले पानी रिसता था लेकिन अब सीमेंटेड हो गया है। इसलिए ऐसे हालात बन रहे हैं। दूसरी समस्या इससे अलग है कि सीवेज में सिल्ट जमा हो रहा है। अगर सौ फीसद सील्ट साफ नहीं हुआ तो कोई फायदा नहीं है। जिम्मेदार विभाग कहता है कि 60 फीसद और 90 फीसद साफ करने से बारिश के लिए तैयार हैं। लेकिन अगर एक फीसद भी सिल्ट बची होगी तो पानी का निकास नहीं हो पाएगा, इसलिए शुरू ही न करें अगर न कर पा रहे हों 100 फीसद तो। जो पानी आ रहा है उसे भी संरक्षित करने की जरूरत है। लक्ष्यद्वीप में हर घर में लोग 1000 से 2000 लीटर की टंकी लगाकर पानी की बचत करते हैं। जहां पानी नहीं है वहां पानी के लिए लोग प्रयास कर रहे हैं। उसे समझना चाहिए।

मुकेश भारद्वाज : ग्रामीण क्षेत्र और जल-जंगल-जमीन से सीधे जुड़े जीविकोपार्जन की प्रक्रिया में जुटे लोगों के लिए मौसम के सटीक पूर्वानुमान की ज्यादा जरूरत है। इस क्षेत्र में विभाग की क्या प्रगति है?

● मंगलवार और शुक्रवार को हर जिले में मुख्य चार फसल के लिए मौसम पर आधारित सलाह देते हैं। मौसम की सूचना हम देते हैं जिसे कृषि से जुड़ी संस्थाएं अपने तरीके से जारी करती हैं। इसके लिए 130 यूनिट स्थापित की गई है। इसके लिए हर तरह का खर्च किया गया है। प्रयोगशाला और तकनीक में कमी नहीं है। यह सेवा जिला स्तर पर चल रही है। यहां हमारा फोकस रहता है कि बारिश शुरू होने के बाद 17 मिलीमीटर की बारिश जहां होनी है वहां खुद किसान समझ जाता है कि बारिश कब आएगी। 17 मिलीमीटर बारिश हर जगह एक साथ नहीं आती है तो वहां के लिए कैलेंडर बनाया जाता है। दाल और दलहन की फसलें जहां उगाई जाती हैं वहां कैलेंडर आधारित प्रक्रिया चल रही है। दो से तीन साल में यह सेवा हर जिले में और उसके बाद ब्लॉक स्तर पर शुरू की जाएगी। इसके लिए हमारे पास पर्याप्त बजट है।

प्रतिभा शुक्ल : क्या मौसम विभाग कृषि विभाग के साथ मिलकर कोई काम कर रहा है जिसमें किसानों को बता सकें कि पानी की कमी वाले इलाकों में कैसी खेती हो?

● इसके लिए कृषि जागरूकता शिविर में बताया जाता है। जो बासमती पहाड़ों पर उगाई जाती थी अब हरियाणा और पंजाब में उगा रहे हैं। इसका फायदा है कि 20 से 22 दिन में फसल आ रही है और गरमी भी झेलती है और पानी भी कम लेती है। यह बदलाव का अच्छा उदाहरण है। लेकिन भूजल से गन्ना उगाने के लिए किसानों को मना करना होगा जैसा कि महाराष्ट्र और तेलांगाना में होता है। इसी तरह बीटी और एचटी कॉटन के लिए मना करने के बावजूद किसान नहीं मान रहे हैं। उर्वरकों की मात्रा भी किसान मनमाने तरीके से इस्तेमाल करते हैं। इस पर जागरूकता के लिए किसान संगठनों को भी सहयोग करना पड़ेगा।

मनोज मिश्र : सुनामी या भूकम्प की सबसे सटीक जानकारी कब तक मिलनी शुरू हो जाएगी ।

● इसकी सटीक जानकारी नहीं मिल सकती। भूकम्प के लिए अभी विज्ञान ने प्रगति नहीं की है। समुद्र क्षेत्र में अगर भूकम्प आ गया तो उसे पांच मिनट के अंदर हम पहचान लेंगे, अगर उसने सुनामी पैदा किया तो उसकी सूचना भी दो से तीन मिनट में आ जाएगी। तब अगर अंडमान और नार्थ इंडोनेशिया में सुनामी हुई तो हमारे तट तक आने में दो से ढाई घंटे की यात्रा उसे करनी पड़ेगी। यह समय पूर्वी तटों के लिए दिया जाता है। अगर अंडमान में हमारे इंदिरा प्वाइंट और नार्थ इंडोनेशिया जिसे बंडा आचे बोलते हैं में सुनामी जैसा भूकम्प आ गया तो 10 मिनट में हमारे सायरन बजते हैं। भूकम्प का पूर्वानुमान तो नहीं है, लेकिन भूकम्प से उत्पन्न सुनामी लहरों का पूर्वानुमान है।

प्रतिभा शुक्ल : मौसम लगातार तेजी से बदल रहा है। इसकी क्या वजह है?

● ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन का असर है। यह भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की स्थिति है। पिछले दिनों यूरोप और पेरिस में भी 45 से अधिक तापमान गया, जो कभी नहीं देखा गया।

आर्येंद्र उपाध्याय : केदारनाथ के बाद यह सवाल उठा कि हम पहले सूचना नहीं दे पाए और हमारी निगरानी व्यवस्था काम नहीं कर पाई। क्या हमारे पास इतने अच्छे उपकरण नहीं हैं?

● पूर्वानुमान क्षमता में आज के समय में कोई अंतर नहीं रह गया है। चाहे मॉडलिंग या मैकेनिज्म किसी भी स्तर पर बात करें यह सुधार हुआ है। उत्तराखंड में हमने केवल अत्यधिक बारिश की संभावना जाहिर की थी जो कई अलग-अलग हिस्सों में होनी थी। उत्तराखंड में केदारनाथ के पीछे एक झील है जो पूरी तरह जमी हुई थी। जब भारी बारिश हुई तो झील के ऊपर जमी बर्फ पिघलने लगी। जब ज्यादा पानी हुआ तो आसपास के पत्थर नीचे आ गए। इस मामले में भू-विज्ञान और जल-विज्ञान से संबंधित मामले जिम्मेदार थे। इस तरह के मामलों के लिए और काम करने की जरूरत है। बारिश तक का पूर्वानुमान सही हुआ है। लेकिन स्थानीय स्तर के हालात के लिए हमें सबके साथ मिलकर काम करना होगा।

अरविंद शेष : ग्लोबल वार्मिंग को लेकर लगातार चिंता जताई जा रही है। बुलेट ट्रेन और तमाम अन्य परियोजनाओं में 54 हजार पेड़ों को काटने का काम किया जा रहा है। बाहर जलने की स्थिति है। विकास और पर्यावरण के संतुलन के बीच मौसम कैसा रहेगा।

● हर परियोजना में पर्यावरण की हानि के संबंध में एक समझौता होता है जिसमें संबंधित विभाग भाग लेते हैं। परियोजना से जुड़े लोगों को बताया जाता है कि इसकी वजह से कितना तापमान बढ़ेगा और कार्बन-डाई-ऑक्साइड गैस उत्सर्जित होगी। इसलिए वैकल्पिक जंगल बढ़ाने की सलाह दी जाती है। कटाई के अनुपात में पौधे लगाने के लिए समझौता किया जाता है। परियोजना के तैयार होने तक पौधे लगाने का लक्ष्य दिया जाता है।

गजेंद्र सिंह : कहा जा रहा है कि हर साल बारिश की दर घट रही है। मौसम विभाग का आंकड़ा क्या कहता है?

● देश के हिसाब से देखें तो बारिश घट नहीं रही है। अगर यह 10 फीसद कम ज्यादा होती है तो इसे ज्यादा असरकारक नहीं माना जाता है। कुछ क्षेत्रों में कम होगा और कुछ में ज्यादा होगा यह भी समझना है। केरल में एक जून से दिसंबर तक मानसून रहता है। वहां छह माह रहता है। राजस्थान में 15 जुलाई को पहुंचता है जो 45 दिन रहता है। कुछ जगह कम है कुछ जगह ज्यादा। हां जलवायु परिवर्तन की वजह से मध्य महाराष्ट्र, तेलंगाना और कर्नाटक में बारिश कम हुई है। यहां 400 मिलीमीटर के आसपास ही बारिश है जो इससे कम-ज्यादा होता है। उत्तर पूर्व में कुछ ज्यादा कमी देखने को मिली है। पिछले 30 साल में 15 फीसद से कम बारिश इस इलाके में हुई है।

सीवेज में सिल्ट जमा हो रहा है। अगर सौ फीसद सील्ट साफ नहीं हुआ तो कोई फायदा नहीं है। जिम्मेदार विभाग कहता है कि 60 फीसद और 90 फीसद साफ करने से बारिश के लिए तैयार हैं। लेकिन अगर एक फीसद भी सिल्ट बची होगी तो पानी का निकास नहीं हो पाएगा, इसलिए शुरू ही न करें अगर न कर पा रहे हों 100 फीसद तो। जो पानी आ रहा है उसे भी संरक्षित करने की जरूरत है। लक्ष्यद्वीप में हर घर में लोग 1000 से 2000 लीटर टंकी लगाकर पानी की बचत करते हैं।

गजेंद्र सिंह : डॉप्लर वेदर राडार (डीडब्लूआर) लगाने के बाद 450 किलोमीटर की रेंज में पूर्वानुमान में काफी सुधार हुआ है। क्या इससे अच्छी तकनीक का राडार लगाने की योजना है।

● राडार मॉनिटरिंग निगरानी का अच्छा उपकरण है। अभी 27 राडार पूरे देश में लगे हैं। तटीय क्षेत्र में इससे चौबीसों घंटे निगरानी रखना संभव हो जाता है। 27 से अधिक राडार लगाने के लिए काम चल रहा है। हमारे साथ भारतीय वायुसेना और नौसेना का मौसम विभाग भी है जो राडार लगा रहे हैं। मैदानी इलाका कवर हो जाएगा। हिमालय के लिए छोटे राडार लगाते हैं, वहां बड़ा नहीं लगा सकते। उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर के लिए भी 10 राडार आर्डर हो चुके हैं। अमरनाथ यात्रा के लिए हम मोबाइल राडार ले जा रहे हैं। आने वाले दिनों में उत्तर पूर्व में भी छोटे राडार लगाएंगे।

सूर्यनाथ सिंह : पहले बारिश लगातार हफ्तों तक होती थी, उसके बाद समय आया कि दो से तीन दिन बारिश के बाद मौसम बदल जाता था। अस्सी के दशक में हमने जैसी बारिश देखी उसका पैटर्न बिलकुल बदल चुका है। इसकी क्या वजह है।

● जलवायु परिवर्तन बड़ा कारण है। कहीं बारिश ज्यादा है तो कहीं कम है। लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर देखें तो यह कम नहीं है। कोंकण और मुंबई में तिमाही से ज्यादा बारिश सिर्फ दो दिन में हो गई है। हो सकता है कि एक हफ्ते में पूरा कोटा हो जाए बारिश का। पहले जैसी बारिश अब ज्यादा नहीं दिखेगी, लेकिन बारिश ठीक-ठाक होगी।

प्रस्तुतिः गजेंद्र सिंह / मृणाल वल्लरी

जनसत्ता बारादरी

केजे रमेश

केजे रमेश का जन्म 26 जुलाई 1959 को हुआ। रमेश पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत आने वाले भारतीय मौसम विभाग के महानिदेशक हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान से मानसून गतिकी (मानसून डाइनेमिक्स) में पीएचडी की। मूलतः वैज्ञानिक रमेश इसी महीने सेवानिवृत्त होने वाले हैं। मंत्रालय में रहते हुए वे 2007 से लगातार भारत सरकार के प्रतिनिधि के तौर पर अंतरराष्ट्रीय मंचों व राष्ट्रीय संस्थाओं के जरिए आपदा नियंत्रण व वातावरणीय विज्ञान के क्षेत्र में योगदान करते रहे। योजना आयोग के आपदा प्रबंधन कार्यदल का हिस्सा रहे। संयुक्त राष्ट्र की जलवायु परिवर्तन संबंधी समिति में भारतीय प्रतिनिधि के तौर पर शामिल रहे। भारतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के कोर कमेटी का हिस्सा रहे। इनकी अगुआई में मौसम संबंधी सटीक आकलन की दिशा में कई सफल परियोजनाएं खड़ी हुईं।

किताबें मिलीं

बंद होठों की चीत्कार

इस कथा-संग्रह में कुल नौ कहानियां हैं। सभी कहानियां लेखक को जीवन में प्राप्त अनुभवों से जन्मी हैं। पहली और शीर्षक कहानी 'बंद होठों की चीत्कार' लीक से हट कर लिखी गई कहानी है। परिस्थितिवश दो लोगों के मन में एक-दूसरे के प्रति एक अजीब-सा रिश्ता बन जाता है। कोई बातचीत नहीं, कोई वादा नहीं, कोई चाह नहीं, फिर भी उनके मन में एक-दूसरे के प्रति एक खिंचाव जन्म लेता है। कहानी की नायिका उस समय एकदम सकते में आ जाती है, जब उसकी खुशी के लिए एक युवक अपनी जान दे देता है। 'फेसबुक प्रोफाइल' आजकल के संचार युग की क्रांति फेसबुक के प्रभाव पर आधारित है। एक समय था जब पढ़ाई पूरी करने के बाद लोग बिखर जाते थे और जीवन में दुबारा मिलने-जुलने की बात असंभव-सी होती थी। पर फेसबुक के कारण कई दशकों से बिछड़े लोग मिलते हैं तो उनका अतीत उनके सामने से फिर से गुजरने का आभास देता है।

'गड्ढे में गुरुजी' कहानी हिंदी साहित्य में बड़े-बड़े लोगों की छोटी हरकतों को सामने लाती है। 'जासूस' कहानी पति-पत्नी के बीच पैदा हुए अनावश्यक शक, जबकि 'मत छूना मुझे' एक सवर्ण किशोर की एक दलित लड़की से उपजे प्रेम पर आधारित है। 'वह टेलीफोन वाली लड़की' लंबी कहानी है। विवाहेतर संबंध पर लिखी यह एक अलग-सी कहानी है।

बंद होठों की चीत्कारः सुरेश्वर त्रिपाठी; विजया बुक्स, 1/10753, सुभाष पार्क, गली नं. 3, नवीन शाहदरा, दिल्ली; 295 रुपए।

ठसक

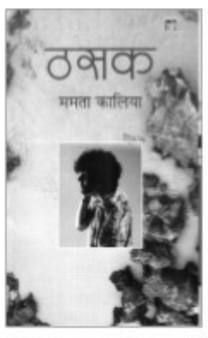

इस पुस्तक की कहानियों में इसी दौर में जन्मे नए कथाकार जैसी ताजगी और सहजता के साथ इन सब चीजों से बनते नए वक्त और नए नागरिक के चित्र खींचे गए हैं। और यह सुनी-पढ़ी सूचनाओं के नहीं, प्राथमिक और आंखों देखे अनुभवों के चित्र हैं। मशीनी सुगमता में बीतते जीवन ने अपने को इन कहानियों में इतने स्पष्ट रूप से रेखांकित किया है कि भाषा और कहन के प्रवाह में डूबा पाठक भी, उन्हें महसूस करने से नहीं बच पाता। उनकी कहानियां नारीवादी न होकर नारी के यथार्थ की रचनाएं हैं। रचनाओं में भाषा की विदग्धता, हास्य में तुर्शी और तुनकमिजाजी रहती है जो चरित्रों, स्थितियों, परिवेश की गहन परतों को भी सामने लाती हैं।

'ठसक' कहानी जीवंत और ज्वलंत प्रश्नों को उठाती है, जो हमेशा से साहित्य के केंद्र में पुरानी पीढ़ी और नई पीढ़ी का द्वंद्व, स्त्री विमर्श और स्त्री लेखन, ज्यादा या कम लिखना, अखबार में छपी सच्ची खबर और कहानी, यथार्थ-यथार्थवाद का अंतर, बाजारवाद तथा अच्छी रचना के मानक इत्यादि पर यह कहानी बेबाकी के साथ विचार करती है। लेखिका ममता कालिया की महत्त्वपूर्ण खासियत उनकी कथा-भाषा है। यह कथा-भाषा ही रचनात्मक तटस्थता को संभव करती है। भाषा में करुणा, व्यंग्य, विट, खिलवाड़ उनकी रचनात्मक जरूरत के अनुरूप आवाजाही करते हैं।

ठसकः ममता कालिया; लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, प्रयागराज; 125 रुपए।

अमृतसर 1919

जैसा कि किताब के शीर्षक से ही जाहिर हो जाता है कि जरूर इसका संदर्भ जलियांवाला बाग की घटना से होगा। अमृतसर के जलियांवाला बाग में हुए हत्याकांड की पृष्ठभूमि पर लिखा यह उपन्यास उस समय के माहौल का अत्यंत सजीव चित्रण प्रस्तुत करता है। अप्रैल 1919 में अंग्रेजों ने रौलेट एक्ट के जरिए भारतीय नागरिकों की हर किस्म की आजादी पर पूरा नियंत्रण करने की तैयारी कर ली। इस कानून के खिलाफ देश भर में विरोध हो रहे थे। 30 मार्च 1919 से 10 अप्रैल 1919 तक अमृतसर के लोगों ने ऐसा प्रतिरोध किया कि वहां के प्रशासन ने अमृतसर के लोगों को सबक सिखाने की ठान ली। 13 अप्रैल को बैसाखी का त्योहार मनाने हजारों की तादाद में लोगों का जलियांवाला बाग में जमघट हो गया। इन निहत्थे लोगों पर अंग्रेजों ने बिना कोई चेतावनी दिए गोलियां चलानी शुरू कर दीं जिसमें हजारों की जानें गईं और हजारों लोग घायल हो गए। निर्मम क्रूरता ने वहां के लोगों के बसे-बसाए घर-परिवार एक पल में उजाड़ दिए और उनकी जिंदगी तहस-नहस हो गई। देशभक्ति और अंग्रेजों के प्रति विरोध के जज्बातों के बीच जूझता अमृतसर का आम नागरिक...। यही इस पठनीय उपन्यास का ताना-बाना है। उपन्यास की भाषा-शैली में गजब रवानगी है। बीच-बीच में आए अंग्रेजी संवाद उपन्यास को और प्रभावी बनाते हैं।

अमृतसर 1919: रजनीश धवन; राजपाल एंड संज, 1590, मदरसा रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली; 275 रुपए।

नई दिल्ली

नई संसदीय परंपरा गढ़ने में जुटे लोकसभा अध्यक्ष

मनोज मिश्र
नई दिल्ली, 6 जुलाई।

नए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला तय एजंडे से ज्यादा कार्य करके बाकी सदस्यों से ज्यादा कार्य करवा रहे हैं। इस तरह सदन में एक नई कार्य संस्कृति देखने को मिल रही है। संसद में प्रश्नकाल में हर रोज आठ से दस सवाल पूछे जा रहे हैं और अध्यक्ष ने पिछले दस दिनों में 132 सदस्यों को सदन में बोलने का मौका दिया, जिसमें 40 महिला सदस्य हैं। परंपरा से हट कर निजी सदस्यों के विधेयक के दिन शुक्रवार को बजट पेश किया गया और अब तक एक दिन भी लोकसभा शोर-शराबे के कारण तय समय से पहले स्थगित नहीं की गई। शून्यकाल का समय बढ़ाया गया और 49 नए सांसदों को शून्य काल में बोलने का मौका दिया गया। पहली बार सदन की पूरी कार्यवाही केवल

● प्रश्नकाल में हर रोज आठ से दस सवाल पूछे जा रहे हैं
● लोकसभा अध्यक्ष ने पिछले दस दिनों में 132 सदस्यों को सदन में बोलने का मौका दिया, जिसमें 40 महिला सदस्य हैं

हिंदी में चलाई जा रही है और खुद अध्यक्ष लगातार सांसदों को बेखौफ बोलने के लिए उत्साहित करते रहते हैं।

19 जून को जब कोटा से दूसरी बार संसद बने ओम बिड़ला को लोकसभा अध्यक्ष बनाया गया तो सभी शंका से देख रहे थे कि पिछली बार की अनुभवी लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन की जगह नए अध्यक्ष कैसे काम करेंगे। पर वरिष्ठ मंत्रियों तक को नियमों को बताकर जबाब देने पर मजबूर करना और नियमों के पालन में कोई कोताही न होने देने की परंपरा उन्होंने 19 जून से ही शुरू कर दी जो अब भी जारी है।

इस बार लोकसभा में सरकार के लिए पिछली बार से बेहतर माहौल है। भाजपा और राजग के सहयोगी दलों के सदस्यों की संख्या पिछली बार से ज्यादा है। दूसरे नंबर पर कांग्रेस है लेकिन उसकी सीटें भी विपक्ष के नेता बनाने वाले दर्जा पाने वाले दल से तीन कम है। अभी उनके सदस्यों की संख्या 52 है। दूसरे बड़े दलों में तृणमूल कांग्रेस और द्रमुक के अलावा बीजू जनता दल पहले ही दिन घोषित कर चुका है कि उसके सदस्य आसन के पास कभी नहीं जाएंगें। आंध्र प्रदेश में भारी बहुमत से सरकार बनाने वाली वाईएसआर कांग्रेस और तेलंगना में सरकार चला रही टीआरएस राजग से अलग होकर भी व्यवहार में अलग नहीं दिख रही है। बाकी दलों में गिनती के नेता ऐसे हैं जो सदन को दिशा दे पाएं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले भी पार्टी संसदीय दल की बैठक में सांसदों से सदन की बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने का निर्देश देते रहे हैं। इस बार कोरम के अभाव में एक दिन तय समय से पहले बैठक स्थगित होने के बाद तो पार्टी नेताओं की शामत आ गई। पहले परंपरा थी कि सदन शुक्रवार को दोपर बाद स्थगित हो जाएगा तो सदस्य दोपहर से ही गायब हो जाते थे और सोमवार को दोपहर तक सदन में आते थे। यानी वे पूरे तौर पर तीन दिन ही सदन में रहते थे। उसमें भी कई बार हंगामे के कारण सदन पहले ही स्थगित हो जाती थी। इस बार प्रधानमंत्री के गंभीर होने के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने सदस्यों को पूरे समय सदन में रहने पर मजबूर कर दिया।

नतीजतन, पहली बार सदन में शून्य काल ढाई घंटे का होने लगा है। लोकसभा में पहली बार लगातार भोजन अवकाश कम होता जा रहा है। अध्यक्ष ने घोषणा कर दी कि नए सदस्य खास करके महिलाओं को बोलने का मौका देंगे तो शून्य काल में जिन्होंने भी बोलना चाहा सभी से बुलवाया और यह सिलसिला हर रोज चलने लगा।

जयशंकर ने राष्ट्रवाद को प्रोत्साहन देने पर दिया जोर

अमदाबाद, 6 जुलाई (भाषा)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आतंकवाद जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए राष्ट्रवाद को प्रोत्साहन देने की हिमायत की और कहा कि देश के पास अब दृष्टिकोण और नेतृत्व दोनों है। उन्होंने कहा कि पहले ऐसा नहीं था जिसके कारण भारत अन्य देशों के पीछे चल रहा था। पूर्व विदेश सचिव ने यहां भाजपा समर्थकों को संबोधित करते हुए नए भारत के दृष्टिकोण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में चीजें बदल रही है।

गुजरात से शुक्रवार को राज्यसभा चुनाव जीतने वाले जयशंकर यहां मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और पार्टी के अन्य नेताओं के साथ भाजपा के राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान में शिरकत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम भारत के इतिहास को देखें तो हमारा आंतरिक विवाद हमारी कमजोरी रही है और इसका फायदा दूसरों को हुआ है।

दिल्ली को जल्द मिलेगी गरमी से राहत

पेज 1 का बाकी

रहा। जबकि आयानगर में बिल्कुल बारिश नहीं हुई। हवा में नमी का स्तर सुबह साढ़े आठ बजे 81 फीसद दर्ज की गई। विभाग ने बताया कि मानसून का उत्तरी छोर बाड़मेर, जोधपुर, सीकर, रोहतक, चंडीगढ़ ऊना और अमृतसर के ऊपर से गुजर रहा है। इसके साथ ही उत्तरी व पश्चिमोत्तर भारत में तेज गर्मी के कारण कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इससे आने वाले समय में इन इलाकों में अच्छी बारिश होने की संभावना है। हालांकि अभी तक देश में बारिश की 25 फीसद कमी हो गई है। लेकिन स्थितियां अनुकूल रहीं तो दिल्ली सहित आसपास के राज्यों में रविवार से हल्की बारिश और सोमवार को ठीक-ठाक बारिश होगी। अगले हफ्ते के आखिरी दिनों में तेज बारिश हो सकती है। इस बीच तापमान 25 से 37 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने के आसार हैं।

उधर, उत्तर प्रदेश में मानसून पूरी तरह सक्रिय हो गया है और पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के कई इलाकों में बारिश हुई। आंचलिक मौसम केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कई हिस्सों में वर्षा हुई। कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश भी हुई। इस दौरान भिनगा में सबसे ज्यादा 23 सेंटीमीटर वर्षा दर्ज की गई। अगले 24 घंटे के दौरान राज्य के पूर्वी भागों में कई स्थानों तथा पश्चिमी हिस्सों में ज्यादातर इलाकों में बारिश होने का अनुमान है। कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा भी हो सकती है। यह सिलसिला नौ जुलाई तक जारी रहने की संभावना है।

सूटकेस, ब्रीफकेस मुझे पसंद नहीं, मामी ने दिया बस्ता बनाकर : सीतारमण

नई दिल्ली, 6 जुलाई (भाषा)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपना पहला बजट पेश करते हुए बजट दस्तावेज सूटकेस या ब्रीफकेस में लाने के बजाय लाल कपड़े से बने बस्ते में लाकर सभी का ध्यान आकृष्ट किया। उन्होंने खुलासा किया कि उनकी मामी ने उन्हें यह बस्ता बनाकर दिया।

सीतारमण ने अपना पहला बजट पेश करने के बाद कहा कि सूटकेस, ब्रीफकेस मुझे पसंद नहीं आता। यह अंग्रेजों के जमाने से चला आ रहा है। हमें यह पसंद नहीं। फिर मेरी मामी ने मुझे लाल कपड़े का बस्ता बनाकर दिया। उन्होंने पूजा-अर्चना करने के बाद मुझे यह लाल बस्ता दिया। यह घर का थैला नहीं लगे, इसलिए सरकारी पहचान देने के लिए उस पर अशोक स्तंभ का चिह्न लगाया गया।

सीतारमण ने कहा भारत में हर क्षेत्र में अपनी परंपराएं हैं। दिवाली पर लक्ष्मी पूजन हो या घर, दुकान के नए बहीखातों की शुरुआत का मौका, उसका लाल कवर होता है, लाल कपड़े में लपेटा जाता है और उस पर कुमकुम, हल्दी, चंदन लगाकर या शुभ लाभ लिखकर शुरुआत की जाती है। मैं यही सोचकर लाल कवर लेकर आई और उसमें बजट लेकर जाने की बात कही। लेकिन मुझे घर में कहा गया कि यह गिर सकता है, दस्तावेज संसद ले जाते समय गिर सकते हैं, तब मामी ने लाल कपड़े का लिफाफेनुमा बस्ता बनाकर दिया। उन्होंने उसे खुद हाथ से सिला।

उनके बस्ते को बहीखाता नाम किसने दिया, इस पर वित्त मंत्री ने कहा कि यह नाम उन्होंने नहीं दिया, यह नाम जनता से ही कहीं से आया। प्रधानमंत्री की तरफ से इस पर प्रतिक्रिया के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की तरफ से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं थी।

मराठों को शिक्षा व नौकरी में आरक्षण के खिलाफ अर्जी

नई दिल्ली, 6 जुलाई (भाषा)।

सुप्रीम कोर्ट में बंबई हाई कोर्ट के उस फैसले के खिलाफ याचिका दायर की गई है, जिसमें उसने महाराष्ट्र में शिक्षा और नौकरी में मराठा समुदाय के आरक्षण की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा था।

याचिका में कहा गया कि सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़ा वर्ग (एसईबीसी) आरक्षण कानून मराठा समुदाय को शिक्षा और नौकरी में क्रम से 12 से 13 फीसद आरक्षण प्रदान करता है। यह शीर्ष अदालत के इंदिरा साहनी मामले में दिए फैसले में तय की गई 50 फीसद आरक्षण सीमा का उल्लंघन है, जिसे 'मंडल फैसला' भी कहा जाता है। गैर सरकारी संगठन 'यूथ फॉर इक्वेलिटी' के प्रतिनिधि संजीत शुक्ला ने याचिका में दावा किया कि मराठा के लिए एसईबीसी कानून 'राजनीतिक दबाव' में बनाया गया और यह संविधान के समानता एवं कानून के शासन के सिद्धांतों की 'पूर्ण अवहेलना' करता है। वकील पूजा धर द्वारा दायर याचिका में कहा गया कि हाई कोर्ट ने केवल इस तथ्य को असाधारण परिस्थिति मानकर गलती की कि अन्य ओबीसी को मराठों के साथ अपना आरक्षण कोटा साझा करना होगा (अगर मराठा को मौजूदा ओबीसी श्रेणी में डाला गया)।

स्टेडियम के ऊपर से गुजरे विमान

पेज 1 का बाकी

भिड़ गए। आइसीसी राजनीतिक या नस्ली नारों के लिए शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाता है और उसने इस सुरक्षा चूक पर नाराजगी जताई। आइसीसी ने बयान में कहा, 'हम इस बात से काफी निराश है कि यह फिर से हुआ। हम आइसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के दौरान किसी भी राजनीतिक संदेश का समर्थन नहीं करते है। इंग्लैंड के उत्तर में स्थित यार्कशर को पाकिस्तानी मूल की आबादी के लिए जाना जाता है।'

इस बयान में कहा गया कि पूरे टूर्नामेंट के दौरान हमने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर काम किया है ताकि इस तरह के विरोध को रोका जा सके। पिछली घटना के बाद पश्चिम यार्कशर पुलिस ने हमें आश्वासन दिया था कि फिर से ऐसा नहीं होगा। इसलिए ऐसा फिर से होना काफी निराशाजनक है। समझा जाता है कि नौ जुलाई और 11 जुलाई को होने वाले सेमीफाइनल मैचों के लिये मैनचेस्टर और बर्मिंघम में मैदानों को 'नो फ्लाय जोन' में रखा गया है। आइसीसी के निवर्तमान मुख्य कार्यकारी अधिकारी डेव रिचर्डसन ने हाल ही मीडिया से बातचीत में कहा था कि पूरी सुरक्षा मिलने के बाद भी वह पर्याप्त नहीं होगी। शनिवार की घटना से यह जाहिर होता है कि स्थानीय प्रशासन ने हवाई क्षेत्र की सुरक्षा के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए। इस घटना के बाद आइसीसी निशाने पर है क्योंकि इससे और अधिक सुरक्षा चूक की आशंका है।

एक विश्व कप में पांच शतक लगाकर रोहित ने बनाया रेकार्ड

पेज 1 का बाकी

रोहित ने 94 गेंद में 103 रन बनाए जो इस विश्व कप में उनका पांचवां शतक है। संगकारा ने 2015 विश्व कप में चार शतक बनाए थे। रोहित ने विश्व कप में सर्वाधिक शतकों के सचिन तेंदुलकर के रेकार्ड की भी बराबरी की। दोनों के नाम छह शतक हो गए हैं। रोहित ने 2015 विश्व कप में बांग्लादेश के खिलाफ शतक बनाया था। तेंदुलकर ने 1996, 1999, 2003 और 2011 विश्व कप में शतक बनाए। तेंदुलकर के छह शतक 44 पारियों में बने जबकि रोहित ने सिर्फ 16 पारियों में यह कारनामा किया। रोहित एक विश्व कप में सर्वाधिक रन बनाने के तेंदुलकर के रेकार्ड के भी करीब हैं। उन्होंने नौ मैचों में 647 रन बना लिए हैं जबकि तेंदुलकर ने 2003 विश्व कप में 673 रन बनाए थे।

संविधान का चीरहरण कर रही भाजपा : कांग्रेस

पेज 1 का बाकी

भाजपा पर विधायकों की खरीद-फरोख्त कर 'संविधान का चीरहरण' करने का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी के षड्यंत्र के बावजूद राज्य की सरकार नहीं गिरेगी। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने कर्नाटक के ताजा घटनाक्रम के मद्देनजर यहां बैठक की और विचार-विमर्श किया। कांग्रेस का वॉररूम कहे जाने वाले 15 गुरुद्वारा रकाबगंज रोड पर हुई इस बैठक में अहमद पटेल, एके एंटनी, गुलाम नबी आजाद, मल्लिकार्जुन खरगे, रणदीप सुरजेवाला और कुछ अन्य नेता शामिल हुए।

इस घटनाक्रम के मद्देनजर कांग्रेस महासचिव और कर्नाटक प्रभारी केसी वेणुगोपाल पहले से ही बंगलुरु में मौजूद हैं। उधर, खरगे ने कहा कि भाजपा के लोग कर्नाटक में सरकार गिराने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन सरकार नहीं गिरेगी। बैठक के बाद कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि कर्नाटक की कांग्रेस-जद (सेकु) सरकार शुरू से ही भाजपा को हजम नहीं हो रही है। वह विधायकों की मंडी लगाकर सरकार गिराने का षड्यंत्र कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में एचडी कुमारस्वामी के नेतृत्व वाली सरकार बनी हुई है।

हमारे इरादों पर शक करने वाले पेशेवर निराशावादी : मोदी

पेज 1 का बाकी

अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य पर पहुंचेंगे। लेकिन कुछ लोग इस लक्ष्य की आवश्यकता पर सवाल उठा रहे हैं और पूछ रहे हैं कि ये सब क्यों किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने केंद्रीय बजट 2019-20 पेश किए जाने के एक दिन बाद कहा, 'ये वे लोग हैं जिन्हें हम 'पेशेवर निराशावादी' कह सकते हैं। ये पेशेवर निराशावादी आम आदमी से बिल्कुल भिन्न हैं। यदि आप कोई समस्या लेकर किसी आम आदमी के पास जाएंगे तो वह आपको समाधान बताएगा। लेकिन यदि आप समाधान के साथ इन लोगों के पास जाते हो तो ये उसे समस्या में बदल देंगे।' उन्होंने कहा कि हम भारत की अर्थव्यवस्था को पांच मिलियन डॉलन का लक्ष्य रखा उसे पूरा करेंगे।

अर्थव्यवस्था की तुलना केक से करते हुए मोदी ने कहा, ''केक का आकार महत्वपूर्ण है। केक का आकार जितना बड़ा होगा, लोगों को उतना ही बड़ा हिस्सा मिलेगा। इसलिए हमने भारत की अर्थव्यवस्था को पांच हजार अरब डॉलर का बनाने का लक्ष्य रखा है। अर्थव्यवस्था का आकार जितना बड़ा होगा, यह देश में उतनी ही समृद्धि लाएगा। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जिन देशों ने विकासशील से विकसित होने की छलांग लगाई है, वह प्रति व्यक्ति आय के आधार पर ही लगाई है। भारत भी यह कर सकता है। यह लक्ष्य इतना मुश्किल नहीं है। जब प्रति व्यक्ति आय बढ़ेगी तो उससे उनकी क्रयशक्ति भी साथ में बढ़ेगी। इससे मांग में वृद्धि होगी। इस मांग की पूर्ति के लिए उत्पादन में वृद्धि होगी और सेवाओं का विस्तार होगा। इन सबसे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। प्रति व्यक्ति आय बढ़ने से बचत भी बढ़ेगी।

उन्होंने लगभग एक घंटे तक चले अपने संबोधन में कहा, '5000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के विषय में जानना सबके लिए बहुत जरूरी है क्योंकि कुछ लोग हम भारतीयों के सामर्थ्य पर शक कर रहे हैं। वे कह रहे हैं कि भारत के लिए ये लक्ष्य प्राप्त करना बहुत मुश्किल है।' मोदी ने बजट के प्रावधानों का जिक्र करते हुए कहा कि 'नया भारत' आगे बढ़ने की दहलीज पर है। उन्होंने इस अवसर पर कविताओं की पंक्तियां पढ़ी, 'वो जो सामने मुश्किलों का अंबार है, उसी से तो मेरे हौसलों की मीनार है। चुनौतियों को देखकर, घबराना कैसा। इन्हीं में तो छिपी संभावना अपार है। विकास के यज्ञ में जन-जन के परिश्रम की आहुति यही तो मां भारती का अनुपम श्रृंगार है।' प्रधानमंत्री ने यह भी कहा, 'गरीब और अमीर नए भारत की भुजाएं बनें... बदलते भारत की, यही तो पुकार है। देश पहले भी चला, और आगे भी बढ़ा। अब न्यू इंडिया दौड़ने को तैयार है, दौड़ना ही तो न्यू इंडिया का सरोकार है।'

प्रधानमंत्री ने बड़ालालपुर स्थित दीनदयाल संकुल में सदस्यता अभियान की शुरूआत करने से पहले जनसंघ के संस्थापक श्यामप्रसाद मुखर्जी व दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण किया। उन्होंने कहा कि काशी की धरती से मैं पार्टी के हर समर्पित कार्यकर्ताओं का अभिवादन करता हूं। आज मुझे काशी से भाजपा के सदस्यता अभियान की शुरुआत करने का अवसर प्राप्त हुआ। मोदी ने संस्कृत की पंक्तियों का इस्तेमाल करते हुए कहा कि यह कठिन परिश्रम ही है जो अंततः सफलता दिलाता है। उन्होंने कहा, 'देश लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ रहा है। लक्ष्य हासिल करने के लिए आवश्यकता इच्छाशक्ति की है।'

गुलाबी नगरी विश्व धरोहर सूची में

पेज 1 का बाकी

है। मनोहर और ऊर्जावान, जयपुर का आतिथ्य दुनिया भर के लोगों को आकर्षित करता है। खुशी है कि यूनेस्को ने इस शहर को विश्व धरोहर स्थल के तौर पर चिन्हित किया है।'

सांस्कृतिक रूप से संपन्न राज्य राजस्थान की राजधानी जयपुर ऐतिहासिक शहर है। इसकी स्थापना सवाई जय सिंह द्वितीय के संरक्षण में हुई थी। पिछले साल अगस्त में जयपुर को यूनेस्को विश्व धरोहर घोषित करने के लिए राज्य सरकार की ओर से प्रस्ताव भेजा गया था। यूनेस्को की ओर से आधिकारिक जानकारी दी गई है कि आइसीओएमओएस (स्मारक और स्थल पर अंतरराष्ट्रीय परिषद) ने वर्ष 2018 में शहर का निरीक्षण किया था। नामांकन के बाद बाकू में डब्ल्यूएचसी ने इस पर गौर किया और इसे यूनेस्को विश्व विरासत स्थल सूची में शामिल किया।

वर्ष 2017 में जारी यूनेस्को दिशानिर्देश के तहत एक राज्य से हर साल सिर्फ एक स्थान को ही विश्व धरोहर बनाने के लिए प्रस्तावित किया जा सकता है। विश्व धरोहर का दर्जा मिलने से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा मिलता है और इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है। स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलता है। हस्तशिल्प और हस्तकरघा उद्योग की भी आमदनी बढ़ती है।

इस साल यूनेस्को ने जिन अन्य स्मारकों को विश्व धरोहर घोषित किया है, वे हैं- बहरीन का दिलमन बरिअल माउंड्स, ऑस्ट्रेलिया का बज बिम कल्चरल लैंडस्केप, चीन के लियांगझू शहर के स्मारक, इंडोनेशिया के स्वाहलुंतो के ओम्बिलिन कोयला खदान, जापान के मोजू-फुरुची कोफुन माउंडेड कब्र आदि।

शुल्क बढ़ने से पेट्रोल 2.45 व डीजल 2.36 रुपए महंगा

पेज 1 का बाकी

दो-दो रुपए बढ़ गए। इसके ऊपर राज्यों में वैट भी लगता है। दोनों कर शनिवार से प्रभाव में आ गए। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इंडियन आयल कारपोरेशन ने इस संबंध में मूल्य अधिसूचना जारी की है। इसके बाद दिल्ली में पेट्रोल का दाम 2.45 रुपए बढ़कर 72.96 रुपए लीटर हो गया जबकि मुंबई में यह वृद्धि 2.42 रुपए बढ़कर 78.57 रुपए प्रति लीटर रही। कोलकाता में पेट्रोल का दाम 2.40 रुपए बढ़कर 75.15 रुपए लीटर और चेन्नई में 2.57 रुपए बढ़कर 75.76 रुपए लीटर हो गया। शुल्क वृद्धि के बाद दिल्ली में डीजल 2.36 रुपए बढ़कर 66.69 रुपए लीटर और मुंबई में 2.50 रुपए बढ़कर 69.60 रुपए लीटर हो गए।

राज्यों में स्थानीय कर या मूल्यवर्द्धित कर (वैट) अलग-अलग होने की वजह से पेट्रोल-डीजल के दाम में अंतर रहता है। इसके अलावा भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के पेट्रोल पंपों पर कुछ पैसे का अंतर भी रखा जाता है। बजट में शुल्क बढ़ाने से पहले पेट्रोल पर कुल उत्पाद शुल्क 17.98 रुपए लीटर था। इसमें 2.98 रुपए मूल उत्पाद शुल्क, 7 रुपए विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क और आठ रुपए सड़क व अवसंरचना उपकर लगा था। बजट के बाद विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क एक रुपए बढ़कर आठ रुपए और सड़क व अवसंरचना उपकर आठ से बढ़कर नौ रुपए लीटर हो गया। इससे कुल उत्पाद शुल्क दो रुपए बढ़कर 19.98 रुपए लीटर हो गया।

शहर	वृद्धि	पेट्रोल
दिल्ली	2.25	72.96
मुंबई	2.42	78.57
कोलकाता	2.40	75.15
चेन्नई	2.57	75.76

इसी तरह बजट से पहले डीजल पर कुल उत्पाद शुल्क 13.83 रुपए लीटर था। इसमें मूल उत्पाद शुल्क 4.83 रुपए, विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क एक रुपए और सड़क उपकर आठ रुपए लीटर था। उत्पाद शुल्क और सड़क उपकर एक-एक रुपए बढ़ने के बाद कुल शुल्क 15.83 रुपए लीटर हो गया। इन शुल्कों के ऊपर राज्यों में वैट लगाया जाता है। दिल्ली में पेट्रोल पर 27 फीसद और डीजल पर 16.75 फीसद की दर से वैट वसूला जाता है।

13 में से 10 असंतुष्ट विधायक मुंबई रवाना

पेज 1 का बाकी

में रुकने की संभावना है। राज्य की गठबंधन सरकार शनिवार को तब संकट में आ गई जब गठबंधन के 13 विधायकों ने अध्यक्ष को अपना इस्तीफा सौंप दिया।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीस येदियुरप्पा ने एक बयान में कहा कि अन्य प्रतिद्वंद्वी दलों में हुए घटनाक्रमों से मेरा और मेरी पार्टी का कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा, ''मैंने मीडिया में आई खबरों में सुना है कि कांग्रेस और जद (एस) विधायकों ने अपनी-अपनी विधानसभा सीटों से इस्तीफा दे दिया है।' भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी सदस्यता अभियान में व्यस्त है। उन्होंने कहा कि एक चीज मैं कह सकता हूं कि लोग चुनाव के लिए तैयार नहीं हैं। चुनाव सरकारी खजाने पर बोझ हैं। भाजपा विधायक सीएन अश्वथ नारायण ने इन खबरों से इनकार किया कि वह इन विधायकों की यात्रा और उनके मुंबई में ठहरने के इंतजाम में मदद कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि विधायक खुद गए हैं। भाजपा का इससे कोई लेना-देना नहीं है। जनवरी में हुई कांग्रेस विधायक दल की बैठक से पहले कांग्रेस ने भाजपा के डर से अपने विधायकों को एक रिजॉर्ट भेज दिया था। गुजरात कांग्रेस के विधायक भी 2017 में राज्य में ठहरे थे क्योंकि कांग्रेस को डर था कि राज्यसभा चुनाव से पहले विधायक छिटक सकते हैं। इससे पहले मैसुरू जिला पंचायत चुनाव के दौरान भाजपा और जद (सेकु) के सदस्य राजनीतिक शिकार के डर से इसी रिजॉर्ट में रुके थे।

टोल कर्मचारियों से मारपीट, सांसद सहित दो पर मामला

पेज 1 का बाकी

आयोग के अध्यक्ष डॉ. राम शंकर कठेरिया काफिले के साथ शनिवार की सुबह इटावा जा रहे थे। टोल प्लाजा प्रभारी अनुपम सिंह की तहरीर के अनुसार शनिवार सुबह 3.45 बजे इटावा सांसद डॉ. राम शंकर कठेरिया का काफिला टोल प्लाजा पर पहुंचा, उनके टोला प्लाजा से होकर जाने की कोई सूचना नहीं थी। उनके काफिले में पांच छोटी गाड़ी और एक बस थी। टोलकर्मी ने एक-एक गाड़ी को निकालने के लिए कहा और इसे लेकर विवाद हो गया।

आरोप है कि सांसद डॉ. राम शंकर कठेरिया के सुरक्षा कर्मियों ने मारपीट शुरू कर दी। दूसरी ओर थाना एत्मादपुर के निरीक्षक विकास तोमर का कहना है कि टोलकर्मी की तहरीर के आधार पर सांसद और उनके सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और इसकी जांच की जा रही है। तहरीर में आरोप लगाए हैं कि जब सांसद डॉ. राम शंकर कठेरिया से कहा कि वे आपको जानते हैं और आपकी गाड़ी निकलवा रहे हैं तो इस पर भी सुरक्षाकर्मी नहीं माने और उन्हें डंडे से पीटते रहे और गोली भी चलाई। इस मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक का कहना है कि रहनकलां में टोल प्लाजा पर हुए मामले में तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

गौरतलब है कि वायरल वीडियो में दिखाई दे रहा है कि सांसद के समर्थक टोल कर्मियों को पीट रहे हैं और सांसद खड़े हैं। सांसद समर्थक फायरिंग करते हुए भी नजर आए, जिसकी तस्वीर सीसीटीवी में कैद हुई। इस दौरान खुद सांसद हाथों में डंडा लिए हुए दिख रहे हैं। घटना के बाद टोल ठेकेदार ने थाना एत्मादपुर में शिकायत की है। इस घटना में चार टोल कर्मी के साथ एक बाउंसर भी घायल है। कठेरिया ने आज यहां पत्रकारों से पूछने पर कहा कि उनके सुरक्षाकर्मियों पर हमला हुआ तो वे बचाव में आए।

विकास के लिए जरूरी है कर बढ़ाना : सीतारमण

पेज 1 का बाकी

आर्थिक विकास और लोगों के लिए बुनियादी सुविधाएं जुटाने की खातिर संसाधन जुटाना जरूरी है।

वित्त वर्ष 2019- 20 का बजट पेश करने के अगले दिन शनिवार को उन्होंने मीडिया से कहा कि विदेशों से सोने का आयात करने, पेट्रोलियम पदार्थों के आयात में अहम विदेशी मुद्रा खर्च होती है। दूसरी तरफ देश में राजमार्गों, हवाई अड्डों, रेल परियोजनाओं, अस्पतालों और सार्वजनिक परिवहन पर बड़े पैमाने पर निवेश किया जा रहा है। यही नहीं माल एवं सेवाकर (जीएसटी) में भी सरकार ने कई वस्तुओं पर कर की दर घटाकर करोड़ों रुपए के राजस्व का लाभ उपभोक्ताओं को दिया है। सीतारमण से जब दो करोड़ रुपए, पांच करोड़ रुपए की कमाई करने वालों पर ऊंची दर से अधिभार लगाए जाने के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि आम जनता के लिए खड़ी की जानी वाली ढांचागत सुविधाओं के लिए संसाधन जुटाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'सार्वजनिक क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश हो रहा है।

तेरह विधायकों ने विस अध्यक्ष को सौंपे इस्तीफे

पेज 1 का बाकी

नीत गठबंधन सरकार अपना कर्तव्य निभाने में नाकाम रही। उन्होंने इस बात से इनकार किया कि इस बगावत के पीछे भाजपा का हाथ है। उन्होंने कहा कि सरकार विधायकों के साथ तालमेल बैठाने में नाकाम रही। वह लोगों की उम्मीदों पर भी खरा नहीं उतर पाई। इस आरोप पर कि भाजपा 'ऑपरेशन लोटस (भाजपा के चुनाव चिह्न)' के जरिए राज्य सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है, उन्होंने कहा कि यह आपकी मनगढ़ंत बात है। उन्होंने कहा, 'इसका कोई भाजपाई पहलू नहीं है। हम सभी वरिष्ठ हैं। कोई ऑपरेशन नहीं हो सकता...हम सरकार की उदासीनता के खिलाफ स्वेच्छा से इस्तीफा दे रहे हैं।'

विधानसभा अध्यक्ष रमेश कुमार उस वक्त अपने कार्यालय में नहीं थे, जब विधायक वहां पहुंचे। हालांकि उन्होंने इस्तीफों की पुष्टि की और कहा कि सरकार गिरेगी या बरकरार रहेगी, इसका फैसला विधानसभा में होगा।

इस बीच, आखिरी कोशिश के तहत कांग्रेस के 'संकटमोचक' एवं मंत्री डीके शिवकुमार ने विधायकों से मुलाकात की और उन्हें मनाने की कोशिश की। इस हफ्ते की शुरूआत में कांग्रेस के एक अन्य विधायक आनंद सिंह ने भी स्पीकर को अपना इस्तीफा सौंपा था। विधानसभा में सत्तारूढ़ गठबंधन का संख्या बल स्पीकर के अलावा 118 है। इसमें कांग्रेस के 78, जद (सेकु) के 37, बसपा का एक और दो निर्दलीय हैं। इसमें वे विधायक भी शामिल हैं जिन्होंने इस्तीफा दे दिया है। जिन विधायकों को स्पीकर के कार्यालय में देखा गया, उनमें कांग्रेस के रमेश जरकीहोली, प्रताप गौड़ा पाटील, शिवराम हेब्बार, महेश कुमाथल्ली, बीसी पाटील, बिरातिबासवराज, एसटी सोम शेखर और रामलिंग रेड्डी शामिल हैं। जद (सेकु) के विधायकों में एएच विश्वनाथ, नारायण गौड़ा और गोपालैया शामिल हैं। विश्वनाथ ने हाल ही में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। बाद में, कांग्रेस विधायक मुनिरत्न ने भी अपना इस्तीफा सौंप दिया। वे भी राजभवन के बाहर बागी विधायकों के साथ देखे गए।

कुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा कि 11 विधायकों ने कार्यालय में अपना इस्तीफा सौंपा है। मैंने अधिकारियों को (इस्तीफा) पत्र रख लेने और पावती देने के लिए कहा...मंगलवार को मैं कार्यालय जाऊंगा और नियमों के अनुसार आगे की कार्रवाई करूंगा। सरकार के भविष्य के बारे में पूछे गये एक सवाल के जवाब में कुमार ने कहा, 'इंतजार कीजिए और देखिए, मुझे इस बारे में कुछ नहीं कहना...सरकार गिर जाएगी या बरकरार रहेगी, यह विधानसभा में तय होगा।'

भाजपा ने कर्नाटक की सरकार गिराने की कोशिश करने के कांग्रेस के आरोपों को खारिज करते हुए शनिवार को कहा कि सत्तारूढ़ सहयोगी पार्टियों कांग्रेस और जद (सेकु) की अंदरूनी कलह राज्य में नई राजनीतिक अस्थिरता के लिए जिम्मेदार है। भाजपा के मीडिया प्रमुख एवं राज्यसभा सांसद अनिल बलूनी ने कहा कि वास्तविकता यह है कि कांग्रेस के भीतर और उसका जद (सेकु) के साथ राजनीतिक श्रेष्ठता का संघर्ष है। सिद्धरमैया नहीं चाहते कि कुमारस्वामी की सरकार चले। पूरी अस्थिरता का कारण यही द्वेषपूर्ण अंदरूनी राजनीति है।

वेनेजुएला में स्वतंत्रता दिवस पर गुइदो ने निकाली रैली

निकोलस मादुरो ने किया सैन्य परेड का नेतृत्व

काराकस, 6 जुलाई (एएफपी)।

वेनेजुएला के स्वतंत्रता दिवस पर देश के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के नेतृत्व में शुक्रवार को सैन्य परेड निकाली गई और इसी बीच विपक्षी नेता जुआन गुइदो ने रैली निकालकर सरकार के खिलाफ हुंकार भरी।

संयुक्त राष्ट्र ने देश में चरमराती कानून-व्यवस्था को लेकर सचेत किया है। खुद को वेनेजुएला का वैध कार्यवाहक राष्ट्रपति बताने वाले गुइदो ने काराकस की सड़कों पर रैलियां कर समर्थकों से उम्मीद नहीं छोड़ने की अपील की।

उन्होंने कहा, 'उम्मीद मत छोड़ो! हम वहां पहुंचने वाले हैं! इसमें कोई संदेह नहीं है, हम कामयाब होंगे।' गुइदो को सुनने के लिए जो भीड़ जुटी, वह इस साल की शुरुआत में होने वाली रैलियों की तुलना में कम थी। गौरतलब है कि मादुरो की सरकार के सामने सीधी चुनौती पेश करते हुये गुइदो ने जनवरी में खुद को कार्यवाहक राष्ट्रपति घोषित किया था। वेनेजुएला में पांच जुलाई को स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है।

इस बीच, राष्ट्रपति मादुरो ने देश के संस्थापकों के सम्मान में पासेओ डे लॉस प्रोसेरेस में एक सैन्य परेड का नेतृत्व किया। ऑपरेशनल स्ट्रेटेजी के कमांडर जनरल रेमीजियो केबालोस ने राष्ट्रपति को आश्वासन देते हुए कहा, 'सशस्त्र बलों पर भरोसा करें ... हम देश के दुश्मनों का सामना करने से डरते नहीं हैं।'

इस बीच, संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार प्रमुख मिशेल बैचेलेट ने वेनेजुएला पर एक चिंताजनक रिपोर्ट पेश की जिसमें देश में सुरक्षा बलों द्वारा की गई यातनाओं और हजारों हत्याओं समेत राजनीतिक विरोधियों और कार्यकर्ताओं पर हमले की ओर इशारा किया गया है।

दक्षिणी कैलिफोर्निया में 7.1 तीव्रता का भूकम्प

लॉस एंजिलिस, 6 जुलाई (एएफपी)।

दक्षिणी कैलिफोर्निया में शुक्रवार देर रात 7.1 तीव्रता का भूकम्प आया। यह पिछले दो दशकों में यहां आया सबसे शक्तिशाली भूकम्प है। भूकम्प के कारण लॉस एंजिलिस में कई जगहों पर बिजली आपूर्ति ठप हो गई। हालांकि किसी के हताहत होने या कोई अन्य बड़ा नुकसान होने की सूचना नहीं है।

अमेरिकी भूकम्प वैज्ञानिकों ने बताया कि रिजक्रेस्ट में रात आठ बज कर 19 मिनट पर (अंतरराष्ट्रीय समयानुसार शनिवार देर रात तीन बजकर 19 मिनट पर) भूकम्प आया। इससे पहले इसी इलाके में 6.4 तीव्रता का भूकम्प आया था। 'यूएस जियोलॉजिकल सर्वे' (यूएसजीएस) के अनुसार यह भूकम्प पहले आए भूकम्प से कई गुना अधिक शक्ति शाली था। भूकम्प लॉस एंजिलिस से करीब 150 मील से दूरी पर महसूस किया गया।

'लॉस एंजिलिस टाइम्स' के अनुसार दक्षिणी कैलिफोर्निया में वर्ष 1999 के बाद से यह सर्वाधिक तीव्रता का भूकम्प है। वर्ष 1999 में ट्वंटीनाइन पाम्स मरीन कोर्प्स बेस में 7.1 तीव्रता का भूकम्प आया था।

रिजक्रेस्ट में एक भारतीय अमेरिकी मोटल मालिक पिंकी पंचाल ने कहा कि भूकम्प इतना भयानक था और मोटल इतनी जोर से हिल रहा था कि उन्हें लगा कि जैसे छत उन पर और वहां मौजूद मेहमानों पर गिर जाएगी और वे बच नहीं पाएंगे। इस भूकम्प के कारण कई इमारतों में दरार पड़ गई, कई जगह आग लग गई, सड़कें टूट गईं।

ट्यूनीशिया सरकार ने नकाब पर लगाया प्रतिबंध

ट्यूनिश, 6 जुलाई (एएफपी)।

ट्यूनीशिया के प्रधानमंत्री ने देश में हुए हमलों के बाद सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए सरकारी कार्यालयों में नकाब पर प्रतिबंध लगा दिया है।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि प्रधानमंत्री यूसुफ चाहेद ने एक सरकारी परिपत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें 'सरकारी प्रशासनिक कार्यालयों एवं सरकारी संस्थानों में किसी भी व्यक्ति के मुंह ढक कर आने पर सुरक्षा कारणों से प्रतिबंध' लगाने की बात की गई है। ट्यूनिश में 27 जून को हुए दोहरे आत्मघाती बम विस्फोट के बाद कड़ी सुरक्षा के चलते नकाब पर प्रतिबंध लगाया गया है। इस हमले में दो लोग मारे गए थे और अन्य सात घायल हो हुए थे।

अफगानिस्तान में बाजार में मोर्टार गिरा, 14 की मौत

काबुल, 6 जुलाई (एएफपी)।

अफगानिस्तान के एक व्यस्त बाजार में मोर्टार गिरने से कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अफगान सेना के प्रवक्ता हनीफ रिजाई के अनुसार शुक्रवार को फरयाब प्रांत के ख्वाजा सब्ज पोश जिले में तालिबान के दागे कई गोले गिरे।

रिजाई ने बताया, 14 लोगों की मौत हो गई और महिलाओं व बच्चों समेत 40 लोग घायल हो गए। उन्होंने कहा कि तालिबान बाजार के नजदीक सेना की एक चौकी को निशाना बनाने की कोशिश कर रहे थे। तालिबान की ओर से इस पर कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

संरा ने लीबिया में संघर्ष विराम का किया आह्वान

त्रिपोली, 6 जुलाई (एएफपी)।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने लीबिया में संघर्ष विराम की शुक्रवार को अपील की। त्रिपोली में पिछले तीन महीने में हुई हिंसा के दौरान मारे गए लोगों की संख्या 1000 पर पहुंच गई है। इस हिंसा में कई लोग हवाई हमले में मारे गए। इस हमले में प्रवासियों का हिरासत निशाना बना।

एक साझा बयान में कहा गया कि परिषद ने पूर्वी त्रिपोली के ताजौरा हिरासत केंद्र पर मंगलवार को हुए हमले की निंदा की और 'सभी पक्षों से स्थिति को तत्काल नियंत्रित करने और संघर्ष विराम को लेकर प्रतिबद्ध होने की जरूरत पर जोर दिया।'

यूरेनियम के संवर्धन को बढ़ाने को है तैयार ईरान : शीर्ष अधिकारी

तेहरान, 6 जुलाई (एपी)।

ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खमेनी के एक शीर्ष सहयोगी ने कहा कि इस्लामी गणराज्य 2015 परमाणु सौदे में निर्धारित सीमा से अधिक यूरोनियम संवर्धन करने को तैयार है। ईरान ने यह एलान ऐसे समय में किया है जब उसने यूरोप को रविवार तक समझौते के लिए नई शर्तें प्रस्तुत करने को कहा है।

पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक! **punjab national bank** ...the name you can BANK upon!

शाखा कार्यालय: सिविल लाइन्स, दिल्ली 13,

श्री विकास गोयल

सार्वजनिक सूचना

ऋणधारक: बालाजी टेलीकॉम, प्रॉप.- श्री विकास गोयल

कुल बकाया राशि: रु. 9,00,37,134 + 01.01.2016 से उस पर आगे का ब्याज।

एतद्द्वारा आम जनता को अधिसूचित किया जाता है कि श्री विकास गोयल प्रॉप. बालाजी टेलीकॉम ने बैंक से रु. 9,00,00,000/- की ऋण राशि प्राप्त की है तथा उसके पुनर्भुगतान में चूक के कारण इस खाता को 11.10.2016 को एनपीए घोषित कर दिया गया है।

27.06.2018 को बैंक द्वारा ऋणधारकों को ''विलफुल डिफॉल्टर'' घोषित कर दिया गया है। ऋणधारक को 01.01.2016 से उस पर आगे के ब्याज तथा अन्य लागतों/ धनों के साथ रु. 9,00,37,134/- की राशि का बैंक को भुगतान करना है जिसके लिये बैंक ने उनके विरुद्ध वसूली कार्रवाई शुरू की है।

जनहित में सूचित किया जाता है कि बैंक द्वारा विलफुल डिफॉल्टर घोषित किये जाने के बाद ऋणधारक किसी अन्य बैंक/ वित्तीय संस्थान से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिये अधिकृत नहीं हैं।

तिथि: 5.7.2019, स्थान: नई दिल्ली **शाखा इन्कम्बैन्ट**

प्रपत्र ए

सार्वजनिक उद्घोषणा

[भारत दिवाला तथा दिवालिया मंडल (कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिए दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के विनियमन 6 के अंतर्गत]

मै. एक्सिस डेन्टल प्राईवेट लिमिटेड के क्रेडीटरों के ध्यानार्थ

संबंधित विवरण		
1.	कॉर्पोरेट ऋणधारक का नाम	एक्सिस डेन्टल प्राईवेट लिमिटेड
2.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के निगमन की तिथि	12.11.2007
3.	वह प्राधिकरण जिसके अंतर्गत कॉर्पोरेट ऋणधारक निगमित/पंजीकृत है	कम्पनी रजिस्ट्रार, रा.रा. क्षेत्र दिल्ली
4.	कॉर्पोरेट पहचान संख्या/कॉर्पोरेट ऋणधारक का लिमिटेड लाएबिलिटी पहचान संख्या	U85120DL2007PTC170348
5.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई हो) का पता	एम-85, भू तल, ब्लॉक ई, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली- 110048
6.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के संदर्भ में दिवाला आरंभ होने की तिथि	3.7.2019
7.	दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया के समापन की अनुमानित तिथि	30.12.2019
8.	अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल का नाम, पंजीकरण संख्या, जो अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल के रूप में कार्यरत है	पंकज जैन, पंजी. सं.: IBBI/ IPA-001/ IP-P00409/ 2017-18/ 10969
9.	बोर्ड में यथा पंजीकृत अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल का पता एवं ईमेल:	डी-105, भू तल, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली-110024, ई-मेल: punjkaj.ip@capoc.in
10.	अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल के साथ पत्राचार के लिये प्रयुक्त होने वाला पता तथा ईमेल	डी-105, भू तल, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली-110024 ई-मेल: punjkaj.ip@capoc.in फोन: 011-24332012, 011-41631242
11.	दावे जमा करने की अंतिम तिथि	17.7.2019
12.	क्रेडीटर का वर्ग यदि कोई हो, धारा 21 की उप धारा (6ए) के उपबंध (बी) के अंतर्गत, अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल द्वारा सुनिश्चित किया गया	एनए
13.	किसी वर्ग में क्रेडीटर्स के प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिये पहचान किये गये इन्सॉल्वेन्सी प्रॉफेशनल का नाम (प्रत्येक वर्ग से तीन नाम)	एनए
14.	(क) संबंधित प्रपत्र तथा (ख)प्राधिकृत प्रतिनिधियों का विवरण उपलब्ध है	एनए

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण, प्रधान पीठ, नई दिल्ली ने 3 जुलाई, 2019 को (आदेश की प्रति 5 जुलाई, 2019 को अधोहस्ताक्षरी को प्रेषित की गई) एक्सिस डेन्टल प्राईवेट लिमिटेड के संदर्भ में कॉर्पोरेट इन्सॉल्वेन्सी प्रस्ताव प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है। एक्सिस डेन्टल प्राईवेट लिमिटेड के क्रेडीटरों को निर्देश दिया जाता है कि प्रविष्टि नं. 10 में वर्णित पते पर अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल के पास 17 जुलाई, 2019 को या उससे पूर्व अपने दावे का प्रमाण जमा करें।

फाइनांसियल क्रेडीटर्स केवल इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से ही अपने दावे का प्रमाण जमा कर सकते हैं। अन्य सभी क्रेडीटर्स व्यक्तिगत, डाक द्वारा अथवा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से अपने दावे का प्रमाण जमा कर सकते हैं।

दावे का गलत अथवा भ्रामक प्रमाण जमा करने पर दंडित किया जा सकता है।

पंकज जैन
अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल
एक्सिस डेन्टल प्राईवेट लिमिटेड
पंजी. सं.: IBBI/IPA-001/IP-P00409/2017-18/10969

तिथि: 06.07.2019
स्थान: नई दिल्ली

बीएलबी लिमिटेड

CIN: L67120HR1981PLC051078
पंजीकृत कार्यालय: एससीओ नं0. 22, स्प्रिंग फील्ड कॉलोनी, एक्सटेंशन नं0. 1, सैयर सेक्टर 31-32, फरीदाबाद- 121003, हरियाणा
ईमेल आईडी: infoblb@blblimited.com, वेबसाइट: www.blblimited.com
फोन: 011 - 49325600

38वीं वार्षिक आम बैठक, रिमोट ई-वोटिंग और कट-ऑफ तिथि की सूचना

सेबी (सूचीयन बाध्यताएं एवं प्रकटन आवश्यकताएं) विनियमन, 2015 ("सूचीयन विनियमन") के विनियमन 47 के प्रावधानों और कम्पनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") के लागू प्रावधान, यदि कोई हो, एवं उसके अधीन बनाए गए नियमों के अनुसरण में **"सूचना"** दी जाती है कि बीएलबी लिमिटेड की 38वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) गुरूवार, 01 अगस्त, 2019 को प्रातः 11:00 बजे, मैगपी टयूरिस्ट रिजॉर्ट (हरियाणा पर्यटन निगम लि. की एक यूनिट) सैक्टर 16ए, मथुरा रोड, फरीदाबाद-121002, हरियाणा में आयोजित की जाएगी जिसमें एजीएम के आयोजन की सूचना में वर्णित कामकाज का निष्पादन किया जाएगा।

एतद्द्वारा यह भी सूचित किया जाता है कि अधिनियम की धारा 91 के साथ पठित कम्पनी (प्रबंधन एवं प्रशासन) नियम, 2014 ("नियम") के नियम 10 के समय-समय पर यथा संशोधित, के अनुपालन में, उपरोक्त एजीएम के लिए, रजिस्टर एवं शेयर हस्तांतरण खाते ई-वोटिंग के लिए एक दिन अर्थात शुक्रवार, 26 जुलाई, 2019 को बंद रहेंगे।

38वीं एजीएम के आयोजन की सूचना के साथ वित्तीय वर्ष 2018-19 की वार्षिक रिपोर्ट की इलेक्ट्रॉनिक प्रतियां ऐसे सदस्यों जिन्होंने इसकी भौतिक प्रति के लिए अनुरोध किया है, को छोड़कर उन सभी सदस्यों को भेजी जा चुकी हैं जिनके ई-मेल पते कम्पनी/डिपॉजिटरी प्रतिभागी(यों) के साथ पंजीकृत हैं। जिन सदस्यों को ई-मेल पते कम्पनी/डिपॉजिटरी प्रतिभागी(यों) के साथ पंजीकृत नहीं हैं, उन्हें उपरोक्त दस्तावेजों की भौतिक प्रतियां स्वीकार्य पद्धति में उनके पंजीकृत पंजी पर भेजी जा चुकी हैं।

अधिनियम की धारा 108 के साथ पठित समय-समय पर यथा संशोधित के नियम 20 और सूचीयन विनियमन के विनियम 44 के अनुसरण में, कम्पनी अपने सदस्यों को कथित एजीएम में विचार के लिए प्रस्तावित सभी प्रस्तावों को नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) द्वारा उपलब्ध कराई जा रही ई-वोटिंग सर्विस के माध्यम से अपना वोट इलेक्ट्रॉनिक रूप से देने की सुविधा प्रदान करते हुए प्रसन्न हैं।

इसके अलावा, एजीएम में बैलेट पेपर/पूलिंग पेपर के माध्यम से वोटिंग की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।

सभी सदस्यों को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि:

(i) कम्पनी की 38वीं एजीएम की सूचना में निर्धारित कारोबार पर इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से वोटिंग की कार्यवाही की जा सकती है;

(ii) रिमोट ई-वोटिंग अवधि सोमवार, 29 जुलाई, 2019 (प्रातः 9.00 बजे भा.मा.स.) से आरंभ हो रही है;

(iii) रिमोट ई-वोटिंग अवधि बुधवार, 31 जुलाई, 2019 (सायं 5.00 बजे भा.मा.स.) को समाप्त हो रही है;

(iv) कट-ऑफ तिथि: शुक्रवार, 26 जुलाई, 2019;

(v) कोई व्यक्ति, जो कम्पनी के शेयर को अधिग्रहण और/या आवंटित/जारी करता है तथा नोटिस के प्रेषण के बाद कम्पनी का सदस्य बनता है और कट-ऑफ तिथि तक शेयर धारण करता है, तो प्वाइंट नं0 (अपपपद्ध में उल्लिखित संपर्क व्यक्ति को एक अनुरोध भेजकर लॉग इन आईडी और पासवर्ड प्राप्त कर सकता है।

(vi) सभी सदस्य नोट करें कि:

a) बुधवार, 31 जुलाई, 2019 (सायं 5.00 बजे भा.मा.स.) के बाद रिमोट ई-वोटिंग की अनुमति नहीं दी जाएगी;

b) बैलट पैपर/मतपत्र के माध्यम से वोट देने की सुविधा एजीएम में उपलब्ध कराई जाएगी और एजीएम में उपस्थित वे सदस्य जिन्होंने पहले ही रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से अपना वोट नहीं दिया है वे एजीएम में अपना वोट डाल सकेंगे;

c) रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से वोट देने के अधिकार का प्रयोग करने के बाद भी सदस्य एजीएम में भाग ले सकते हैं किंतु उन्हें बैलट पैपर के माध्यम से एजीएम में फिर से वोट डालने की अनुमति नहीं दी जाएगी; और

d) कोई व्यक्ति जिसका नाम कट-ऑफ तिथि को सदस्यों के रजिस्टर या डिपॉजिटरी द्वारा रखे गए लाभार्थी स्वामियों के रजिस्टर में दर्ज है वही रिमोट ई-वोटिंग तथा एजीएम में वोट देने की सुविधा पाने के हकदार होंगे;

(vii) वार्षिक रिपोर्ट, उपस्थिति पर्ची, प्रॉक्सी फार्म के साथ 38वीं एजीएम की सूचना कम्पनी की वेबसाइट www.blblimited.com और एनएसडीएल की वेबसाइट www.evoting.nsdl.com पर भी उपलब्ध है; और

(viii) किसी भी पूछताछ के लिए आप www.evoting.nsdl.com के डाउनलोड सैक्शन पर उपलब्ध सदस्यों के लिए अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (एफएक्यू) और सदस्यों के लिए रिमोट ई-वोटिंग यूजर मैनुअल का अवलोकन करें या सुश्री पल्लवी महात्रा, सहायक प्रबंधक, एनएसडीएल से निम्नलिखित पर सम्पर्क करें:

- फोन नं.: 022 24994545 और टोल फ्री नं.: 1800 222 990
- ई-मेल आईडी: pallavid@nsdl.co.in / evoting@nsdl.co.in

इस सूचना में निहित जानकारी बीएसई लिमिटेड (www.bseindia.com) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (www.nseindia.com) की वेबसाइट(ों) पर भी उपलब्ध होगी।

कृते बीएलबी लिमिटेड
हस्ता/-
(वर्षा यादव)
कम्पनी सचिव

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 06.07.2019

प्रपत्र ए

सार्वजनिक उद्घोषणा

[भारत दिवाला तथा दिवालिया मंडल (कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिए दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के विनियमन 6 के अंतर्गत]

नाइस प्रॉजेक्ट्स लिमिटेड के क्रेडीटरों के ध्यानार्थ

संबंधित विवरण		
1.	कॉर्पोरेट ऋणधारक का नाम	नाइस प्रॉजेक्ट्स लिमिटेड
2.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के निगमन की तिथि	27.04.2004
3.	वह प्राधिकरण जिसके अंतर्गत कॉर्पोरेट ऋणधारक निगमित/पंजीकृत है	आरओसी-दिल्ली
4.	कॉर्पोरेट पहचान संख्या/कॉर्पोरेट ऋणधारक का लिमिटेड लाएबिलिटी पहचान संख्या	U45201DL2004PLC126075
5.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई हो) का पता	सी-56 ए, कालकाजी, नई दिल्ली-110019
6.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के संदर्भ में दिवाला आरंभ होने की तिथि	4.7.2019
7.	दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया के समापन की अनुमानित तिथि	31.12.2019
8.	अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल का नाम, पंजीकरण संख्या, जो अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल के रूप में कार्यरत है	हंस राज चुघ IBBI/IPA-001/IP-P00698/2017-2018/11182
9.	बोर्ड में यथा पंजीकृत अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल का पता एवं ईमेल:	ई-24 (बेस्मेन्ट), लाजपत नगर-III, नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली-110024 hansrajchugh@ashm.in
10.	अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल के साथ पत्राचार के लिये प्रयुक्त होने वाला पता तथा ईमेल	ई-24 (बेस्मेन्ट), लाजपत नगर-III, नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली पिन-110024 irpniceprojectsltd@gmail.com
11.	दावे जमा करने की अंतिम तिथि	18.07.2019
12.	क्रेडीटर का वर्ग यदि कोई हो, धारा 21 की उप धारा (6ए) के उपबंध (बी) के अंतर्गत, अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल द्वारा सुनिश्चित किया गया	आईआरपी को उपलब्ध सूचना के अनुसार लागू नहीं
13.	किसी वर्ग में क्रेडीटर्स के प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिये पहचान किये गये इन्सॉल्वेन्सी प्रॉफेशनल का नाम (प्रत्येक वर्ग से तीन नाम)	आईआरपी को उपलब्ध सूचना के अनुसार लागू नहीं
14.	(क) संबंधित प्रपत्र तथा (ख)प्राधिकृत प्रतिनिधियों का विवरण उपलब्ध है	क) वेब लिंक: https:\\ibbi.gov.in/home/downloads भौतिक पता: जैसा कि प्वाइन्ट नं. 10 में वर्णित है। ख) आईआरपी को उपलब्ध सूचना के अनुसार लागू नहीं

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण, ने 4.7.2019 को नाइस प्रॉजेक्ट्स लिमिटेड के संदर्भ में कॉर्पोरेट इन्सॉल्वेन्सी प्रस्ताव प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है। एतद्द्वारा नाइस प्रॉजेक्ट्स लिमिटेड के क्रेडीटरों को निर्देश दिया जाता है कि आइटम नं. 10 में वर्णित पते पर अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल के पास 18.7.2019 को या उससे पूर्व अपने दावे का प्रमाण जमा करें।

फाइनांसियल क्रेडीटर्स केवल इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से ही अपने दावे का प्रमाण जमा कर सकते हैं। अन्य सभी क्रेडीटर्स व्यक्तिगत, डाक द्वारा अथवा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से अपने दावे का प्रमाण जमा कर सकते हैं।

प्रविष्टि सं. 12 के समक्ष यथा सूचीबद्ध किसी वर्ग से संबंधित वित्तीय क्रेडीटर प्रपत्र सीए में वर्ग के प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिये (आईआरपी को उपलब्ध सूचना के अनुसार लागू नहीं) प्रविष्टि सं. 13 के समक्ष सूचीबद्ध तीन इन्सॉल्वेन्सी प्रॉफेशनलों में से प्राधिकृत प्रतिनिधि की अपनी पसंद को दर्शाएं- दावे का गलत अथवा भ्रामक प्रमाण जमा करने पर दंडित किया जा सकता है।

तिथि: 06.07.2019 **हंस राज चुघ**
स्थान: नई दिल्ली **अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल**

प्रपत्र सं. आईएनसी-26

[कंपनी (निगमन) नियमावली, 2014 के नियम 30 के अनुपालन में]

एक राज्य से दूसरे राज्य में कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय के परिवर्तन के लिये समाचार पत्र में प्रकाशन के लिये विज्ञापन

सूचना

क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, दिल्ली के समक्ष

कंपनी अधिनियम, 2013, की धारा 13 की उप-धारा (4) तथा कंपनी (निगमन) नियमावली, 2014 के नियम 30 के उप नियम (5) के क्लॉज (ए) के मामले में

तथा

कोनेक्स एक्सेस सिस्टम्स प्राईवेट लिमिटेड, CIN:U51395UP2003PTC063837 जिसका पंजीकृत कार्यालय: 4था तल, एक्स्प्रेस ट्रेड टावर, टावर-1, प्लॉट नं. 15-16ए, सेक्टर 16 ए, फिल्म सिटी, नोएडा, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश-201308 में है, के मामले में

..... **आवेदक**

एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि ''उत्तर प्रदेश राज्य'' से ''कर्णाटका राज्य'' में उसके पंजीकृत कार्यालय को परिवर्तित करने के लिए कंपनी को सक्षम बनाने के लिए सोमवार, 05 जुलाई, 2019 को आयोजित कम्पनी की असाधारण आमसभा में पारित विशेष प्रस्ताव के अनुसार कंपनी के मेमोरैंडम ऑफ एसोसिएशन के परिवर्तन की पुष्टि के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13(4) के अंतर्गत यह कंपनी केंद्र सरकार के पास आवेदन करने का प्रस्ताव करती है।

कंपनी के पंजीकृत कार्यालय के इस प्रस्तावित परिवर्तन से यदि किसी व्यक्ति का हित प्रभावित होता हो, वे एमसीए-21 पोर्टल (www.mca.gov.in) पर निवेशक शिकायत प्रपत्र दाखिल करें अथवा उसके नीचे वर्णित पंजीकृत कार्यालय में आवेदक कंपनी को उसकी एक प्रति के साथ इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से चौदह दिनों के भीतर अपने हित की प्रकृति तथा आपत्ति के कारणों का उल्लेख करते हुए एक शपथ पत्र द्वारा समर्थित अपनी आपत्ति क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, दिल्ली के पते: बी-2 विंग, 2रा तल, पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्प्लैक्स, नई दिल्ली-110003 में जमा करें या जमा कराएं या पंजीकृत डाक से भेजें:

4था तल, एक्स्प्रेस ट्रेड टावर, टावर-1, प्लॉट नं. 15-16ए, सेक्टर 16 ए, फिल्म सिटी, नोएडा, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश-201308

आवेदक के लिये तथा उसकी ओर से
हस्ता./-
वाचस्पति दूबे
प्रबंधक निदेशक (DIN: 06823945)

तिथि: 06.07.2019
स्थान: नोएडा

सिंडिकेट बैंक शाखा: मेरठ सिटी (मैन) 8, शिव पुरी, मेरठ

अनडिलिवर्ड डिमांड नोटिस

क्र सं	ऋणी/गारंटर का नाम	बंधक सम्पत्ति का विवरण	रजिस्टर्ड पोस्ट द्वारा डिमांड नोटिस भेजने की तारीख	नोटिस के अनुसार देय राशि
1.	**ऋणकर्ता: 1. मैसर्स डीके एंटरप्राइजेज, प्रो. श्री दिनेश कुमार वर्मा पुत्र ओमप्रकाश वर्मा,** 18/11, प्लॉट नंबर 2, शिव शक्ति नगर, मेरठ -250002 **2. श्री दिनेश कुमार वर्मा पुत्र ओमप्रकाश वर्मा,** वर्तमान पता: - 18/11, प्लॉट नंबर 2, शिव शक्ति नगर, मेरठ -250002 **स्थायी पता:** 1430/10, इंदिरा नगर- 1, मेरठ सिटी, मेरठ -250002 **गारंटर: 1. श्रीमती नीलम देवी वर्मा पत्नी ओमप्रकाश वर्मा,** वर्तमान पता: -18/11, प्लॉट नंबर 2, शिव शक्ति नगर, मेरठ -250002 **स्थायी पता:** 1430/10, इंदिरा नगर- 1, मेरठ सिटी, मेरठ -250002	आवासीय प्लाट और भूमि असर संख्या 2, अब मकान का निर्मित, संपत्ति का भाग नगर निगम संख्या 18/11, क्षेत्रफल 134.16 वर्ग गज या 112.17 वर्ग मीटर खसरा सं. 1961, स्थित मौहल्ला शिव शक्ति नगर मेरठ शहर **सीमायें:-पूर्व:** 51 फीट / प्लॉट नंबर 3, **पश्चिम:** 59 फीट 6 इंच / प्लॉट नंबर 1, **उत्तर:** 21 फीट 10 इंच/रास्ता 20 फीट चौड़ा, **दक्षिण:** 21 फीट 10 इंच / प्लॉट नंबर 4	26.06.2019 एन पी ए 28.09.2017	रु0 3802097.46 + ब्याज एवं खर्चे आदि दिनांक 01.06.2019 से
2.	**खाता संख्या 85507200000585** **ऋणकर्ता: 1. श्री मैराज अहमद पुत्र श्री मंजूर अहमद,** निवासी 11, सराय मुर्तियान, शाहपीर गेट, मेरठ सिटी **संयुक्त ऋणकर्ता: 1. श्रीमती जीनत पत्नि श्री मैराज अहमद,** निवासी 11, सराय मुर्तियान, शाहपीर गेट, मेरठ सिटी **गारंटर: 1. श्री मौहम्मद अकिल पुत्र श्री मौहम्मद यामीन,** निवासी 254/23, आशियाना कॉलोनी, हापुड़ रोड, मेरठ **खाता संख्या 85507210000161** **ऋणकर्ता: 1. श्री मैराज अहमद पुत्र श्री मंजूर अहमद,** निवासी 11, सराय मुर्तियान, शाहपीर गेट, मेरठ सिटी **संयुक्त ऋणकर्ता: 1. श्रीमती जीनत पत्नि श्री मयराज अहमद,** निवासी 11, सराय मुर्तियान, शाहपीर गेट, मेरठ सिटी **गारंटर: 1. डॉ. वली अहमद पुत्र अली मौहम्मद**129, उमर नगर, हापुड़ रोड, मेरठ 2. श्रीमती इंदिरा देवी पत्नि विनोद कुमार, गांव उदयपुर मिनाक्षी पुरम के पास, मवाना रोड, मेरठ	आवासीय प्लाट और भूमि के सभी भाग और पार्सल क्षेत्रफल 56.85 वर्गमीटर या 68.00 वर्ग गज खसरा नं 3748 स्थित आशियाना कॉलोनी, मेरठ शहर, स्वामित्व श्री मैराज अहमद **सीमायें:-उत्तर :** 42 फीट पर मौहम्मद अकील के साथ संयुक्त पट्टी **दक्षिण:** 42 फीट 6 इंच , मौहम्मद अकील के साथ संयुक्त पट्टी, **पूर्व :** 14 फीट 9 इंच, गैलरी 2 फीट चौड़ी मौ. अकील/ श्रीमती जरीना बेगम की संपत्ति, **पश्चिम :** 14 फीट 9 इंच, रास्ता 23 फीट और 6 फीट चौड़ा	20.06.2019 एन पी ए 31.05.2018	रु0 440500.05 + ब्याज एवं खर्चे आदि दिनांक 01.06.2019 से
3.	**ऋणकर्ता: 1. अनिल कुमार चौहान पुत्र स्वर्गीय श्री राज सिंह चौहान,** मकान नंबर सी-6, पूजा अपार्टमेंट, दामोदर कॉलोनी, मेरठ - 250004 **2. श्रीमती ललिता चौहान पत्नी अनिल कुमार चौहान,** मकान नंबर सी-6, पूजा अपार्टमेंट, दामोदर कॉलोनी, मेरठ - 250004 **गारंटर: 1. श्री वेदांश राज पुत्र श्री अनिल कुमार चौहान,** मकान नंबर सी -6, पूजा अपार्टमेंट, दामोदर कॉलोनी, मेरठ - 250004	एक आवासीय फ्लैट दूसरी मंजिल के सभी भाग और पार्सल, असर फ्लैट नंबर सी -6, क्षेत्रफल 83.61 वर्ग मीटर, प्लॉट नंबर सी -10 पर निर्मित, स्थित दामोदर कॉलोनी, मेरठ शहर स्वामित्व श्री अनिल कुमार चौहान और श्रीमती ललिता चौहान **सीमायें:- उत्तर:** श्री कन्हैया लाल शर्मा का प्लॉट, **दक्षिण:** श्रीमती शिखा अग्रवाल का फ्लैट नंबर सी -5, **पूर्व:** रास्ता 60 फीट चौड़ी सड़क, **पश्चिम:** प्लॉट नंबर सी-11	14.06.2019 एन पी ए 31.05.2018	रु0 639087.53 + ब्याज एवं खर्चे आदि दिनांक 01.06.2019 से
4.	**ऋणकर्ता: 1. सईद अहमद पुत्र राशिद अहमद,** 264-265/11 शास्त्री नगर, मेरठ -250

सोने पर आयात शुल्क बढ़ोतरी से आभूषण कारोबारी निराश

नई दिल्ली, 6 जुलाई (भाषा)।

आम बजट 2019-20 में सोने पर आयात शुल्क को 10 फीसद से बढ़ाकर 12.5 फीसद करने से स्थानीय कारोबारियों को अपना कारोबार पड़ोसी देशों में ले जाने पर मजबूर होना पड़ेगा। रत्न व आभूषण निर्यात संवर्द्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने सरकार के इस फैसले पर निराशा जताते हुए शनिवार को यह बात कही।

जीजेईपीसी के चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल ने बयान में कहा कि एक उद्योग के तौर पर सोना-चांदी और अन्य बहुमूल्य धातुओं पर आयात शुल्क बढ़ाए जाने से हमें निराशा है। आभूषण क्षेत्र पहले से संघर्ष के दौर से गुजर रहा है। क्षेत्र में निर्यात और रोजगार घटा है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार सरकार के इस फैसले से देश में सोने की तस्करी बढ़ सकती है।

बयान के मुताबिक सरकार के इस कदम का असर यह होगा कि कारोबारियों के अपना कारोबार पड़ोसी देशों में स्थानांतरित करने में वृद्धि हो सकती है। विदेशी पर्यटक यहां आभूषण खरीदने के लिए रुकेंगे जबकि बड़े हीरों को तराशने का काम वियतनाम और चीन जैसे पड़ोसी प्रतिस्पर्धी देशों में चला जाएगा। उन्होंने कहा कि निर्यातक सरकार से इस फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए कहेंगे। विश्व स्वर्ण परिषद के भारत के प्रबंध निदेशक सोमसुंदरम पीआर ने भी कहा कि आयात शुल्क में बढ़ोतरी देश के स्वर्ण उद्योग पर नकारात्मक प्रभाव डालेगा। भारत दुनिया का सबसे बड़ा स्वर्ण आयातक और आभूषण क्षेत्र की मांग पूर्ति करने वाला प्रमुख निर्यातक देश है।

ट्रक चालकों के संगठन ने बजट पर जताई नाखुशी

मुंबई, 6 जुलाई (भाषा)।

ट्रक आपरेटर डीजल के दामों में वृद्धि से नाराज है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके साथ बैंक खाते से एक करोड़ रुपए से अधिक की निकासी पर दो फीसद टीडीएस लगा कर सरकार उनके कारोबार को नष्ट करने की कोशिश कर रही है। ट्रक आपरेटरों के संगठन ने आरोप लगाया कि इस उद्योग में विदेशी कंपनियों के लिए रास्ता बनाने के लक्ष्य के साथ ये कदम उठाए गए हैं।

पचास हजार से ऊपर के नकद लेन-देन में पैन की जगह अब आधार मान्य

नई दिल्ली, 6 जुलाई (भाषा)।

अब पचास हजार से अधिक के नकद लेन-देन में पैन की जगह आधार का उपयोग किया जा सकता है। राजस्व सचिव अजय भूषण पांडे ने कहा कि 50,000 रुपए से अधिक के नकद लेन-देन और अन्य मकसद से उन जगहों पर आधार संख्या का जिक्र किया जा सकता है, जहां परंपरागत रूप से पैन संख्या का उपयोग अनिवार्य है।

पांडे ने शनिवार को कहा कि बैंकों तथा अन्य संस्थान उन सभी जगहों पर आधार स्वीकार करने को लेकर अपनी व्यवस्था को उन्नत करेंगे जहां पैन का जिक्र करना अनिवार्य है। इससे पहले, बजट में करदाताओं की सुविधाओं के लिए आयकर रिटर्न भरने को लेकर पैन नहीं होने पर आधार के उपयोग की अनुमति दे दी।

उन्होंने कहा, 'आज 22 करोड़ पैन कार्ड हैं, जो आधार से जुड़े हैं। वहीं 120 करोड़ लोगों के पास आधार है। अब अगर कोई पैन चाहता है, उसे पहले आधार का उपयोग करना होता है, पैन बनवाना पड़ता है और उसके बाद उसका उपयोग शुरू करता है। आधार के साथ लाभ यह होगा कि उसे पैन सृजित करने की जरूरत नहीं है। अतः यह एक बड़ी सुविधा है।' यह पूछे जाने पर कि क्या बैंक खाते में 50,000 रुपए से अधिक जमा करने या निकासी के लिए पैन की जगह आधार का उपयोग किया जा सकता है, पांडे ने कहा, 'आप वहां आधार का उपयोग कर सकते हैं।'

कालाधन पर अंकुश लगाने के लिए सरकार ने होटल या विदेश यात्रा जैसे मद में 50,000 रुपए से अधिक के नकद लेनदेन में पैन का जिक्र अनिवार्य किया हुआ है। इसके अलावा 10 लाख रुपए से अधिक मूल्य की अचल संपत्ति की खरीद के लिए भी पैन अनिवार्य है। यह पूछे जाने पर कि क्या पैन के चरणबद्ध तरीके से समाप्त किया जाएगा, उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होगा।

देश को उच्च आर्थिक वृद्धि के रास्ते पर ले जाने वाला बजट : जेटली

नई दिल्ली, 6 जुलाई (भाषा)।

पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली ने शनिवार को कहा कि 2019-20 का बजट उच्च आर्थिक वृद्धि दर के रास्ते पर देश के लौटने को लेकर रूपरेखा पेश करता है। उन्होंने कहा कि बजट इस बात पर आधारित है कि जो अर्थव्यवस्थाएं सूझबूझ वाली राजकोषीय नीतियों का अनुकरण करती हैं, वे राजकोषीय मोर्चे पर लापरवाही करने वालों की तुलना में अंत में पुरस्कृत होती हैं।

बजट पेश होने के एक दिन बाद जेटली ने कहा कि एक बुनियादी सवाल हमेशा पूछा जाता रहा है कि अच्छा अर्थशास्त्र और चतुर राजनीति के बीच क्या चुना जाना चाहिए। 'द बजट 2019-20' शीर्षक से अपने पोस्ट में उन्होंने कहा कि यह विकल्प अनुचित है क्योंकि किसी भी सरकार को बने रहने और प्रदर्शन के लिए दोनों की जरूरत होती है। प्रधानमंत्री का पहला कार्यकाल बेहतर अर्थशास्त्र और अच्छी राजनीति के मिश्रण का गवाह रहा है।

जेटली ने कहा कि बजट विकास की आकांक्षा रखने वाले भारत के लिए राजनीतिक दिशा सृजित करता है। मध्यम वर्ग और नव-मध्यम वर्ग के हितों से जुड़ी कई चीजों को प्रोत्साहन दिया गया है। इसमें सस्ता मकान और इलेक्ट्रिक वाहन शामिल हैं। इसके अलावा रोजगार सृजन और निवेश आकर्षित करने के लिए बुनियादी ढांचा, निर्माण और रीयल इस्टेट क्षेत्र को भी गति देने के उपाय किए गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में तीव्र आर्थिक वृद्धि वाला बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है। पिछली दो-तीन तिमाहियों में वृद्धि नरम हुई है। निश्चित रूप से बजट एक नीति दस्तावेज के रूप में आर्थिक वृद्धि के मोर्चे पर भारत को पटरी पर लाने को लेकर रूपरेखा को रखता है।

भारत की आर्थिक वृद्धि जनवरी-मार्च तिमाही में घटकर पांच साल के न्यूनतम स्तर 5.8 फीसद रही। 2018-19 में भी आर्थिक वृद्धि दर पांच साल के न्यूनतम स्तर 6.8 फीसद रही। आर्थिक समीक्षा में चालू वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर 7 फीसद रहने का अनुमान जताया गया है।

राजस्थान व मध्य प्रदेश में पेट्रोल-डीजल के दाम 4.50 रुपए से ज्यादा बढ़े

जयपुर, 6 जुलाई (भाषा)।

आम बजट में अतिरिक्त उत्पाद शुल्क और पथ उपकर में बढ़ोतरी के बाद राज्य सरकार द्वारा इन उत्पादों पर वैट बढ़ाए जाने के बाद राजस्थान में पेट्रोल व डीजल पौने पांच रुपए लीटर तक महंगा हो गया है। नई दरें शुक्रवार मध्य रात्रि से लागू हो गईं।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को पेश अपने आम बजट में विशेष उत्पाद शुल्क एक रुपए और पथ उपकर में एक रुपए बढ़ोतरी करने की घोषणा की थी। इसके बाद राज्य सरकार ने शुक्रवार देर रात एक अधिसूचना जारी कर पेट्रोल पर वैट को 26 फीसद से बढ़ाकर 30 फीसद और डीजल पर 18 फीसद से बढ़ाकर 22 फीसद कर दिया था।

राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनीत बगई ने बताया कि इन दोनों बढ़ोतरी के बाद जयपुर में पेट्रोल के दाम 4.62 रुपए लीटर बढ़े हैं। पहले पेट्रोल 71.15 रुपए लीटर था वह अब 75.77 रुपए लीटर हो गया है। इसी तरह डीजल 4.59 रुपए प्रति लीटर महंगा हुआ है। डीजल जो 66.65 रुपए लीटर बिक रहा था वह अब 71.24 रुपए लीटर हो गया है।

मध्य प्रदेश सरकार ने भी पेट्रोलियम उत्पादों पर दो रुपए का अतिरिक्त शुल्क बढ़ाया है इसके बाद प्रदेश में शनिवार से पेट्रोल और डीजल के दाम में 4.5 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी हो गई है।

कार्यालय नगर निगम कोटा (राज.)

क्रमांकः- ननिको/निर्माण/2019/4540-50 दिनांकः 05.07.2019

ई-निविदा सूचना संख्याः 08/2019-20

नगर निगम कोटा द्वारा विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागों के "A", "AA" श्रेणी एवं नगर निगम कोटा में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निम्नानुसार ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। कार्यों की अनुमानित लागत, टेन्डर बेचे जाने, प्राप्त करने की तिथि व निविदा की शर्तें इत्यादि नगर निगम की वेबसाईट www.kotamc.org, www.kota-municipal.org, http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

हस्ता./-
अधिशासी अभियन्ता
(खण्ड द्वितीय)
नगर निगम, कोटा

BEFORE DEBTS RECOVERY TRIBUNAL-I, DELHI
4th Floor, Jeevan Tara Building, Parliament Street, New Delhi-110001
OA No. 549/2018
State Bank of India ....Applicant
Versus
Sh. Arjun Singh & Anr. ....Defendants
To,
1. Sh. Arjun Singh S/o Sh. Alam Singh 224, Metro View Apartments, MIG Flats, Sector-13-B, NSIT Dwarka, New Delhi-110078
Also at : C/o M/s Unitech Machines Ltd. 806, Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi-110019
2. M/s Idea Builders P. Ltd. C-294, 1st Floor, Near Park, Vivek Vihar, New Delhi-110095
Whereas the above named applicant has instituted a case for recovery of **Rs. 27,61,777/- (Rupees Twenty Seven Lacs Sixty One Thousand Seven Hundred Seventy Seven only)** against you & whereas it has been shown to the satisfaction of the Tribunal that it is not possible to serve you in ordinary way. Therefore, this notice is given by advertisement directing you to make appearance before Hon'ble Presiding Officer on **16-09-2019 at 10.30 A.M.** Take notice that in case of your failure to appear on the above mentioned date before this Tribunal, the case will be heard & decided in your absence. Given under my hand & seal of the Tribunal on this **21-06-2019.**
Seal BY ORDER OF THIS TRIBUNAL
For Registrar

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
(भारत सरकार का उपक्रम)
जेड ओ एस ए आर बी, 13वाँ तल, बैंक ऑफ़ बड़ौदा भवन, 16, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001
फोन : 011-23441330, मो.- 9584317482,
ई-मेल : armdel@bankofbaroda.com

शुद्धि पत्र

दिनांक 03.07.2019 को इस समाचार पत्र में छपे विज्ञापन ई-नीलामी सूचना के संदर्भ में सूचित किया जाता है कि खाता **मैसर्स एम के ओवरसीज प्रा. लि. की** सम्पत्ति का बकाया राशि रु. 229.74 करोड़ दिनांक 08-09-2018 से प्लस ब्याज एवं प्रभार इत्यादि के स्थान पर **बकाया राशि रु. 239.40 करोड दिनांक 30.09.2018 तक + ब्याज और प्रभार इत्यादि** पढ़ा जाए।
शेष नियम व शर्तें पहले अनुसार ही रहेंगी।

स्थान : नई दिल्ली प्राधिकृत अधिकारी
दिनांक : 06-07-2019 बैंक ऑफ बड़ौदा

बैंक ऑफ महाराष्ट्र Bank of Maharashtra एक परिवार एक बैंक
प्रधान कार्यालय : 'लोकमंगल', 1501, शिवाजीनगर, पुणे-411005.

टीईवी फर्म/कंपनी/संगठन को पैनल में शामिल करने के लिए आरएफपी

बैंक ऑफ महाराष्ट्र, प्रधान कार्यालय, पुणे उन फर्मों/कंपनियों/संगठनों से निर्धारित प्रारूप में आवेदन आमंत्रित करता है जो टीईवी अध्ययन का आयोजन कर रहे हैं तथा बैंक के उधार खातों की टीईवी अध्ययन करने के लिए अपने फर्म/कंपनी/संगठन को पैनल में शामिल करवाने के इच्छुक हैं।
पात्रता मानदंड और अन्य नियम व शर्तों के संबंध में प्रारूप सहित विस्तृत जानकारी बैंक की वेबसाइट **www.bankofmaharashtra.in** से "Procurement News" के अंतर्गत प्राप्त की जा सकती हैं।
सीलबंद कवर के ऊपर 'टीईवी फर्म/कंपनी/संगठन को पैनल में शामिल करने के लिए आवेदन' लिखकर विधिवत रूप से भरे हुए आवेदन फार्म ऊपर उल्लिखित पते पर **25 जुलाई, 2019 को अपराह्न 2.00 बजे तक** या उससे पहले इस कार्यालय को मिल जाने चाहिए।
महाप्रबंधक, ऋण निगरानी तथा आयआरएम्

पंजाब नैशनल बैंक punjab national bank ...भरोसे का प्रतीक ! ...the name you can BANK upon !
सामान्य सेवाएं प्रशासन प्रभाग
प्रधान कार्यालयः प्लॉट सं.-4, सेक्टर-10, द्वारका, नई दिल्ली-110 075
फोनः 2804468, ई-मेलः hogad@pnb.co.in
पंजाब नैशनल बैंक के निदेशकों और अधिकारियों की देयता बीमा पालिसी (2019-20) के नवीनीकरण के लिए बोलियों को प्रस्तुत करने हेतु सूचना।
पंजाब नैशनल बैंक आरपीएफ में उल्लिखित विवरण के अनुसार, जनरल इंश्योरेंस कंपनियों से निदेशकों और अधिकारियों की देयता बीमा पालिसी के नवीनीकरण पर सीलबंद बोलियां आमंत्रित करता है।
विस्तृत जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **https://www.pnbindia.in/Tender.aspx** पर जाएं। पात्र कंपनियां अपनी बोलियों को उपमहाप्रबंधक, पंजाब नैशनल बैंक, सामान्य सेवाएं प्रशासन प्रभाग, प्रधान कार्यालय, प्लाट सं. 4, सेक्टर 10, द्वारका, नई दिल्ली -110075 को 10.07.2019 अपराह्न 03.30 बजे तक प्रस्तुत कर सकते हैं।
मुख्य प्रबंधक
98166 10262

BEFORE DEBTS RECOVERY TRIBUNAL-I, DELHI
4th Floor, Jeevan Tara Building, Parliament Street, New Delhi-110001
OA No. 546/2018
State Bank of India ....Applicant
Versus
Sh. Anuj Kumar & Anr. ....Defendants
To,
1. Sh. Anuj Kumar S/o Sh. Dev Pal Singh H.No. 54, Patti, Thana, Bhojpur, Modi Nagar, Distt. Ghaziabad, Uttar Pradesh-245304
Also at : C/o M/s Manju J. Homes India Ltd. Khasra No. 1109-1110, Village Morta, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201007
2. M/s Idea Builders P. Ltd. C-294, 1st Floor, Near Park, Vivek Vihar, New Delhi-110095
Whereas the above named applicant has instituted a case for recovery of **Rs. 28,78,085/- (Rupees Twenty Eight Lacs Seventy Eight Thousand & Eighty Five only)** against you & whereas it has been shown to the satisfaction of the Tribunal that it is not possible to serve you in ordinary way. Therefore, this notice is given by advertisement directing you to make appearance before Hon'ble Presiding Officer on **20-08-2019 at 10.30 A.M.** Take notice that in case of your failure to appear on the above mentioned date before this Tribunal, the case will be heard & decided in your absence. Given under my hand & seal of the Tribunal on this **25-05-2019.**
Seal BY ORDER OF THIS TRIBUNAL
For Registrar

भारतीय स्टेट बैंक
रिटेल परिसम्पत्ति केन्द्रीयकृत प्रॉससिंग केन्द्र, रोहिणी
ए-5, पर्ल्स बेस्ट हाइट्स-1, नेताजी सुभाष प्लेस, पीतमपुरा, दिल्ली-34

कब्जा सूचना

[प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8(1) के अंतर्गत]

जैसा कि, वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 के अधिनियम सं. 54) के अंतर्गत भारतीय स्टेट बैंक के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियमों के साथ पठित धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना तिथि 11.03.2019 जारी कर ऋणधारक श्री प्रदीप कुमार माहेश्वरी पुत्र श्री बृज किशोर माहेश्वरी (यहाँ के बाद ऋणधारक तथा गारंटर्स सामूहिक रूप से "ऋणधारकों" के रूप में वर्णित, को सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि रु. 4,83,436/- (रुपये चार लाख तिरासी हजार चार सौ छत्तीस मात्र) के साथ अनुषांगिक खर्चे, लागत, चार्जेज आदि के साथ उक्त राशि पर अनुबंधित दर पर आगे के ब्याज वापस लौटाने का निर्देश दिया था।

ऋणधारक इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतद्द्वारा ऋणधारक तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आज, 27 जून, 2019 को अधोहस्ताक्षरी ने उक्त प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन नियमावली 2002 के नियम 8 के साथ पठित [अधिनियम] की धारा 13 (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा कर लिया है।

विशेष रूप से ऋणधारकों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन सम्पत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि रु. 4,83,436/- (रुपये चार लाख तिरासी हजार चार सौ छत्तीस मात्र) के साथ अनुषांगिक खर्चे, लागत, चार्जेज आदि के साथ उक्त राशि पर अनुबंधित दर पर आगे का ब्याज के लिए भारतीय स्टेट बैंक के चार्ज के अधीन होगा।

अचल/चल सम्पत्तियों का विवरण

1. रोहिणी आवासीय योजना, दिल्ली-110085 में स्थित सम्पूर्ण भू तल (बिना छत के अधिकार के) जो फ्रीहोल्ड निर्मित सम्पत्ति सं. 118 का भाग है, पॉकेट-3, सेक्टर-24, क्षेत्रफल माप 60 वर्ग मीटर
2. रोहिणी आवासीय योजना, दिल्ली-110085 में स्थित सम्पूर्ण भू तल (बिना छत के अधिकार के) जो फ्रीहोल्ड निर्मित सम्पत्ति सं. 119 का भाग है, पॉकेट-3, सेक्टर-24, क्षेत्रफल माप 60 वर्ग मीटर

तिथिः 27.6.2019 प्राधिकृत अधिकारी
स्थानः दिल्ली भारतीय स्टेट बैंक

आगरा विकास प्राधिकरण
जयपुर हाऊस, आगरा

निविदा सूचना संख्याः-08/2019-20 दिनांकः 05.07.2019

ई-निविदा सूचना

ताजनगरी स्थित ए.डी.ए. हाईट्स के अनुरक्षण एवं अनुरक्षण शुल्क वसूली हेतु अनुभवी एजेन्सीज/फर्म के चयन हेतु निम्नवत् ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैः-

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित क्षेत्रफल	धरोहर धनराशि (रु0 में)	निविदा मूल्य (रु0 में) समस्त करों सहित	अनुबन्ध की अवधि	पात्र श्रेणी	अभियन्त्रण खण्ड
1.	ताजनगरी फेस-2 योजना स्थित ए.डी.ए. हाईटस आवासीय योजना में तीन वर्षो के लिये सभी आवश्यक जनसुविधा का संचालन, रख-रखाव, कॉमन एरिया के विद्युत बिलों का भुगतान के साथ अनुरक्षण शुल्क वसूली का कार्य।	883030/- वर्ग फीट एरिया हेतु	15,00,000/-	5600/-	36 माह	विशिष्ट श्रेणी	खण्ड-2

- उक्त कार्यो की निविदायें दिनांक 30.07.2019 को आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 07.07.2019 से 29.07.2019 के अपरान्ह 3:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल www.etender.up.nic.in पर डाउनलोड/अपलोड की जा सकती है।
- निविदा संबंधी विस्तृत शर्ते एवं अन्य विवरण प्राधिकरण की वेबसाइट www.adaagra.in पर देखी जा सकती है।
- अन्य किसी विवरण हेतु अधीक्षण अभियंता, श्री देवेन्द्र शर्मा (मो0 7900418999) से कार्यालय अवधि में संपर्क किया जा सकता है।

मुख्य अभियंता

कार्यालय वसूली अधिकारी-II
ऋण वसूली अधिकरण-III, दिल्ली
चौथी मंजिल, जीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, पटेल चौक, नई दिल्ली - 110 001

आर. सी. सं. 632/2018 **बिक्री उद्घोषणा नोटिस** **दिनांकित : 12.06.2019**

बिक्री की उद्घोषणा आयकर अधिनियम 1961 की द्वितीय अनुसूची के नियम 38, 52(2) के अन्तर्गत को बैंक और वित्तीय संस्थान अधिनियम 1993 की ऋण वसूली के साथ पढ़ा जाये।

ओरियन्टल बैंक ऑफ कामर्स बनाम श्री स्वास्तिक सेल्स प्रा. लि.

1. श्री स्वास्तिक सेल्स कॉर्पोरेशन प्रा. लि., पंजीकृत कार्यालयः 1014, चावड़ी बाजार, दिल्ली-110006, औरः 4261, प्रथम तल, अंसारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली-110002, औरः प्लॉट नं. 236, पॉकेट-सी, आईएफसी गाजीपुर, दिल्ली-110096
2. संजीव जैन पुत्र विजेंद्र कुमार जैन, 32/19, अलीपुर रोड, सिविल लाइंस, नई दिल्ली-110054
3. राजीव जैन पुत्र विजेंद्र कुमार, जैन, 32/19, अलीपुर रोड, सिविल लाइंस, नई दिल्ली-110054
4. सारिका जैन पत्नी संजीव जैन, सिविल लाइंस, नई दिल्ली-110054
5. सीमा जैन पत्नी राजीव जैन, 32/19, अलीपुर रोड, सिविल लाइंस, नई दिल्ली -110054
6. जगुआर पेपर प्रोडक्ट्स प्रा. लि., पंजी. कार्यालय

जैसा कि प्रतिवादी से **आरसी सं 632/2018 में आपके द्वारा ओ ए की फाईलिंग की तिथि से देय रू. 51,57,82,661.00 (रु. इक्यावन करोड़ सत्तावन लाख ब्यासी हजार छः सौ इकसठ मात्र) साथ में लागत खर्चे एवं प्रभावी 12 प्रतिशत वार्षिक दर से साधारण ब्याज और कुल चुकौती की तिथि तक एवं लागत का प्रमाण-पत्र** के अनुसार देय योग्य ब्याज व लागत का भुगतान प्रतिवादी संयुक्त रुप/व्यक्तिगत रुप से नही किया है।

और जैसा कि अधोहस्ताक्षरी ने इस प्रमाणपत्र की संतुष्टी हेतु निम्नानुसार अनुसूची में वर्णित सम्पत्ति की बिक्री का आदेश दिया है।

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कोई स्थगन के किसी आदेश के अभाव में उक्त सम्पत्ति को सार्वजनिक नीलामी द्वारा 09.08.2019 को अपा. 03.00 बजे से अपा. 04.00 बजे के बीच (स्वतः विस्तार खण्ड के साथ यदि बंद होने से पहले अंतिम 5 मिनट में बोली अपेक्षित होती है) ई-नीलामी तथा बोली प्रक्रिया होगी जो **मैसर्स सी1 इंडिया प्रा. लि., उद्योग विहार, फेज-2, गल्फ पैट्रो कैम बिल्डिंग, बिल्डिंग नं. 301, गुड़गाँव, प्रथम तल, हरियाणा-122015, फोन : +91-124-4302020/21/22/23/24 श्री विनोद चौहान, मो. +91 9813887931, ई-मेल : support@bankeauctions.com** वेब: **support@bankeauctions.com** के माध्यम से सार्वजनिक नीलामी द्वारा बेची जाएगी।

संपत्ति से संबंधित किसी भी जानकारी और संपत्ति का निरीक्षण हेतु **सी एच बैंक के ऑफिसर, श्री नरेन्द्र सिंह बिस्ट, प्राधिकृत अधिकारी, मो. 8171626615** से संपर्क किया जा सकता है।

उपरोक्त नाम के प्रतिवादी की सम्पत्ति की बिक्री उपरोक्तानुसार सम्पत्ति के लिए संलग्न देनदारियों एवं दावें को जैसा अभी तक निर्धारित किया गया है, वे प्रत्येक लॉट के लिए अनुसूची में विनिर्दिष्ट है।

सम्पत्ति बिक्री के लिए अनुसूची में विनिर्दिष्ट लॉट पर की जाएगी, यदि सम्पत्ति के भाग की बिक्री की राशि सम्पूर्ण देय राशि के संतुष्टि लायक होगी तो शेष के संबंध में बिक्री को तुरन्त रोक दी जायेगी। बिक्री तब भी रोक दी जायेगी यदि इससे पहले किसी लॉट की बोली छुट जाती है, कथित प्रमाणपत्र में अंकित बकायों, ब्याज लागत (जिसमें बिक्री की लागत शामिल है) बिक्री संचालित करने वाले अधिकारी को देय दी जाती है /प्रस्तुत की जाती है या इस आशय का प्रमाण दिया जाता है कि ब्याज वा लागत के साथ ऐसे प्रमाणपत्र की राशि का भुगतान अधोहस्ताक्षरी को कर दिया गया है।

बिक्री से संबंधित कोई अधिकारी या अन्य व्यक्ति निविदा के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप से सम्पत्ति की बिक्री के लिए बोली, अधिग्रहण अथवा प्रयास नही करेगा। आयकर अधिनियम 1961 के द्वितीय अनुसूची के शर्तों एवं उसके नियमों के तहत तथा निम्न शर्तों के अनुरुप ही बिक्री की जाएगी।

बिक्री उदघोषणा की अनुसूची में उल्लेखित विवरण को अधोहस्ताक्षरी की सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार दर्शाया गया है, परन्तु अधोहस्ताक्षरी किसी त्रुटि, गलत बयान बाजी अथवा उदघोषणा में चूक होने पर जिम्मेदारी नहीं होगी।
सम्पत्ति धरोहर राशि से कम पर नहीं बेची जाएगी।

क्र.सं.	सम्पत्ति का विवरण	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि (ईएमडी)
1.	सम्पत्ति नं. 32/19, अलीपुर रोड, सिविल लाईन्स, दिल्ली	आरक्षित मूल्य रु. 7,30,80,000/- ईएमडीः रु. 73,08,000/-
2.	सम्पत्ति नं. 4261/2, द्वितीय तल, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली	आरक्षित मूल्य रु. 42,30,000/- ईएमडीः रु. 4,23,000/-
3.	सम्पत्ति प्लॉट नं. 236, पॉकेट-सी, आई एफ सी, गाजीपुर, दिल्ली	आरक्षित मूल्य रु. 81,00,000/- ईएमडीः रु. 8,10,000/-

2. बोली, **कम से कम रू. 1,00,000/- (रु. एक लाख मात्र) बढ़ाई जा सकेगी।** बोली अथवा बोलीदाता के संबंध में कोई विवाद उत्पन्न होने की स्थिति में लॉट की नीलामी दोबारा की जाएगी। यदि उपलब्ध कोई भी बोलीदाता अपनी बोली नहीं बढ़ाता है, तब सर्वप्रथम प्राप्त ईएमडी अधोहस्ताक्षरी द्वारा आगे विचार हेतु रोक कर रखी जा सकती है।
3. किसी लॉट के उच्चतम बोलीदाता को क्रेता घोषित किया जाएगा। उच्चतम बोली को स्वीकार/अस्वीकार करना अधोहस्ताक्षरी का विवेकाधिकार होगा, यदि पेश की गई ऑफर उसको स्वीकार किए जाने हेतु स्पष्ट रूप से अपर्याप्त प्रतीत होती है।
4. इच्छुक बोलीदाताओं को धरोहर राशि **पे आर्डर/डिमांड ड्राफ्ट के रुप में जो कि "Recovery Officer-II, DRT-III, Delhi के पक्ष में दिल्ली** में देययोग्य हो को **वसूली अधिकारी -II, डीआरटी-III, दिल्ली को दिनांक 07.08.2019 तक देनी होगी।** धरोहर राशि इसके पश्चात नीलामी के लिए स्वीकार नही की जायेगी।
5. पैन कार्ड की प्रति, पते का प्रमाण तथा पहचान प्रमाण, ई-मेल आई डी, मोबाईल नम्बर और इस आशय की उद्घोषणा कि वे स्वंय की ओर से या अपने स्वामी की और से बोली लगा रहे है, जमा करनी होगी। स्वामी की और से बोली लगाने वाले मामलो में बोली लगाने वाले को अपना प्राधिकार पत्र जमा करना होगा वरना बोली अस्वीकार कर दी जाएगी। कम्पनी के मामले में कम्पनी के बोर्ड सदस्यों द्वारा पारित प्रस्ताव की कम्पनी प्रति या कम्पनी के अटार्नी/प्रतिनिधित्व को पुष्ट करने वाले अन्य कोई आलेख्य तथा ऐसी जमा रशिद/काउन्टर फाईल कथित तिथि तक ई-मेल या अन्यथा द्वारा कथित सेवा प्रदाता या सी एच बैंक तक पहुंच जानी चाहिए और इसकी हार्ड कॉपी (स्थूलप्रति) वसूली अधिकारी-II, डीआरटी-III, दिल्ली के कार्यालय में जमा कराना होगा।
6. सफल बोलीदाता को अपनी अंतिम बोली का 25 प्रतिशत राशि, ईएमडी समायोजन के बाद, अगले बैंक कार्य दिवस को अर्थात अप. 03.00 बजे तक ऊपर में निर्धारित विधि में जमा करनी होगी।
7. क्रेता को अंतिम बोली की **75 प्रतिशत राशि सम्पत्ति की बिक्री की तिथि से 15 वें दिन को अथवा पूर्व जमा करनी होगी। यदि 15वां दिन रविवार या अवकाश है, तब 15वें दिन** के बाद पहले बैंक कार्य दिवस को ऊपर पैरा 4 में निर्धारित विधि में जमा करनी होगी। इसके अतिरिक्त **क्रेता को रू. 1,000/- तक बिक्री मूल्य के 2 प्रतिशत की दर पर तथा रू. 1,000/- से अधिक पर बिक्री मूल्य के 1 प्रतिशत की दर पर पाउण्डेज फीस रजिस्ट्रार, डीआरटी-III, दिल्ली के पक्ष में देय डिमांड ड्राफ्ट के द्वारा वसूली अधिकारी-II, डीआरटी-III, दिल्ली के पास जमा करना होगा।**
8. निर्धारित अवधि के भीतर भुगतान में चूक की स्थिति में, सम्पत्ति की बिक्री नए सिरे से की जाएगी। ऐसी बिक्री से पहले उसकी नई उद्घोषणा जारी की जाएगी। बोलीदाता द्वारा पहले जमा की गई राशि, यदि अधोहस्ताक्षरी द्वारा उपयुक्त समझा जाता है, बिक्री के व्यय काटने के बाद, सरकार के पक्ष में जब्त कर ली जाएगी और चूककर्ता क्रेता के, सम्पत्ति अथवा उसके किसी अंश अथवा सम्पत्ति की पुनरबिक्री से प्राप्त होने वाली राशि के किसी अंश के संबंध में, सभी दावे जब्त हो जाएगें।
9. असफल बोलीदाता/ओं को अपने ईएमडी के रिफंड के लिए आरसी की सुनवाई की अनुसूची तिथि पर या उससे पहले डीआरटी-III की रजिस्ट्री में पहचान प्रमाण के साथ एक आवेदन दायर करने के लिए निर्देशित किया जाता है जिसे तदनुसार आर.सी. अनुसूची / सुनवाई की तारीख के बाद वापस किया जाएगा
10. सम्पत्ति की बिक्री **"जैसा है जहां है तथा जो है जैसा है आधार"** पर की जा रही है।
11 अधोहस्ताक्षरी के पास, किसी भी या सभी बोलियों को, अनुपयुक्त पाए जाने पर, स्वीकार या अस्वीकार करने अथवा किसी भी समय, बिना कोई कारण बताए, नीलामी प्रास्थगित करने का अधिकार सुरक्षित है।

क्र. सं	अन्य सह मालिकों के नाम के सहित, बेची जाने वाली सम्पत्ति का विवरण, जहाँ सम्बन्धित सम्पत्ति डिफाल्टर या जो किसी अन्य व्यक्ति के सह-स्वामित्व में है।	सम्पत्ति या उसके किसी भाग पर राजस्व जिसका मूल्यांकन किया गया है	किसी भी प्रकार के भार का विवरण जिसके लिए सम्पत्ति उत्तरदायी है	विवाद अगर कोई है जो कि सम्पत्ति के सम्बंध में आगे आया है एवं अन्य कोई ज्ञात विशिष्टियां जोकि इसके मूल्य एवं प्रकृति प्रभाव रखता है।
1.	सम्पत्ति नं. 32/19, अलीपुर रोड, सिविल लाईन्स, दिल्ली	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं
2.	सम्पत्ति नं. 4261/2, द्वितीय तल, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली			
3.	सम्पत्ति प्लॉट नं. 236, पॉकेट-सी, आई एफ सी, गाजीपुर, दिल्ली			

मेरे हस्ताक्षर तथा मोहर के साथ आज दिनांक 12 जून, 2019 को दिया गया। (विकास जेटली) वसूली अधिकारी-II, ऋणवसूली अधिकरण-III, दिल्ली

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय शाखा, प्रथम तल,
बैंक ऑफ बड़ौदा बिल्डिंग, 16, संसद मार्ग, नई दिल्ली - 110001

बिक्री सूचना

अचल सम्पत्तियों की बिक्री हेतु बिक्री सूचना

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 8(6) के पर

आरटीआइ कार्यकर्ता की हत्या में पूर्व सांसद सोलंकी, छह अन्य दोषी करार

अमदाबाद, 6 जुलाई (भाषा)।

आरटीआइ कार्यकर्ता अमित जेठवा की 2010 में हुई हत्या के मामले में यहां सीबीआइ की एक विशेष अदालत ने भाजपा के पूर्व सांसद दीनू सोलंकी और छह अन्य को शनिवार को दोषी करार दिया। जेठवा ने गिर वन रेंज में अवैध खनन गतिविधियों को सामने लाने का प्रयास किया था।

सीबीआइ के विशेष न्यायाधीश केएम दवे मामले में 11 जुलाई को सजा सुनाएंगे। अपराध शाखा द्वारा सोलंकी को क्लीनचिट दिए जाने के बाद गुजरात हाई कोर्ट ने जांच केंद्रीय एजंसी को सौंपा दिया था।

2009 से 2014 तक गुजरात के जूनागढ़ का प्रतिनिधित्व कर चुके सोलंकी को उनके चचेरे भाई शिव सोलंकी और पांच अन्य के साथ भारतीय दंड संहिता के तहत हत्या और आपराधिक साजिश रचने के आरोपों का दोषी माना।

गुजरात हाई कोर्ट के बाहर 20 जुलाई 2010 को आरटीआइ कार्यकर्ता अमित जेठवा की हत्या कर दी गई थी

गुजरात हाई कोर्ट के बाहर 20 जुलाई 2010 को मति जेठवा की हत्या कर दी गई थी। दरअसल, उन्होंने आरटीआइ अर्जी के जरिए दीनू सोलंकी की कथित संलिप्तता वाली अवैध खनन गतिविधियों को उजागर करने की कोशिश की थी।

जेठवा ने एशियाई शेरों के वास स्थान गिर वन क्षेत्र में अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका भी दायर की थी।

जेठवा के पिता भीखाभाई जेठवा के ही कोर्ट का रुख करने के बाद अदालत ने मामले की नए सिरे से जांच का आदेश दिया था। उन्होंने हाई कोर्ट से कहा था कि आरोपियों द्वारा दबाव डालने और भयादोहन करने के चलते करीब 105 गवाह मुकर गए।

बिहार में अपराध अंकेक्षण की अनूठी पहल

भागलपुर, 6 जुलाई (जनसत्ता)।

बिहार के पुलिस महानिदेशक गुप्तेश्वर पांडेय अपराधग्रस्त जिलों का अपराध अंकेक्षण (क्राइम ऑडिट) कराने की पहल की है। इसके लिए पांच से पंद्रह पुलिस अधिकारियों की सशक्त टीम बनाई गई है। जिसमें अपर पुलिस महानिदेशक, आइजी, डीआइजी, एसपी और डीएसपी स्तर के अनुभवी पुलिस अधिकारी शामिल किए गए हैं। इस दल का नाम पुलिस महानिदेशक गतिशील दस्ता दिया गया है। भागलपुर के एसएसपी आशीष भारती के मुताबिक बिहार में यह पहली दफा और अनूठा प्रयोग साबित होगा।

पुलिस महानिदेशक पांडेय ने पुलिस अधिकारियों की टीम बनाई

एसएसपी के जारी प्रेस नोट में इस बात का जिक्र नहीं है कि यह दस्ता कब से काम करेगा। विज्ञप्ति के मुताबिक यह दस्ता जिले के विभिन्न अनुमंडलों का दौरा कर अपराध और शराब तस्करी की रोकथाम के किए उपाय की जमीनी हकीकत की जानकारी लेगा और कमी को पूरा करने के लिए थाना स्तर से लेकर चौकीदार और आम नागरिकों से संवाद भी करेगा। इनका गांवों या अनुमंडल स्तर का दौरा तीन दिनों का होगा। चौथे दिन ये जिला मुख्यालय में पुलिस अधिकारियों के साथ संवाद करेंगे और पूरी जानकारी देंगे। सुझाव भी मांगेंगे।

इसके अलावा पुलिस महानिदेशक का यह दस्ता पुलिस अंचलों में जाकर सक्रिय अपराधियों, लंबित वारंटों, कुर्की जब्ती वारंटों की जांच करने के साथ थानों के अभिलेखों और इससे जुड़े कागजातों की भी जांच करेगा। इस दौरान लापरवाह पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की भी इस दस्ते को शक्ति दी गई है। दस्ते में सीआइडी से जुड़े अधिकारियों को भी शामिल किया गया है, जो अपराध के मामलों के अनुसंधान के तरीकों से भी अवगत कराएगी। साथ ही नमूने के तौर पर किसी ताजा वाकए का त्वरित अनुसंधान कर बताएगा। जनता दरबार लगा आम नागरिकों से उनकी समस्याएं और सुझाव भी लेगा।

इतना ही नहीं, पुलिस निदेशक का यह उच्च स्तरीय दस्ता तीन दिनों तक गांवों में ही प्रवास करेगा और बारीकी से दिक्कतों का अध्ययन कर और इस दौरान की गई कार्रवाई का विस्तृत ब्योरा और अपराध काबू में करने के कारगर सुझावों के साथ अपनी रिपोर्ट पुलिस महानिदेशक को सौंपेगा। उम्मीद की जा रही है कि इससे जमीनी हकीकत का पता चल पाएगा और अपराध पर नियंत्रण पाया जा सकेगा।

मुंबई में ऊंची इमारत से धक्का देकर किशोरी की हत्या

मुंबई, 6 जुलाई (भाषा)।

मुंबई में एक लड़के द्वारा कथित रूप से ऊंची इमारत से धक्का दिए जाने पर 12 वर्षीय लड़की की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। घटना बीते शनिवार की है। पुलिस ने बताया कि किशोर खुद को ठुकराए जाने से नाराज था।

पुलिस के अनुसार 16 वर्षीय किशोर ने किशोरी को बीते शनिवार को गोरेगांव में आरे कॉलोनी की 15 मंजिला इमारत के आठवें तल पर मिलने के लिए बुलाया था। उसने जब उसके साथ संबंध में रहने से इनकार कर दिया तो आरोपी ने उसे कथित रूप से धक्का दे दिया। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि इस दौरान किशोरी के सिर में गंभीर चोटें आईं और अस्पताल में उसका इलाज चला, लेकिन शुक्रवार को उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने किशोर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 354 और 307 के अलावा पॉक्सो अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

अधिकारी ने कहा कि किशोरी की मौत के बाद मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 302 भी जोड़ दी गई है। पुलिस ने किशोर को गिरफ्तार कर सुधार गृह में भेज दिया। अधिकारी ने कहा कि किशोर के माता-पिता को कथित रूप से अपराध पर परदा डालने का प्रयास करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है।

कर्नाटक : बलात्कार के एक और मामले में आरोपी गिरफ्तार

मंगलुरु, 6 जुलाई (भाषा)।

एक दलित छात्रा के साथ उसके कॉलेज के साथियों द्वारा सामूहिक बलात्कार की घटना से लोग उबरे भी नहीं थे कि दक्षिण कन्नड़ जिले में इसी समुदाय की एक नाबालिग छात्रा के साथ एक मजदूर द्वारा कथित बलात्कार की घटना सामने आई है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी की पहचान पुत्तूर के मदनूर इलाके के निवासी निर्माण मजदूर अजित के रूप में की गई है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार पीड़ित छात्रा को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को जब पीड़िता अपने स्कूल जा रही थी तब आरोपी उसे मिला और उसने लड़की से कहा कि उसकी मां पास के एक स्थान पर बेहोश हो गई है। इसके बाद वह उसे सुनसान जगह पर ले गया और कथित रूप से उसके साथ बलात्कार किया। उसने विरोध किया तो आरोपी ने उसे घसीटा, जिससे वह बेहोश हो गई। होश में आने के बाद वह घर लौटी और अपने माता-पिता को आपबीती सुनाई और आरोपी की पहचान की।

सूत्रों ने बताया कि आरोपी ने अपराध स्वीकार कर लिया है। उदक्षिण कन्नड़ जिले की पुलिस अधीक्षक बीएम लक्ष्मी प्रसाद अस्पताल में किशोरी से मिलने पहुंचीं। वहीं, कॉलेज की एक दलित छात्रा के साथ बलात्कार और उसकी वीडियो बनाने के मामले में पांच छात्रों को गिरफ्तार कर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। आठ अन्य आरोपियों को भी वीडियो प्रचारित करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

JBM Group — Our milestones are touchstones

जय भारत मारूति लिमिटेड
CIN: L29130DL1987PLC027342
पंजी. कार्यालयः 601 हेमकुन्ट चैम्बर्स, 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019
फोन: 011-26427104, फैक्स: 011-26427100
E-mail: jbml.investor@jbmgroup.com
Website: www.jbmgroup.com

सूचना

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सूचीयन दायित्व और प्रकटन अपेक्षाएं) विनियम, 2015 के विनियम 47 के अनुसरण में एतदद्वारा सूचना दी जाती है कि कंपनी के निदेशक मंडल की एक बैठक 16 जुलाई, 2019 को गुरूग्राम (हरियाणा) में आयोजित की गई है जिसमें अन्य बातों के साथ - साथ कंपनी के 30 जून, 2019 को समाप्त प्रथम तिमाही के लिये अनंकेक्षित वित्तीय परिणामों पर विचार करने और उनका अनुमोदन और शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन, कंपनी अधिनियम, 2013 के संदर्भ में प्रतिभूतियों को जारी करने के प्रस्ताव पर विचार किया जायेगा।

उक्त बैठक का उपरोक्त विवरण कंपनी की वेबसाइट www.jbmgroup.com और स्टॉक एक्सचेंजों की वेबसाइट www.bseindia.com और www.nseindia.com से भी प्राप्त की जा सकती है।

इसके अलावा, इन्साइडर ट्रेडिंग की रोकथाम के लिये कंपनी की आचार संहिता के अनुरूप कंपनी के शेयरों के कारोबार के लिये ट्रेडिंग विंडो कंपनी के निदेशकों/अधिकारियों/पदनामित कर्मचारियों के लिये 1 जुलाई, 2019 से 16 जुलाई, 2019 को परिणाम सार्वजनिक किये जाने के उपरांत 48 घण्टे समाप्त होने तक के लिये बंद रहेगी।

कृते जय भारत मारूति लिमिटेड
हस्ता/-
(रवि अरोड़ा)
कंपनी सचिव
स्थान : गुरूग्राम
तिथि : 6 जुलाई, 2019

प्रपत्र सं. आईएनसी-25ए

पब्लिक कम्पनी को प्राईवेट कम्पनी में रूपांतरण के लिये समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिये विज्ञापन

क्षेत्रीय निदेशक, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, (उत्तरी क्षेत्र) के समक्ष

कम्पनी अधिनियम, 2013, कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 14 तथा कम्पनी (निगमन) नियमावली, 2014 के नियम 41 के मामले में तथा

मै. मोदी हाईटेक इंडिया लिमिटेड जिसका पंजीकृत कार्यालय 1400 मोदी टावर, 98, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली डीएल 110019 में है, आवेदक के मामले में।

एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि यह कम्पनी उपरोक्त नियमावली के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 14 के अंतर्गत केंद्र सरकार के पास एक आवेदन करने के लिये इच्छुक है तथा ऐसे रूपांतरण को प्रभावी करने के लिये कम्पनी को सक्षम बनाने के लिए 13 मई, 2019 को आयोजित असाधारण आमसभा में पारित विशेष प्रस्ताव के अनुसार कंपनी को एक प्राईवेट लिमिटेड कम्पनी में रूपांतरित करने के लिए इच्छुक है।

कंपनी की स्थिति में इस प्रस्तावित परिवर्तन से यदि किसी व्यक्ति का हित प्रभावित होता हो, वे उसके नीचे वर्णित पते पर पंजीकृत कार्यालय में आवेदक कंपनी को उसकी एक प्रति के साथ इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से चौदह दिनों के भीतर अपने हित की प्रकृति तथा आपत्ति के कारणों का उल्लेख करते हुए एक शपथ पत्र द्वारा समर्थित अपनी आपत्ति क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, बी-2 विंग, 2रा तल, पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्प्लैक्स, नई दिल्ली-110003 में जमा करें या जमा कराएं या पंजीकृत डाक से भेजें:
1400 मोदी टावर, 98, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली डीएल 110019

बोर्ड के लिये तथा उसकी ओर से
मोदी हाईटेक इंडिया लिमिटेड
स्थानः नई दिल्ली हस्ता./-
तिथिः 06.07.2019 आर.के. अग्रवाल
DIN: 00298252
45, 3रा तल, एनआरआई कॉम्प्लैक्स, जीके-4, नई दिल्ली-110019

सार्वजनिक सूचना

प्रपत्र सं. आईएनसी-26
[कम्पनी (निगमन) नियमावली, 2014 के नियम 30 के अनुपालन में]
क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र के समक्ष
कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 13 की उप-धारा (4) तथा कंपनी (निगमन) नियमावली, 2014 के नियम 30 के उप-नियम (5) के क्लॉज (ए) के मामले में
तथा
इन्टरमेश शॉपिंग नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड जिसका पंजीकृत कार्यालय 48, आशीर्वाद एन्क्लेव, 104, आई.पी.एक्सटेंशन, दिल्ली- 110092 में है, के मामले में
.....आवेदक

एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि "दिल्ली राज्य" से "महाराष्ट्र राज्य" में उसके पंजीकृत कार्यालय को परिवर्तित करने के लिए कंपनी को सक्षम बनाने के लिए 25 जून, 2019 को आयोजित असाधारण आमसभा में परित विशेष प्रस्ताव के अनुसार कंपनी के मेमोरैंडम ऑफ एसोसिएशन के परिवर्तन की पुष्टि के लिए कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के अंतर्गत यह कंपनी केन्द्र सरकार के पास आवेदन करने का प्रस्ताव करती है।

कंपनी के पंजीकृत कार्यालय के इस प्रस्तावित परिवर्तन से यदि किसी व्यक्ति का हित प्रभावित होता है तो, वे एमसीए-21 पोर्टल (www.mca.gov.in) पर निवेशक शिकायत प्रपत्र दाखिल करें अथवा उसके नीचे वर्णित पंजीकृत कार्यालय में आवेदक कंपनी को उसकी एक प्रति के साथ इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से चौदह दिनों के भीतर अपने हित की प्रकृति तथा आपत्ति के कारणों का उल्लेख करते हुए एक शपथ पत्र द्वारा समर्थित अपनी आपत्ति क्षेत्रीय निदेशक उत्तरी क्षेत्र बी 2 विंग, 2रा तल, पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्प्लैक्स, नई दिल्ली 110003 में जमा करें या जमा कराएं या पंजीकृत डाक से भेजें: 48, आर्शीवाद एन्क्लेव, 104, आई.पी. एक्सटेंशन, दिल्ली-110092.

आवेदक के लिए तथा उसकी ओर से
इन्टरमेश शॉपिंग नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड
हस्ता./-
तिथि: 07-07-2019 मनन शर्मा निदेशक
स्थानः नई दिल्ली DIN-00479119

पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक ! punjab national bank ...the name you can BANK upon!

बीओः परिसम्पत्ति वसूली प्रबंध शाखा
मयूर विहार फेज-II, पॉकेट "ई" कामर्सियल शॉपिंग कॉम्प्लैक्स, नई दिल्ली-110091
ईमेलः bo8075@pnb.co.in, फोन नं.: 011-22779758, 22785289

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित खाताओं के ऋणधारक/एकाकी प्रॉप्राईटर/निदेशक ने बैंक से ऋण सुविधाऐं प्राप्त की थी तथा उसके पुनर्भुगतान में चूक के कारण उनकी खाताओं को दर्शाई गई तिथियों को एनपीए घोषित कर दिया गया है। बैंक द्वारा इन ऋणधारकों/एकाकी प्रॉप्राईटर/निदेशक को "जान-बूझकर चूककर्ता" घोषित कर दिया गया है। इन ऋणधारकों/एकाकी प्रॉप्राईटर/निदेशकों को उस पर आगे के ब्याज तथा अन्य लागतों/धनों के साथ नीचे वर्णित राशि का बैंक को भुगतान करना है जिसके लिये बैंक ने उनके विरुद्ध वसूली कार्रवाई शुरू की है। जन हित में सूचित किया जाता है कि बैंक द्वारा जान-बूझकर चूककर्ता घोषित कर दिये जाने के बाद ऋणधारक किसी भी बैंक/वित्तीय संस्थान से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिये अधिकृत नहीं हैं।

श्री सचिन अरोड़ा

श्रीमती वीणा अरोड़ा

खाता का नामः मै. मा वैभव लक्ष्मी जगदम्बा (पी) लि. एनपीए तिथिः 01.11.2011, बकाया राशिः रु. 65.84 लाख तथा 01.01.2011 से ब्याज

तिथिः 06.07.19, स्थानः नई दिल्ली शाखा इन्कम्बैन्ट

HDFC BANK We understand your world

प्रधान कार्यालयः एचडीएफसी बैंक हाउस, सेनापति बापत मार्ग, लोअर परेल (वेस्ट) मुम्बई-400013 अंचल कार्यालयः एचडीएफसी बैंक लि.; विशेष प्रचालन विभाग, 5वां तल, अंसल क्लैसिक टावर, प्लॉट नं. 1, जे-ब्लॉक, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-27

कब्जा सूचना

जैसा कि, वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 (2002 के 54) ("अधिनियम") के अंतर्गत एचडीएफसी बैंक लि. के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 ("नियमावली") के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना जारी कर ऋणधारक/सह-ऋणधारकों/गारन्टरों/मार्टगैजरों ("यहां के बाद सामूहिक रूप से "ऋणधारकों" के रूप में विदित) को सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर मांग सूचना में वर्णित राशि वापस लौटाने का निर्देश दिया था।

ऋणधारक इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतद्द्वारा ऋणधारक, तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि एचडीएफसी बैंक लि. की ओर से अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 एवं 9 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित गिरवी सम्पत्ति ("प्रतिभूत परिसम्पत्ति") का कब्जा कर लिया है।

ऋणधारक का ध्यान प्रतिभूत परिसम्पत्तियों को विमोचित करने के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों के प्रति आकृष्ट की जाती है। जिसमें विफल होने पर नियमावली के नियम 8 एवं 9 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 के अंतर्गत प्रतिभूत क्रेडीटर द्वारा यहां वर्णित प्रतिभूत परिसम्पत्ति की बिक्री कर दी जायेगी।

विशेष रूप से ऋणधारकों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित प्रतिभूत सम्पत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन प्रतिभूत सम्पत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय उस पर आगे के ब्याज, लागत, चार्जेज के साथ बकाया राशि के लिये एचडीएफसी बैंक लि. के चार्ज के अधीन होगा।

शाखाः-

ऋणधारक/गारन्टर/मार्टगैजर का नाम	प्रतिभूत परिसम्पत्तियों का विवरण	मांग सूचना तिथि/कब्जा की तिथि/बकाया राशि
ऋणधारकः- मै. विदुर एंड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड मार्टगैजर्स/गारंटर्सः श्री मधुर माधव, श्री केशव माधव, श्रीमती मालती माधव एवं श्रीमती नुपुर माधव	सूरज कुंड रोड, तहसील बल्लभगढ़, जिला फरीदाबाद में लक्करपुर में स्थित ग्रुप हाउसिंग कॉलोनी, चार्मवुड विलेज के नाम से विदित में ब्लॉक- रॉयल रिट्रीट-III, (बी 2 कब्जा प्रमाणपत्र के अनुसार) में अपार्टमेन्ट/स्पेस नं. 02, 5वां तल (अपार्टमेन्ट नं. 502) जिसका सुपर एरिया 4395 वर्ग फीट (408.45 वर्ग मीटर) है।	मांग सूचना तिथिः 30 जन., 2019 कब्जा की तिथिः 5 जुलाई, 2019 एचडीएफसी बैंक लि. को देय राशिः रु.5,05,56,005.57 (रुपये पांच करोड़ पांच लाख छप्पन हजार पांच तथा पैसे सत्तावन मात्र) के साथ 1 अक्टू. 2018 से 18% प्रतिवर्ष की दर पर आगे का ब्याज तथा भुगतान की तिथि तक स्वीकृति की शर्तों के अनुसार अनुषांगिक खर्चे, लागत आदि।

तिथिः 7 जुलाई, 2019, स्थानः फरीदाबाद प्राधिकृत अधिकारी, एचडीएफसी बैंक लि.

पंजाब एंड सिंध बैंक (भारत सरकार का उपक्रम) | आंचलिक कार्यालय, जालंधर | सार्वजनिक सूचना

श्री शरद कुमार सिंह, (XR3633) सुपुत्र श्री तेज प्रताप सिंह, प्रोबेशनरी ऑफिसर, निवासी अहाता पंचमपुर, डाकखाना रमई पट्टी, आर.के. इंटर कॉलेज, वाराणसी (उप्र)-221202, संपर्क नं. 94159-83465 के विरुद्ध आरोप पत्र दिनांक 18.03.2019 जारी करने द्वारा ड्यूटी से अनधिकृत अनुपस्थिति के लिए उनके खिलाफ अनुशासनिक कार्यवाही शुरू करने के विषय में आंचलिक प्रबंधक, जालंधर ज्ञापन दिनांक 10.05.2019 द्वारा विभागीय जांच का आदेश दिया था। उन्होंने पत्र दिनांक 14.05.2019, 22.05.2019 और 07.06.2019 के द्वारा मामले में बचाव के लिए क्रमशः 22.05.2019, 07.06.2019 और 27.06.2019 को अपने कार्यालय, पंजाब एंड सिंध बैंक, शाखा कार्यालय रेहू, जालंधर में अधोहस्ताक्षरी के समक्ष उपस्थित होने की सलाह दी थी परंतु वह कथित सुनवाई में उपस्थित नहीं हुआ था। अब, नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों को देखते हुए, इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से मेरे कार्यालय में 12.07.2019 (शुक्रवार) को अधोहस्ताक्षरी के समक्ष उपस्थित होने के लिए एक और अंतिम अवसर उन्हें प्रदान करने का निर्णय लिया गया है, जिसमें असफल होने पर आगामी विभागीय कार्यवाही एकतरफा कर दी जाएगी।

जांचकर्ता प्राधिकारी
प्रदीप कुमार (वरि. प्रबंधक), शाखा कार्यालय रेहू, जालंधर

प्रपत्र सं. आईएनसी-2

[कंपनी (निगमन) नियमावली, 2014 के नियम 30 के अनुपालन में]
केन्द्र सरकार, उत्तरी क्षेत्र के समक्ष
कम्पनी अधिनियम, 2013, कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 (4) तथा कम्पनी (निगमन) नियमावली, 2014 के नियम 30 (6) (ए) के मामले में
तथा
कुन्दन इन्टरनेशनल प्राईवेट लिमिटेड जिसका पंजीकृत कार्यालय खसरा नं.-547, दुरवई कचेडा रोड, हरीश चन्द बाग, छपरौला, गौतम बुध नगर, दादरी, उ.प्र.-203207 में है, के मामले में।

एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि "उत्तर प्रदेश राज्य" से कम्पनी रजिस्ट्रार, दिल्ली एवं हरियाणा के क्षेत्राधिकार के भीतर "राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली" में उसके पंजीकृत कार्यालय को परिवर्तित करने के लिए कंपनी को सक्षम बनाने के लिए 10 जून, 2019 को आयोजित असाधारण आमसभा में पारित विशेष प्रस्ताव के मेमोरैंडम ऑफ एसोसिएशन के परिवर्तन की पुष्टि के लिए कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के अंतर्गत यह कंपनी केंद्र सरकार के पास आवेदन करने का प्रस्ताव करती है।

कंपनी के पंजीकृत कार्यालय के इस प्रस्तावित परिवर्तन से यदि किसी व्यक्ति का हित प्रभावित होता हो, वे ऊपर वर्णित पते पर उसके पंजीकृत कार्यालय में आवेदक कंपनी को उसकी एक प्रति के साथ इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से (14) चौदह दिनों के भीतर अपने हित की प्रकृति तथा आपत्ति के कारणों का उल्लेख करते हुए एक शपथ पत्र द्वारा समर्थित अपनी आपत्ति क्षेत्रीय निदेशक, (उत्तरी क्षेत्र), बी-2 विंग, 2रा तल, पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्प्लैक्स, नई दिल्ली-110003 में जमा करें या जमा कराएं या पंजीकृत डाक से भेजें:

बोर्ड की ओर से
कुन्दन इन्टरनेशनल प्राईवेट लिमिटेड के लिए
हस्ता./-
तिथिः 06.07.2019 उमेद सिंह
स्थानः उत्तर प्रदेश निदेशक
DIN: 06646534
पताः मंडोरी 226, नाहरी, सोनीपत-131103 हरि.

ऋण वसूली अधिकरण
600/1, हनुमान सेतु मंदिर, विश्वविद्यालय मार्ग, लखनऊ-226007
(न्यायाधिकार का क्षेत्र-उत्तर प्रदेश का भाग)

जवाब दाखिल करने तथा उपस्थित होने के सम्बन्ध में प्रकाशन द्वारा सम्मन

ओ.ए. नं. 871/2016 दिनांक : 20.05.2019

(बैंको तथा वित्तीय संस्थाओ के बकाया ऋणों की वसूली अधिनियम 1993 की धारा 19(3) के साथ पठित ऋण वसूली आधिकरण (प्रक्रिया नियमावली 1993) के नियम 12 और 13 के तहत प्रतिवादी को सम्मन)

मूल आवेदन संख्या 871 वर्ष 2016

एक्सिस बैंक लिमिटेड (आवेदक) विरूद्ध विकास कुमार सिन्हा एवं अन्य (प्रतिवादीगण)

सेवा में,

1. विकास सिन्हा, पुत्र श्री शिव राज बहादुर, ब्लाक 10, मकान नं0 3, सेक्टर-31-32, भूतल, स्प्रिंग फील्ड कालोनी, फरीदाबाद-121003, एवं : विकास कुमार सिन्हा, पुत्र श्री शिव राज बहादुर नोकिया सीमेन्स नेटवर्क्स प्रा0 लि0 इम्पलॉयी आईडी-61374816, 7वॉ तल, टॉवर ए, बिल्डिंग 9ए, डीएलएफ साइबर सिटी, फेज-तृतीय, गुड़गॉव-122002, एवं : विकास कुमार सिन्हा पुत्र श्री शिव राज बहादुर मोहलनगरटोली डी.एन. डास लेन, पोस्ट आफिस बनकीपुर, पटना (बिहार-800001)
2. निधि सिन्हा पत्नी विकास कुमार सिन्हा, ब्लाक 10, मकान नं0-3, सेक्टर-31-32, भूतल, स्प्रिंग फील्ड कालोनी, फरीदाबाद-121003, एवं : निधि सिन्हा पत्नी विकास कुमार सिन्हा, मोहलनगरटोली डी.एन. डास लेन, पोस्ट आफिस बनकीपुर, पटना (बिहार-800001)
3. एसोटेक लिमिटेड, 148-एफ, पाकेट-चतुर्थ, मयूर, फेज-I, दिल्ली-110091, एवं : एसोटेक लिमिटेड ए-12, सेक्टर-24, नोएडा-201301

उपरोक्त आवेदन के सम्बन्ध में, आपसे अपना जवाब दस्तावेजों और शपथपत्रों (यदि कोई) सहित, लिखित रूप में (पेपर बुक फॉर्म में), दो सेट्स में, व्यक्तिगत रूप से अथवा आपके विधिवत प्राधिकृत अभिकर्ता के माध्यम से अथवा वकील के माध्यम से, जवाब की प्रति, सम्मन के प्रकाशन के पश्चात, आवेदक को अथवा उसके वकील/विधिवत प्राधिकृत अभिकर्ता को भेजने के बाद, दाखिल करने और उसके बाद दिनांक 16.07.2019 को प्रातः 10:30 बजे इस अधिकरण के समक्ष पेश होने की अपेक्षा की जाती है। इसमें असफल रहने पर आवेदन की सुनवाई तथा निर्णय आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

रजिस्ट्रार, ऋण वसूली अधिकरण, लखनऊ

ऋण वसूली अधिकरण, देहरादून
भारत सरकार, वित्त मंत्रालय
(वित्तीय सेवा विभाग)
द्वितीय तल, पारस टॉवर, माजरा, सहारनपुर रोड, देहरादून, उत्तराखंड-248171

प्रकाशन सूचना
ओ0ए0 संख्या 175 वर्ष 2019

ऋण वसूली एवं दिवालियापन अधिनियम, 1993 के सेक्शन 19 के सब-सेक्शन (4) सपठित उप नियम (2ए) के नियम 5 व समय-समय पर संशोधित ऋण वसूली ट्रिब्यूनल (प्रोसीड्योर) नियम 1993 के अधीन उपस्थित होने की सूचना

डायरी संख्या 368 दिनांकः 01.07.2019

सेवा मे, पंजाब नैशनल बैंक. बनाम् मैसर्स भूपेश शिक्षण एवंम विकास संस्थान एवं अन्य

3: उमेश दूबे, पुत्र महावीर दूबे, निवासी 37, रोड नं0 11एफ, राजेन्द्र नगर, पटना, बिहार- 800016.

द्वितीय पताः एस.एन. मकान, रोड नं0 13बी, राजेन्द्र नगर, पटना, बिहार-800016

सूचित हों कि ओए न0 175/2019, उपरोक्त नामित बैंक द्वारा संस्थित जो ऋण वसूली अधिकरण आवेदक बैंक में लम्बित था, यह कि, माननीय ऋण वसूली अधिकरण द्वारा ऋण वसूली एवं दिवालियापन अधिनियम, 1993 के सेक्शन 19(4) के अधीन आपके विरुद्ध रु0 5,09,50,297.39/- की वसूली हेतु सम्मन/नोटिस जारी करने का निर्णय लिया गया है एवं माननीय पीठासीन अधिकारी के समक्ष 29.06.2019 को सूचीबद्ध किया गया था।

यह कि, माननीय ट्रिब्यूनल इस बात से सन्तुष्ट है कि सामान्य तरीके से मांग नोटिस जारी किया जाना संभव नहीं है, इसलिए इस प्रकाशन के जरिये दी जा रही सूचना के द्वारा आपको निर्देशित किया जाता है कि आप दि0 22.08.2019 को 10.30 बजे प्रातः अथवा इससे पूर्व आप स्वयं व्यक्तिगत रुप से अथवा अपने अधिकृत एजेण्ट या लीगल प्रैक्टिशनर के माध्यम से माननीय ट्रिब्यूनल में उपस्थित हों।

सूचित हों कि निर्धारित दिवस एवं समय पर ट्रिब्यूनल में आपकी उपस्थिति की चूक की दशा में इस प्रकरण पर सुनवाई और निर्णय आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

दिनांक 1 जुलाई 2019 के दिन अधिकरण की मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी।

ट्रिब्युनल के आदेशानुसार
रजिस्ट्रार (प्रभारी), ऋण रिकवरी ट्रिब्युनल, देहरादून

ऋण वसूली न्यायाधिकरण-III, दिल्ली
चतुर्थ तल, जीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

बैंकों तथा वित्तीय संस्थाओं के बकाया ऋण की वसूली अधिनियम, 1993 की धारा 19(4) के साथ पठित ऋण वसूली न्यायाधिकरण (प्रक्रिया नियमावली, 1993) के नियम 12 एवं 13 के तहत नोटिस

ओ.ए सं. 602/2018 के मामले में
कॉर्पोरेशन बैंक बनाम आवेदक
अमित रजौरिया एवं अन्य प्रतिवादी

डी-3 मैसर्स रुद्र बिल्डवेल होम्स प्रा. लि., पंजीकृत कार्यालय : डी-53, ओखला फेज-1, नई दिल्ली- 110020 और कॉर्पोरेट कार्यालयः ए-66, सैक्टर- 63, नोएडा-201301 जिला गौतम बुद्ध नगर, यू.पी

जबकि उपरोक्त नामक आवेदक ने आपके विरूद्ध एक वाद स्थापित किया है तथा जबकि न्यायाधिकरण को संतोषप्रद रूप से यह दर्शाया जा चुका है कि आपको साधारण रूप से नोटिस दिया जाना संभव नहीं है, इसलिए, विज्ञापन के रूप में इस नोटिस के माध्यम से आपको दिनांक 22.07.2019 को पूर्वाह्न 10.30 बजे इस न्यायाधिकरण के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया जाता है।

ध्यान दें कि यदि आप उपरोक्त तिथि को इस न्यायाधिकरण के समक्ष उपस्थित नहीं होंगे, वाद की सुनवाई तथा निर्णय आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा।

मेरे हस्ताक्षर और इस न्यायाधिकरण की मोहर के तहत 06 जून, 2019 को दिया गया।

न्यायाधिकरण के आदेश द्वारा
सहायक रजिस्ट्रार डीआरटी-III, नई दिल्ली

ऋण वसूली न्यायाधिकरण-III, दिल्ली
चतुर्थ तल, जीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

बैंकों तथा वित्तीय संस्थाओं के बकाया ऋण की वसूली अधिनियम, 1993 की धारा 19(4) के साथ पठित ऋण वसूली न्यायाधिकरण (प्रक्रिया नियमावली, 1993) के नियम 12 एवं 13 के तहत नोटिस

ओ.ए सं. 602/2018 के मामले में
कॉर्प

जनसत्ता

महासमर

विश्व कप -2019

7 जुलाई, 2019 12

दिलचस्प आंकड़े

रन	20903	सबसे ज्यादा रन: रोहित शर्मा
विकेट	617	
छक्के	337	उच्चतम स्कोर: डेविड वार्नर
अर्धशतक	107	

डु प्लेसी और डुसेन ने दक्षिण अफ्रीका को 325 रन तक पहुंचाया

मैलचेस्टर, 6 जुलाई (भाषा)।

कप्तान फाफ डु प्लेसी के शतक और रासी वान डेर डुसेन के करिअर के सर्वश्रेष्ठ 95 रन की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप के आखिरी लीग मैच में छह विकेट पर 325 रन बनाए।

टास जीतकर बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका को एडेन मार्कराम (34) और क्विंटोन डिकाक (52) ने उम्दा शुरुआत दी। डु प्लेसी और वान डेर डुसेन ने बल्लेबाजों की मददगार पिच पर तीसरे विकेट के लिए 151 रन की साझेदारी की। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान ने अपना 12वां शतक पूरा किया। उन्होंने 94 गेंदों का सामना करके अपनी पारी में सात चौके और दो छक्के जड़े। डुसेन ने पैट कमिंस को छक्का लगाकर टीम के 300 रन पूरे किए। उन्होंने अपनी पारी में चार चौके और चार छक्के लगाए। जेपी डुमिनी ने अपनी आखिरी वनडे पारी में 14 रन बनाए। भारतीय टीम अगर श्रीलंका को हरा देती है और दक्षिण अफ्रीका को आस्ट्रेलिया पर जीत मिलती है तो भारत शीर्ष पर रहेगा। ऐसे में वह न्यूजीलैंड से और आस्ट्रेलिया इंग्लैंड से खेलेगा।

धोनी ने भारतीय क्रिकेट का चेहरा बदल दिया : आइसीसी

लीड्स, 6 जुलाई (भाषा)।

महेंद्र सिंह धोनी के शानदार करिअर की प्रशंसा करते हुए आइसीसी ने इस पूर्व कप्तान की उपलब्धियों को साझा किया है। उसने उन्हें 'भारतीय क्रिकेट का चेहरा बदलने वाला' बताया है। रविवार को अपना 38वां जन्मदिन मनाने वाले धोनी क्रिकेट के तीनों वैश्विक खिताब जीतने वाले इकलौते कप्तान हैं। उनकी कप्तानी में भारत ने 2007 में टी-20 विश्व कप, 2011 में एकदिवसीय विश्व कप और 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था।

आइसीसी ने भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए एक वीडियो साझा किया है। वीडियो के साथ ट्विटर पर आइसीसी ने लिखा, 'एक ऐसा नाम जिसने भारतीय क्रिकेट के चेहरे को बदल दिया। ऐसा नाम जो दुनियाभर के लाखों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। ऐसा नाम जो विवादों से परे रहा है, महेंद्र सिंह धोनी सिर्फ नाम नहीं है।'

इस वीडियो में भारतीय कप्तान विराट कोहली, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, इंग्लैंड के विकेटकीपर जोस बटलर, हरफनमौला बेन स्टोक्स और अफगानिस्तान के विकेटकीपर मोहम्मद शहजाद का धोनी को लेकर बयान है।

कोहली ने कहा कि आप बाहर से जो देखते हैं, वह इस बात से बहुत अलग है कि वह व्यक्ति कैसा है। वह हमेशा से शांत और एकाग्र रहे हैं, उनसे काफी कुछ सिखा जा सकता है। वह मेरे कप्तान थे और हमेशा रहेंगे। एक-दूसरे को लेकर हमारी समझ कमाल की है। मुझे उनके सुझाव का हमेशा से इंतजार रहता है।

बुमराह ने कहा कि 2016 में जब मैं टीम में आया था तब वह कप्तान थे। वह टीम को शांत रखते हैं और मदद के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। आइपीएल में पुणे सुरपजाइंट्स की ओर से खेलते हुए धोनी के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने वाले स्टोक्स ने उनकी तारीफ करते हुए कहा कि धोनी की तरह बेहतर कोई नहीं हो सकता।

उन्होंने कहा कि वह इस खेल के महान खिलाड़ियों में से एक हैं, शानदार विकेटकीपर हैं। मुझे नहीं लगता है कोई उनकी तरह बेहतर हो सकता है। इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज बटलर ने भी धोनी की तारीफ करते हुए कहा कि वह मेरे आदर्श खिलाड़ी हैं।

उन्होंने कहा कि जब मैं बड़ा हो रहा था तब वह मेरे आदर्श थे। मुझे मैदान में 'मिस्टर कूल' का अंदाज पसंद है, विकेट के पीछे भी वह बिजली की तरह फुर्तीले हैं। जब वह बल्लेबाजी करते हैं तब काफी शांत रहते हैं। वह खेल के लिए बहुत बड़े राजदूत हैं और मैं एमएस धोनी का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं।

शोएब ने वनडे क्रिकेट को अलविदा कहा

लंदन, 6 जुलाई (एएफपी)।

पाकिस्तान के बल्लेबाज शोएब मलिक ने बांग्लादेश के खिलाफ विश्व कप मुकाबले में टीम की जीत के बाद एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास की पुष्टि की। वह टी-20 क्रिकेट में खेलना जारी रखेंगे। मलिक ने 2016 में ही टैस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। उन्हें विदाई मैच खेलने का मौका नहीं मिला जो इस प्रारूप में 16 जून को भारत के खिलाफ आखिरी बार मैदान में उतरे थे।

मलिक ने पिछले साल ही कहा था कि वह विश्व कप के बाद एकदिवसीय प्रारूप से संन्यास ले लेंगे। मौजूदा विश्व कप में तीन मैचों में दो बार शून्य पर आउट होने के बाद टीम से बाहर किए गए मलिक ने कहा कि मैं एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास ले रहा हूं। मैं निराश हूं क्योंकि मैं उस प्रारूप को छोड़ रहा हूं जो मुझे सबसे ज्यादा पसंद है। हालांकि इससे मुझे अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने और अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप पर ध्यान केंद्रित करने का मौका मिलेगा।

भारतीय टेनिस सनसनी सानिया मिर्जा से शादी करने वाले मलिक ने 287 एकदिवसीय में नौ शतकीय पारी की मदद से 7,534 रन बनाए और ऑफ स्पिन गेंदबाजी से 158 विकेट भी चटकाए। उन्होंने पाकिस्तान के लिए 41 एकदिवसीय में कप्तानी भी की है। मलिक ने कहा कि उन्हें निराशा है कि उनका करिअर निम्न स्तर पर खत्म हो रहा है।

उन्होंने कहा कि एक सीनियर खिलाड़ी के रूप में मैं अपनी टीम को विश्व कप जीतने में मदद करना चाहता था, लेकिन कई बार चीजें आपके मुताबिक नहीं होती हैं और यह क्रिकेट का हिस्सा है।

हर कहानी का अंत होता है, लेकिन जिंदगी में जब कुछ खत्म होता है तो नई शुरुआत होती है। शोएब आप 20 साल तक अपने देश के लिए गर्व के साथ खेले। आप सम्मान और विनम्रता के साथ ऐसा करते रहे। आपने जो भी किया और आप जो हो उस पर मुझे और इजहान को काफी फख्र है। – सानिया मिर्जा

श्रीलंका को सात विकेट से हराकर अंकतालिका में शीर्ष पर भारत

रोहित, राहुल ने दिलाई भारत को शानदार जीत

लीड्स, 6 जुलाई (भाषा)।

एक विश्व कप में सर्वाधिक पांच शतक लगाने वाले रोहित शर्मा और केएल राहुल के सैकड़ों की मदद से भारत ने अपने आखिरी ग्रुप मैच में शनिवार को श्रीलंका को सात विकेट से हरा दिया।

सेमी फाइनल में जगह नहीं बना सकी श्रीलंका ने एंजेलो मैथ्यूज के शतक की मदद से सात विकेट पर 264 रन बनाए थे। जवाब में भारत ने 43.3 ओवर में तीन विकेट खोकर 265 रन बनाए। भारत फिलहाल नौ मैचों में 15 अंक लेकर अंकतालिका में शीर्ष पर है लेकिन अगर आस्ट्रेलिया दूसरे मैच में दक्षिण अफ्रीका को हरा देता है तो भारत दूसरे स्थान पर आ जाएगा। भारत को शीर्ष पर रहने पर सेमी फाइनल में न्यूजीलैंड से और दूसरे स्थान पर रहने पर इंग्लैंड से खेलना होगा। रोहित ने 94 गेंद में 103 रन बनाए जो इस विश्व कप में उनका पांचवां शतक है। राहुल ने उनका बखूबी साथ निभाते हुए विश्व कप में अपना पहला शतक जड़ा। दोनों ने पहले विकेट के लिए 30 ओवर में 189 रन जोड़े। रोहित ने 94 गेंदों में 14 चौकों और दो छक्कों की मदद से 103 रन बनाए। वह कासुन रजीता की गेंद पर मैथ्यूज को कैच देकर लौटे।

वहीं राहुल 41वें ओवर में लसिथ मलिंगा का शिकार हुए जिनका कैच विकेट के पीछे कुसल परेरा ने लपका। उन्होंने 118 गेंदों में 111 रन बनाए जिसमें 11 चौके और एक छक्का शामिल है। कप्तान विराट कोहली 34 और हार्दिक पंड्या सात रन बनाकर नाबाद रहे। ऋषभ पंत चार रन बनाकर इसुरू उडाना की गेंद पर पगबाधा आउट हुए।

इससे पहले श्रीलंका के लिए मैथ्यूज ने 128 गेंद में 113 रन बनाए। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 10 ओवर में 37 रन देकर तीन विकेट लिए जिन्हें खेलना श्रीलंकाई बल्लेबाजों के लिए काफी कठिन था। वहीं भुवनेश्वर कुमार ने 73 रन देकर एक विकेट चटकाया।

पांचवां शतक जड़ने के बाद रोहित शर्मा। 94 गेंद में 103 रन की बेमिसाल पारी खेलीं।

स्कोर बोर्ड

श्रीलंका पारी : दिमुथ करुणारत्ने का धोनी बो बुमराह 10, कुसल परेरा का धोनी बो बुमराह 18, अविष्का फर्नांडो का धोनी बो पंड्या 20, कुसल मेंडिस स्टंप धोनी बो जडेजा 3, एंजेलो मैथ्यूज का शर्मा बो बुमराह 113, तिरिमन्ने का जडेजा बो कुलदीप 53, धनंजय डिसिल्वा नाबाद 29, तिसारा परेरा का पंड्या बो कुमार 2, इसुरू उडाना नाबाद 1, गेंदबाजी : बुमराह 10-2-37-3, पंड्या 10-0-50-1, जडेजा 10-0-40-1, यादव 10-0-58-1, कुमार 10-0-73-1

हितों के टकराव मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट जाएगी सीओए

नई दिल्ली, 6 जुलाई (भाषा)।

हितों के टकराव मुद्दे पर स्पष्टता के लिए प्रशासकों की समिति (सीओए) ने सुप्रीम कोर्ट की शरण में जाने का निर्णय किया है। बीसीसीआइ के आचरण अधिकारी डीके जैन ने कुछ समय पहले ही पूर्व खिलाड़ियों के संबंध में हितों के टकराव के मामले पर फैसला सुनाया था। जैन ने वीवीएस लक्ष्मण व सौरव गांगुली से क्रिकेट में कई भूमिकाओं में से एक का चयन करने को कहा था।

लोढ़ा सिफारिशों में 'एक व्यक्ति एक पद' काफी अहम है। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जैन ने कहा कि पूर्व भारतीय बल्लेबाज लक्ष्मण और पूर्व कप्तान गांगुली को विभिन्न भूमिकाओं से एक को ही चुनना पड़ेगा। शनिवार को अपनी बैठक में चर्चा के बाद सीओए ने 'हितों के टकराव' के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट का मार्गदर्शन लेने का फैसला किया। लक्ष्मण क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) के सदस्य हैं जिसमें से उन्होंने हटने की पेशकश की है। वह आइपीएल फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद के मेंटोर और कमेंटेटर भी हैं। वहीं गांगुली भी विश्व कप में कमेंट्री कर रहे हैं और वह सीएससी के सदस्य के अलावा बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष और आइपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के सलाहकार भी हैं।

बैठक का हिस्सा रहे बीसीसीआइ के एक अधिकारी ने कहा कि इस मुद्दे पर स्पष्टता के लिए अदालत का रुख करने का फैसला किया गया है। अब हितों के टकराव को परिभाषित करना काफी मुश्किल होता जा रहा है।

बुमराह वनडे में सबसे तेजी से 100 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय बने

लीड्स, 6 जुलाई (भाषा)।

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अपनी उपलब्धियों में इजाफा करते हुए वनडे क्रिकेट में सबसे तेजी से 100 विकेट पूरे करने वाले दूसरे भारतीय हो गए जिन्होंने श्रीलंका के कप्तान दिमुथ करुणारत्ने को आउट करके यह उपलब्धि हासिल की ।

वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज बुमराह ने 57 पारियों में 100 विकेट पूरे किए। वहीं मोहम्मद शमी ने 56 पारियों में यह कारनामा किया था। आइसीसी ने ट्वीट किया, जसप्रीत बुमराह के लिए वनडे विकेटों का शतक। उसे यहां तक पहुंचने में 57 पारियां लगी। बुमराह विकेटों का शतक सबसे तेजी से पूरा करने वाले आठवें गेंदबाज हैं जबकि शमी सातवें स्थान पर हैं।

बार्टी, सेरेना विंबलडन के चौथे दौर में पहुंचीं

लंदन, 6 जुलाई (एएफपी)।

दुनिया की नंबर एक एशले बार्टी ने शनिवार को यहां विंबलडन टेनिस ग्रैंडस्लैम में पहली बार चौथे दौर में जगह बनाई जबकि सात बार की चैंपियन सेरेना विलियम्स 16वीं बार अंतिम 16 में पहुंचीं।

पुरुषों के वर्ग में जापान के केई निशिकोरी ने एई सुगियामा के विंबलडन में अंतिम 16 में जगह बनाने के रेकार्ड की बराबरी की। उन्होंने अमेरिका के स्टीव जानसन को 6-4, 6-3, 6-2 से शिकस्त दी। अमेरिका के सैम कुरे ने तीसरे दौर के मुकाबले में आस्ट्रेलिया के जान विलमैन को 7-6, 7-6, 6-3 से हराया। बार्टी ने ब्रिटिश वाइल्डकार्डधारी हैरिए डार्ट को 6-1, 6-1 से शिकस्त दी जबकि सात बार की चैंपियन सेरेना ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए जर्मनी के जूलिया जार्जेस को 6-3, 6-4 से पराजित किया। बार्टी आस्ट्रेलिया की ओर से इवोने गूलागोंग कावले के बाद पहली विंबलडन महिला चैंपियन बनने की कोशिश में जुटी हैं। इवोने ने 1980 में दूसरा खिताब जीता था। अब वह अंतिम आठ में जगह बनाने के लिए अमेरिका की गैर वरीय एलिसन रिस्के से भिड़ेंगी।

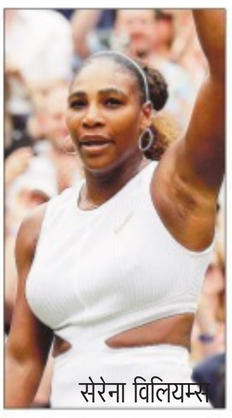

सेरेना विलियम्स

वह 2010 के बाद दूसरे हफ्ते में प्रवेश करने वाली पहली आस्ट्रेलियाई महिला भी हैं। वहीं 16वीं बार चौथे दौर में पहुंचने वाली सेरेना का सामना क्वार्टरफाइनल में जगह बनाने के लिए स्पेन की कार्ला सुआरेज नवारो से होगा। आठवीं वरीयत प्राप्त सेरेना मार्गरेट कोर्ट के सर्वकालिक 24 ग्रैंडस्लैम खिताब की बराबरी करने की कोशिश में जुटी हैं। दो बार की चैंपियन पेत्रा क्वितोवा पांच साल में पहली बार अंतिम 16 में पहुंचीं। पिछली बार उन्होंने 2014 में ऐसा किया था और अपना दूसरा खिताब जीता था। चेक गणराज्य की छठी वरीयता प्राप्त क्वितोवा ने पोलैंड की मोग्दा लिनेटे को 6-3, 6-2 से पराजित किया और अब उनका सामना क्वार्टरफाइनल में जगह बनाने के लिए ब्रिटेन की योहाना कोंटा और अमेरिका की स्लोआने स्टीफंस के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा।

RAMNATH GOENKA EXCELLENCE IN JOURNALISM AWARDS

INDIAN EXPRESS GROUP

INDIA'S MOST PRESTIGIOUS AND COVETED JOURNALISM AWARDS

CALL FOR ENTRIES 2018

Acknowledging accuracy, courage, credibility & fairness

Award Categories

Print/Digital & Broadcast
- Reporting from Conflict States
- Hindi
- Regional Languages
- Environment, Science and Technology Reporting
- Uncovering India Invisible
- Business and Economic Journalism
- Reporting on Politics and Government
- Sports Journalism
- Investigative Reporting

Print/Digital
- Reporting on Arts, Culture and Entertainment
- Foreign Correspondent Covering India
- Editorial Commentary and Cartoons
- Books (Non-Fiction)
- Prakash Kardaley Memorial Award for Civic Journalism
- Photo Journalism
- Best Student-Run Newspaper, Magazine and Digital News Portal

Apply Online: rngfoundation.com/awards

LAST DATE FOR ENTRIES | JULY 15, 2019 | Entries are invited for the year 2018 only.

Ramnath Goenka Memorial Foundation, Express Building, B-1/B, Sector-10, Noida-201 301, Uttar Pradesh, India; rngf@expressindia.com

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 36, अंक 231, *हवाई शुल्क :* इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना-एक रुपए।

दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोनः (0120) 2470700/2470740, ई-मेलः edit.jansatta@expressindia.com, फैक्सः (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्षः विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादकः मुकेश भारद्वाज***, *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार।

कापीराइटः दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।

जनसत्ता रविवारी

• 7 जुलाई, 2019 •

अबोध से अनाचार

पिछले कुछ सालों में अबोध बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं लगातार बढ़ी हैं। हालांकि इसके खिलाफ कड़े कानून हैं, कठोर सजा का प्रावधान है, पर उसका भय लोगों में दीख नहीं रहा। विचित्र है कि कुछ लोग ऐसी घटनाओं पर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने; उन्हें जाति, धर्म के खांचे में बांटने से भी गुरेज नहीं करते। बच्चियों के साथ बढ़ते दुष्कर्म के पीछे कई वजहें बताई जाती हैं। पर यह दरअसल, एक आपराधिक मानसिकता है, जिसे कानून का पालन कराने वालों की शिथिलता, सजा की दर कम होने, इंटरनेट पर उपलब्ध आपत्तिजनक सामग्री से बल मिलता है। बच्चियों के साथ होने वाली ऐसी घटनाओं का विश्लेषण कर रही हैं **क्षमा शर्मा**।

बच्चियों के प्रति यौन अपराध बढ़ते ही जा रहे हैं। मानवता की दुहाई देते हम कहां आ पहुंचे हैं कि हमें एक छोटी बच्ची भी अपराध करने के लिए उकसाती है। उसकी मासूमियत नहीं दिखती, हम उसे लड़की के रूप में देखते हैं। निर्भया आंदोलन के समय मांग की जा रही थी कि बलात्कार के खिलाफ ऐसा कठोर कानून बनाया जाए, जिससे अपराधियों में इतना खौफ बैठ जाए कि वे ऐसा करने की हिम्मत न जुटा सकें। नया कानून भी बना, जहां अन्य बातों के अलावा किसी को चौदह सेकंड देखना भी अपराध बना दिया गया, लेकिन दुष्कर्म रुके नहीं, बल्कि बढ़ते गए।

कठुआ में जब एक नन्ही बच्ची से बलात्कार हुआ था और उसे मार डाला गया था, तब पूरे भारत में बहुत रोष प्रकट किया गया था। उस समय जम्मू-कश्मीर की मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने देश के लोगों का शुक्रिया भी अदा किया था। हालांकि उसी दौरान थोड़े से दिनों में बहुत-सी बच्चियां इस तरह के अपराधों का शिकार हुईं, लेकिन उनके लिए कोई आवाज नहीं उठी। एक बहुत बड़ी स्त्रीवादी बोलीं कि हम किस-किस के लिए आवाज उठाते रहें। दूसरे उठाएं। सच तो यह है कि जिस कांड से प्रसिद्धि मिलती है वही मीडिया और सोशल मीडिया में जगह पाता है। वरना तो कोई भी हादसा सिर्फ खबर भर रहता है, पढ़ो और भूल जाओ। बढ़-चढ़ कर बयान देने वाले भी यही देख कर बयान देते हैं कि उन्हें किस तरह का कवरेज मिलेगा।

दुष्कर्म पीड़िता की पहचान बताना कानूनी अपराध है, मगर इन दिनों तो उसकी जाति, गांव, भाषा परिवार सब बता दिया जाता है। यहां तक कि कठुआ मामले में तो लोगों ने बड़ी संख्या में उस बच्ची के चित्र लगा दिए और न्याय की मांग करने लगे। इस मामले में यह भी हुआ कि लोग कहने लगे कि इस बच्ची के साथ दुष्कर्म जैसा अपराध हुआ ही नहीं है। पूरे प्रसंग को हिंदू बरक्स मुसलिम भी बना दिया गया। इसमें बच्ची के प्रति हुआ अपराध पृष्ठभूमि में चला गया। पिछले दिनों न्यायालय ने कठुआ के दोषियों को सजा सुनाई है। इस पर कई लोग उन लोगों से सवाल पूछ रहे हैं कि अब वे जवाब दें जो कह रहे थे कि दुष्कर्म हुआ ही नहीं था।

हाल ही में टप्पल में एक ढाई साल की बच्ची को इतनी बेदर्दी से मारा गया कि रोंगटे खड़े हो जाते हैं। उसके अंग-प्रत्यंग तक अलग-अलग कर दिए गए। लेकिन इस मसले पर भी तरह-तरह के धार्मिक और जातिवादी चश्मे लगा लिए गए। कोई कहने लगा कि कठुआ के मामले पर जिनका खून खौल रहा था वे अब किस बिल में घुस गए। किसी ने लिखा कि टप्पल वाली लड़की चूंकि सवर्ण थी, दलित या मुसलमान नहीं इसलिए न मीडिया में उसे ज्यादा जगह मिली न सेकुलर लोगों में। किसी ने लिखा कि चूंकि वह हिंदू थी इसलिए उसके परिवार वालों के यहां न नेताओं की भीड़ लगी न किसी भारी-भरकम मुआवजे का एलान किया गया। न मोमबत्ती वालों की भीड़ नजर आई। एक दलित महिला ने फेसबुक पर लिखा कि उसे ब्राह्मण लड़की के साथ जो कुछ हुआ उससे कोई दुख नहीं है।

टप्पल की घटना के बाद निर्भया के मामले की तरह ही फेसबुक पर ऐसे लोगों की बाढ़ आ गई, जो बताने लगे कि इस तरह के अपराधियों को किस-किस तरह से सजा दी जा सकती है। किसी ने एक ऐसी तस्वीर पोस्ट की, जिसमें एक आदमी ऊंचे मंच पर खड़ा है। उसके हाथ-पांव बंधे हैं। और पांवों के नीचे तेज आग जल रही है। वह आदमी चिल्ला रहा है। आसपास खड़े सैकड़ों लोग उसे देख रहे हैं। इस फोटो पर कैप्शन दिया गया कि अपराधियों को ऐसी सजा दी जाए, तभी दुष्कर्म रुक सकते हैं। इसे देख कर लगा कि अपराधी के लिए सजा की नहीं, जैसे किसी आनंद के लिए कोई मांग की जा रही हो। हिंसा भी एक तरह का आनंद देती है, तभी तो जितनी हिंसक फिल्म और धारावाहिक हैं वे हिट हो जाते हैं। हिंसा से भरी किताबें भी खूब हिट होती हैं।

इसी तरह का दूसरा फोटो था, जिसमें सरेआम आदमी की गरदन उतारी जा रही है। किसी को पत्थर मार कर मारा जा रहा है। एक आदमी को सरेआम गोली मारी जा रही है और हजारों की भीड़ तमाशा देख रही है। एक पोस्ट में मनुस्मृति से उदाहरण देकर लिखा गया कि लोहे के पलंग को आग में तपा कर लाल किया जाए, फिर उस पर इस तरह के अपराधी (दुष्कर्म) को डाल कर आग लगा दी जाए। किसी ने लिखा कि मोमबत्ती जलाने की जगह किसी बलात्कारी को जला कर देखो। ऐसी खबरें भी बड़ी संख्या में साझा की गईं, जहां बलात्कारियों को भीड़ ने मार डाला। असम में भी कुछ साल पहले ऐसा हुआ था। जहां हजारों की भीड़ ने मारे जाते बलात्कारी के वीडियो बनाए थे।

इसी दौरान मिस्र के एक विश्वविद्यालय की एक प्रोफेसर का बयान आया कि इस्लाम गैर-मुसलिमों से बलात्कार की इजाजत देता है। ■

कानून बेअसर

हाल ही में राष्ट्रपति ने बारह साल की उम्र तक की बच्चियों के साथ दुष्कर्म करने वालों के खिलाफ फांसी की सजा दिए जाने के कानून पर दस्तखत किए हैं। हालांकि इसके आलोचक कह रहे हैं कि सिर्फ बारह साल की बच्चियों तक यह कानून क्यों लागू हो। बच्चियों के प्रति इस तरह के अपराध संगीन माने जाने चाहिए, लेकिन दूसरी महिलाएं, जो बड़ी संख्या में इस तरह के अपराधों का शिकार होती हैं, उनके अपराधियों को भी इसी तरह की कठोर सजा मिलनी चाहिए। हालांकि जिन देशों में इस तरह के कठोर कानून लागू हैं, वहां भी इस तरह के अपराध बड़ी संख्या में होते हैं।

कहा यह भी जाता है कि लोगों की मानसिकता बदलनी चाहिए तभी ऐसे अपराध रुक सकते हैं। कानून अगर डर पैदा करने के लिए होते हैं, तो कुछ समय तक तो लोग उनसे डरते हैं, मगर यह डर अपराधों में शायद ही कोई कमी लाता है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि डरा हुआ आदमी और अधिक अपराध करता है।

इसके अलावा अपने देश में इन दिनों कठोर कानूनों की आड़ में उनका दुरुपयोग भी बढ़ चला है। हाल ही में नोएडा में पुलिस की मिलीभगत से एक ऐसा गिरोह काम कर रहा था। इस गिरोह की लड़कियां गाड़ी चलाते अकेले पुरुषों से लिफ्ट लेती थीं, फिर कुछ दूरी पर खड़ी पुलिस की गाड़ी को देख कर गाड़ी रुकवा कर जोर-जोर से शोर मचाती थीं और दुष्कर्म का आरोप लगाती थीं। पुलिस इन लोगों को पकड़ती थी, फिर ब्लैकमेल करके बड़ी रकम ऐंठ ली जाती थी।

जब इस तरह की शिकायतें आईं तो इस गिरोह के साथ पुलिस के लोग भी पकड़े गए। हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, दिल्ली में भी ऐसे बहुत से गिरोह पकड़े गए हैं। एक तरफ हैवानों की शिकार होती नन्ही बच्चियां हैं, महिलाएं हैं, जिन्हें न्याय तो मिलता ही नहीं, कई बार जान से भी हाथ धोना पड़ता है, दूसरी तरफ कानूनों को हथियार बना कर तेजी से फलते-फूलते ब्लैकमेलिंग करने वाले गिरोह हैं। वे महिलाएं जो कानूनों का दुरुपयोग करती हैं वे उन सताई गई बच्चियों, महिलाओं का न केवल अपमान करती हैं, बल्कि कानून के प्रति अविश्वास और संदेह का माहौल भी बनाती हैं। उनके अधिकार को छीनती हैं। ऐसी महिलाओं को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए, जिससे कि महिलाओं की रक्षा के लिए बनाए गए कानून इनके चंगुल से मुक्त हो सकें। और जो महिलाएं इनका दुरुपयोग करने की इच्छा रखती हों, उनके लिए सबक भी हो।

तो सवाल यही है कि क्या करें। हम अपनी बच्चियों, महिलाओं को आए दिन होने वाले जघन्य अपराधों से कैसे बचाएं।

हालत कहां जा पहुंची है कि कि भोपाल में एक दस साल की बच्ची की हत्या करने के बाद उसके साथ दुष्कर्म किया गया।

वह समाज जो इस बात पर इतराता है कि वह बच्चियों को देवी मानता है वह आखिर इतनी छोटी बच्चियों के प्रति इतना निर्मम कैसे होता है, कैसे हो सकता है। ■

अपराध का दायरा

सबसे खौफनाक यह है कि छोटे-छोटे बच्चे भी दुष्कर्म जैसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। उन्हें पता ही नहीं कि वे क्या कर रहे हैं। वे किस तरह ऐसी बातें सीख रहे हैं। बहुत से लोग पोर्न की सहज उपलब्धता से इसे जोड़ते हैं। यह दिखाई भी देता है। इन दिनों किशोर बिना किसी रोक-टोक या लिहाज के खुलेआम पोर्न देखते रहते हैं। वे पास से गुजरती बड़ी उम्र तक की महिलाओं को जिन नजरों से देखते हैं, उनसे डर लगता है।

बहुत से दुष्कर्म के मामलों में परिवार की औरतें भी अपने घर वालों का साथ देती हैं। खास तौर से तब जब बच्ची या लड़की किसी ऐसे परिवार से हो जिससे बदला चुकाना है। वैसे भी सदियों से औरतों लड़कियों पर जोर-जबर्दस्ती और बलात्कार अपनी ताकत दिखाने का हथियार रहा है।

अफसोस तो यह है कि जिन शेल्टर होम्स या अनाथालयों को सरकारों ने इसलिए खोला है कि वहां अनाथ बेसहारा और गरीब बच्चियों को शरण मिल सके वहां भी लड़कियों को इस तरह के भारी अपराधों का सामना करना पड़ता है।

लड़कियों को तरह-तरह के अपराधों का सामना तो करना ही पड़ता है उन्हें देह व्यापार में भी धकेला जाता है। इसे पुलिस तथा अन्य सरकारी संस्थाओं की मदद से अंजाम दिया जाता है। जिन लोगों पर उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी है, वे लड़कियों के अपराधी साबित होते हैं।

घरों में भी इस तरह के अपराध किए जाते हैं। दुष्कर्म के बानवे प्रतिशत मामले घर के बहुत से पुरुष सदस्यों, मित्र, परिचितों और नाते, रिश्तेदारों के द्वारा किए जाते हैं। इनकी शिकार छोटी बच्चियां अधिक होती हैं। उन्हं डरा-धमका कर काबू कर लिया जाता है।

एक तरफ बच्चियों के प्रति अपराध बढ़ रहे हैं तो दूसरी तरफ ऐसी घटनाएं भी सामने आती हैं जो समाज की संवेदनशीलता को बताती हैं। एक महिला डॉक्टर के क्लीनिक में एक मां अपनी जुड़वां बच्चियों को छोड़ कर भाग गई। उसने अपना नाम-पता भी गलत लिखवाया था। तब इस अविवाहित डॉक्टर ने इन बच्चियों को गोद ले लिया। एक दूसरी डॉक्टर अपने क्लीनिक में बच्ची के जन्म पर फीस नहीं लेती। अभिनेत्री सुष्मिता सेन और रवीना टंडन ने सालों पहले दो-दो अनाथ बच्चियों को गोद लिया था। चंबल के एक गांव में लड़की के पैदा होने पर ढोल-नगाड़ों से उत्सव मनाया जाता है।

हाल ही में राजस्थान में एक बच्ची को जन्मते ही नाल समेत तेज धूप में फेंक दिया गया था। चीखते हुए जब उसका वीडियो वायरल हुआ तो पत्रकार विनोद कापड़ी ने उसे गोद लेने की इच्छा प्रकट की। कहा कि अब ये चीखें और नहीं सुनी जा सकतीं। इससे पहले किसी दयालु ने उस बच्ची को अस्पताल पहुंचा दिया था। जहां उसका इलाज किया गया और अब वह स्वस्थ है। एक कुत्ते ने भी कूड़े के ढेर से बच्ची को बचाया था। लगता है कि कभी जानवर भी उस नृशंस मनुष्य से ज्यादा समझदार मालूम देते हैं जो कभी इज्जत जाने के नाम पर तो कभी सिर्फ बेटी होने के कारण से ही बच्चियों को मरने के लिए फेंक देते हैं। ये घटनाएं भी अपराध की श्रेणी में आती हैं, मगर बच्चियों और बच्चों का फेंका जाना नहीं रुकता। एक तरफ बच्चियों को देवी मानना, शक्ति की उपासना करना, दूसरी तरफ उन्हें कूड़े के ढेर में फेंकना, तरह-तरह से सताना कौन-सा धर्म, कौन-सा लोकतंत्र सिखाता है। ■

बाल यौन अपराध

- 2012 में एनसीआरबी के मुताबिक सत्रह साल और उससे कम उम्र की बच्चियों के साथ जोर-जबर्दस्ती और छेड़खानी के 8541 मामले दर्ज हुए थे, जो 2016 में बढ़ कर 19,765 तक पहुंच गए।
- सीएमआईई और लोकनीति के सर्वे के मुताबिक 2001 में बच्चों के प्रति यौन अपराध 36.6 प्रतिशत थे, जो 2016 में बढ़ कर 43.2 प्रतिशत हो गए। 2002 में ये बीस प्रतिशत से कम रिकार्ड किए गए। बच्चों के प्रति अपराधों में सिर्फ लड़कियां नहीं, छोटे बच्चे भी शिकार बनते हैं।
- देश में प्रतिदिन 106 दुष्कर्म के मामले दर्ज किए जाते हैं। इनमें चालीस प्रतिशत तक छोटी बच्चियां होती हैं।
- स्कॉटलैंड में हाल ही में ग्यारह महीनों के दौरान सोलह सौ ऐसे लोग पकड़े गए, जो आनलाइन यौन अपराध करते थे। बच्चों को उकसाते थे और उनसे मिलने का आग्रह करते थे। इनमें से अधिकांश को भरोसा था कि वे कभी पकड़े नहीं जाएंगे।
- मिशिगन, अमेरिका में भी बाइस लोगों को आनलाइन यौन अपराध के मामले में गिरफ्तार किया गया।

कविता

कैलाश मनहर

वह आता

किसी नटखट बच्चे की तरह आया करता था
शुरू शुरू में
और मुंह चिढ़ाते हुए भाग जाता था
इधर-उधर कई बार
मेरी बाजू में पिन चुभा कर छुप जाता था
और फिर तो जैसे
दिल खुल गया उसका मेरे ध्यान न देने से बस

एक दिन रास्ते के बीचों बीच
ठोकर की तरह आया और
सीधे पैर के अंगूठे से उठी जो पीड़ा की तन्नाती
लहर कि झन्ना गया शरीर और दिमाग
एकदम बचा मैं गिरने से
और पत्थर को उठा कर रख दिया किनारे
मैंने आदतन एक तरफ

वह इच्छा और तृष्णा की तरह भी आया कई बार
ताजगी और खुशी के अभाव की तरह भी और
कंपकंपाते शीत
कड़क धूप और बाढ़ की तरह भी आया
भूख और प्यास और बीमारी की तरह भी अक्सर
और सरकारी आदेश की तरह
अधिकार जताता हुआ मेरे अस्तित्त्व पर कि
पुलसिया जुल्म की तरह तो
रात-बिरात भी आता रहा अंधेरे में खड़काता लाठियां

कई बार तो
रूप बदल कर सुख की तरह भी आया वह
लोभ और लालसा की तरह तो
अनेक बार आया और
पश्चाताप की तरह भी आया दिल के करीब
कई बार आत्म-ग्लानि की तरह भी
आया पिघलाता हुआ मेरे अस्तित्त्व को
डर और अपयश की तरह भी आया
पराजय की तरह और यात्रा में थकान की तरह
अचानक भी आया अपनों से विलगाव के क्षणों में
आतंकित करता हुआ मेरे रोम-रोम को
छिजाता हुआ

आंसुओं की तरह भी आया
और स्मृतियों की तरह भी चुपके से आया वह
प्रेम और मोह की तरह भी आया
मेरे भीतर और आस्वाद की तरह भी

और अब तो इतना जरूरी हो गया है
मेरे होने के लिए वह कि
यदि नहीं हो दुख
तो मैं नहीं रहता मनुष्य भी ठीक-ठाक। ❑

चित्र: वाजदा खान

कुंजी

कहानी

भगवान अटलानी

जब शरीर को कोई श्रम नहीं करना पड़ा, तो थकान क्यों महसूस हुई? अगर मन की थकान को शरीर की थकान का कारण माना जाए, तो महसूस होना चाहिए न, कि अमुक वारदात की वजह से संवेदनाएं झंकृत हो गईं और इसलिए पहले मन फिर शरीर पर असर हुआ। ऐसी कोई घटना नहीं होती, जो मन को क्लांत करे। कुछ दिन पहले सटे हुए मकान में एक आयोजन में जाने का प्रसंग बना। बेटे को नौकरी मिली थी, इस उपलक्ष्य में चुनिंदा लोगों को दोपहर भोज के लिए आमंत्रित किया गया था। कपड़े बदले और अपने घर से निकल कर पड़ोस के मकान में चले गए। कोई बोझ या तनाव नहीं। यातायात का दबाव नहीं। ट्रैफिक सिग्नलों का झंझट नहीं। प्रदूषण नहीं। गरमी का प्रकोप नहीं। मुश्किल से एक मिनट लगा होगा पहुंचने में।

कॉलोनी में से किसी को नहीं बुलाया गया था, इसलिए परिचित भी कोई नहीं था वहां। दस-बारह लोग कुर्सियों का झुरमुट बना कर बैठे गपशप कर रहे थे। पड़ोसी महाशय ने वहां ले जाकर बैठाया, औपचारिक रूप से परिचय कराया और अपने काम-धंधे से लग गए। कभी सेवानिवृत्ति के बाद किए जा रहे कार्यकलापों, कभी जमाने की तेजी से रफ्तार पकड़ती गति और कभी राजनीतिक परिदृश्य चर्चा का विषय बनता-बदलता रहा। मैं इनमें से प्रत्येक विषय पर विचार व्यक्त करने की स्थिति में था, मगर अपरिचितों के बीच होने के कारण मुझे बोलने की जरूरत महसूस नहीं हुई।

होंठों से मुस्कुराहट चिपकाए मैं आधा-पौन घंटा वहां बैठा। सबके साथ भोजन किया। दस-पंद्रह मिनट उसके बाद भी वहां रहा और फिर हम लोग लौट आए। घर पहुंचे तो लगा, बहुत थक गया हूं। क्या किया मेरे शरीर ने ऐसा कि थकान महसूस होने लगी? भोजन करने के लिए ग्रास उठाना, ग्रास को थाली से मुंह तक ले जाना, हाथ को वापस नीचे ले आना, मुंह में डाले गए ग्रास को चबाना, भोजन के बाद पानी पीना, उठ कर हाथ धोना, कुल्ले करना, जेब से रूमाल निकाल कर हाथ पोंछना, ये सब ऐसे काम थे क्या कि शरीर थक जाए? बोला नहीं था। बहस नहीं हुई थी किसी से। दिमाग पर कोई दबाव नहीं था। दूसरे लोगों की बातें, उनके तर्क-वितर्क सुन कर मन ही मन गलत-सही जरूर ठहरा रहा था बोलने वालों को। मगर एक बार भी पक्ष नहीं बना। जुबान खोलकर न किसी बात का समर्थन किया और न विरोध। होंठों की मुस्कराहट को आधार मानें तो मैं बातों का मजा ले रहा था। मन को अप्रिय लगे, ऐसा कुछ नहीं था वहां। भोजन ऐसा नहीं था कि जायका खराब कर दे। मान-सम्मान में कमी नहीं थी। मालूम नहीं कि पड़ोसी होने के नाते या निकटता के कारण, मगर पूरी कॉलोनी में से अकेले हमें आमंत्रित किया गया, अंदर ही अंदर गौरवानुभूति थी।

इन स्थितियों में न मन को थकना चाहिए, न तन को। फिर भी थकान महसूस हो रही है तो क्यों? क्या कारण हो सकता है इसके पीछे? उम्र का असर मानें तब भी प्रश्न अपनी जगह खड़ा है कि बिना शारीरिक या मानसिक श्रम किए थका-थका क्यों महसूस करता हूं?

कुछ दिन पहले कर्मचारी संघ में साथ काम कर चुके और लगभग दस साल पहले सेवानिवृत्त हुए एक मित्र का दिल्ली से आना हुआ था। घर मिलने आए। मैं तपाक से गले मिला। गर्मजोशी से स्वागत किया। खुल कर बातें की। दो-तीन पुराने नेता साथ थे उनके। जाते-जाते एक ने कहा भी, 'देखकर खुशी होती है कि सेवानिवृत्ति ने आपके ऊपर कोई विपरीत असर नहीं डाला है। आप उतने ही चुस्त-दुरुस्त हैं जितने पहले हुआ करते थे।' मैं ठहाका लगा कर हंस दिया था।

लौटने के कोई एक घंटे बाद मित्र का फोन आया, 'बाकी लोग साथ थे इसलिए उस समय पूछा नहीं। सब कुछ ठीक है न?'

'ठीक तो है सब कुछ! आपको कुछ गलत लगा क्या?'

'गलत तो नहीं, मगर कुछ ठीक भी नहीं लगा।'

'कैसे? कैसे कहते हैं आप यह बात? मेरे व्यवहार में कोई बदलाव था?'

'ऊपर से तो सब कुछ ठीक था। मगर लगातार महसूस हो रहा था कि तुम पहले वाले व्यक्ति नहीं हो।'

'नहीं-नहीं। मैं वैसा ही हूं, जैसा पहले हुआ करता था। एक साथी ने आपके सामने यह बात कही भी थी।'

'हां, कही थी। मगर तुम जितने भी बनो, सच्चाई मुझसे छिपा नहीं सकते।'

'क्यों छिपाऊंगा सच्चाई आपसे, बताइए?'

'दूसरे लोग साथ थे इसलिए हो सकता है, मन को खोलना ठीक न लगा हो तुम्हें!'

मैंने नकली ठहाका लगाया, 'ऐसी कोई बात नहीं है। आप निश्चिंत रहिए।'

'ठीक है, तुम कहते हो तो मान लेता हूं।' उन्होंने ठहराव के साथ कहा।

किसी से क्या कहूं? किसी को क्या बताऊं? मुझमें परिवर्तन आया है। मेरी सामर्थ्य, काम करने की शक्ति, शरीर और मन की ताकत कम हुई है। अहसास के बावजूद न मुझे इसका कारण मालूम है और न मैं इसे स्वीकार करने की मनःस्थिति में हूं। बेफिक्री, चुस्ती, हाजिरजवाबी, चुनौती स्वीकार करने की प्रवृत्ति कुंद होने के संकेत गंभीरता से मानने को तैयार नहीं हूं। जो मुझे समझते हैं, स्वाभाविक है कि इस परिवर्तन को महसूस करेंगे। मित्र ने भी अगर पकड़ा और टोका तो आश्चर्यजनक नहीं मानना चाहिए। मित्र से कह दिया। अगर स्वयं से भी झूठ बोलूं, तो कौन रोक सकता है? गलत बयानी, पर्देदारी, लुकाछिपी और बच-बचाव करके मैं किसे धोखा दे रहा हूं? जो परिवर्तन महसूस होते हैं, उनके ऊपर काबिज होना संभव है क्या इस तरह?

पहले जितना प्रफुल्ल नहीं रहता हूं। कारण? शायद प्रफुल्लता का वातावरण नहीं है चारों ओर। एकरसता में दिन उगता है। एकरसता में डूब जाता है। किताबों, पत्र-पत्रिकाओं में जो सामग्री पढ़ता हूं, उसमें नयापन होता है। ऐसा बहुत कुछ पढ़ने को मिल जाता है, जो मेरी जानकारियों में इजाफा करता है। असहमति की स्थिति में सोच जिन बिंदुओं से साक्षात्कार कराता है, उससे मौलिकता का अहसास जागता है। ज्ञान में वृद्धि और चिंतन का विस्तार संयुक्त रूप से मुझे समृद्ध बनाते हैं।

किंतु पढ़ना, पढ़ना और सिर्फ पढ़ना, आखिर कब तक पढ़े कोई? कई बार पढने की इच्छा नहीं होती। किताबें, पठन सामग्री देख कर वितृष्णा-सी होने लगती है। उचाट मन से पढ़ा हुआ कुछ भी न आनंद देता है और न ठीक तरह से समझ में आता है। ऊब कर टीवी देखने लगता हूं या सीडी लगा कर देखने, सुनने लगता हूं। एकाध घंटे में मन उससे भी भर जाता है। समझ में नहीं आता, क्या करूं? कैसे समय व्यतीत करूं?

मनचाहा प्रफुल्लित करता है। अनचाहा कम या अधिक प्रताड़ित करता है। मन और शरीर की स्थिति में जो गिरावट महसूस होती है, उसकी जड़ में यह सिद्धांत तो नहीं है? जीवन भर जिन गतिविधियों में संलग्न रहा हूं, उनके कारण महत्त्व मिलता रहा है। महत्त्व का स्वाद मन में निरंतर बना रहा है। उस जायके के चलते वैशिष्ट्य बोध का एक घेरा नजर न आते हुए भी खुशबू की तरह अनुभव करता रहा हूं। यह अनुभूति इतनी ऊर्जा देती है शायद कि मन और बदन दोनों हवा की तरह संपूर्ण तरलता के साथ गतिशील रहते हैं। कभी ऊब नहीं होती। नीरसता नहीं आती। थकान नहीं लगती। समय की कमी नहीं अखरती। मुश्किल से मुश्किल काम भी बोझ नहीं बनता। सब कुछ इतनी खूबसूरती से होता जाता है कि महसूस ही नहीं होता, कोई प्रयत्न भी करना पड़ा है संपादित करने के लिए।

महत्त्व प्राप्ति की लालसा थी, तो उस रास्ते को क्यों छोड़ा जिस पर चल कर इच्छित मिलता था? सेवानिवृत्ति के बाद कर्मचारी संघ में पद पर बने रहना संभव नहीं था तो सलाहकार के रूप में ही सही, सक्रिय रहा जा सकता था। कुछ दिन पहले जो मित्र दिल्ली से आए थे, किसी न किसी रूप में जुड़े हुए हैं न कर्मचारी संघ से? मुझे तो केवल दो साल हुए हैं, वे पिछले दस वर्षों से अपनी उपस्थिति को दर्ज करा रहे हैं। मुझसे मिलने आते समय कर्मचारी संगठन के दो-तीन पुराने नेताओं का साथ होना इस बात का प्रमाण था कि उनका महत्त्व बरकरार है। मेरे लिए संभव नहीं होता क्या यह सब? मैंने न कोशिश की और न रुचि दिखाई। अब जब पिछड़ गया हूं तो अकेला, अनुपयोगी और व्यर्थ महसूस करते हुए तनावग्रस्त हो गया हूं। अकारण होने वाली थकान, खीझ, झुंझलाहट, असंतोष, ऊब की जड़ में यह अव्यक्त तनाव ही तो नहीं है?

भीड़ में रहना मुझे पसंद है। अब एकांत चुना है मैंने। लोग तारीफ करें। मेरी स्थिति और हैसियत के संदर्भ में उनमें ईर्ष्याभाव हो। विरोध करने वालों को निस्सहायता तथा कमतरी का अहसास कराने के लिए जरूरी खेल खेलता रहूं। कहीं जाऊं तो सामान्य आदमी जैसा व्यवहार न किया जाए। कहूं, चाहे न कहूं, मगर इससे मुझे सुख मिलता है। एकांत में रह कर आजकल जो कुछ मैं करता हूं वह जीवन भर की साध लगी होगी, पर सचमुच मेरा भ्रम है। सब कुछ छोड़ कर केवल पढ़ता रहूं, क्योंकि चाहते हुए भी कभी पढ़ने के लिए समय नहीं निकाल पाया, यह वहम है।

मुझे बाहर निकलना होगा इन भ्रमों और वहमों से। वही करना होगा जो मुझे सर्वाधिक प्रिय है। न सही कर्मचारी संघ की राजनीति, पर मोहल्ले की विकास समिति है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए काम करने वाली संस्थाएं हैं। सेवानिवृत्त कर्मचारी संगठन है। क्यों दूर जाता हूं? कालोनी के प्रवेश मार्गों पर दरवाजे लगवा कर सुरक्षा की दृष्टि से प्रहरी नियुक्त करने की चर्चा कई महीनों से विकास समिति में की जा रही है। धन जुटा कर इस व्यवस्था को लागू करने की बात बन नहीं पा रही है। संकेत मात्र देने की देर है, विकास समिति वाले हाथों-हाथ लेंगे। भले ही बासठ का हो गया हूं, पर मैं बूढ़ा नहीं हुआ हूं अभी। न मन से और न तन से।

मैं खड़ा हो जाता हूं। जोर से आवाज लगा कर पत्नी को कहता हूं, 'सुनती हो, मैं विकास समिति के अध्यक्ष से मिलने जा रहा हूं।' ❑

चित्र: श्रीगोपाल व्यास

अर्थ बदलते शब्द

भाषा प्रसंग

महेंद्र राजा जैन

हमारी भाषा में ऐसे कई शब्द हैं, जिनका अर्थ बिल्कुल बदल गया है, लेकिन उनमें जो पुराना अर्थ था उसकी शक्ति और प्रभविष्णुता अभी खोई नहीं है। आज शब्दों का निरंतर नया उपयोग एक ऐसी संकेत भाषा के रूप में किया जाता है, जिसके संकेतों की कुंजी दूसरे किसी के पास न हो। ऐसे बहुत से शब्द हैं और प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं, जिनका हम धड़ाधड़ इस्तेमाल करते हैं और उनके अर्थ की कोई जानकारी हमें नहीं है।

आजकल हर चीज हक्का-बक्का करने वाली जान पड़ती है। तकनीक प्रत्येक चीज में दखल दे रही है और राजनीति में नाटक के 'प्लाट' इतनी तेजी से बदलते हैं कि उन पर नियंत्रण रखना मुश्किल होता है। भ्रष्टाचार और घोटाला को व्यक्त करने के लिए अंग्रेजी के 'गेट' शब्द से ही कितने नए शब्द निकले हैं- वाटरगेट, फांटगेट, कोलगेट, मोनिकागेट, कैमिल्लागेट आदि। जो हो, यह बिलकुल संभव नहीं कि दिन-प्रतिदिन इस बदलते हुए विश्व में, नित नई घटनाओं के साथ भाषा भी तालमेल बिठाए रखे और बराबर नए शब्द देती रहे। अब भी बहुत-सी स्थितियां, गोचर विषय हैं, जिनको व्यक्त करने के लिए हिंदी और अंग्रेजी में कोई शब्द नहीं हैं। आपकी कॉफी पीने की आदत आपको कैंसर से छुटकारा दिला कर क्या आपको जीवन का आनंद लंबे समय तक लेने में सहायता करेगी या आपको अपने समाधि स्थल पर जल्दी भेजेगी? कुछ भी कहना मुश्किल है, क्योंकि विज्ञान इतनी तेजी से प्रगति कर रहा है कि आप उसका ओर-छोर नहीं पकड़ सकते। अगर आप भ्रमित हों तो एक शोध के अनुसार, जो लोग प्रति दिन तीन से चार कप तक कॉफी पीते हैं उनकी कॉफी न पीने वालों की अपेक्षा अकाल मृत्यु के शिकार होने की संभावना कम है। मगर चिंता की बात नहीं, आप एक सप्ताह तक इंतजार कीजिए। हो सकता है कि जल्दी ही कोई नया शोध सामने आए, जिससे इसके विपरीत स्थिति की पुष्टि हो। पर क्या इस प्रकार की स्थिति के लिए हिंदी में कोई शब्द है? एक व्यक्ति ने इसके लिए अंग्रेजी में 'कॉफयूज्ड' शब्द सुझाया है।

आज शब्दों को उनके सामान्य अर्थ से इतना भिन्न अर्थ दिया जाता है, लेकिन ऐसे ढंग से, जिससे एक नई रीति या परिपाटी भी बनती जाती है, जिसका लक्ष्य है एक आक्रामक भाव को बनाए रखना या संकट की स्थिति में 'हिस्टीरिया' की-सी स्थिति बनाए रखना। आप सरल से सरल शब्दों का प्रयोग करके भी एक अत्यंत क्लिष्ट वाक्य या पूरा का पूरा अनुच्छेद जटिल बना सकते हैं। आज जब शब्द को जन तक पहुंचने के साधन इतने विकसित हो गए हैं, शब्द को दूर-दूर तक पहुंचाया जा सकता है- यानी जब शब्द के उपयोग की संभावनाएं बहुत बढ़ गई हैं, तब उसके दुरुपयोग की संभावनाएं भी उसी अनुपात में बढ़ी हैं- इस खतरे को देखना और इसके प्रति सतर्क होना आवश्यक है। कई शब्द एक से अधिक अर्थ में इस्तेमाल होते हैं, बिना यह स्पष्ट किए कि कहां पर कौन-सा अर्थ आपके सामने है।

मध्य पूर्व यानी खाड़ी देशों का क्षेत्र अब भी एक अंधकारपूर्ण प्रदेश कहा जा सकता है। अमेरिका और ब्रिटेन न चाहते हुए भी उसे सभ्य, सुसंस्कृत बनाने की कोशिश में हैं। लेकिन वहां के तानाशाहों, धार्मिक कट्टरपंथियों और मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाओं के बावजूद एक अपवाद भी है- सऊदी अरब। हज की भूमि और मरुस्थल में जनतंत्र का आकाश दीप। जब लोगों द्वारा नहीं चुना गया कोई नेता अपने दुश्मनों का सफाया करता है, तो उसे निरंकुश शासन कहा जाता है, पर हमारा कोई संपन्न मित्र यही करता है तो हम उसे 'सुधार' कहते हैं। जब कोई भयंकर युद्ध करता है, तो दुनिया भर के देश 'मानवाधिकार उल्लंघन' मान कर उसकी भर्त्सना करते हैं, लेकिन सभी उसे शस्त्रास्त्र बेचने की होड़ में आगे बढ़ते नजर आते हैं और जब वह देश सैनिक शस्त्रास्त्र खरीदने पर धन लुटाता है, तो यह अलग बात है। जैसे कि ब्रिटेन ने पिछले वर्ष के पहले छह माह में एक अरब पौंड से भी अधिक के शस्त्रास्त्र सऊदी अरब को बेचे। इस स्थिति को आप किस शब्द से व्यक्त करेंगे?

अब आप उस स्थिति की कल्पना करें कि कोई व्यक्ति आपकी दृष्टि में कुछ ऐसा कर रहा है, जिससे आपको बड़ी घबराहट हो रही है और उसे इसका ज्ञान नहीं है, पर आप कुछ कह नहीं पाते। इसे आप क्या कहेंगे? इसी प्रकार की और भी स्थितियां होती हैं, जिन्हें आप शब्दों में व्यक्त नहीं कर पाते, क्योंकि उसके लिए आपको कोई उपयुक्त शब्द नहीं सूझता। क्या कोई शोध कर ऐसे शब्दों की सूची बनाएगा?

दूसरी भाषाओं से हम जो शब्द ग्रहण करते हैं, वे घिस-पिट कर कोई ऐसा रूप ले लेते हैं जो हमारे हो जाते हैं और हमारे हो जाने के बाद अगर हमें कोई बताता है कि हमने विदेशी भाषा से ये शब्द लिए हैं तो हमें आश्चर्य होता है, जैसे अंग्रेजी के 'लेंटर्न' के लिए हिंदी में 'लालटेन'। अज्ञेय ने 'रेस्तरां' शब्द के संबंध में रोचक टिप्पणी की है- रेस्तोरां, रेस्तरां, रेस्टारेंट।... इटली में चलता है रिस्तोरान्ते, ईरान में हो गया है रिस्तूरान- यहां क्या दिक्कत है अगर हम कहें 'रसतुरंत'?' 'रेस्त्रां' से तो कम ही अपभ्रष्ट है और है भी तो एक नई सार्थकता पा गया है।

कालिन्स डिक्शनरी के नए संस्करण में जो नए शब्द शामिल किए गए हैं उनमें 'ब्रेग्जिट' को सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण माना गया है। पिछले चालीस वर्षों में इसे राजनीतिक भाषा का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण शब्द माना गया है। इस शब्द का प्रयोग सबसे पहले 2013 में किया गया था, पर जून 2016 में ब्रिटेन के यूरोपीय संघ में रहने/ न रहने के प्रश्न पर किए गए जनमत के बाद इसके प्रयोग में अप्रत्याशित रूप से चौंतीस सौ प्रतिशत की वृद्धि हुई। जिस प्रकार अमेरिकी राजनीति में 'वाटरगेट स्कैंडल' ने किसी भी प्रकार की बड़ी दुर्घटना के अंत में 'गेट' उपसर्ग लगाने की शुरुआत की, उसी प्रकार 'ब्रेग्जिट' ने 'एग्जिट' की शुरुआत की है। 'ट्रंपिज्म' भी एक ऐसा ही शब्द है, पर ट्रंप ऐसे पहले व्यक्ति नहीं हैं, जिनके नाम पर राजनीति में किसी नए शब्द का जन्म हुआ। ब्रिटेन में प्रधानमंत्री मार्गरेट थैचर के नाम पर 'थैचरिज्म' (थैचरवाद) और अमेरिका में राष्ट्रपति रीगन के नाम पर चला 'रीगोनोमिक्स' भी ऐसे ही शब्द हैं।

लोग किसी शब्द को क्यों पसंद या नापसंद करते हैं। इसके हमेशा दो कारण होते हैं। एक तो है उसका अर्थ और दूसरा है उसकी ध्वनि। इन दोनों को अलग-अलग करना आसान नहीं है। ध्वनि पर ध्यान केंद्रित करते हुए किसी शब्द के अर्थ को आप अगर निकाल कर उसके किसी पर्यायवाची शब्द को रखना चाहें तो इससे आपकी पसंद-नापसंद का पता चलेगा। जो शब्द आप नापसंद करते हैं, उसे दूसरे वर्ग के लोग पसंद कर सकते हैं। नापसंद किए जाने वाले शब्दों में अधिकतर प्रायः छोटे- दो, तीन या चार अक्षरों वाले- होते हैं। इसके विपरीत जिन शब्दों का अर्थ रुचिकर या कम से कम तटस्थ होता है, भले ही उनकी ध्वनि कर्णप्रिय न हो, उन्हें भी लोग पसंद करते हैं। ❑

चित्र: श्रीगोपाल व्यास

रथ चढ़ि आए जगन्नाथ

शास्त्री कोसलेंद्रदास

संस्कृति

पुराणों ने जिन सात नगरियों को मोक्ष देने वाली माना है, उनमें एक है पुरी यानी जगन्नाथ पुरी। पुरी में परमात्मा श्रीकृष्ण ही जगन्नाथ स्वरूप में विराजमान हैं। स्कंद पुराण कहता है, 'यह भूमि धन्य है, जहां संसार के स्वामी स्वयं शरीर धारण करके न केवल बैठे हैं, बल्कि उन्होंने इसे अपने ही नाम से 'जगन्नाथ पुरी' के रूप में प्रसिद्ध कर दिया है।' अथर्ववेद से लेकर ब्रह्म पुराण तक सारे ग्रंथों में भगवान जगन्नाथ की अनुपम महिमा का वर्णन है। जगन्नाथ शब्द का तात्पर्य है, संसार के स्वामी। वे भगवान जगन्नाथ ही प्रतिवर्ष आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष यानी उजियाले पखवाड़े की द्वितीया तिथि को बड़े भाई बलराम और छोटी बहन सुभद्रा के साथ रथ में विराजमान होकर जीव और ईश्वर की दूरी को पाट देते हैं। हर कोई उनके लकड़ी से बने रथ को अपनी शक्ति के अनुसार खींच कर उसे आगे बढ़ाता है। वे कभी रुक जाते हैं तो कभी आगे बढ़ जाते हैं। खुले आसमान के नीचे वर्षा में भीगते हैं तो कभी तेज धूप में गहरे चमकते हैं। फूल-पंखुड़ियों के सौरभ के बीच भगवान जगन्नाथ प्रतिवर्ष अपनी यात्रा पर निकलते हैं और मानव समाज को आनंद प्रसाद बांटते हैं।

भक्ति संवेदना में भगवान की प्रतिमा को 'ठाकुरजी' कहा जाता है, जो शताब्दियों पुरानी परंपरा है। भक्ति परंपरा के महान संत रामानुजाचार्य ने ईश्वर के पांच भेद बताए, जिनमें एक 'अर्चावतार' है। अर्चावतार का मतलब घर-मंदिरों में विराजमान भगवान की प्रतिमा से है। ये अर्चावतार विग्रह भक्त के अधीन होते हैं। भक्तों के इनसे बोलने-सुनने और खाने-खिलाने जैसे सारे संबंध होते हैं। अर्चावतार भक्तों से साक्षात सेवा ग्रहण करते हैं। इसी भक्ति धारा में भगवान जगन्नाथ अर्चावतार रूप में रथ पर विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देते हैं।

रथ यात्रा महोत्सव की शुरुआत में देवताओं को मंदिर से बाहर लाया जाता है और उन्हें संबंधित रथों में विराजमान किया जाता है। देवताओं को मंदिर के गर्भगृह से बाहर लाकर पारंपरिक धार्मिक विधान से रथों तक ले जाया जाता है। सबसे पहले चक्रराज सुदर्शन, उसके बाद हलधर बलभद्र फिर सुभद्रा और सबसे अंत में भगवान जगन्नाथ।

तीन रथ, तीन नाम

तीन रथों के भिन्न-भिन्न नाम हैं। जिस रथ में भगवान जगन्नाथ विराजते हैं, वह 'नंदीघोष' नाम से जाना जाता है। भगवान बलभद्र के रथ को 'तालध्वज' कहते हैं। सुभद्रा 'देवदलन' रथ में विराजती हैं। चक्रराज सुदर्शन के विग्रह को सुभद्रा के साथ उनके रथ में विराजमान किया जाता है। भगवान जगन्नाथ के प्रतिरूप में मदनमोहन भगवान को जगन्नाथ के रथ में स्थान दिया जाता है। धातु से बने भगवान श्रीराम और कृष्ण के दो मधुर यानी छोटे विग्रह बलभद्र के रथ में बिठाए जाते हैं। इस प्रकार वास्तव में सात देवता जगन्नाथ, बलभद्र, सुभद्रा, सुदर्शन, मदनमोहन, राम और कृष्ण को तीन रथों पर बैठाया जाता है और उन्हें 'गुंडिचा घर' तक ले जाया जाता है। यह जगन्नाथ मंदिर से लगभग तीन किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। बलभद्र का रथ सबसे पहले खींचा जाता है, बाद में सुभद्रा और अंत में भगवान जगन्नाथ।

पांचवें दिन हेरा पंचमी

अगर पहले दिन रथ 'गुंडिचा घर' तक नहीं पहुंच पाते हैं, तो उन्हें अगले दिन फिर से खींचा जाता है। सप्ताह भर तक 'गुंडिचा घर' में विराजे रहने के बाद नौवें दिन देव विग्रह फिर से जगन्नाथ मंदिर के सिंहद्वार क्षेत्र में लाए जाते हैं। इस बीच पांचवें दिन एक महत्त्वपूर्ण अनुष्ठान होता है, हेरा पंचमी। यह पर्व अपने भाई-बहन के साथ रथारूढ़ होकर मंदिर छोड़ आए भगवान से नाराज हुई माता महालक्ष्मी से जुड़ा है। महाप्रभु से नाराज महालक्ष्मी सखियों के संग शरधा बाली (श्रद्धावलि) तक आती हैं। लक्ष्मी की उत्सव प्रतिमा को गाजे-बाजे के साथ गुंडिचा मंदिर तक ले जाया जाता है, जहां भगवान जगन्नाथ द्वारा रथयात्रा में अपने को साथ न ले जाने से गुस्साई लक्ष्मी प्रतीक के तौर पर नंदिघोष रथ का एक हिस्सा तक तोड़ देती हैं। मानवीय लीला के लिए प्रसिद्ध भगवान जगन्नाथ से जुड़ा हेरा पंचमी महत्त्वपूर्ण उत्सव है। रथ को तोड़ने के बाद महालक्ष्मी पुनः श्रीमंदिर लौट आती हैं। महालक्ष्मी का विमान हेरा साही होते हुए मंदिर लौटने के कारण इस तिथि को 'हेरा पंचमी' कहा जाता है।

देवशयनी एकादशी पर आराधना भोग

दसवें दिन आषाढ़ की शुक्ल पक्ष एकादशी होती है। इस दिन शाम को देवताओं को सोने के आभूषणों से सुसज्जित किया जाता है। उन्हें सिंहद्वार क्षेत्र में लाने के लिए भव्य और आकर्षक कपड़े पहनाए जाते हैं। इसी दिन वैदिक और पौराणिक अनुष्ठान होता है। यह दिन हरिशयनी एकादशी है, जिसे आम बोलचाल में देवशयनी एकादशी बोलते हैं। 'शतपथ-ब्राह्मण' के अनुसार इस दिन से चातुर्मास व्रत-अनुष्ठान शुरू होता है। देवताओं का शयन काल प्रारंभ होता है, जो चार महीने चलता है। बारहवें दिन भगवान जगन्नाथ को 'आराधना भोग' भेंट किया जाता है। इसमें उन्हें मीठा पेय चढ़ाया जाता है। अगले दिन की शाम को अनगिनत भक्तों की भीड़ के बीच पारंपरिक जुलूस में देवताओं को मंदिर में ले जाकर स्थापित किया जाता है।

भिन्न-भिन्न रंगों में रंगे रथ

वंशानुगत विशेषाधिकार प्राप्त लोगों द्वारा बलभद्र, सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के लिए तीन रथों का निर्माण हर साल नई लकड़ी से किया जाता है। भगवान जगन्नाथ का रथ पैंतालीस फीट ऊंचा और पैंतालीस फीट चौड़ा होता है, जिसमें सोलह पहिए होते हैं। प्रत्येक का फैलाव सात फीट का है। यह रथ लाल और पीले कपड़ों से अलंकृत होता है। भगवान जगन्नाथ को कृष्ण ही माना जाता है, इस नाते उन्हें 'पीतांबर' नाम से पुकारा जाता है। वे रथ में सुनहरे पीले वस्त्र धारण कर विराजमान होते हैं। यहां तक कि रथ की छतरियों को पीली बंदनवारों और ध्वजा-पताकाओं से सजाया जाता है। इस मनोहारी उत्सव का नजारा कई दिनों पहले से जम जाता है। भगवान बलभद्र के तालध्वज रथ पर लगे झंडे में वृक्ष की आकृति होती है। चौदह पहिए होते हैं। प्रत्येक का व्यास सात फीट होता है। रथ लाल और नीले कपड़े से ढंका होता है, जिसकी ऊंचाई चौवालीस फीट होती है। बारह पहियों वाला सुभद्रा का रथ तिरालीस फीट ऊंचा होता है। इस रथ को लाल और काले कपड़े से सुसज्जित किया जाता है, जिसे पारंपरिक रूप से लोग शक्ति और मातृका देवी के साथ जोड़ते हैं। शक्ति का रंग लाल और योगिनियों का वर्ण काला है। प्रत्येक रथ में भिन्न-भिन्न सारथी होते हैं। भगवान जगन्नाथ के सारथी मातलि हैं। बलभद्र के दारुक और सुभद्रा के सारथी अर्जुन होते हैं।

बारह साल में नवशरीर-उत्सव

रथयात्रा आने-जाने वाला काल मात्र नहीं है, बल्कि यह पूरा अनुष्ठान है, जो लगभग वर्ष भर चलता है। परंपरागत रूप से माघ शुक्ल पंचमी को मनाई जाने वाली बसंत पंचमी के दिन से रथ निर्माण के लिए लकड़ियों का आना शुरू हो जाता है। शगुन के तौर पर मंदिर में लकड़ी का पहला गुरु वसंत पंचमी को ही आता है। पर रथों का निर्माण अक्षय तृतीया से शुरू होता है। इस प्रकार पूरे दो महीनों में रथ बन कर तैयार हो जाते हैं। यात्रा के लिए हर साल नए रथ बनाए जाते हैं। पर रथों में लगने वाले लकड़ी के घोड़े, सारथी और रथों को सजाने वाले छोटे देवताओं को बारह वर्षों में एक बार बनाया जाता है। भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की लकड़ी की प्रतिमा बारह सालों में एक बार बनाई जाती है। इस प्रकिया के अनुष्ठान को 'नवशरीर-उत्सव' कहा जाता है। यह समारोह पिछली बार 2015 में मनाया गया था। इन लकड़ियों की व्यवस्था सरकारी स्तर पर होती है। पर यह अलौकिक चमत्कार है कि भगवान जगन्नाथ समेत दूसरी प्रतिमाओं के निर्माण के लिए उपयोग में आने वाली काष्ठ समुद्र में बह कर खुद ही यथासमय किनारे लग जाती है।

मंदिर के रहस्य

- मंदिर के पास हवा की दिशा हैरान करती है। समुद्री तटों पर हवा समुद्र से जमीन की तरफ चलती है लेकिन, पुरी में हवा जमीन से समुद्र की तरफ चलती है।
- मंदिर के शिखर की कोई छाया या परछाई कभी नहीं होती है।
- जगन्नाथ मंदिर के ऊपर कोई भी पक्षी उड़ता हुआ नहीं देखा गया। मंदिर के ऊपर से विमान उड़ाना भी निषेध है।
- जगन्नाथ मंदिर के रसोईघर को दुनिया का सबसे बड़ा रसोईघर माना जाता है। मान्यता है कि कितने भी श्रद्धालु आ जाएं, यहां अन्न कभी खत्म नहीं होता।
- मंदिर की रसोई में प्रसाद पकाने के लिए सात बर्तन एक-दूसरे के ऊपर रखे जाते हैं। यह प्रसाद मिट्टी के बर्तनों में लकड़ी से पकाया जाता है। इस दौरान सबसे ऊपर रखे बर्तन का पकवान पहले पकता है फिर नीचे की तरफ से एक के बाद एक प्रसाद पकता जाता है।
- इस मंदिर के शिखर पर लगे सुदर्शन चक्र को कहीं से भी देखें तो वह सीधा ही नजर आता है।
- मंदिर के ऊपर लगा ध्वज हमेशा हवा की विपरीत दिशा में लहराता रहता है।
- मंदिर में मूर्तियां काष्ठ की बनी हुई हैं। हर बारहवें वर्ष में ये नई बनाई जाती हैं, लेकिन इनका आकार और रूप वही रहता है।
- मंदिर सातवीं सदी में बनवाया गया, जो अब तक तीन बार खंडित हुआ है। 1174 ईस्वी में महाराज अनंगभीम देव ने इसका जीर्णोद्धार करवाया। ■

बिधान चंद्र राय

जन्म : 1 जुलाई, 1882
निधन : 1 जुलाई, 1962

शख्सियत

बिधान चंद्र राय भारतीय चिकित्सक, शिक्षाविद, स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता थे। वे पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री भी रहे। उनके जन्मदिन यानी एक जुलाई को देश में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस (डॉक्टर्स डे) के रूप में मनाया जाता है।

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

बिधान चंद्र राय का जन्म पटना के बांकीपुर में हुआ। उनके पिता प्रकाश चंद्र राय एक्साइज इंस्पेक्टर थे। उनकी माता एक सामाजिक कार्यकर्ता थीं। बिधान पांच भाई-बहनों में सबसे छोटे थे। उनका प्रारंभिक जीवन अभावों में बीता। उन्होंने पटना कॉलेजिएट स्कूल से मैट्रिक की परीक्षा पास की। इंटरमीडिएट की पढ़ाई कोलकाता से और पटना विश्वविद्यालय से गणित में स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की। डिग्री लेने के बाद उन्होंने मेडिकल की प्रवेश परीक्षा पास की और कलकत्ता मेडिकल कॉलेज में दाखिला लिया। एमबीबीएस डिग्री के बाद बिधान इंग्लैंड के सेंट बार्थोलोम्यू अस्पताल से मेडिसिन में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त करना चाहते थे। एशियाई मूल का होने के कारण प्रवेश के लिए उनका आवेदन तीस बार अस्वीकृत हुआ। बड़ी कठिनाई से उन्होंने न सिर्फ सेंट बार्थोलोम्यू अस्पताल में दाखिला लिया, बल्कि दो साल तीन महीने में ही स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की।

करिअर

इंग्लैंड से लौटने के बाद उन्होंने सबसे पहले कलकत्ता मेडिकल कॉलेज, बाद में कैंपबेल मेडिकल स्कूल और फिर कारमाइकल मेडिकल कॉलेज में पढ़ाया। वे इस कॉलेज के अध्यक्ष एवं जीवन पर्यंत 'प्रोफेसर ऑफ मेडिसिन' रहे। कलकत्ता और इलाहबाद विश्वविद्यालयों ने डॉ राय को डीएस-सी. की सम्मानित उपाधि प्रदान की थी।

समाज सेवा और राजनीति

बिधान चंद्र राय का मानना था कि स्वराज एक सपना ही रहेगा, जब तक कि लोग स्वस्थ और मजबूत नहीं होंगे। इसी सोच के साथ उन्होंने कई अस्पतालों और मेडिकल कॉलेज की नींव रखने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। महिलाओं को नर्सिंग और सोशल वर्क में प्रशिक्षण देने के लिए ट्रेनिंग सेंटर की स्थापना की। इसके अलावा उन्होंने लोकहित में अनेक कार्य किए। डॉ राय ने 1925 में राजनीति में प्रवेश किया। वे बंगाल विधान परिषद के चुनाव में बैरकपुर निर्वाचन क्षेत्र से स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में खड़े हुए और सुरेंद्रनाथ बनर्जी जैसे दिग्गज राजनेता को पराजित किया। 1928 में उन्हें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के लिए चुना गया। डॉ. राय ने 1929 में कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य के रूप में सविनय अवज्ञा आंदोलन में जेल यात्रा भी की। वे सालों तक कलकत्ता कॉर्पोरेशन के सदस्य रहे तथा 1931 से 1933 तक कलकत्ता के मेयर के रूप में कार्य किया। मेयर के पद पर रहते हुए उन्होंने मुफ्त शिक्षा, मुफ्त चिकित्सा सहायता, बेहतर सड़कें, रोशनी और जल आपूर्ति के लिए काफी काम किया। 23 जनवरी, 1948 को वे बंगाल के मुख्यमंत्री निर्वाचित हुए और जीवन पर्यंत इस पद पर बने रहे।

उपलब्धियां और सम्मान

डॉ. बिधान चंद्र राय राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं के सदस्य और अध्यक्ष पद पर रहे। देश के औद्योगिक विकास, चिकित्सा जगत और शिक्षा की उन्नति में उनका महत्त्वपूर्ण योगदान रहा। 1961 में चिकित्सा के क्षेत्र में उनकी महान उपलब्धियों और देश को प्रदत्त महती सेवाओं के लिए उन्हें देश के प्रतिष्ठित पुरस्कार 'भारत रत्न' से विभूषित किया गया। यही नहीं, 1962 में बीसी राय राष्ट्रीय पुरस्कार की स्थापना भी की गई। यह पुरस्कार चिकित्सा, राजनीति, विज्ञान, दर्शन, साहित्य और कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। ■

पतोड़ और पतोड़े

भारतीय भोजन पद्धति की यह बड़ी खूबी है कि यहां के हर इलाके में न सिर्फ भिन्न-भिन्न प्रकार के व्यंजन बनाए जाते हैं, बल्कि यह भी कि एक ही चीज से बनने वाले व्यंजन इलाके बदलने के साथ-साथ अपनी रंगत और खुशबू भी बदल लेते हैं। इस तरह भोजन बनाते समय एक ही तरह के व्यंजन को अलग-अलग इलाकों के ढंग से बना और खा सकते हैं। बेसन से बनने वाली सब्जियों में यह विविधता और प्रयोग खूब दिखता है, क्योंकि बेसन से सब्जियां हर कहीं बनती हैं। इस बार कुछ ऐसी ही सब्जियों के बारे में बात करते हैं।

दाना-पानी

मानस मनोहर

पतोड़

यह बेसन से बनने वाली एक प्रकार की राजस्थानी सब्जी है। इसे बनाने का तरीका कुछ-कुछ गट्टे बनाने जैसा है, पर इसका स्वाद और खुशबू भिन्न होती है। हालांकि इस तरह की रसेदार सब्जी देश के हर हिस्से में किसी न किसी रूप में बनाई और खाई जाती है, पर पतोड़ थोड़ा अलग बनती है।

राजस्थान में बेसन से बहुत सारे व्यंजन बनते हैं, खासकर इससे सब्जियां जितनी राजस्थान में बनती होंगी, उतनी शायद ही कहीं बनती होंगी।

पतोड़ बनाने के लिए एक से डेढ़ कप चने का बेसन लें। उसमें एक छोटा चम्मच लाल मिर्च, चुटकी भर हींग, आधा चम्मच अजवाइन और आधा चम्मच हल्दी पाउडर और जरूरत भर का नमक डालें। बेसन से चूंकि गैस बनती है, कब्ज की समस्या हो सकती है, इसलिए इसमें अजवाइन और हींग जरूर डालना चाहिए। अब इसमें पानी डाल कर इन सारी चीजों को ठीक से फेंट लें। ध्यान रखें कि बेसन में गांठ न रहने पाए।

अब एक कड़ाही या पैन गरम करें। आंच मध्यम रखें। उसमें बेसन का घोल डालें और कलछी से लगातार चलाते हुए गाढ़ा करें। इसे चलाना बंद नहीं करना चाहिए, नहीं तो गांठें बनने की आशंका रहती है। जब घोल इतना गाढ़ा हो जाए कि उसे फैलाने पर ठंडा होकर बरफी काटने जैसा हो जाए, तो आंच बंद कर दें।

इस घोल को एक पटरे या थाली को पलट कर मोटी परत में फैला दें। ठंडा होने के लिए छोड़ दें। तब तक इसकी ग्रेवी बनाने की तैयारी कर लें। पतोड़ की ग्रेवी बनाने के लिए लहसुन-प्याज की जरूरत नहीं पड़ती। इसे सिर्फ दही और टमाटर में बनाया जाता है। इसके लिए दो कप दही लें और उसमें एक से डेढ़ चम्मच कुटी लाल मिर्च, एक चम्मच धनिया पाउडर, एक चम्मच गरम मसाला, आधा चम्मच हल्दी पाउडर डालें और सारी चीजों को ठीक से फेंट कर मिला लें। इसे अलग रख दें।

दो टमाटरों को बारीक काट या कद्दूकस कर लें। कड़ाही में तीन चम्मच सरसों का तेल गरम करें। उसमें जीरा, थोड़े से धनिया के दाने, अजवाइन और हींग का तड़का दें। फिर कटे हुए टमाटरों को डाल कर मध्यम आंच पर तब तक चलाते हुए पकाएं, जब तक कि वह तेल न छोड़ दे। अब इसमें फेंटा हुआ दही डालें और लगातार चलाते हुए पकाएं। इसे लगातार चलाना जरूरी है, नहीं तो दही फट जाएगा। जब उबाल आने लगे, तो आंच धीमी कर दें।

अब फैलाए हुए बेसन को चौकोर या काजू कतली जैसे आकार में मनचाहा काट लें। इन टुकड़ों को ग्रेवी में डालें और पांच से सात मिनट तक पकाएं। जब ग्रेवी गाढ़ी हो जाए, तो आंच बंद कर दें। ऊपर से एक चम्मच गरम मसाला और डालें और ठीक से मिला दें। हरा धनिया डाल कर सजाएं। यह सब्जी थोड़ी तीखी होती है। इसे रोटी, परांठा या चावल किसी के भी साथ खा सकते हैं।

अरबी पत्ते के पतोड़े

यह अरबी के पत्तों की सब्जी खाने का मौसम है। इस समय अरबी के नरम पत्ते आते भी हैं। बेसन के साथ अरबी पत्तों के पतोड़े बहुत स्वादिष्ट बनते हैं।

पतोड़े बनाने के लिए अरबी के मुलायम पत्ते लेने चाहिए। पत्तों को ठीक से धोकर कपड़े से पोंछ लें। इन्हें उल्टा करके सब्जी काटने वाले पटरे पर एक-एक कर बिछाएं और बेलन से दबाते हुए रोटी की तरह बेल कर उनकी मोटी धारियों को नरम कर लें। अब एक कटोरे में बेसन लें। बेसन की मात्रा आप अरबी के पत्तों के हिसाब से तय कर सकते हैं। इस बेसन में एक चम्मच गरम मसाला, थोड़ा हल्दी पाउडर, एक चम्मच लाल मिर्च पाउडर, चुटकी भर हींग, एक से डेढ़ चम्मच अमचूर पाउडर और अजवाइन डाल कर ठीक से मिला लें। फिर थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए एक दिशा में चलाते हुए गाढ़ा घोल बनाएं। घोल ऐसा हो, जो अरबी के पत्तों पर आसानी से चिपक जाए और बाहर न फैले।

पत्तों को फैलाएं और उन पर बेसन के घोल की परत चढ़ाएं। इस तरह एक के ऊपर दूसरा रखते हुए बेसन की परत चढ़ाएं और फिर उन्हें लपेटते हुए बेलनाकार बना लें। इडली मेकर में पानी गरम करें। इडली मेकर न हो तो कुकर की सीटी निकालें और उसके तले में पानी डालें। बीच में एक कटोरी रखें और उसके ऊपर एक प्लेट में इन लिपटे हुए पत्तों को रख कर भाप में पका लें। पत्ते पक जाएं तो कुकर से बाहर निकालें। ठंडा होने दें। फिर इन्हें पकौड़ों की तरह गोल-गोल काट लें।

इन पतोड़ों को चाहें तो पकौड़े की तरह खा सकते हैं। इसके लिए एक पैन में हल्का तेड़ डालें और उन टुकड़ों को कुरकुरा होने तक तल लें। चटनी के साथ परोसें। चाहें तो पतोड़ की तरह ग्रेवी बनाएं और उसमें इन्हें डाल कर एक उबाल आने तक पका लें। इसे रोटी, परांठे आदि के साथ भी खा सकते हैं। ■

बरसात में बालों की देखभाल

सेहत

बारिश का मौसम भला किसे नहीं भाता होगा! पर इस मौसम में कई लोगों को त्वचा और बालों की चिंता सताती रहती है। भला क्यों हम अपने टूटते बालों को देख कर दुखी हो जाते हैं और इस मौसम का मजा नहीं ले पाते।

अगर आप भी कुछ ऐसी ही परेशानियों से जूझ रहे हैं, तो बालों की देखभाल के लिए कुछ आसान से नुस्खे आजमाने के बाद आपको मानसून से समझौता नहीं करना पड़ेगा और आप बारिश की बूंदों का खुल कर मजा ले सकेंगे।

गुनगुने तेल की मालिश

बालों की जड़ों में तेल की मालिश करना हर मौसम में अच्छा होता है। नारियल के तेल को गुनगुना करके बालों की जड़ों में लगाएं और हल्के हाथों से मालिश करें। सिर में मालिश से नींद भी अच्छी आती है। गुनगुना तेल बालों की नमी को बरकरार रखने के साथ हाइड्रेड भी करता है। हालांकि ऐसा सप्ताह में एक या दो बार ही करें। क्योंकि इस मौसम में सिर पहले से ही तैलीय होता है।

एलोवेरा जेल

इस मौसम में वातावरण में नमी होने के कारण बाल बेजान और रूखे नजर आते हैं। बालों में जान डालने के लिए एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करें। एलोवेरा जेल को अंगुलियों के पोर से बालों की जड़ों में लगाएं और कुछ समय बाद धो लें। इससे सिर के त्वचा की सफाई अच्छे से हो जाती है।

एक दिन बाद करें शैंपू

बरसात में बालों को साफ रखना बेहद आवश्यक है। इस मौसम में बालों के प्रति जरा-सी लापरवाही फंगस और दूसरे त्वचा रोगों को निमंत्रण देने जैसा है। सिर की त्वचा को साफ रखने के लिए सप्ताह में दो से तीन बार शैंपू करें। शैंपू के लिए माइल्ड (हल्के) शैंपू का प्रयोग करें। माइल्ड शैंपू बालों को पोषण देगा और बालों का झड़ना रोकेगा। सल्फेट और सोडियम क्लोराइड मुक्त शैंपू का उपयोग करें।

शैंपू करते समय पानी के तापमान का भी खयाल रखें। ज्यादा गरम पानी से सिर को धोने से बचना चाहिए। कारण कि इससे सिर की त्वचा रूखी हो जाती है, जिससे बाल टूटने और झड़ने लगते हैं।

बालों को गीला न छोड़ें

शैंपू या बारिश में गीले हो चुके बालों को तौलिए से अच्छी तरह पोंछ कर सुखा लें। अगर बालों को पूरी तरह सुखाए बिना बांधेंगे, तो उनमें बदबू आ जाएगी। बालों को तौलिए से रगड़ कर कभी न सुखाएं, इससे बालों की जड़ें कमजोर होती हैं।

कंडिशनर का इस्तेमाल जरूर करें

शैंपू के बाद कंडिशनर का इस्तेमाल जरूरी है। बालों को पोषण देने, मजबूत बनाने और बालों को झड़ने से बचाने के लिए हेयर फॉल रेस्क्यू कंडिशनर ही सही रहेगा। कंडिशनर लगाते समय इसे अच्छी तरह फैलाने के लिए चौड़े दांतों वाली कंघी का इस्तेमाल करें। कंडिशनिंग से बाल खिल जाते हैं और उनमें उलझन नहीं पड़ती, जिससे बालों का टूटना कम होता है।

खानपान में सुधार करें

बरसात में तली-भुनी चीजें खाना थोड़ा कम कर दें। साथ ही कैफीन वाले खाद्य पदार्थों के सेवन से बचें। बारिश के मौसम में बालों के झड़ने से निपटने के लिए अपने आहार में ताजे फल, पत्तेदार सब्जियां, साबुत अनाज और प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ शामिल करें। इसके अलावा दिन के दौरान कम से कम आठ से बारह गिलास पानी पिएं।

कम करें कॉस्मेटिक का इस्तेमाल

इस मौसम में जितना हो सके बालों में कॉस्मेटिक के इस्तेमाल बचें, जैसे कि जेल और स्टाइलिंग क्रीम से बचना चाहिए। हॉट स्टाइलिंग टूल्स का भी बालों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, इससे बालों की जड़े कमजोर होती है। ऐसे में पार्लर में हर बार हॉट स्टाइलिंग टूल्स के प्रयोग से बचना चाहिए।

कुछ और नुस्खे

- बालों को पांच से छह हफ्ते में ट्रिम (कांटे-छांटे) करें। ऐसा करने से मृत बाल निकल जाते हैं और उनकी जगह नए बाल उग आते हैं।
- बालों को पोषण देने के लिए घरेलु नुस्खों का ही इस्तेमाल करें। बालों में अंडे के मास्क और कंडिशनर के तौर पर नींबू का प्रयोग कर सकते हैं।
- प्रोटीन से भरपूर आहार, ओमेगा 3 फैटी एसिड और बायोटिन बालों के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।
- अगर आप चाहते हैं कि बारिश में भी आपके बाल लहराएं और चमकें तो बालों में हफ्ते में एक बार दही का इस्तेमाल जरूर करें। इससे न सिर्फ नए बाल उगते हैं, बल्कि बालों में चमक भी बनी रहती है। ■

जब बदरा बरसे रिमझिम रिमझिम

इस मौसम में जहां उमस भरी गरमी लोगों के पसीने छुड़ा देती है, वहीं बादल कब बूंद बन कर बरस जाएं, इसकी खबर ही नहीं होती। ऐसे में दफ्तर या फिर बाजार के लिए भला कोई क्या पहन कर निकले। खासकर जूतों के मामले में इस मौसम में यह दुविधा अधिक रहती है। अगर आपने अब तक अपने जूतों की तैयारी नहीं की है, तो यही सही समय है इस बारे में सोचने का। बाजार में इन दिनों तरह-तरह के जूते-चप्पलों की भरमार है, जो मौसम और आपकी सुविधा तथा आराम को ध्यान में रख कर तैयार किए गए हैं। इस बारे में जानकारी दे रही हैं पूनम मिश्रा।

बरसात की उमस भरी गरमी से बचने के लिए आलमारी में पूरी बाजू और गाढ़े रंग के कपड़ों की जगह सूती, बिना बाजू वाले और हल्के रंग के कपड़ों ने जगह बना ली है। लेकिन इस मौसम में पैरों में क्या पहना जाए, कुछ समझ नहीं आता है। बरसात में जहां देखो कीचड़, पानी और फिसलन होती है, जिससे चलने में परेशानी होती है। बावजूद इसके दफ्तर या किसी समारोह में कुछ भी पहन कर नहीं जाया जा सकता है।

जूते-चप्पल केवल हमारे पैरों की सुरक्षा नहीं करते, बल्कि वे फैशन में भी शुमार हो गए हैं। बरसात में आरामदायक के साथ कुछ 'ट्रेंडी' और 'स्टाइलिश' जूते-चप्पल भी पहने जा सकते हैं। परिधानों के अनुसार आजकल ये बाजार में अलग-अलग रंगों और डिजाइनों में उपलब्ध हैं।

सैंडल बढ़ाए पैरों की खूबसूरती

बरसात में सैंडल से आरामदायक कुछ भी नहीं होता है। सैंडल तो हमेशा से ही लड़कियों की पहली पसंद रही है। आज बाजार में अंगूठे और बिना अंगूठे के डिजाइन वाली सैंडल की भरमार है। बाजार में आज विभिन्न ब्रांड की कई तरह के रंग और डिजाइन में सैंडल उपलब्ध हैं। आप अपनी पसंद और मौके के हिसाब से इनका चुनाव कर सकती हैं। जैसे दफ्तर के लिए 'फॉर्मल', घूमने या बाजार जाने के लिए 'कैजुअल' और समारोह के लिए 'पार्टीवियर' सैंडल का चुनाव कर सकती हैं। टी-शर्ट, जींस, स्कर्ट, फ्लोरल ड्रेस, प्लाजो और पतलून के साथ भी इन स्टाइलिश सैंडल्स को पहना जा सकता है। हालांकि युवतियां सलवार-सूट के साथ सैंडल पहनना पसंद करती हैं। इन सैंडल की सबसे बड़ी खासियत है कि ये काफी हल्की-फुल्की और सपाट होती हैं, जिसे आप पानी से भरी सड़क पर पहन कर भी चल सकती है। ये सैंडल रबड़ और प्लास्टिक के अलावा ऐसी सामग्री की बनी होती हैं, जिनका बारिश भी कुछ नहीं बिगाड़ सकती।

वैसे फैशन के लिए कभी-कभी ऊंची एड़ी वाली सैंडल भी पहनी जा सकती हैं।

सपाट तले के जूते

गरमी और बरसात में सपाट तले वाले यानी फ्लैट जूते-चप्पल सभी की पहली पसंद होते हैं। बाजार में कई तरह के फ्लैट चप्पलें मौजूद हैं, जो जींस और कुर्ते के साथ बेहद आकर्षक व्यक्तित्व देती हैं। बाजार में रबड़ वाली, स्ट्रैप, स्लिम, ब्रॉड, ब्लिंग, प्लेन लेदर के फ्लैट्स उपलब्ध हैं। सबसे खास बात कि इनके लिए ज्यादा पैसे भी खर्च भी नहीं करने पड़ेंगे।

थोड़ा ऊंची एड़ी के भी पहनें

बरसात में हर समय बारिश नहीं होती है। ऐसे में आप ऊंची एड़ी यानी 'हील्स' को विकल्प के तौर पर देख सकती हैं। हील्स को दफ्तर या पार्टी में भी पहना जा सकता है। अगर आपको हील्स में खुद को सहज नहीं पाती हैं तो कोई बात नहीं, आप 'क्रीपर्स' वाले सैंडल पहनें। ये भी आपके व्यक्तित्व को निखारने का काम करती हैं।

कोल्हापुरी चप्पल और जूतियां

क्या सर्दी क्या गरमी, बरसात ही क्यों न हो, कोल्हापुरी चप्पलें और जूतियां हमेशा से चलन में रही हैं। कुर्ता, सलवार-सूट, स्कर्ट, जींस और टी-शर्ट और कैप्री के साथ कोल्हापुरी चप्पलें एक अलग ही लुक देती हैं। वहीं कोल्हापुरी जूतियां पटियाला सूट या परंपरागत सलवार-सूट और साड़ियों के साथ भी खूब फबती हैं।

बेली

अगर आप सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करती हैं या फिर आपको रोज का घंटों का सफर है, तो बेलीज पहनें। बेलीज एक तो आपके पैरों को ढंक करके रखती हैं, ऊपर से बस या मेट्रो में लोगों के पैरों से भी आपको बचाती हैं। बरसात के मौसम के लिए बाजार में रबड़, प्लास्टिक, सिंथेटिक कपड़े वाली बेली उपलब्ध हैं। इसमें हील्स का विकल्प भी मौजूद है। बेली को भी सभी तरह के ड्रेस जैसे फॉर्मल श्र्ट-पैंट, जींस, टी-शर्ट, स्कर्ट और सलवार-सूट के साथ प्रयोग में लाया जा सकता है।

बरसाती बूट

लंबी स्कर्ट और जींस के साथ बूट काफी समय से चलन में हैं। बरसात में नेट, प्लास्टिक वाले बूट पहने जा सकते हैं। बूटों में कई डिजाइन हैं, इनमें कुछ 'हाफ' तो कुछ फुल बूट, तो कुछ में साइड जिप तो कुछ में बैक जिप वाले विकल्प मौजूद हैं।

बदबू न फैलाएं

इस मौसम में गीले जूते-चप्पल पहनने से पैरों से बदबू आने लगती है, जिससे आपके साथ आपके आसपास वाले भी परेशान हो सकते हैं। इसलिए बरसात में खुली चप्पलें या फिर सैंडल ही पहनें, ताकि पैरों को हवा मिल सके और वे आसानी से सूख सकें।

संक्रमण से बचें

बरसात के दिनों में पैरों में 'फंगल इंफेक्शन' की आशंका बढ़ जाती है। इसलिए दफ्तर या कॉलेज से वापस आने के बाद पैरों को हल्के गुनगुने पानी या फिर डिटॉल मिले पानी से धोएं। धुले पैरों को साफ तौलिया से अच्छी तरह सुखाएं। पैरों की सफाई के लिए महीने में दो बार पेडीक्योर भी करवा सकती हैं। अगर पैरों में किसी तरह का संक्रमण दिखाई दे, तो चिकित्सक की सलाह जरूर लें।

वातावरण में नमी और हर जगह जल जमाव होने से पैरों में खाज-खुजली या फिर दूसरे तरह के संक्रमण का खतरा बना रहता है। इसलिए इस मौसम में शरीर के बाकी हिस्सों की तरह पैरों की साफ-सफाई का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। ये कुछ उपाय आजमाएं-

- बरसात में खुले और आरामदायक जूते-चप्पल पहनें।
- हर रोज एक ही जूते न पहनें।
- जूते पहने से पहले पैरों में टेलकम पाउडर जरूर लगाएं।
- जूते-चप्पलों को थोड़ी देर धूप और खुली हवा में भी रखें।
- तंग जूते-चप्पल पहनने से परहेज करें। इससे न सिर्फ पैरों में सूजन होगी, बल्कि पूरे समय असहज महसूस करेंगे। ❑

नन्ही दुनिया

भोली की सहेली

राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव

कहानी

नाम तो उसका प्रतिभा था, लेकिन सब लोग उसे 'भोली' बुलाते थे। सचमुच वह भोली और सरल स्वभाव की थी। कोई अगर पूछता कि 'तुम्हारा क्या नाम है?' तो वह एक सांस में कह देती है कि 'मेरा नाम प्रतिभा है, मेरी उम्र दस साल है, मैं पांचवी कक्षा में पढ़ती हूं।'

उसे नए-नए काम सीखने की ललक सदा रहती थी। भोली का घर तो शहर के पास एक छोटे से गांव में था, लेकिन उसके पिताजी शहर के इस मोहल्ले में किराए का मकान लेकर रह रहे थे। मां और पिताजी यहां रह कर कपड़े धोने और उन पर इस्त्री करने का रोजगार करते थे।

सुबह मां और पिताजी कपड़े धोने पास की नदी पर जाते और दोपहर बाद उन्हीं कपड़ों पर इस्त्री कर लोगों के घर तक पहुंचाते। इस तरह घर का खर्च चल जाता था। भोली पढ़ाई के साथ-साथ घर के काम में हाथ बंटाती।

एक रविवार की बात है, भोली के मां और पिताजी नदी पर थे और भोली घर पर अकेली थी। उसने देखा कि एक साड़ी भूल से मां घर पर ही छोड़ गई है। गहरे रंग की वह साड़ी भोली के मन को भा गई। उसका मन उस साड़ी को पहन कर नाचने का हो रहा था।

वह साड़ी को पहनने लगी, लेकिन वह साड़ी पहनना जानती ही नहीं थी। हर बार उल्टी-सीधी लपेटती और जैसे ही नृत्य की मुद्रा बनाती, वैसे ही साड़ी खिखक कर नीचे गिर जाती। थक-हार कर उसने साड़ी को समेटा और एक तरफ पटक दिया, और लंबी जीभ निकाल कर उस बेजान साड़ी को चिढ़ाने लगी 'ई ई ई ई ई...'। तभी उस छोटे से कमरे में एक मधुर और धीमी हंसी गूंज गई।

भोली चौंकी, उसने कमरे में चारों तरफ नजर दौड़ाई, पर वहां कोई दिखा ही नहीं। 'हे भगवान! यहां कोई है ही नहीं तो हंस कौन रहा है?' उसने मन ही मन कहा। उसने कमरे में चारों तरफ नजर घुमाते हुए कहा- 'आप कौन हैं? इस तरह हंस क्यों रहीं हैं?... आप सामने क्यों नहीं आतीं?

भोली के इतना कहते ही हंसी रुक गई, और पल भर बाद ही एक बड़ी-सी प्यारी तितली उसके सामने आ गई। भोली कुछ सोचती-समझती या कुछ और पूछती उससे पहले ही वह तितली एक नन्ही परी के रूप में भोली के सामने खड़ी हो गई। उसका रूप और मुस्कराहट देख कर भोली उससे कुछ पूछना ही भूल गई।

'मैं बहुत देर से तुम्हें नृत्य का प्रयास करते देख रही थी। तुम्हारी झल्लाहट पर मुझे हंसी आ गई। क्षमा चाहती हूं।' नन्ही परी ने कहा।

'किंतु आप कौन हैं, आपका नाम क्या है?' भोली ने सहजता से पूछा।

'मैं अच्छी परी हूं।' उसने कहा।

'हां! वह तो मैं भी समझ रही हूं, कि तुम अच्छी परी हो, पर तुम्हारा नाम क्या है?' भोली ने फिर पूछा।

'अभी तो बताया, मैं अच्छी परी हूं...।' परी ने बनावटी गुस्सा जताते हुए कहा।

'अच्छा, मैं पहले अपना नाम बता देती हूं, मेरा नाम प्रतिभा है और सब लोग मुझे भोली कह कर बुलाते हैं।'

'और प्यारी सहेली मेरा नाम 'अच्छी' है। और सब लोग मुझे 'अच्छी परी' कह कर बुलाते हैं।' अच्छी परी ने भोली की नकल करते हुए कहा।

इस बात पर पहले भोली फिर अच्छी और फिर दोनों गले मिल कर एक साथ खिलखिला कर हंस पड़ीं। थोड़ी ही देर में दोनों एक-दूसरे की पक्की सहेली बन गईं।

'क्या तुम्हें नृत्य करना अच्छा लगता है?' अच्छी ने पूछा।

'हां! नृत्य करते हुए किसी को देखती हूं तो मेरा भी मन होता है कि मैं भी अच्छी नृत्यांगना बन सकूं।' भोली ने कहा।

'तुम अवश्य ही अच्छी नृत्यांगना बनोगी।' अच्छी ने उसे ढांढस बंधाते हुए कहा।

'पर कैसे? ता-थई ता-थई तो दूर की बात, मुझे तो अभी साड़ी बांधना ही नहीं आता।' भोली ने अपनी परेशानी बताते हुए कहा।

अच्छी परी कुछ पल चुप रही फिर उसने कहा- 'तुम्हें पता है, यह किसकी साड़ी है?'

'हां! यह साड़ी मीनाक्षी मैम की है, वह कुछ लड़कियों को शास्त्रीय नृत्य सिखाती भी हैं।' भोली ने भोलेपन से कहा।

'तब तो तुम भी कल से नृत्य सीखोगी।' अच्छी परी ने विश्वास के साथ कहा।

'सो कैसे?' भोली ने पूछा।

अच्छी परी ने कहा- 'तुम कुछ देर इसी तरह साड़ी लपेट कर नृत्य करती रहो, मैं 'यों गई और यों आई।' अच्छी परी ने चुटकी बजाते हुए कहा और वहां से उड़न-छू हो गई।

भोली ने जैसे-तैसे साड़ी लपेटी और भरतनाट्यम करने लगी। ता-थई, ता-थई, थई-थई, ता-ता थई-थई... पैर चल रहे थे और आंखें दरवाजे पर टिकी हुई थी। कान किसी भी आवाज को सुनने के लिए चौकन्ना थे। अचानक भोली के पांव ठिठक गए। उसके पैरों के नीचे से धरती खिसकने लगी। दरवाजे पर एक छोटी-सी बच्ची के साथ मीनाक्षी मैम आ खड़ी हुई थीं।

'देखिए मैम! आप खुद ही देख लीजिए। मैंने आपसे सच कहा था न कि भोली आपकी साड़ी का सत्यानाश कर रही है।' उस छोटी बच्ची ने मीनाक्षी मैम से कहा।

'हां! तुमने सच कहा था। आज इसकी मां से इसकी शिकायत करूंगी। इसके पिताजी से इसकी पिटाई भी करवाऊंगी।' मीनाक्षी मैम ने गुस्से में कहा।

'जरूर, आप शिकायत जरूर करिए। लेकिन मैम एक बात कहूं। यह नृत्य बहुत अच्छा कर रही थी।' उस छोटी बच्ची ने कहा।

'अच्छा! ऐसी बात है, तो हम भी इसका नृत्य देखना चाहेंगे। भोली तुम हमें भी नृत्य करके दिखाओ।' मीनाक्षी मैम ने कहा।

बेचारी भोली के पास कोई दूसरा उपाय था ही नहीं। उसने नृत्य करना शुरू कर दिया। फिर वह नृत्य में रम गई। अगर साड़ी खिसक कर नीचे न गिरी होती तो वह नृत्य करती ही रहती। साड़ी के खिसकते ही उसका नृत्य भी रुक गया। लेकिन उसने देखा कि मीनाक्षी मैम के आंसू नहीं रुक रहे थे। वह कला की पारखी थीं, उन्होंने भोली के नृत्य में छिपे हुनर को पहचान लिया था। भोली को गले लगा कर कहा- 'आज से तुम मेरी भी बेटी हो। आज शाम से ही तुम मेरे घर आकर निशुल्क नृत्य सीखना शुरू करोगी। और बहुत जल्दी तुम एक प्रसिद्ध नृत्यांगना बनोगी। यह मेरा विश्वास है।'

उसके माथे पर एक प्यार भरा चुंबन देकर मीनाक्षी मैम चली गईं।

भोली अवाक खड़ी रह गई। उसे यह सब दिवास्वप्न जैसा लग रहा था।

'अब मैं भी जाऊं?' यह सवाल सुन कर भोली सचेत हो गई। वह छोटी बच्ची भोली से ही पूछ रही थी। 'अब मैं जाऊं?' उसने फिर पूछा।

भोली कुछ न बोली। उसकी नजर दरवाजे के बाहर किसी को खोज रही थी।

'किसकी प्रतीक्षा कर रही हो?' उस छोटी बच्ची ने पूछा।

'मेरी एक अच्छी सहेली है, उसने कहा था जल्दी आऊंगी, पर अभी तक नहीं आई।' भोली ने बाहर की ओर देखते हुए कहा।

'वहां बाहर नहीं, यहां देखो। तुम्हारी अच्छी सहेली तुम्हारे पास ही खड़ी है।' उस छोटी बच्ची ने कहा। भोली के देखते ही देखते वह छोटी बच्ची, 'अच्छी परी' के अपने असली रूप में बदल गई। भोली को समझने में देर न लगी कि मीनाक्षी मैम को यहां तक लाने के लिए 'अच्छी परी' ने यह नाटक रचा था।

भोली उसके गले से लिपट गई। उसकी आंखों से खुशी के आंसू झर-झर, झर रहे थे। ❑

कविता

शादाब आलम

जूते के फीते

रिमझिम के जूते के फीते।

रिमझिम के किरमिच के जूते
नीले और सफेद
जूते के हैं कान, कान में
जगह-जगह हैं छेद।
छेदों में घुस कर, कानों को
खूबसूरती से हैं सीते।
रिमझिम के जूते के फीते।

हुई कभी ना अब तक इनकी
जूते से तकरार
जूते से ये, जूते इनसे
करते बेहद प्यार।

जूते को ये शेर पुकारें
जूते इन्हें पुकारें चीते!
रिमझिम के जूते के फीते।

ढीले होने से करते हैं
अक्सर ये परहेज
नही खुलें ये, रिमझिम चाहे
दौड़े जितना तेज।
कसे हुए मजबूत इरादे
के बलबूते पर हैं जीते।
रिमझिम के जूते के फीते। ❑

शब्द-भेद

कुछ शब्द एक जैसे लगते हैं। इस तरह उन्हें लिखने में अक्सर गड़बड़ी हो जाती है। इससे बचने के लिए आइए उनके अर्थ जानते हुए उनका अंतर समझते हैं।

कोट / कोठ

गढ़, दुर्ग, किला को **कोट** कहते हैं। इसके अलावा समूह, यूथ को भी कोट कहते हैं। सर्दी में पहने जाने वाले एक वस्त्र को तो कोट कहते ही हैं। जबकि अधिक खट्टा खा लेने के बाद जब दांत खट्टे हो जाते हैं, तो उसे **कोठ** कहते हैं।

चपल / चप्पल

स्थिर या शांत न रहने वाला, फुर्तीला, चंचल, उतावला, जल्दबाज को **चपल** कहते हैं, जबकि चप्पल से तो आप सभी परिचित ही हैं। पैर में पहने जाने वाले खुली एड़ी के एक प्रकार के जूते को **चप्पल** कहते हैं, जिसके ऊपर पट्टियां लगी होती हैं।

है तुम्हें मालूम ?

अंतरिक्ष में जा रही हर चीज में गति यानी स्पीड पर बहुत कुछ निर्भर होता है. इसे यूं समझें कि अगर अपोलो अंतरिक्ष यान की टॉप- स्पीड में 1.6 किलोमीटर (1 मील) प्रतिघंटा के अन्तर की एक छोटी सी गलती हो जाए तो वह चन्द्रमा से 1600 किलोमीटर दूर से निकलेगा. और यह दूरी होगी मास्को से बर्लिन जितनी.

नटखट

कलरिंग कैट

अपनी पसंद के रंगों से बिल्ली को सुंदर बनाओ.

क्या है आपका जवाब

हिमालय में नंदादेवी की उच्च चोटी की ऊंचाई क्या है ?

अ	4816 मीटर	ब	5816 मीटर
स	6816 मीटर	द	7816 मीटर

दुनिया उल्टी-पुल्टी